

जैमिनीय साम प्रकृति गानम्

॥ अनुक्रमणिका ॥

आग्नेयपाठः

प्रथम खण्डः

॥ गौतमस्यपर्कः ॥	2
॥ कश्यपस्यबर्हिषीयम् ॥	2
॥ गौतमस्यचैवपर्कः ॥	2
॥ सौपर्णञ्च ॥	2
॥ वैश्वमनसञ्चादित्यसामवा ॥	2
॥ श्रौतर्षाणित्रीणि ॥	3
॥ औशनञ्च ॥	3
॥ शैरीषेच ॥	3
॥ इन्द्रस्यसंवर्गौवात्रघ्नेद्वे ॥	3
॥ साकमश्वस्यशौनःशोपेःसामनी द्वे ॥	4
॥ वत्सस्यकाण्वस्यसामनीद्वे ॥	4
॥ अग्रेश्ववैश्वानरस्यार्षेयम् ॥	4
॥ सुमित्रस्यचवार्द्धश्वेस्साम ॥	4

द्वितीय खण्डः

॥ अग्रेश्वसंवर्गः ॥	5
॥ वैश्वमनसञ्च ॥	5
॥ श्राभाश्रौष्टेद्वे ॥	5
॥ वैश्वामित्रञ्च ॥	5
॥ अग्रेश्वजराबोधीये ॥	5
॥ मारूतञ्च ॥	6
॥ भार्गवेच ॥	6
॥ अग्रेश्ववारवन्तीयम् ॥	6
॥ और्वस्यवैधारेस्सामनीद्वे ॥	6
॥ अत्रेश्वासङ्गम् ॥	6
॥ प्रजापतेश्वनिधनकामम् ॥	7

तृतीय खण्डः

॥ सैन्धुक्षितानित्रीणि ॥	8
॥ अग्नेर्हरसीद्वे ॥	8
॥ इहवद्वामदेव्यंतृतीयम् ॥	8
॥ यामेद्वे ॥	9
॥ अग्नेराक्षोघ्नेद्वे ॥	9
॥ वैश्वमनसञ्च ॥	9
॥ अग्रेश्वार्षेयम् ॥	9
॥ सोमसामच ॥	9
॥ गोपवनञ्च ॥	10
॥ सूर्यसामनीद्वे ॥	10
॥ कावञ्च ॥	10
॥ वसुरोचिषस्सौर्यवर्चस्यसामनीद्वे ॥	10
॥ गौराङ्गिरसस्यसामनीद्वे ॥	11

चतुर्थ खण्डः

॥ भारद्वाजस्यौपहवौद्वौ ॥	12
॥ श्रुष्टीगवम् ॥	12

॥ अग्रेष्वयज्ञायज्ञीयम् ॥	12
॥ कार्तवेशञ्च ॥	12
॥ नार्मेधञ्च ॥	12
॥ महाकार्तवेशञ्च ॥	13
॥ भारद्वाजस्यपृथ्वीद्वे ॥	13
॥ उरोराडगिरसस्यसाम ॥	13
॥ गौतमस्यपौरुमुद्वेद्वेपुरुमुद्वस्यवा ज्जीरसस्य देवानांवा ॥	13
॥ मण्डोर्जामदस्यस्यसामनीद्वे ॥	14
॥ भारद्वाजस्यगाधम् ॥	14
॥ गौतमेद्वे ॥	14
॥ अग्रेरायुः ॥	14
॥ अग्रेर्हरसीद्वे ॥	15
॥ दैर्घश्रवसेद्वे ॥	15
पञ्चम खण्डः	16
॥ अग्रेराग्रेद्वे ॥	16
॥ गौतमस्यमनार्येद्वे ॥	16
॥ दैवोराजञ्च ॥	16
॥ गाधिनश्चकौशिकस्यसाम ॥	16
॥ बार्हदुत्थेद्वे ॥	17
॥ पौरुमीढञ्च ॥	17
॥ कार्णश्रवसम् ॥	17
॥ दैवोदासञ्च ॥	17
॥ सौकृतवञ्च ॥	17
॥ काण्वेद्वे ॥	18
॥ मानवेद्वे ॥	18
षष्ठ खण्डः	19
॥ अग्रेष्वद्रविणम् ॥	19
॥ बार्हस्पत्यञ्चब्राह्मणस्पत्यंवा ॥	19
॥ वसिष्ठस्यचवीङ्गम् ॥	19
॥ विस्पर्धञ्च ॥	19
॥ ऐतवृधञ्च ॥	19
॥ मनसश्चदोहः ॥	19
॥ समन्तानित्रिणिअग्रेरेकमिन्द्राग्न्योर्वाप्रजापतेर्वावरुणस्यद्वे ॥	20
॥ वमृस्यवैखानसस्यसाम ॥	20
सप्तम खण्डः	21
॥ श्यावांश्च ॥	21
॥ ऋतुसामनीच ॥	21
॥ यामञ्च ॥	21
॥ अग्रेश्चाग्रेयम् ॥	21
॥ अग्रेर्वैश्वानरस्यसामनीद्वे ॥	22
॥ ऐटतेद्वे ॥	22
॥ वामदेव्यञ्च ॥	22
॥ वैश्यज्योतिषेच ॥	23
॥ यामेद्वे ॥	23
॥ प्रजापतेराशिमरायेद्वेमरायराशिनिवा ॥	23
अष्टम खण्डः	24
॥ श्येनञ्च ॥	24
॥ वासोऋञ्च ॥	24

॥ पौष्णञ्च ॥	24
॥ कौत्सञ्च ॥	24
॥ काश्यपेद्वे ॥	24
॥ घृताचेराङ्गिरसस्यसामनीद्वे ॥	25
॥ भारद्वाजस्यप्रासाहम् ॥	25
नवम खण्डः	26
॥ पार्थेद्वे ॥	26
॥ बृहच्चाग्रेयम् ॥	26
॥ कौन्मुदम् ॥	26
॥ बृहचैवाग्रेयम् ॥	26
॥ कौन्मुदञ्चैव ॥	26
॥ अग्रेर्यद्वाहिष्ठीयेद्वे ॥	27
॥ अग्रेश्चविशोविशीयम् ॥	27
॥ प्रजापतेःकनीनिकेद्वेअत्रेर्वा ॥	27
॥ श्रौतर्वणञ्च ॥	27
॥ कश्यपस्यसयोनिः ॥	28
दशम खण्डः	29
॥ बार्हस्पत्यञ्च ॥	29
॥ ऐषञ्चारूढवदाङ्गिरसम् ॥	29
॥ आसीतेद्वे ॥	29
॥ त्वाष्ट्रीसामच ॥	29
॥ मानवञ्च ॥	29
॥ अगस्तस्यचराक्षोघ्नम् ॥	30
एकादश खण्डः	31
॥ तौदेद्वे ॥	31
॥ दैर्घतमसानित्रीणि ॥	31
॥ श्यावाश्वस्यप्रहितौद्वौ ॥	31
॥ प्रजापतेःश्रुधीयेद्वे ॥	32
॥ प्रजापतेःसदोहविधानानित्रीणिसदःपूर्वहविधाने उत्तरे ॥	32
॥ त्वष्टुश्चातिथ्यम् ॥	32
॥ अदितेश्वसाम ॥	32
॥ अगस्तस्यचराक्षोघ्नम् ॥	33
॥ वाक्वर्जभञ्च ॥	33
॥ बृहदाग्रेयञ्चसङ्कृतंवा ॥	33
॥ अगस्तस्यचैवराक्षोघ्नम् ॥	33
द्वादश खण्डः	34
॥ वसिष्ठस्यप्रमंहिष्ठीयानिचत्वारि ॥	34
॥ भरद्वाजस्यवाजभृत् ॥	34
॥ सौभराणित्रीणि ॥	34
॥ पथस्यसौभरस्यसामनीद्वे ॥	35
॥ दैवानीकञ्च ॥	35
॥ साधञ्च ॥	35
॥ जमदग्रेश्चसंवर्गः ॥	35
॥ अगस्तस्यचराक्षोघ्नम् ॥	35
॥ अग्रेश्चश्रैष्ठ्यम् ॥	35
॥ आदित्यस्यचरुचिरोचनंवा ॥	36

तद्वपाठः	37
प्रथम खण्डः	38
॥ रौद्रेद्वे ॥	38
॥ मार्गीयवञ्चैव ॥	38
॥ आश्वञ्च ॥	38
॥ ऐटतेद्वे ॥	38
॥ श्रौतकक्षेद्वे ॥	39
॥ तन्वस्यपाथस्यसामनीद्वे वसोवर्षेः ॥	39
॥ अङ्गिरसान्निवेष्टौद्वौ इळा नांवासङ्कारौ ॥	39
॥ शय्यातानित्रीणि ॥	40
॥ इन्द्राण्यास्साम ॥	40
॥ गोषूक्तम् ॥	40
॥ आश्वसूक्तञ्च ॥	40
॥ गौरीवितम् ॥	40
॥ गौराणित्रीणि ॥	41
द्वितीय खण्डः	42
॥ सौपर्णानि त्रीणि ॥	42
॥ शाकलम् ॥	42
॥ आभरद्वसवेद्वेऐन्द्राग्नेर्वा ॥	42
॥ तान्वेद्वे ॥	43
॥ रौहितकूलियेद्वे ॥	43
॥ इन्द्राण्यास्सामनीद्वे ॥	43
॥ इन्द्रस्यसहस्रबाहवियम् ॥	43
॥ धृषतोमारूतस्यसामनीद्वे ॥	44
॥ भारद्वाजस्यदारसन्तित्रीणि ॥	44
॥ ऐधमवाहानि त्रीणि ॥	44
॥ अहेःपैण्वस्यसाम अहिहनोवाबैल्वस्य ॥	45
तृतीय खण्डः	46
॥ ऐषञ्च ॥	46
॥ पौषञ्च ॥	46
॥ मरूताञ्चसंवैशीयम् ॥	46
॥ हाविष्मतेद्वे ॥	46
॥ हाविष्कृतेद्वे ॥	47
॥ काक्षीवतञ्च ॥	47
॥ उषसश्च साम ॥	47
॥ भारद्वाजस्यमौक्षेद्वे ॥	47
॥ भारद्वाजानित्रीणि ॥	48
॥ शौक्तसामनीद्वे ॥	48
॥ वार्षाहरेद्वे ॥	48
॥ कूत्सस्यप्रतोदौद्वौ ॥	49
चतुर्थ खण्डः	50
॥ सौश्रवसेद्वे ॥	50
॥ त्वाष्ट्रीसामच ॥	50
॥ त्वष्टुरातिथ्येद्वे ॥	50
॥ पौष्णेद्वे ॥	51
॥ श्यावाश्वेद्वे ॥	51
॥ प्रजापतेस्सुतरयिष्ठीयेद्वे ॥	51

॥ आप्सरसञ्च इष्टाहोत्रीयंवा आपांवानिधि ॥	51
॥ प्रजापतेर्निधन कामम् ॥	52
॥ वाजिदापर्यञ्च ॥	52
॥ सोमापौष्णञ्च ॥	52
पञ्चम खण्डः	53
॥ वैतहव्यानि त्रीणि ॥	53
॥ शौक्तानित्रीणि ॥	53
॥ गौरीवितानित्रीणि ॥	54
॥ काण्वेद्वे ॥	54
॥ सौमित्रेद्वे दैवोदासं तृतीयं श्रौतकक्षाणिवा ॥	55
॥ वैष्णवानि त्रीणि इहद्वाम दैवोदासन्तृतीयं और्ध्वसद्वानिवा ॥	55
॥ औदलेद्वे वैण्वेद्वे वैणव औदलइतीवा ॥	56
॥ दैवोदासानित्रीणिआर्षभाणिवायदिवावार्ध्यश्चानि ॥	56
॥ कौत्सेद्वे पाञ्चवाजेवा ॥	57
॥ सौमेधानित्रीणि पौर्वतिथानिवा ॥	57
॥ दैवातिथम्मैधातिथं वा ॥	57
षष्ठ खण्डः	58
॥ माधूच्छन्दसङ्गौञ्चसौपर्णवा घृतशुन्निधनंआङ्गिरसानिवा ॥	58
॥ प्रैयमेधानित्रीणि शौक्त सामानिवा उत्गातृदमनंवातृतीयम् ॥	58
॥ गौरीवितेद्वे ॥	58
॥ आपालवैण्वेद्वे ॥	59
॥ धुरशम्येद्वे ॥	59
॥ महागौरीवितं तृतीयम् ॥	59
॥ वाचस्सामनीद्वे ॥	59
॥ महावामदेव्यंतृतीयम् ॥	60
॥ इन्द्रस्यसत्रासाहीयेद्वे ॥	60
॥ माहावामदेव्यञ्च ॥	60
॥ वैर्यश्चञ्च ॥	60
॥ गौतमस्यच भद्रम् ॥	60
॥ अश्विनोश्च साम ॥	61
सप्तम खण्डः	62
॥ त्वाष्ट्रीसामच ॥	62
॥ गोधासामच ॥	62
॥ सवितुश्चसाम ॥	62
॥ उषसश्चसाम ॥	62
॥ त्वष्टुरातिथ्येद्वे ॥	62
॥ सौमित्रञ्च ॥	62
॥ इन्द्रस्यचमाया ॥	63
॥ वैश्वामित्रेच ॥	63
॥ शौनश्शेषञ्च ॥	63
॥ प्रतीचीनेषञ्च काशीतम् ॥	63
अष्टम खण्डः	64
॥ सौमित्रञ्च ॥	64
॥ श्यावाश्वेद्वे ॥	64
॥ शैखण्डिनञ्च ॥	64
॥ वैतहव्यञ्च ॥	64
॥ भारद्वाजञ्च ॥	64
॥ अरूणस्यचवैददश्वस्साम ॥	64

॥ सौभरञ्च ॥	65
॥ पाष्ठौहेच ॥	65
॥ साकमश्चन्धुरांवासाम ॥	65
नवम खण्डः	66
॥ यामञ्च ॥	66
॥ आङ्गीरसञ्चइन्द्रस्यवा हरिश्रीर्निधनम् ॥	66
॥ वैरूपञ्च ॥	66
॥ असीतञ्चसिन्धुसामवा ॥	66
॥ यमस्यार्कोद्वौ ॥	66
॥ सौमित्रेद्वे ॥	67
॥ इन्द्रस्याभयम् ॥	67
॥ त्वाष्ट्रीसामनीद्वे ॥	67
॥ इन्द्राण्यास्सामा ॥	67
दशम खण्डः	68
॥ श्यावांश्चञ्च ॥	68
॥ वैरूपञ्च ॥	68
॥ सौमित्रञ्च ॥	68
॥ स्तौभञ्च ॥	68
॥ श्रौतञ्च ॥	68
॥ आभीशवञ्च ॥	68
॥ ऐषञ्च ॥	69
॥ इन्द्रस्यचक्षुरपवी ॥	69
॥ सौमित्रे ॥	69
एकादश खण्डः	70
॥ कौत्सञ्च ॥	70
॥ ऐषञ्च ॥	70
॥ उषसश्चसाम ॥	70
॥ बार्हदुक्थञ्च ॥	70
॥ वरुणसामच ॥	70
॥ उषसश्चैवसाम ॥	70
॥ मित्रावरुणयोश्चसंयोजनम् ॥	71
॥ ऋतुसामच ॥	71
॥ विष्णोश्चसाम ॥	71
द्वादश खण्डः	72
॥ कौत्सञ्च ॥	72
॥ काश्यपञ्चआप्सुरसंवा ॥	72
॥ बार्हदुक्थेद्वे ॥	72
॥ और्ध्वसन्ननेद्वे प्रहितोर्वा संयोजने ॥	72
॥ कौत्सानिचत्वारि ॥	73
॥ अभिवादस्यचऔदलस्यसाम ॥	73
॥ सोमसामच ॥	73
बृहतिपाठः	74
प्रथम खण्डः	75
॥ इन्द्रस्यार्कोद्वौ ॥	75
॥ भारद्वाजेद्वे ॥	75
॥ सन्नतेद्वे ॥	75
॥ शैतन्त्रृतीयम् ॥	75
॥ नाविकञ्च ॥	76

॥ प्रजापतेश्चाभीवर्तः ॥	76
॥ भागञ्च ॥	76
॥ इन्द्रस्याभीवर्तः ॥	76
॥ नौधसम् ॥	76
॥ लौशेद्वे ॥	76
॥ धानाकेद्वे ॥	77
॥ कालेयानित्रीणि ॥	77
॥ ऐषिरेद्वे ॥	77
॥ गौश्रृङ्गेद्वे ॥	78
॥ प्रष्ठमेकम् ॥	78
॥ शुक्लएकम् ॥	78
॥ जमदग्रेरभिर्वर्तएकम् ॥	78
॥ कौन्मुलबर्हिषेद्वे ॥	78
॥ वसिष्ठस्यजनित्रेद्वे ॥	79
॥ मैधातिथम् ॥	79
द्वितीय खण्डः	80
॥ वैखानसम् ॥	80
॥ प्राकर्षम् ॥	80
॥ सात्यम् ॥	80
॥ भारद्वाजानिचत्वारि कण्वब्रह्मद्वितीयम् ॥	80
॥ वाम्नाणित्रीणि ॥	81
॥ गौङ्गवम् ॥	81
॥ साध्राणि त्रीणि ॥	81
॥ विरूपस्य समिचीन प्राचीनेद्वे ॥	82
॥ यौक्तास्रजमिन्द्रस्येन्द्रियंवा ॥	82
॥ आत्राणित्रीणि ॥	82
॥ वासिष्ठानित्रीणि ॥	83
॥ वत्सस्यकाण्वस्य सामनीद्वे गौतमस्यवामनार्ये ॥	83
तृतीय खण्डः	84
॥ हारायणानि त्रीणि ॥	84
॥ वाम्नाणित्रीणि ॥	84
॥ वरुणसामानित्रीणि ॥	85
॥ वषट्कारनिधनञ्च साकमश्वम् ॥	85
॥ बृहतश्चमारूतस्यसाम ॥	85
॥ संश्रवसे वीश्रवसे सत्यश्रवसे श्रवस इतिवार्यानां सामानिचत्वारी सांशानानिवा ॥	86
॥ वासिष्ठानि त्रीणि भार्गवं वा तृतीयम् ॥	86
॥ स्ववस आज्ञीकस्यसामनीद्वे ॥	87
॥ काण्वम् ॥	87
॥ वैष्टम्भेद्वे ॥	87
॥ काण्वञ्चैव ॥	87
॥ श्रुष्टिगवञ्च ॥	88
चतुर्थ खण्डः	89
॥ इन्द्रस्यचवृषकम् ॥	89
॥ द्वैगतेच ॥	89
॥ कार्तवेशञ्च ॥	89
॥ इन्द्रस्यच शरणम् ॥	89
॥ श्रायन्तीयञ्च ॥	89

॥ आक्षीलन्चबाभ्रंवा ॥	90
॥ शौक्तानि त्रीणि शुक्लानिवा आश्वानिवा ॥	90
॥ प्रजापतेर्निधन कामम् ॥	90
॥ गौतमस्यमनार्याणित्रीणि ॥	91
॥ वैरूपाणित्रीणि ॥	91
पञ्चम खण्डः	92
॥ पौरूहन्मनञ्च ॥	92
॥ प्राकर्षञ्च ॥	92
॥ इन्द्रस्यचाभयङ्करम् ॥	92
॥ कावर्षेद्वे ॥	92
॥ सूर्यसामच ॥	92
॥ नैपातिथेद्वे वाशेवा ॥	93
॥ कौन्मुदेद्वेस्वर्जोतिषीवा ॥	93
॥ अनूपेद्वे ॥	93
॥ वैरूपञ्च ॥	93
॥ वाचश्चसाम ॥	94
॥ आक्षीलेद्वे ॥	94
षष्ठ खण्डः	95
॥ गौरीवितेःप्रहितौद्वौ ॥	95
॥ आत्रेद्वे ॥	95
॥ गौतमेद्वे ॥	95
॥ वामदेव्यञ्च ॥	96
॥ अश्विनोश्चसाम ॥	96
॥ वसिष्ठस्य वज्राणि त्रीणि ॥	96
॥ सौबभ्रवेद्वे ॥	96
॥ वैर्यश्चम् ॥	97
॥ इन्द्रस्यसहस्रायुतेद्वे प्रजापतेर्वा महोविशीये ॥	97
॥ इन्द्राण्यास्साम ॥	97
सप्तम खण्डः	98
॥ सौभरञ्च ॥	98
॥ गात्समदञ्च ॥	98
॥ वाचश्चसाम ॥	98
॥ बार्हदुक्थञ्च ॥	98
॥ नैपातिथञ्च ॥	98
॥ तौरश्रवसञ्च ॥	98
॥ त्वष्टार्याश्चसाम ॥	99
॥ अदितेश्चसाम ॥	99
॥ आजीक्तञ्च ॥	99
॥ माधुच्छन्दसञ्च ॥	99
अष्टम खण्डः	100
॥ उषसश्चसाम ॥	100
॥ अश्विनोश्चसाम ॥	100
॥ अश्विनोश्चसंयोजनम् ॥	100
॥ अश्विनोश्चैवसाम ॥	100
॥ सोमसामच ॥	100
॥ आजमायवञ्च ॥	100
॥ समुद्रस्यच प्रैयमेधस्य साम ॥	101
॥ वैरूपेच ॥	101
॥ वैश्वदेवञ्च ॥	101

॥ पुरीषञ्चाथर्वणम् ॥	101
----------------------	-----

असाविपाठः	102
प्रथम खण्डः	103

॥ प्राकर्षञ्च ॥	103
॥ वसिष्ठस्यचनिहवम् ॥	103
॥ गृत्समदस्ययोनिनीद्वे ॥	103
॥ औरूक्षयेद्वे ॥	103
॥ पाथेद्वे ॥	104
॥ सौमित्रेद्वे ॥	104
॥ वात्सप्राणित्रीणि ॥	105
॥ वैदन्वतञ्च ॥	105
॥ सौपर्णञ्च ॥	105
॥ यामञ्च ॥	106
॥ ऋतुसामनिच ॥	106
॥ इन्द्रस्यवारवन्तीयम् ॥	106

द्वितीय खण्डः	107
---------------	-----

॥ इन्द्रस्यचक्षुरपविनीद्वे ॥	107
॥ सौरश्मेद्वे ॥	107
॥ बृहतोमारूतस्यसामनीद्वे ॥	107
॥ सोमसामनीद्वे ॥	108
॥ इन्द्रस्यवज्रेद्वे ॥	108
॥ भृष्टिमतस्यस्सौर्यवर्चस्यसामनीद्वे ॥	108
॥ वसिष्ठस्यां कुशौद्वौ ॥	109
॥ भारद्वाजञ्च ॥	109
॥ वासिष्ठञ्च ॥	109
॥ पुरीषञ्चाथर्वणम् ॥	109

तृतीय खण्डः	110
-------------	-----

॥ आदित्याः सामनीद्वे ताक्ष्यसामनिवा ॥	110
॥ इन्द्रस्यचत्रातम् ॥	110
॥ वाक्रतुरम् ॥	110
॥ द्युतानस्य मारूतस्य सामनीद्वे ॥	110
॥ आत्रम् ॥	110
॥ गृत्समदस्यसमिधौदौ ॥	111
॥ वैश्वामित्रम् ॥	111
॥ सावित्राणिषट्त्रैयमेधानिवा ॥	112
॥ कूतिवारस्यवैरूपस्यसाम ॥	112
॥ वामदेव्यम् ॥	113

चतुर्थ खण्डः	114
--------------	-----

॥ शैखण्डिनेद्वे ॥	114
॥ उद्वंशीयन्तृतीयम् ॥	114
॥ शैखण्डिनीत्रीणि ॥	114
॥ आष्टादंष्ट्रेद्वे ॥	115
॥ महावैश्वामित्रेद्वे ॥	115
॥ गृत्समदस्यवीकानिचत्वारिवसिष्ठस्यवाप्रियाणी ॥	116
॥ वसिष्ठस्यवीकानिचत्वारिन्द्रस्यवाप्रियाणिआकूपाराणिवा ॥	116

॥ तिरश्चेराङ्गिरसस्यसामनीद्वेदेवानांवादेवपुरे ॥	117
॥ वैश्वामित्रम् ॥	117
॥ काण्वेद्वे ॥	117
॥ वैश्वामित्रञ्च ॥	117
॥ इन्द्रस्यशुद्धाशुद्धीयेद्वे ॥	118
॥ गौतमस्यरयिष्ठेद्वे ॥	118
पञ्चम खण्डः	119
॥ कौलमलबर्हिषेद्वे ॥	119
॥ नानदन्तृतीयम् ॥	119
॥ शाकपूतञ्च ॥	119
॥ कौलमलबर्हिषेद्वे ॥	119
॥ मधुश्चुन्निधनञ्च प्राजापत्यम् ॥	119
॥ उषसश्चसाम ॥	120
॥ गौतमम् ॥	120
॥ अग्नेश्चदधिक्रम् ॥	120
॥ मारूतंवैश्वामित्रंवा आङ्गीरसानांवा साम मैधातिथंवा ॥	120
षष्ठ खण्डः	121
॥ वामदेव्यञ्च ॥	121
॥ काश्यपञ्च ॥	121
॥ अग्नेर्वैश्वानरस्यसामनीद्वे ॥	121
॥ शाकपूतेद्वे ॥	121
॥ प्रैयमेधञ्च ॥	122
॥ बार्हदुक्थञ्च ॥	122
॥ वरूणान्याश्चसाम ॥	122
॥ उषसश्चसाम ॥	122
॥ देवानाञ्चरुचिरोचनंवा ॥	122
॥ ऋक्सामयोस्सामनीद्वे ॥	122
ऐन्द्रपाठः	123
प्रथम खण्डः	124
॥ त्रैशोकम् ॥	124
॥ शैखण्डिनेद्वे ॥	124
॥ अत्रेर्विवर्त्तोद्वौ ॥	125
॥ महासावेदसेद्वे ॥	126
॥ शैरीषेद्वे ॥	126
॥ इन्द्रस्येन्द्रियाणीत्रिणि ॥	127
॥ वैरूपाणित्रीणि ॥	127
॥ बार्हदुक्थञ्च ॥	127
॥ त्रासदस्यवेच ॥	128
॥ सौभरेद्वे ॥	128
॥ वरूणसामनीद्वे द्यावापृथिव्योर्वासामनी ॥	128
॥ इन्द्रस्यचश्येनः ॥	128
॥ वैरूपम् ॥	129
द्वितीय खण्डः	130
॥ यामम् ॥	130
॥ गृत्समदस्यमदौद्वौ ॥	130
॥ आभीशवेद्वे ॥	130
॥ आभीकेद्वे ॥	131

॥ बार्हगिराणित्रीणी ॥	131
॥ इन्द्रस्यचस्वाराज्यम् ॥	131
॥ कश्यपस्यचधृष्णुम् ॥	131
॥ वैदन्वतम् ॥	132
॥ यामेद्वे ॥	132
॥ त्रैतानित्रीणि ॥	132
॥ सौपर्णेद्वे ॥	132
॥ लौशम् ॥	133
तृतीय खण्डः	134
॥ इन्द्रस्यसञ्चयेद्वे सेनुदेवा वामदेव्येवा ॥	134
॥ अङ्गिरसान्निवेष्टौद्वौ ॥	134
॥ सत्यश्रवसोवार्यश्चसाम ॥	134
॥ उषसश्चसाम ॥	135
॥ लौशञ्च ॥	135
॥ यामञ्च ॥	135
॥ अङ्गिरसाञ्चैवनिवेष्टः ॥	135
॥ गौरयश्चाङ्गिरसस्यसाम ॥	135
चतुर्थ खण्डः	136
॥ वसिष्ठस्यसङ्क्रमौद्वौसौहविषाणित्रीणि सर्वाणिवासौहविषाणि ॥	136
॥ वाकानित्रीणि ॥	136
॥ प्रजापतेर्धर्मविधर्माणिचत्वारि ॥	137
॥ भागञ्च ॥	137
॥ वाजिनाञ्चसाम ॥	137
॥ प्रजापतेर्हिकनिकविकानित्रीणि ॥	137
॥ आश्वेद्वे ॥	138
॥ वाजिनाञ्चसाम ॥	138
॥ आदित्यानाञ्चपवित्रम् ॥	138
पञ्चम खण्डः	139
॥ इन्द्रस्यक्रोशानुक्रोशेद्वे ॥	139
॥ कौत्सन्तृतीयम् ॥	139
॥ प्रहितोःसंयोजनेद्वे ॥	139
॥ दैवोदासेद्वे ॥	139
॥ हारिवर्णानिचत्वारि ॥	140
॥ त्रैतानिचत्वारि ॥	140
॥ सराधसःप्रराधस्यश्चाङ्गिरसयोस्सामानित्रीणि ॥	141
॥ वैश्वमनसम् ॥	141
॥ सौमित्राणित्रीणि ॥	141
॥ त्रैककूभानित्रीणि ॥	142
॥ औक्षोरन्धराणित्रीणिऔक्षोनिधनानिवा ॥	142
षष्ठ खण्डः	143
॥ इन्द्राण्यास्सामनीद्वेइन्द्रस्यवासांवर्त्ते संवर्तस्यवाङ्गीरसस्य ॥	143
॥ दैवोदासानिचत्वारि ॥	143
॥ रेवञ्च ॥	143
॥ आक्षारञ्च ॥	143
॥ रेवञ्चैव ॥	144
॥ आक्षारञ्चैव ॥	144
॥ यामम् ॥	144
॥ भारद्वाजस्यशुन्ध्यु ॥	144

॥ आदित्यानाञ्चापामीवम् ॥	144
॥ वसिष्ठस्यचवैराजे ॥	144
सप्तम खण्डः	145
॥ इन्द्रस्याभ्रातृव्यम् ॥	145
॥ शार्करेद्वे ॥	145
॥ बृहत्कम् ॥	145
॥ सौयवसानिचत्वारिपुनरींलवातृतीयम् ॥	145
॥ मरुताञ्चसंवेशीयंककूभवा ॥	146
॥ इन्द्रस्याभरेद्वे ॥	146
॥ ऐषिराणित्रीणि ॥	146
॥ प्रजापतेस्सीदन्तीयेद्वे ॥	146
॥ पथस्यसौभरस्यसामनीद्वे ॥	147
अष्टम खण्डः	148
॥ वसिष्ठस्याभरेद्वे ॥	148
॥ वासुमन्देद्वे ॥	148
॥ कावर्षाणित्रीणि ॥	148
॥ प्रजापतेःशोकानुशोकानित्रीणि ॥	149
॥ वाचस्सामनीद्वे ॥	149
॥ मरुताञ्चसाम् ॥	149
॥ वैश्वामित्रञ्च ॥	149
॥ मारूतञ्चैव ॥	149
॥ उद्वंशपुत्रञ्च ॥	150
नवम खण्डः	151
॥ धुरशम्येद्वे ॥	151
॥ प्रजापतेर्गूर्दः ॥	151
॥ विश्वामित्रस्यचार्दः ॥	151
॥ प्रजापतेश्चैवगूर्दः ॥	151
॥ विश्वामित्रस्यचैवात्यर्दः ॥	151
॥ प्रजापतेस्सन्तनीकेद्वे ॥	151
॥ प्रजापतेर्धनधर्मेद्वे ॥	152
॥ उषसश्चसाम् ॥	152
॥ वैश्वामित्रञ्च ॥	152
॥ भारद्वाजञ्च ॥	152
॥ इन्द्रस्यचरातिः ॥	152
॥ भारद्वाजञ्चैव ॥	152
॥ इन्द्रस्यचवैराजे ॥	153
दशम खण्डः	154
॥ प्रजापतेर्वाजसनी ॥	154
॥ गौराङ्गीरसस्यसामनीद्वे ॥	154
॥ प्रयस्वच्चप्राजापत्यम् ॥	154
॥ अक्षय्यञ्चरेवत् ॥	154
॥ सवितुश्चसाम् ॥	155
॥ वाक्रतुरञ्च ॥	155
॥ ऐषञ्च ॥	155
॥ यामम्मरूताञ्चसाम् ॥	155
॥ भारद्वाजस्यविषमाणित्रीणि इन्वकंवातृतीयम् ॥	156
॥ पारूच्छेपेद्वे ॥	156
॥ बार्हस्पत्येद्वेअग्नेर्वाराक्षोघ्ने ॥	157

पवमानपाठः	158
प्रथम खण्डः	159
॥ आजीकञ्च ॥	159
॥ आभीकञ्च ॥	159
॥ ऋषभश्चपावमानः ॥	159
॥ आभीकञ्चैव ॥	159
॥ बाभ्रवेद्वे ॥	159
॥ इन्द्राण्यास्साम ॥	159
॥ शैशवेद्वे ॥	160
॥ प्रजापतेर्दोहादोहीयेद्वे ॥	160
॥ इन्द्राण्याश्चैवसाम ॥	160
॥ आमहीयवञ्च ॥	160
॥ आजीकञ्च ॥	160
॥ सूरूपेद्वे ॥	161
॥ जमदग्नेरिशिल्पेद्वे ॥	161
॥ संहितञ्च ॥	161
॥ वसिष्ठस्यशकूनः ॥	161
॥ जमदग्नेश्चगम्भीरम् ॥	161
॥ संहितञ्चैव ॥	162
॥ सोमसामनीद्वे ॥	162
॥ आशुभार्गवंतृतीयम् ॥	162
॥ वैश्वदेवेद्वे ॥	162
॥ इन्द्रसामनीद्वे ॥	163
॥ यौक्ताश्चेद्वे ॥	163
॥ भासञ्च ॥	163
॥ सोमसामच ॥	163
॥ प्रजापतेश्चसहोरयिष्ठीयम् ॥	163
॥ मादिलम् ॥	164
॥ सोमसामचैव ॥	164
॥ प्रजापतेश्चैवसहोरयिष्ठीयंसोमसामवा ॥	164
॥ वैष्टम्भेद्वे ॥	164
॥ पाष्ठौहेद्वे ॥	164
॥ वैष्टम्भञ्चैव ॥	165
॥ पाष्ठौहञ्चैव ॥	165
॥ इषोवृधीयञ्च ॥	165
॥ इन्द्रसाम ॥	165
॥ वैश्वदेवेच ॥	165
॥ इन्द्रसामचैव ॥	166
॥ आग्नेयानित्रीणि ॥	166
॥ आश्वानिचत्वारि ॥	166
॥ च्यावनानिचत्वारि ॥	167
॥ प्राजापत्येद्वे ॥	167
॥ वैदन्वतानिचत्वारि ऋषभोवावैदन्वतश्चतुर्थः ॥	168
॥ रजेराङ्गीरसस्यपदस्तोभौद्वौ ॥	168
॥ और्णायवेद्वे ॥	168
द्वितीय खण्डः	169
॥ सौभरेद्वे ॥	169
॥ इन्द्रस्यवृषकाणित्रीणि ॥	169

॥ बभ्रोःकुम्भस्यसामानित्रीणि ॥	169
॥ बभ्रोःकार्तवेशानित्रीणि ॥	170
॥ शाम्मदे द्वे ॥	170
॥ वसिष्ठस्यजनित्रे द्वे ॥	170
॥ मरूताम्प्रकीलास्त्रयःसङ्कीलावानिक्लिळावा ॥	171
॥ औशनम् ॥	171
तृतीय खण्डः	172
॥ यामानित्रीणि ॥	172
॥ अङ्कतेवैररूपस्यसाम ॥	172
॥ औशनेच ॥	172
॥ सोमसामच ॥	172
॥ कार्णोच ॥	173
॥ भारद्वाजश्च ॥	173
॥ वैश्वामित्रश्च ॥	173
॥ इन्द्रस्यवात्रघ्नम् ॥	173
॥ सोमसामानित्रीणि ॥	174
॥ भारद्वाजश्चैव ॥	174
चतुर्थ खण्डः	175
॥ वार्षाहरम् ॥	175
॥ वार्षानित्रीणि ॥	175
॥ वैरूपेचदेवानांवाञ्जसायिनी ॥	175
॥ तरन्तस्यचवैददश्चेस्साम ॥	175
॥ सोमसामच ॥	176
॥ सूर्यसामच ॥	176
॥ दाढ्यच्युतानित्रीणि ॥	176
॥ इन्द्रस्यचवृषकम् ॥	176
॥ ऐषश्च ॥	176
॥ श्यावाश्वश्च ॥	177
॥ सोमसामच ॥	177
॥ आग्नेयश्च ॥	177
॥ आयास्येच ॥	177
॥ भारद्वाजश्च ॥	177
पञ्चम खण्डः	178
॥ आयास्यश्च ॥	178
॥ वसिष्ठस्यचापदासे ॥	178
॥ माण्डवश्च ॥	178
॥ उद्वश्च ॥	178
॥ माण्डवश्चैव ॥	178
॥ प्रजापतेश्वसदोविशीयम् ॥	179
॥ जमग्नेस्सवासिनी द्वे ॥	179
॥ आयास्येद्वेसोमसामनीवा ॥	179
॥ कण्वरथन्तरम् ॥	179
॥ आयास्यश्च ॥	180
॥ रौरवम् ॥	180
॥ यौधाजयश्च ॥	180
॥ वसिष्ठस्यचप्लवम् ॥	180
॥ अच्छिद्रश्च ॥	180
॥ रयिष्ठश्च ॥	181
॥ भारद्वाजे द्वे ॥	181

॥ आभिषवेद्वे ॥	181
॥ अङ्गिरसामधीवासपरीवासौद्वौ ॥	182
॥ माण्डवेद्वे ॥	182
॥ वैनसोमकृतवेद्वे ॥	182
॥ प्रजापतेर्गूदौद्वौ गौतमस्यवाप्रतोद्वौ ॥	183
॥ मरूताङ्गोष्ठापुंसिनिद्वे ॥	183
॥ महारौरवञ्च ॥	183
॥ महायौधाजयञ्च ॥	184
॥ आश्वानिचत्वारि ॥	184
॥ आग्नेयञ्च ॥	184
॥ सोमसामच ॥	185
॥ द्विहिङ्गारञ्चवामदेव्यम् ॥	185
॥ अङ्गिरसामुत्सेधनिषेधौ द्वौ ॥	185
॥ सोमसामानिषट् ॥	186
॥ विष्णोररणीद्वे ॥	186
॥ आङ्गिरसानित्रीणि ॥	187
॥ औक्ष्णोरन्ध्राणित्रीणि ॥	187
॥ औक्ष्णोनिधनानित्रीणि ॥	188
॥ वाजजिञ्चा ॥	188
॥ द्वभ्यासञ्चसौहविषंवसिष्ठस्यवापिप्पलि ॥	188
॥ वैश्वदेवेच ॥	188
॥ इन्द्रसामच ॥	189
॥ वैश्वदेवञ्चैव ॥	189
॥ इन्द्रसामानित्रीणि ॥	189
॥ स्वःपृष्ठमाङ्गिरसम् ॥	189
॥ सोमसामच ॥	189
॥ आदित्यानाञ्चपवित्रम् ॥	190
॥ सोमसामनीद्वे ॥	190
॥ स्वःपृष्ठञ्चैवाङ्गिरसम् ॥	190
॥ सोमसामचैव ॥	190
षष्ठ खण्डः	191
॥ औशनानित्रीणि ॥	191
॥ प्रशस्यजानस्याभीवर्तौद्वौ ॥	191
॥ प्रजापतेर्वाजसनिनीद्वे वाजजितौद्वौ वाराहाणिवा ॥	192
॥ अङ्गिरसांसङ्गोशास्त्रयः देवानांवा सामसुरसे द्वे ॥	192
॥ वेणोर्विशालेद्वे ॥	193
॥ गौतमस्यतन्त्रातन्त्रेद्वे ॥	193
॥ अगस्तयस्ययमिकेद्वे ॥	193
॥ मरूताङ्गालकाक्रन्तौ ॥	194
॥ वासिष्ठानिषट् ॥	195
॥ आश्वञ्च ॥	196
॥ सोमसामनीद्वे ॥	196
॥ ऐषञ्च ॥	196
॥ मोधुच्छन्दसम् ॥	196
॥ सोमसामानिचत्वारि ॥	197
॥ मरूतांव्रतोपोहस्सम्पद्वा ॥	197
सप्तम खण्डः	198

॥ कूत्सस्याधिरथ्यानित्रीणि ॥	198
॥ वैश्वज्योतिषाणित्रीणि ॥	198
॥ वाचस्सामनीद्वे ॥	199
॥ दाशस्पत्यानिषट् ॥	199
॥ कश्यपस्यचशोभनम् ॥	200
॥ आत्रम् ॥	200
॥ अपांसाम् ॥	200
॥ श्रौष्टाणित्रीणि ॥	200
॥ वासिष्ठम् ॥	201
अष्टम खण्डः	202
॥ नकूलस्यवामदेवस्यप्रेखौद्वौ ॥	202
॥ महाकार्तृवेशञ्च ॥	202
॥ और्ध्वसन्ननञ्च ॥	202
॥ श्यावाश्वञ्च ॥	202
॥ आन्धीगवञ्च ॥	202
॥ क्रौञ्चानित्रीणि ॥	203
॥ गृत्समदस्यसूत्राणि चत्वारि ॥	203
॥ आकुपारम् ॥	204
॥ त्वाष्ट्रीसामनीद्वे ॥	204
॥ सोमसामानिचत्वारि वासिष्ठानिवा मदाईनिधनानिवा त्वाष्ट्रीसामानी ॥	204
॥ त्वाष्ट्रीसामनीचैव ॥	205
॥ क्रौञ्चेद्वेशर्मदेवा ॥	205
॥ सोमसामानि त्रीणि ॥	205
॥ क्रौञ्चैव उद्वद्ववा ॥	205
॥ सोमसामचैव ॥	206
॥ प्रैय्यमेधानि त्रीणि ॥	206
॥ औशनंवैरूपम् ॥	206
नवम खण्डः	207
॥ कावम् ॥	207
॥ प्रजापतेर्वाजसनिनीद्वे ॥	207
॥ वाजिजितौद्वौ ॥	208
॥ कावञ्चैव ॥	208
॥ सामराजानित्रीणि विशालानिवा उद्वन्तिवा सम्पद्वा तृतीयम् ॥	209
॥ आङ्गीरसानित्रीणि ॥	209
॥ औशनम् ॥	209
॥ प्रवत्भार्गवम् ॥	210
॥ विरूपस्यचतन्त्रे ॥	210
॥ भार्गवञ्चैव ॥	210
॥ यामम् ॥	210
॥ दार्शरीषेद्वे ॥	211
॥ सैन्धुक्षितानित्रीणि ॥	211
॥ यामानित्रीणि ॥	212
॥ मरूतान्धेनुनीद्वे ॥	212
॥ वसिष्ठस्यापामीवेद्वे वायोर्वाभिकृन्दौ ॥	212
॥ अञ्जतेव्यञ्जतेस्समञ्जतइति काक्षीवतानांसामानि त्रीणि शार्ङ्गाणिवा ॥	213
॥ आदित्यस्यार्कपुष्पे देवानांवा ॥	213
दशम खण्डः	214
॥ वसिष्ठस्यपदेद्वे ॥	214

॥ वसिष्ठस्यानुपदेद्वे ॥	214
॥ पौष्कलम् ॥	214
॥ ऐषिराणिपञ्च ॥	215
॥ शौक्तानिपञ्च ॥	216
॥ कार्णश्रवसानित्रीणिगौलोमानिवा ॥	216
॥ वैश्वदेवेद्वे ॥	217
॥ इन्द्रसामनीद्वे ॥	217
॥ मरूताम्प्रेङ्खःवसिष्ठस्यवा ॥	217
॥ आग्नेयञ्च ॥	217
॥ सोमसामच ॥	217
॥ सुज्ञानेद्वे ॥	218
॥ द्यौतेद्वे ॥	218
॥ आतीषातीयेद्वे ॥	218
॥ सोमसामानिचत्वारि ॥	219
॥ सोमस्ययशांसित्रीणि ॥	219
॥ औशनंवासिष्ठंवा ॥	219
एकादश खण्डः	220
॥ वासिष्ठेद्वे ॥	220
॥ सभानित्रीणि ॥	220
॥ ऐषिराणिचत्वारिच्यावनानिवा ॥	221
॥ शौक्तानित्रीणि ॥	221
॥ वाचस्सामानित्रीणि ॥	222
॥ कौन्मलबर्हिषाणिपञ्च शंकुतृतीयंसीदन्तीयंवा तृतीयेतराणिपञ्चा त्यर्थः ॥	222
॥ दीर्घेद्वे ॥	223
॥ सोमसामानित्रीणि ॥	223
॥ शैतेष्याणिचत्वारि ॥	223
॥ सोमसामानित्रीणि ॥	224
॥ गायत्रपार्श्वञ्च ॥	224
॥ सन्तनिच ॥	224

आग्नेयपाठः

प्रथम खण्डः

॥ गौतमस्यपर्कः ॥

ओग्नाइ । आयाहीवाइ । तायाइतायाइ । गृणानोहव्यादा । तायाइतायाइ ।

त त श थाच् चा श टा टि श चा श चि टा टि श

नाइहोता । सात्साइबाओहोवा । हीषि ॥ १ ॥

कि च ट ट खा शि ख श

॥ कश्यपस्यबर्हिषीयम् ॥

अग्रआयाहीवी । तायाइगृणानोहव्यदातायाइ । नीहोतासत्सीबर्हाइषी ।

तू षू टी त श चि टी ता

बर्हाइषाओहोवा । बर्हिषी ॥ २ ॥

टा खा शि च खा

॥ गौतमस्यचैवपर्कः ॥

अग्रआयाहीवाइतायाइ । गृणानोहव्यदाताये । निहोतासात् ।

तू ति श यू प श खि ण

साइबाक्काहाआइषो । हाइ ॥ ३ ॥

ट ता पा णि शा

॥ सौपर्णञ्च ॥

त्वमग्नेयज्ञानांत्वमग्नाइ । यज्ञानांहोताविश्वेषांहाइताः । देवाइभाइर्मा ।

षू ति श षृ टा ता क टि ता

नुषे जनाओहोवा । होइळा ॥ ४ ॥

ताच्क टा ख ण्ण ण्ण शा

॥ वैश्वमनसञ्चादित्यसामवा ॥

अग्निन्दूताम् । वृणीमहाइहोतारांवीश्वावे दसाम् । अस्ययाज्ञाओओहोवा ।

टि त षू टि त चा चा टि त का त त

स्यासूकृतूमिळाभा । ओइळा ॥ ५ ॥

चा टी खण प ण्ण

॥ श्रौतर्षाणित्रीणि ॥

अग्निर्वृत्रा । णाइजाऔहोवा । घानात् ।

ती ट खा शि ख शा

द्रविणास्युर्वीप न्यायाओइसमिद्धाश्शू । क्रायाहुताइळाभा । ओइळा ॥ ६ ॥

च श क कि टा टु त चा टी खण् प प्ला

अग्नीरौहोवाहाइवृत्राणी । जङ्घानादौहोवाइ । द्रविणास्यूः । ओइवाइ पन्याया ।

खा शि शु टा त टा त श पि ण पी टि

सामाइद्धाश्शूऔहोवा । क्रायाहूताः ॥ ७ ॥

टीट् ख शि टि ख

ओग्नीः । वृत्राणीजङ्घनादौहोऔहोवा । द्रवीणास्युर्वीप न्ययाऔहोऔहोवा ।

त त कि की खि श चा क कि चा क खि श

समिद्धाश्शुक्रयाऔहोऔहोबाहूतो । हाइ ॥ ८ ॥

चि चि क खि ष्ठ प्ला शा

॥ औशनञ्च ॥

प्रेष्ठंवाः । अताइथीम् । स्तुषेमित्रमिवप्रायाम् ।

ति टा ता चा टु त

अग्नाइराथान्नावाहा इ । दाआयाम् । हाइ ॥ ९ ॥

भी त टा खण श प प्ला शा

॥ शैरीषेच ॥

प्रेष्ठंवयोहाइ । अताइथीम् । स्तूषाइ मीत्रामीवाप्रायाम् ।

ती त श टा ता ता श ता टा ख ण

औहोइ । अग्नेराथान्नावे । दायाम् ।

थ च श था टा प श ख श

हाइ ॥ १० ॥

शा

प्रेष्ठंवोहाबु । आतिथाइंस्तूषेमित्रामीवप्रायाम् । अग्नाइरा थाऔहोवा ।

ति त श षु टू त टीट् ख शि

नावेदीयाम् ॥ ११ ॥

टि ख

॥ इन्द्रस्यसंवर्गौवात्रघ्नेद्वे ॥

त्वन्नोया । ग्रेमाहोभिःपाहाइवीश्वा । स्याआराते रूताद्वाइषाः ।

ति च था टु त च थिच् चा य टा

मार्त्यास्याइळाभा । ओइळा ॥ १२ ॥

क थ टि खण् प शा

त्वांत्वन्नोअग्नेमहोभाइः । पाहिविश्वाऔहोस्याऔहोआराते रूताद्वाइषाः । मर्तो याऔहोवा ।

षि ती त श क टी त टा त किच् चा य टा टाट् ख शि

स्या ॥ १३ ॥

ख

॥ साकमश्वस्यशौनःशेपेःसामनी द्वे ॥

एह्युषुब्रावाणाइताइ । अग्रइत्थेतरागाइराः । एभाइर्वाधा ।

फा खि शी षी टि चा टा चि

सयाहा इ । दोभो । हाइ ॥ १४ ॥

टा खण् श प ण् शा

एह्युषूब्रवौहोणाइताइ । अग्रइत्थेतरागीराः । एभिर्वाद्धा ।

षि ती ता श यू प श खि ण

सयाहा इ । दोभो । हाइ ॥ १५ ॥

टा खण् श प ण् शा

॥ वत्सस्यकाण्वस्यसामनीद्वे ॥

आतेवत्साः । मानोयमत्पारामाच्चित्साधास्थात् । अग्राइत्वाङ्का ।

ती च श चीथ टि त भी त

मयोबागाइरो । हाइ ॥ १६ ॥

पा ण् ण् शा

आतेवत्सोमनोयमदय्याहाइ । पारामाच्चित्सधस्थादय्याहो इया । अग्रेत्वाङ्कामायाअय्याहो इया ।

षी तू त श षि दू कच् शा षी दूच् कच् शा

गीराइळाभा । ओइळा ॥ १७ ॥

का टा खण् प शा

॥ अग्रेश्चवैश्वानरस्यार्षेयम् ॥

त्वामग्रेपुष्कारादधी । आथर्वानाइरामान्धाता । मूर्ध्नोवाइश्वा ।

तु ति च चा टी ख ण ख ण् ख णा

स्यावोबाघातो । हाइ ॥ १८ ॥

पा ण् ण् शा

॥ सुमित्रस्यचवार्द्धश्चेस्साम ॥

अग्रेविवस्वदाभरोवाहाइ । अस्माभ्यामू तायाइमहाओवाहाओवाहाइ । दाइवोहियाओवाहाओवाहाइ ।

षी तू त श चा काच् चा टि टा त टा त श च या टा टा त टा त श

साइनाओहोवा । दृशे ॥ १९ ॥

ट खा शि ताच्

द्वितीय खण्डः

॥ अग्रेष्वसंवर्गः ॥

नमस्तौहोग्राइ । ओजासाइगृणान्ताइदे । वाकारिष्टायाः ।

ति त श कि टि ख णा च य टि

आमाइरा माऔहोवा । त्रमर्दया ॥ १ ॥

टीट् ख शि खी

॥ वैश्वमनसञ्च ॥

दूतांवोविश्ववेदसाम् । हान्यावाहाममार्तायम् । याजिष्ठमृञ्जसेहाइ ।

णफ ख शु थ टु ख ण च टु त श

गीराऔहोबा । होइळा ॥ २ ॥

च टा ख ण्ण श

॥ श्राभाशौष्टेद्वे ॥

उपत्वाजा । मयोगीराः । ओइयायूर्दाइदिशतीर्हाविष्कृताः ।

ती टा टा शु तू टि

ओइयायू र्वायोरानी । कयास्थाइरान् । अश्वागावाः ॥ ३ ॥

क टिच्क टात खि त्रा था ट ख

उपत्वाजामायोगीराः । दाइ दिशाताइर्हाविष्कार्ताः । वायोरनाहाइकाया ।

तु ति च श का टी ख ण ती ती

स्थाइराऔहोवाइळा ॥ ४ ॥

टि खा शि

॥ वैश्वामित्रञ्च ॥

ऊपात्वाग्रेदिवेदिवाइ । दोषावास्ताद्धीयावायम् । नामोभारा न्ताएमासा इ ।

पि शू टा टा चा चा टा टाच्च कट खण्ण

ओइळा ॥ ५ ॥

प शा

॥ अग्रेष्वजराबोधीये ॥

जारा । बोधाबोधाताद्धीविह्वाइ । वीशेवाइशेयज्ञोयायाऔहोवा ।

ता टा टा चा चाश का टि टा खा शि

स्तोमं रूद्रायदृशीकाम् ॥ ६ ॥

का कू च

जराबोधोवा । ताद्धीविह्वाइ । वीशाइवाइशे ।

ती त च चि श टी ता

याज्ञीयायास्तोमंरूद्रायदृ । शीकोइळा ॥ ७ ॥

थ श किच्च य प ण श खा शा

॥ मारूतञ्च ॥

प्रातित्याञ्चारूमध्वराम् । गोपीथायाप्राहुयासाइ । मारूत्भीराग्रायागहाऔहोवा ।

पि शु था चिकखणश चाक टिच टाखप्ल

होइळा ॥ ७ ॥

प्ल शा

॥ भार्गवेच ॥

आश्वाऔहोवा । नात्वाऔहोवा । वारवन्तंवन्दध्यै ।

टा खाश टा खाश षी ति

आग्राऔहोवा । नमोभिस्सम्प्राजन्ताम् । आध्वराणामौहोवा ।

टा खाश षि तु कि पा प्ला

होइळा ॥ ८ ॥

प्ल शा

अश्वन्नत्वावारवन्ताम् । वन्दध्याअग्निन्नमोभाइः । सम्प्राजन्तामाध्वरा औहोवाइहोहाइ ।

षी ती षि चुश क थाच् चा खा खुणश

औहोयाऔहोवा । णाम् ॥ ९ ॥

क ट ख शि ख

॥ अग्रेश्ववारवन्तीयम् ॥

अश्वन्नत्वाबुहोहाइ । वारावान्तंवन्दध्योहाइ । अग्राइन्नमाऔहोवाइहोहाइ ।

तू त श खिश का प णश पु खुणश

उहुवाभीः । सम्प्राजन्तामाध्वराऔहोवाइहोहाइ । उहुवाणामेहियाहा ।

खिण क था पी खुणश पि प्लीश

होइळा ॥ १० ॥

प्ल शा

॥ और्वस्यवैधारेस्सामनीद्वे ॥

और्वभृगुवदोहाइ । शोचिम् । आम्नावानावादाहुवाइहुवायोइ ।

चू त श खश टिक टा टा चीश

अग्राइंसामू सामूओ । द्रावासासाबु । बा ॥ ११ ॥

टा टिच् चि चाक त श ख

और्वभृगुवच्छुचिमे शुचिम् । आम्नावानावादाहुवाइहुवाइहुवाए । अग्राइंसामूसामूसामूए ।

षु ति ता किच टा ता टि टित टीत टा टात

द्रावाऔहोवा । सासामे ॥ १२ ॥

ट् ख शि च ट ख

॥ अत्रेश्वासङ्गम् ॥

अग्निमिन्धानोमनसौहोऔहोवाहाइ । धीयंसचेतमौहोहाहोवार्त्याः । अग्राइमा इन्धाऔहोवा ।

षि ते त श टू ट त टा ता टीट् खा शि

वीवास्वाभीः ॥ १३ ॥

टि ख

॥ प्रजापतेश्चनिधनकामम् ॥

आदिप्रत्नास्यरे तसाः । ज्योतिःपश्यन्तिवासाराम् । पारोयातिध्यताइ ।

फी शा का षी टि च टि चि श

दिविहोइहोऔहोऔहोवाहाबु । बा ॥ १४ ॥

कू का पा प्ल श ख

तृतीय खण्डः

॥ सैन्धुक्षितानित्रीणि ॥

अग्निंवोवृधान्ताम् । आध्वाराणां पूरूतामौहोवाहाइ । आच्छानान्त्रे ।

तु त चा थाच् काय ट टा त श टा टा

साहोबास्वातो । हाइ ॥ १ ॥

क प प्ल प्ला शा

अग्निंवाए । वृधन्तामध्वराणांपूरूतममच्छाहोइनान्त्रे । साहास्वाताइ ।

ति त षि कू टीच् य टा त पि त्र श

ईति ॥ २ ॥

ख श

अग्निंवोहाइ । वृधान्ताम् । आध्वराणांपूरूतामाम् ।

ति त श टा त यू प श

अच्छानन्त्रोहाइ । साहोहाइ । स्वाताऔहोबा ।

खी ण श क प च श क टा ख प्ल

होइळा ॥ ३ ॥

प्ल शा

॥ अग्नेर्हरसीद्वे ॥

आग्नाउवोवा । तिग्मे नाशोचाइषाउवोवा । यंसाउवोवा ।

टा खाश थाच् क टी खाश टा खाश

वाइश्वान्यात्राइणाउवोवा । अग्निर्नोवंसते रायीम् ॥ ४ ॥

दू खाश टि किच् चा

ओहायाग्रीः । ताइग्मेनाशोचाइषा । यंसाद्वाइश्वानीयात्राइणम् ।

ती ख शा खि णा टा ख शा खि णा

अग्निर्नोवंसाताऔहोवा । रायीम् ॥ ५ ॥

टि टाट् ख शि ख श

॥ इहवद्वामदेव्यंतृतीयम् ॥

अग्निस्तिग्मेनाशोचिषाइहा । यंसद्विध्वन्यत्रीणामिहा । अग्निर्नोवंसताइहा ।

षी तू षी टि ता दू ता

राआयाई । हाइ ॥ ६ ॥

प प्लि शा

॥ यामेद्वे ॥

अग्राइमृळामहंयासी । आयआदाइवयुन्जानम् । ईयेथाबर्हिरासा ।

दु खि ण टी खी ण टी खि
दाम् ॥ ७ ॥

त्र

आग्रेमृळामाहंयासिओहाओहा । आयाआदेवायुन्जनामोहाओहा । इयाईथाबर्हिरासा ।

ण फ फि फि खाख श ण फ फि फि ख खा श टी खा
दाम् ॥ ८ ॥

त्र

॥ अग्रेराक्षोघ्रेद्वे ॥

अग्रेराक्षाणोअंहासः । प्रातिस्मदे वारीषाताः । तापाइष्ठाइरा ।

खी श ङ्कि की टि त टी ता
जरोदाहा । ओइळा ॥ ९ ॥

टि खण् प शा

अग्रेयूङ्गाहीयेतावा । अश्वासोदे वासाधावाः । आरंवाहान्तीयाशावाः ।

खी श ङ्कि ची टि त टि त क टा खण्
ओइळा ॥ १० ॥

प शा

॥ वैश्वम्रसञ्च ॥

नित्वाहोइनक्ष्या । वाइस्पाताइ द्यूमन्तन्धाइमाहे वायम् । सुवोहाइ ।

खि शि च चि श क था चि क ख ण ता त श
रामग्राओबाहूतो । हाइ ॥ ११ ॥

चि प ङ्कि शा

॥ अग्रेश्चार्षेयम् ॥

अग्निर्मूर्धादीवःककूत् । पातीःपार्थीव्याअयाम् । आपांराइतांसीजिन्वाता इ ।

तु ति टा टा चि टा टि क टा खण् श
ओइळा ॥ १२ ॥

प प्ला

॥ सोमसामच ॥

इममूषू । त्वामास्माकाम् । सानिंहोइगायाहोतृन्नव्यांसाम् ।

ती टि त टा टी क थ टा ता
आग्रेहोइदेवाहो पुप्रावोचाः । ओइळा ॥ १३ ॥

टा टी क थ टि खण् प प्ला

॥ गोपवनञ्च ॥

तन्त्वागोपा । वानोगाइराः । जनाइष्ठादग्रायाङ्गाइराः ।

ती टा ख णा चा टू ख णा

सपौवाउवोवाकौवाउवोवा । श्रुधीहवां । होइळा ॥ १४ ॥

खु श खि ण ह्री प शा

॥ सूर्यसामनीद्वे ॥

परियौहोइवाजा । पाताइःकावीः । अग्रीर्हव्यान्नायःक्रमीत् ।

षी ति चा या ट चा था ट टि

दधाद्रात्नाऔहोवा । निदाशूषे ॥ १५ ॥

टिट् शि ता टाख्

उदुत्यमोहाइ । जातावे दासम् । देवंवहन्तीकेतावाः ।

ती त श कि ख ण क कु ख ण

दारोहाइ । वाइश्वा यासूर्यामौहोवा । होइळा ॥ १६ ॥

पा ण श कि च्च क पि प्ला प्ला शा

॥ कावञ्च ॥

कविमग्रीम् । उपास्तूहाऔहोवा । सत्याधर्माणमाध्वारे ।

ती टिट् ख शि चा क चि चा

देवाममी । वाचातानाम् । ओइळा ॥ १७ ॥

ती टि खण् प प्ला

॥ वसुरोचिषस्सौर्यवर्चस्यसामनीद्वे ॥

शन्नोदेवीः । आभीष्टायाइशन्नोभुवाम् । तूपीतायाइशय्योरभीः ।

ती टि ख शु टि ख शु

श्रावान्तूनाऔहोवा । ऊपा ॥ १८हुवाहोइशन्नोदेवीरभिष्टयाइ ।

टिट् ख शि ख श ता प पु डि श

हुवाहोइशन्नोभुवान्तूपीतायाइ । हुवाहोइशय्योरभीस्रवन्तुनाः । हुवाहोयाऔहोवा ।

ता प पु डी श ता प पु डि श ता ट ख शि

ऊपा ॥ १९ ॥

ख श

॥ गौराङ्गिरसस्यसामनीद्वे ॥

कस्यानूनाम्पारीणासी । धीयोजिन्वासीसात्पाताइ । गोषातायास्याताओहोवा ।

टी खि ण टी खि ण श च चा टाट् ख शि

उप्पीराः ॥ २० ॥

खा श

ओहोवाइहुवाइहुवाए । कस्यानूनाम्पारीणासी । ओहोवाइहुवाइहुवाए ।

क था टि चित् खी चा फा क था टि चित्

धीयोजिन्वासीसात्पातीम् । ओहोवाइहुवाइहुवाए । गोषातायस्यतागाइ ।

खी चा फा क था टि चित् ष खू श

राः ॥ २१ ॥

त्र

चतुर्थ खण्डः

॥ भारद्वाजस्यौपह्वौद्वौ ॥

यज्ञायज्ञा । वोऽग्नयाईगीरागिरा हा हाइचादक्षासाइ । प्रप्रा वायममृतन्जातावे दासाम् ।

ती त ता टि खाश्लत चा खाण श टाच क षी यि टा

प्रीयाम्मित्रान्नाशंसिषामे हियाऔहोऔहोइळा ॥ १ ॥

चा कि कि की खू प्ला

यज्ञायज्ञा । होइवोग्नायाए हिया । गीरा गीराचादाक्षासाइ ।

ती त ता काख णा काच च टा च चा श

प्रप्रावायामामृतन्जातावे दासम् । प्रीय म्मित्रान्नाशंसिषामे हियाऔहोइळा ॥ २ ॥

थाच चा क टु ख ण चा कि की खा प्ला

॥ श्रुष्टीगवम् ॥

याज्ञायज्ञावोअग्नयाइ । गाइरागाइराचादक्षासाइ । प्रप्रावाया मामृतन्जातावे दासम् ।

टी टी श टू टी श टीच क कि टा ख ण

प्रायाम्माइत्रान्नाशंसाइषाम् । ओइळा ॥ ३ ॥

च य ची य ट खाण प प्ला

॥ अग्रेश्चयज्ञायज्ञीयम् ॥

यज्ञायज्ञावोअग्नयाइ । गाइरागीराचादाक्षासाइ । प्रप्रा वायममृतन्जातावाहिम्माइ ।

णा णा फ खाण श टू पा शा टाच क पू श चा श

दासाम् । प्रायम्मित्रान्नाशंसिषाबु । बा ॥ ४ ॥

त त कू का श ख

॥ कार्तवेशञ्च ॥

पाहिनोआग्नएकया । पाह्युतचिताइयाया । पाहीगीभिंस्तिसृभीरूर्जापाताइ ।

खी प्ली च ची या ट टि चु क य ट श

पाहीचातौहोवा । सभिर्वासा बु । ओइळा ॥ ५ ॥

का का त त टि खण् श प प्ला

॥ नार्मेधञ्च ॥

पाहिनोअग्नएकयाए । पाहाउताद्विताइयाया । पाहाइगाइर्भीः ।

षि तु त क टि पी श टा खा णा

ताइसृभीरूर्जाम्पाताऔहोऔहोवा । पाहीहाइ । चातासृभाऔहोऔहोवा ।

कु टि खी ण प चा श क टि खी ण

वासावेहियाहा । होइळा ॥ ६ ॥

प पु प्ला शा

॥ महाकार्तवेशञ्च ॥

पाहिनोअग्रएकयापाह्युतद्वीतीयाया । पाहिगीभीस्तिसृभिरूर्जाम्पाताइ । पाहाइ ।

फू ता प फू ड श बी खू ण श चा श
चाताहाओवा । सृभिर्वसो । ऊपा ॥ ७ ॥
ख शी ती ट ख

॥ भारद्वाजस्यपृश्नीद्वे ॥

बृहात्भीरग्रेरर्चिभीर्हाबु । शुक्राइणादेवाशोचिषाभाराद्वाजेहोवाहाइ । समीधानोयावीष्ठियाहोवाहाइ ।

पि श्रु कु ची काय ट टा त श चा था च य टा टा त श
रेवात्पावाहोवाहाइ । कादीदिहीइळाभा । ओइळा ॥ ८ ॥

चाय ट टा त श कि टि खण् प शा
बृहत्भीरग्रेरर्चिभीरे । शुक्राइणादेवाशोचिषाभाराद्वाजेओवा । समीधानोयावीष्ठियाओवा ।

पु तित कु चीक चय ट का चा था च य टा का
रेवात्पावाओवा । कादीदिहीइळाभा । ओइळा ॥ ९ ॥

चाय ट का कि टि खण् प प्ला

॥ उरोराडगिरसस्यसाम ॥

त्वय्याग्रेस्वाहुताहाबु । प्रियासासन्तुसूरायोयन्तारोयाईमाघावानोजनानाम् । ऊर्वान्दयाहान्तागोनामीळाभा ।

पा श्रु ची का चा का य प फ फी ता त च य टा त च्च का टा खण्
ओइळा ॥ १० ॥

प शा

॥ गौतमस्यपौरुमुद्वेद्वेपुरुमुद्रस्यवा ज्जीरसस्य देवानांवा ॥

अग्रेजरितर्विस्पतिरौहोवाएहियाहाबु । तपानोदेवारक्षसाअप्रोषाइवान् । गार्हापाताइर्माहं यासी ।

षु तू त श का टा च चि काय टा टी किखण
दीवास्पायौवाउवोवाहाहाइ । दुरोणयूः । होइळा ॥ ११ ॥

चा का खिप्लु त त श फ्ली प्लु शा
अग्रेजरितार्वीस्पतीस्तापानोदेवरक्षसाः । तापानोदेवरक्षसाअप्रोषीवान् । गृहापताइर्माहं यासी ।

फू ता प शू षु दू त चा ची क ख ण
ओहाहाहाइ । दीवस्पायूः । ओहाहाहाइ ।

ख प्लु त त श चि ट ख प्लु त त श
दुरो णायूः । ओहाहाहा इ । ओइळा ॥ १२ ॥

टाच्च क च ख प्लु खाण्श प शा

॥ मण्डोर्जामदग्र्यस्यसामनीद्वे ॥

अग्नेवीवाहाबु । स्वादूषासाश्चाइत्रांहाइराधोहाअमार्तायम् । आदाशूषे ।

ती त श क टा त टि त टि त टा ख ण च य टा

जातावेदोवाहातूवाम् । अद्याहोइदाइवम् । ऊषाबू धाऔहोवा ।

चा थाच् काय ट टु ता क टा ख् शि

हुवेवासूः ॥ १३ ॥

ता टा ख्

अग्नेविवस्वदूषासाः । चित्रंराधोअमात्तर्यामादाशूषे । जातावेदोवाहातूवाम् ।

पी तित की का काय टा चा थाच् काय ट

अद्यादाइवम् । ऊषाबू धाऔहोवा । विदावासूः ॥ १४ ॥

टि ता क टा ख् शि ता टा ख्

॥ भारद्वाजस्यगाधम् ॥

त्वन्नाश्चित्रऊत्या । वासोराधांसिचोदायाआस्यारायाइ । त्वामाग्ने राथाइरासीवीदागाधम् ।

पा शी चा क च काय ट का ख ण श च काच् का या ट का ख ण

तुचोहाइ । तूनाऔहोबा । होइळा ॥ १५ ॥

ता त श क टा ख् प्ल प्ल शा

॥ गौतमेद्वे ॥

हाबुत्वमित्सप्रथायसिहाबु । अग्नेत्राताऋताःकवाइर्हाहाइ । त्वांविप्रासस्सामीधानदीदीवाहाहाइ ।

पी तू श चिक का पा प्ला ड श च का चा का पी प्ल ड श

आवीवासाहाहा न्तीवोबाधासो । हाइ ॥ १६ ॥

पी प्ल तच् क प प्ल प्ला शा

त्वन्त्वामे । इत्साप्राथायासोयासी । अग्ने त्राताऋताःकावाइःकावीः ।

ति की चा का ख ण चा क च चा का ख ण

त्वांविप्रासस्सामीधानादीदीवोदाइवाः । आविवासाहा न्तीवेधासाः । ओइळा ॥ १७ ॥

च का की च कि ख णा कि ट तच् क टा ख ण् प शा

॥ अग्नेरायुः ॥

आनोअग्नेवयोवृधमेरायाइम् । पावाकाशांसायाम् । रास्वाचनउपामातेपूरूस्पृहाम् ।

पी तु खा श तच् काय ट त चा ची था या टा

सूनाइताइसूहाइ । याशास्तारामौहोबा । होइळा ॥ १८ ॥

टू त श चा क पा प्ला प्ल शा

॥ अग्रेर्हरसीद्वे ॥

योवीस्वादायातेवासू । होतामन्द्रोजनानाम् । माधोर्नापात्राप्रथमान्यस्मै ।

खी शी टा टाच् चाश टा टा चू

प्रास्तोमाया न्तूवोबाग्रायो । हाइ ॥ १९ ॥

टा टाच् क प प्ल प्ला शा

योविश्वाद्यतेवसुहाबु । होतामन्द्रोजनानामोवाओवा । माधोर्नापात्राप्रथमान्यस्माओवाओवा ।

षू ति श टा टाच् ची क का टा टा चू का का

प्रास्तोमाया न्तूवोबाग्रायो । हाइ ॥ २० ॥

टा टाच् क प प्ल प्ला शा

॥ दैर्घश्रवसेद्वे ॥

योविश्वाद्यतेवस्वोहाओहाए । होतामन्द्रोजनानामोहाओहाए मधोर्नपा ।

षू तु त टा क कि टा त ट खा खा ता

त्राप्राथमात्रायास्माओहाओहाए प्रास्तोमाया न्तूवोवोबाग्रायो । हाइ ॥ २१ ॥

का काच का ट त ट खा खा ताच् क प प प्ल प्ला शा

योविश्वाद्यतेवसूए । होतामन्द्रोजनाम्माधोर्नापौवा । त्राप्रथमान्यस्मैप्रास्तोमायौवा ।

तू त चा ची क च तित् चू क त तित्

त्वग्रायाइळाभा । ओइळा ॥ २२ ॥

चा टि खण् प शा

पञ्चम खण्डः

॥ अग्रेराग्रेयेद्वे ॥

एनावोअग्निन्नाओमसा । ऊर्जोनपातामाहुवे । प्रायन्चेतिष्ठामारतिसूआध्वारां ।

तू ति की या टा चि टा चि मि

विश्वास्यादू । तामामृ तामिळाभा । ओइळा ॥ १ ॥

चा य ट च चाक टा खण् प शा

एनावोअग्निन्नामसाहाबु । ऊर्जोनपातामाहुवेहाबु । प्रायन्चेतिष्ठामारतिसूआध्वारांहाबु ।

षु तू त श की या टा त श चि टा चि ट भित श

विश्वास्यादूहाबु । तामामृ तामिळाभा । ओइळा ॥ २ ॥

चा य ट त श च चाक टा खण् प शा

॥ गौतमस्यमनार्येद्वे ॥

एनावोअग्निन्मेनमसा । ऊर्जोनपा तामाहुवे प्रायाम् । चाइतीष्ठामारतिं सूआध्वाराम् ।

तू ति क टिच् चा काट त चि का टाच् का य ट

विश्वास्यादू । तामामृ तामिळाभा । ओइळा ॥ ३ ॥

का य ट च चाक टा खण् प शा

एनावोअग्निन्नमसऊर्जोनपोवा । तामाहुवे प्रायाम् । चाइतीष्ठामारातीं ।

षू तू त चा काट त चि काट त

स्वाध्वारंविश्वस्यादू । तामामृ तामिळाभा । ओइळा ॥ ४ ॥

थ टु त च चाक टा खण् प शा

॥ दैवोराजञ्च ॥

शेषेवनाइषुमातृषू । सान्त्वामार्ता साइन्धाताइ । आतन्द्रोहव्यंवहासाइहावीष्कार्ताः ।

फी कु का काच्क टा त श किच् चा का टी ख ण

आदिदे वाइ । षूराजाजासा इ । ओइळा ॥ ५ ॥

किच श टि टि खण् श प शा

॥ गाधिनश्चकौशिकस्यसाम ॥

अदर्शिगातुवित्तमाए । यास्मिन्त्रातान्यादधुरूपोषूजाहाहाइ ।

षी तु त की टाच् किय टा त त श

तामार्यास्यावार्धानामग्नाइन्नक्षाहाहान्तुनोगीराइळाभा । ओइळा ॥ ६ ॥

चा क चा का का टि त ची टि खण् प शा

॥ बार्हदुत्थेद्वे ॥

अग्निरुक्थाइ । पुरोहाइताः । ग्रावाणोबर्हीराध्वाराइ ।

ती श खि णा क का च खि ण श

ऋचायामिमरुतोब्रह्माणास्पाताइ । दाइवंआवो वारोबाणायाम् । हाइ ॥ ७ ॥

षी चु य टा श टि टाच्च क प प्ल प्ला शा

अग्निरुक्थाबुहोहोहाइ । पुरौवाउवोवाहितः । ग्रावाणोबर्हीरौवाउवोवाध्वराइ ।

तू त त श खु शि क का कि खि शी

ऋचौहोयामिमरुतोब्रह्माणास्पाताइ । दाइवंआवो वारोबाणायाम् । हाइ ॥ ८ ॥

टा त पु वि टा श टि टाच्च क प प्ल प्ला शा

॥ पौरुमीढञ्च ॥

अग्निमीळिष्वाऔहोवा । अवसे गाधाभीश्शीराशोचाइषाम् । अग्निरायाइपुरूमाइढा ।

फि खा ण फ श कि चि थ क टा ता ष टि ता

श्रूतन्नरोअग्निस्सूदी । तायाइच्छादी । दक्षाया ॥ ९ ॥

दू त पी त्र ता टाख्

॥ कार्णश्रवसम् ॥

श्रुधीश्रूधिश्चुत्कर्णवन्हिभाइः । देवैराग्रे सायावाभीः । आसीदतुबर्हिषिमित्रोअर्यामा ।

ता प शृ क कि टि त क पू टी त

प्रातर्यावा । भाइरा औहोवा । एध्वराया ॥ १० ॥

क टा त ट खा शि त ताख्

॥ दैवोदासञ्च ॥

प्रदैवोदासोअग्नीः । देवइन्द्रोनामज्मानाम् । आनूमा तारं पृथिवींविवावृताइ ।

ष तू क कि ची टिच्च क च टि ची श

तस्थौनाका । स्याशर्मणिइळाभा । ओइळा ॥ ११ ॥

भि त का टि खण प शा

॥ सौकृतवञ्च ॥

अधज्माओवा । आधावादाइवाः । बृहतोरोचानादाधि ।

तु च काय टा चु य टा

आयौहोऔहोवा । वार्धस्वातन्वागाइराममा । आज्ञातासौहोऔहोवा ।

कि तात चि था च य टा की तित

हाहाउवा । कृतोपृणा ॥ १२ ॥

फ ति खी

॥ काण्वेद्वे ॥

कायमानोवनातुवाम् । यन्मातृराजाग न्नापाः । नतत्तयाग्राइप्रमृषे हाइनीवार्तानम् । यद्दूराइसान् ।

फी की क टा किख ण ती त श टित श टा ख ण टि ता

इहा भूवाऔहोबा । होइळा ॥ १३ ॥

काचूक टा ख ण्ण शा

एकाया । मानोवनातूवामोइतू वामुहुवाहाइ ।

ति का काख ण्ण खी शू

औहोइयन्मातृराजाग न्नापाआपाउहुवाहाइ । औहोइनातत्तयाग्राइप्रमृषाइनीवार्तानाआन्तानामुहुवाहाइ ।

ट त टी किख ण्ण ख शू ट तच् का टि टी टी ख ण्ण खा शू

औहो इयद्दूरे सन्निहाभूवाआभूवाउहुवाहाइ । औहोया औहोवा ।

ट तच् की टि ख ण्ण खा शू ट त टख् शि

ऊपा ॥ १४ ॥

ख श

॥ मानवेद्वे ॥

नित्वामग्राइ । मनुर्दाधाइ । ज्योतिर्जनायाशाश्वाताइ ।

ती श खि ण श की च य टा श

दीदाइथाकण्वाऋतजातऊक्षाइताः । यन्नामास्यान्ताइकृऔहोवा । ष्टायाः ॥ १५ ॥

क की टी टा ख णा टि त टट् खा शि ख ण्ण

होवाइनित्वामग्नेमनुर्दधेहोवाइ । ज्योतिर्जनायशस्वतेदाइदेथाकण्वाऋतजाओतऊक्षाइताः ।

षू तू त श षु चू कि टि टि ख णा

यन्नामास्यान्ताइकृऔहोवा । ष्टायाः ॥ १६ ॥

चित टट् ख शि ख ण्ण

षष्ठ खण्डः

॥ अग्रेष्वद्रविणम् ॥

देवो वोद्रविणोदाः । पूर्णाविविष्टा सीचमूद्वासिन्चा । ध्वामुपावापृणाध्वामादीद्वोदे ।

णफ ख शी क टीच क यि टा टी का चा य टा

वाओहताइळाभा । ओइळा ॥ १ ॥

चा टी खण् प प्ला

॥ बार्हस्पत्यञ्चब्राह्मणस्पत्यंवा ॥

प्रेतूब्राह्मणास्पातीः । प्रादाइव्ये तूसूनृताअच्छावाइरम् । नर्यप न्तीराधासाम् ।

खि ह्री टीच क कि टा ख णा तिच् चा य ट

देवायाज्ञम् । नायाओहोवा । तूनाः ॥ २ ॥

टा ख ण ट ख शि ख श

॥ वसिष्ठस्यचवीङ्गम् ॥

ऊर्ध्वऊषुणाऊतायाइ । तिष्ठादेवोनसःविताऊर्ध्वोवाजा । स्यासानितायादान्जीभीः ।

कु पा ण श पू टु त च क का च य टा

वाघात्भीर्वीभायामाहा इ । ओइळा ॥ ३ ॥

क ट क च टि खण् श प प्ला

॥ विस्पर्धञ्च ॥

प्रयोरायाइनिनीषताइ । मर्त्तोयस्तेवासोदाशात्सावीरान्धा । तायग्रेउक्थाशंसीनं त्मानासाहा ।

फी तु श की कु टा त कू था टि त

स्नापोषाइणाम् । ओइळा ॥ ४ ॥

टि खाण् प शा

॥ ऐतवृधञ्च ॥

प्रवाः । यम्भंपुरूणाम् । वीशान्देवायताइनाम् ।

ता टी त क टा टि ता

अग्रिसूक्तेभिर्वचोभिर्वृणीमाहाइ । यांसामाइदान्याइन्धताइळाभा । ओइळा ॥ ५ ॥

षी की टि ता श टा टि का टी खण् प प्ला

॥ मनसश्चदोहः ॥

अयमग्निस्सुवीर्यस्यहाबु । आइशेहीसौभस्याहोवाहाइ । रायईशेस्वापत्यास्यागोमाताहोवाहाइ ।

षी तु श किच् चु टा त श कि की क य टा टा त श

ईशेहाइवृहोवाहाइ । त्राहाथानामिळाभा । ओइळा ॥ ६ ॥

क टा ता टा त श चाथ टा खण् प प्ला

॥ समन्तानि त्रिणि अग्नेरेकमिन्द्राश्रयोर्वा प्रजापतेर्वा वरुणस्य द्वे ॥

त्वमग्ने गृहपताइः । त्वंहोतानो अध्वरा इ त्वाम्पोता । वाइश्वावारा प्रचाइता औहोवाहाइ ।

षि ती श क कि दू त कु भी क फ ण श

यक्षाइयासीहोवाहाइ । चावारायाम् । ओइळा ॥ ७ ॥

टी त टा त श टी खण् प ण्

त्वमग्ने गृहपताइः । त्वंहोतानो अध्वरे त्वाम्पोता औहो औहोवाहाइ । वाइश्वावारा प्रचाइता औहो औहोवाहाइ ।

खा शू क का की प फा फा फा त त श कु पी फा फा त त श

यक्षाइयासा औहो औहोवाहाइ । चावारायाम् । ओइळा ॥ ८ ॥

यी प फा फा त त श टि खण् प ण्

त्वमग्ने गृहापतीः । त्वंहोतानो अध्वरा इ । त्वाम्पोता विश्वावारा ।

तु ता खा श खि ण श खा श खि ण

प्राचेता यक्षाइया सा औहोवा । चावारीयाम् ॥ ९ ॥

किथ् टीट् ख श टि ख

॥ वमृस्य वैखानसस्य साम ॥

सखायस्त्वाबुहोहोहाइ । ववृमाहाइ । देवम्मर्त्ताहास ऊतायाइ ।

तू त त श खि ण श क टि त टा ख ण श

अपान्नपा तम् सुभगौवाहाइ सूदं सासम् । सुप्रातूर्त्तीम् । आनेहासाम् ।

चा खा श ती त श का ख ण टि त टि खण्

ओइळा ॥ ११ ॥

प ण्

सप्तम खण्डः

॥ श्यावाश्वञ्च ॥

आजुहोता । हविषामर्जया ध्वांवा । निहोतार ङ्गहापातिन्दधा इ ध्वांवाइळास्पाताइ ।

ती दूचय ट षी दूचचय प खा ता श
नामसाराताहाओव्याम् । सापरीयातायाजत म्पास्त्योबा । ओनाम् ।
चि टि टा की कीप प्ला प्ला
हाइ ॥ १ ॥
शा

॥ ऋतुसामनीच ॥

ओइ चित्रइच्छाइशोस्तरुणास्यावाक्षाथाः । ओइनयोमातारावनुवाइतीधातावे । ओअनुधायदजीजनादधाचीदा ।

षा यू पि कि फ यू पि की फ यु पी चाक फ
ओइववक्षसाद्योमाहीद्यूत्यान्चारान् । दुत्यन्चरन्माही ॥ २ ॥
ष यू टा खि त्र टु ख
चित्राए । एएइच्छिशोस्तरूणस्यवक्षथक्षथोहीहीहीयाहाबु ।

ता त तप षे तू त श
एएनयोमातरावन्वेतिधातवेतवेहीहीहीयाहाबु । एएअनूधायदजीजनदधाचिदाचिदाहीहीहीयाहाबु ।

तप षे तू त श तप षे तू त श
एएववक्षस्सद्योमहिद्युत्यन्चरन्चरन्हीहीहीयाहाउवा । एऋतू ॥ ३ ॥
तप षे तू ति त टाख्

॥ यामञ्च ॥

ओहा हाहाइ । ईदन्तआइकांपाराऊतए कम् । तृतीयेनज्योतीषासंवीशास्वा ।

ख शङ्कत त श टू कि खाश टु चा खि श
संवेशनास्तान्वेचारुरे धि । ओहा हाहाइ । प्रियोदेवानांपरमाइजानाइ ।
क टी का खाश ख शङ्कत त श टु पि खि श
त्राइ ॥ ४ ॥
त्र श

॥ अग्नेश्वाग्नेयम् ॥

इमंस्तोमामर्हाते जा । तावेदसेहोयेरथामीवासम्माहे मा । मानीषयाहोयेभद्राहीनःप्रमातीरा ।

खि श खिण का चा टा खि श खिण का चा टा खि श खिण
स्यासंसदीहोयेअग्नाइसाख्याइ । माराइषामा । वायन्तवावहोइळा ॥ ५ ॥
का चा टा खिण श खिण का टा ख शा

॥ अग्रेर्वैश्वानरस्यसामनीद्वे ॥

मूर्धाहोहाइ । नन्दाइवाः । आरताइमृथीव्यावैश्वानरमृतआजातामाग्नीम् ।

ति त श खा णा टू क थ ष कू टा त

काविसम्प्राजमातिथाइ न्जनानाम् । आसन्नापात्रन्जनयान्तादाइ । वाः ॥ ६ ॥

षी कु ट त क टी पि खा श त्र

होवाइमूर्धाहोहाइ । नन्दाइवोआरातिपृथीव्याः ।

तू त श का टा कि खा ण

इहोइहाइयावै श्वानरमृतआजातमाग्निम् । इहोइहाइयाकाविसम्प्राजामातिथिन्जनानाम् ।

का काट था ष कू खा श का काट था की कि खा श

इहोइहाइयाआसन्नापात्रं जानाय न्तदे वाः । इहोइहाइयाऔहोवा ।

का काट क थ की कि खा ण का काट खा शि

ई ॥ ७ ॥

ख

॥ ऐटतेद्वे ॥

वित्वदोहाइ । आपोनपर्वतास्यापारिष्ठात् । उत्थेभीरग्रेजनायन्तादाइवाः ।

ति त श कू टा ता षु की ट ता

तन्त्वागीर स्सुष्टुतयोवाजयान्ती । आजिन्नगाइर्ववाहोजाइग्यूराऔहोवा । अश्वाः ॥ ८ ॥

षी कु टा त क टू त टिट् ख शि टाख्

हायायाइदीवोहाइवित्वात् । आपोनापार्वतस्यपारिष्ठात् । हायायाइदीवोहाइउक्थाइ ।

फ खु शी का का खी शा फ खु शु

भीराग्रेजानाय न्तदे वाः । हायायाइदीवोहाइतन्त्वा । गीरा स्सुष्टुतयोवाजयान्ति ।

टि कि खा ण फ खु शी का कु खा श

हायायाइदीवोहायाजिम् । नागाइर्ववाहो । जाइग्यूराऔहोवा ।

फ खु शि टू त टिट् ख शि

अश्वाः ॥ ९ ॥

टाख्

॥ वामदेव्यञ्च ॥

आवोराजा । नमध्वारस्यरूद्रम् । होताराम् ।

ती खू श क च

सत्ययजरोदसीयोः । अग्निंपूरातनइत्नोराचीक्तात् । हिर ण्यरूपामवसाइकार्णू ।

ष खू ण चा चा खू श चा टि पि खि

ध्वाम् ॥ १० ॥

त्र

॥ वैश्यज्योतिषेच ॥

इन्धाओइहाबुहाबुहाबुराजासमर्योनमोभीयोभीयोभीः । यस्याओहाबुहाबुहाबुप्रतीकमाहुतड्डुताइनाइनाइना ।

ता प णा शु षू तू ता प ण शु षै तू

नराओहाबुहाबुहाबुहव्येभीरिढतेसबाधाबाधाबाधाः । अग्राओहाबुहाबुहाउवा ।

ता प ण शु षृ तू ता प ण तू

अग्रामूषसामशोउवा । ची ॥ ११ ॥

चा टि का ता ख

हाबुहोवाहाबुहोवाहाबुहोवा । इन्धेराजासमर्योनामोभीयोभीयोभीः । यस्यप्रतिकमाहुतड्डुताइनाआइनाआइना ।

की की की षी चिक क ट टा टा शु कूक टा टि टि

नरोहव्येभीरीढते साबाधाबाधाबाधाः । हाबुहोवाहाबुहोवाहाबुहोवा । अग्रिराग्रामूषसामशोउवा ।

शु चिक क ट ट टा की की की ची टि का ता

ची ॥ १२ ॥

ख

॥ यामेद्वे ॥

प्राकेतुनाबृहतायातीयग्राइहोइहोवाहोइ । आरोदसाइ । वृषाभोरो राविताइ होइहोवाहोइ ।

की की षी की च श था चा श की षी टी च श

दीवश्चिदान्तादूपामामुदानाहोइहोवाहोइ । अपामुपास्थेमाहीषोवावर्धहोइहोइहोवा हाउवा । देदिवाम् ॥ १३ ॥

क की कि षि की च श चा कि कि शु की च य टा त टाख

हाहायौहोवाइप्राके । तुनाबृहतायातियाग्रिः । हाहायौहोवाआरो ।

शु खाण का खू षू शु ख ण

दसाइवृषभोरोरवीति । हाहायौहोवाइदीवाः । चिदान्तादूपामामुदानाट् ।

चा खू श शु खाण भि कि खा श

हाहायौहोवाआपाम् । उपास्थेमाहिषोवावार्धा । हाहायौहोवाहाओहोवा ।

शु ख ण भि कि खा श शु ख शि

एदिवाम् ॥ १४ ॥

त टाख

॥ प्रजापतेराशिमरायेद्वेमरायराशिनिवा ॥

हाबुहाबुहावाग्रीम् । नरोनरोनरोदीधितिभीरराण्योः । हाबुहाबुहाबुहास्तात् ।

षी ती षी कि कि ता च षी तित

च्युतान्चुतान्चुतान्जनायातप्राशास्तम् । हाबुहाबुहाबुदूराइ । दशान्दशान्दशान्गृहापतीमाथाव्यूम् ।

षी कि की त च षी तित श षी कि की त च

हाबुहाबुहाउवा । ई । ॥ १५ ॥

षी ति ख

हाबुहाबुहावाग्रीम् । नरोदीधितिभीरराण्योण्योण्योः । हाबुहाबुहाबुहास्तात् ।

षी ति ति कि ता ट ट च षी तित

च्युतान्जनायातप्राशास्तंस्तंस्तम् । हाबुहाबुहाबुदूराइ । दशान्गृहापतीमाथाव्यूंयूंयूंयूंम् ।

चा क की त ट ट च षी तित श की की त ट ट च

हाबुहाबुहाउवा । ई ॥ १६ ॥

षी ति ख

अष्टम खण्डः

॥ श्येनञ्च ॥

अबोधिया । ग्राइस्समीधाजनानाम् । प्रताइधे नूम् ।

ती कु भा त भी त

इवायातीमूषासंयद्वाइ वा । प्रवयामुज्जिहानाः प्रभान्नावाः । सस्राते नाकामाच्छाइळाभा ।

का चा क था भि त चु था भि त कि का च टि खण्

ओइळा ॥ १ ॥

प शा

॥ वासोक्रञ्च ॥

प्रभूर्जयन्ताम् । माहां विबोधाम् । मूरैरमूरम्पुरान्दर्माणाम् ।

तु णाफ् खा श क पू टा त

नाया न्तङ्गीर्भिः । वाणा धियान्धाः । हरिश्मश्रुन्नवर्मणाहाउवा ।

णाफ् खा श णाफ् खा ण् पु फि शि

धनार्चिम् ॥ २ ॥

ता ख

॥ पौष्णञ्च ॥

शुक्रन्तेअन्यद्यजतन्तेअन्यात् । विषुरूपे अहनीद्यौरीवासी । विश्वाहिमायाअवसाइस्वधावान् ।

षु तू षी की टा त षु दू त

भद्रातेपुषान्नीहारातीरा स्तु । तीरास्तुहाबु । बा ॥ ३ ॥

टि टा कि खा श ङ्गी श श

॥ कौत्सञ्च ॥

इळामग्राइ । पुरूदंसंसनीङ्गोः । शश्वक्तमंहवमानायसाधाः ।

ती श खू ण् षी खू ण्

स्यानस्सूनुस्तनयोर्वीजावाग्राइसाताइ । सूमा तिर्भुतुहाउवा । स्माइ ॥ ४ ॥

षि कू ख शु णाफ् ख शी ख श

॥ काश्यपेद्वे ॥

प्रहोताजाताः । माहान्नभोवाइनृषद्वासी । दा दपांविवर्ताइदधद्योधा ।

तु पू टि त तच्क षु टि त

याइसूतेवयांसियन्ताउवा । वासूनीवीधातोयाओहोवा । तनूपा ॥ ५ ॥

षी कु ता की च ट् ख शि ता ख

प्रहोताजातउहुवाहाइ । माहान्नभोवाइनृषद्वासीददपांवीवार्ताइ । ओओहोइहा ।

षु तित श टा टा दु की टा त श का त ता

दाधाद्योधायाइसूतेवयांसियन्तावासूनी । ओओहोइहा । वीधाताइतनू पाओहोवा ।

टा टा षी कु द् त का त ता का टीद् ख शि

हाविष्माते ॥ ६ ॥

टि ख

॥ घृताचेराङ्गिरसस्यसामनीद्वे ॥

प्रसम्प्राजाम् । आसुरस्यप्राशास्तम् । पुंसःकृष्टाइनमानुमादीयास्या ।

ती खू श दू कि खाश

इन्द्रस्येवाप्रातावासःकृतानि । वन्दद्वीरावन्दमानाविवाष्टू औहोवा । दीशआः ॥ ७ ॥

खी खू श चा था चा था टा ख शि ख प्ला

अरण्योः । निहितोजातवे दाः । गर्भइवेत्सुभृतोगर्भिणाइभीः ।

ति खी खाप्ल षी फु खा प्ला

दीवेदीवईढ्योजागृवात्भीः । हावीष्मात्भीः । मनुष्येभीरग्निरिरेहियाहा ।

षी कि टा त खप्ल ख ण षू षू

होइळा ॥ ८ ॥

प्ल शा

॥ भारद्वाजस्यप्रासाहम् ॥

अहावोअहावोअहा । सानादग्नाइ मृणासीयातूधानान् । नत्वारक्षांसीपार्तानासुजीग्युः ।

षू ता कु की खाश कु कि खाप्ल

अनुदहासहमूराङ्क्यादाः । अहावोअहावोअहा । माताइहे त्यामुक्षतदाइवीया ।

की की खाप्ल षू ता क कि पु खि

याः ॥ ९ ॥

त्र

नवम खण्डः

॥ पाथेद्वे ॥

आग्नाउवोवा । ओजीष्ठामाभाराउवोवा । द्युम्नमस्माभ्यमग्निगोओइप्रानाउवोवा ।

टा खाश चा टा खाश क चि ती टी खाश

रायेपानीयसेओइरात्साउवोवा । वाजा यापन्धाम् ॥ १ ॥

क कि ता खाश थाच् क ट ख

अग्नेहाबु । ओजीष्ठामाभाराओहोवा । द्युम्नमस्मभ्यामाग्नीगाओहोवा ।

तात श यी टा खाश यू टा खाश

प्रानोरायेपानीयासाओहोवा । रात्सीवाजा यापोबान्धायां । हाइ ॥ २ ॥

यू टा खाश टा टाच् क प प्ला शा

॥ बृहच्चाग्नेयम् ॥

यदिवीरोअनुष्यादय्याई या । अग्निमिन्धीतमौहोहाहोवात्यः । आजुबाक्ताव्यामानूषात् ।

पी खु खश चू ट त टा त टा टा टा खण

शर्मभक्षाइतादाहाइवाओबा । व्याम् ॥ ३ ॥

क टू त ता प प्ला ख

॥ कौन्मुदम् ॥

त्वेषास्तेधूमऋण्वतीहाबु । दिविसन्शूक्राआतातासूरोनहिहाबु । द्युतातूवाङ्कपापवाहाबु ।

क पा शृ ची का य प शू चा य प शृ

कारोचासा इ । ओइळा ॥ ४ ॥

टि खण् श प प्ला

॥ बृहचैवाग्नेयम् ॥

त्वंहिक्षैतवद्यशइयइय्याहाइ । अग्नाइमित्रोनापात्यासाइ । ओओहोइयाहाइ ।

षू तु त श कू खा ण श का ख प्ला ण श

त्वंविचार्षणेश्रावाः । ओओहोइयाहाइ । वासोआपुष्टाइन्नापूष्यासी ।

कु ख ण का ख प्ला ण श का प कु ख ण

ओओहोइयाहा । होइळा ॥ ५ ॥

का ख छि प्ला शा

॥ कौन्मुदञ्चैव ॥

प्रातरग्नाइः पूरूप्रीयाः । वीशास्तवेताअतिथाइः । वाइश्वेयास्मिन्नामार्तायाइ ।

तू ति का टा ती श की टि ख ण श

हाव्यांहोइमर्ताहो साइन्धाता इ । ओइळा ॥ ६ ॥

टा टी कथ् टि खण् श प प्ला

॥ अग्रेयद्वाहिष्ठीयेद्वे ॥

यद्वाहिष्ठन्तदा । ग्रायाइ बृहदर्चावीभावासाबु । माहीषाइवात्वद्रयिस्त्वाद्वाजाः ।

तू षि तु टा त श टा टि दू त

ऊदीराताइ । ओइळा ॥ ७ ॥

टि खण् प शा

यद्वाहिष्ठन्तदग्रयेयद्वाहिष्ठोवा । तादग्रयाइबृहदर्चावीभावासाबु । महीषाइवात्वद्रयीस्त्वाद्वाजाः ।

षु तू त षु टि तच् क च चा श टि ता दु त

ऊदीराताइ । ओइळा ॥ ८ ॥

टि खण् प प्ला

॥ अग्रेश्चविशोविशीयम् ॥

विशोविशोहिंवोअतिथाइम् । वा जय न्ताःपूरूप्रीयाम् । अग्निंवोदूरायाहिम्माइ ।

तू खिश तच का टा प श टि पाश चा श

वाचास्तूपेहाइ । ओहोवाइशूषाहिम्माइ । स्यामान्माभाएहियाहा ।

त त प णाश का खिण चा श त त ख प्ली श

होइळा ॥ ९ ॥

प्ला शा

॥ प्रजापतेःकनीनिकेद्वेअत्रेर्वा ॥

बृहद्वयाः । हीभानावाइ । अर्चादेवायाग्रायाइ ।

ती टि त श दू त श

यम्मित्रन्नप्राशास्तायाइ । मर्तासोदा । धीरो बापूरो ।

यू टा श पि श खाप्ला प्ला

हाइ ॥ १० ॥

शा

बृहद्वयोहिभानवाए । अर्चादेवा याअग्रायाइ । यम्मित्रन्नप्राशास्ताइ ।

षी ती त चा थाच् क टा त श कि काय टा श

मार्त्तासोदधाइरेपुराऔहोहाऔहोवा । वाहाः ॥ ११ ॥

क था यी टा खि शि त टख्

॥ श्रौतर्वणञ्च ॥

अगन्मवृ । त्राहन्तामम् । ज्याइष्ठामाग्निमानावम् ।

ती त पा श कि पी श

यास्माहोइश्रु तर्वन्नाक्षाइबृहा द्वोयानीकयाआउवाए । ध्याते ॥ १२ ॥

टाच् क का षी दूच् च का ता भी ख श

॥ कश्यपस्यसयोनिः ॥

जाताःपरे णाधाई हा र्माणाइहायोनिम् । योनिमिन्द्राश्च गच्छथोयस्तावृद्धिसाहाई हा भूवाईहायोनिम् ।

चा टाच्च क टा कथ् टि खाश की कथ् की टा टा क टा कथ् टि खाश

योनिमिन्द्राश्च गच्छथाः । पितायात्काश्यापाई हा स्याग्नाई हायोनिम् ।

की कथ् कि टि क टि कथ् टि खाश

योनिमिन्द्राश्चगच्छथाश्चद्धामाता मानाई हा कावाई हायोनिम् । योनिमिन्द्राश्चगच्छथाः ॥ १३ ॥

की कू थाच्च क टा कथ् टि खाश की खी

दशम खण्डः

॥ बार्हस्पत्यञ्च ॥

सोमंराजानंवरुणाम् । अग्नीमन्वारभामहे होवाहाइ । आदित्यंविष्णुंसूर्यं होवाहाइ ।

षी ती की ची टा त श थ की का टा त श

ब्रह्माणाञ्चाहोवाहाइ । बृहाउवा । स्पातिम् ॥ १ ॥

टि त टा त श टा ता ख श

॥ ऐषञ्चारूढवदाङ्गिरसम् ॥

आरू हन्नारूहन्नारू हन् । इतएताऊदा रूहान् । दीवाःपृष्ठान्नियारूहान् ।

टाच् क टा क टाच् क ची काच् य ट चा की य ट

प्राभु र्जयो याथापाथा । उद्यामङ्गी रासोयायूः । आरू हन्नारूहन्नारू हाऔहोवा ।

का काच् काय ट चा काच् काय ट टाच् क टा क टाट् ख शि

ऊपा ॥ २ ॥

ख श

॥ आसीतेद्वे ॥

रायेअग्नेमाहाइ । त्वादानायसमीधीमाही । आइळिष्वाहीमाहेवृषान् ।

तू श कू टा त टि टा क च चा

द्यावाहोत्रा याप्रोवाथावाइ । हाइ ॥ ३ ॥

टा टाच् क प प्लु प्ला श शा

रायायाग्नेमहेत्वाहाबु । दानायसमीधीमाहाइ । आइळाइष्वाहाइ माहे वार्षान् ।

काप शू कु टा त श दू त श काख ण

द्यावाहोत्रायाप्रोवाथावाइ । हाइ ॥ ४ ॥

भित क प प्लु प्ला श शा

॥ त्वाष्ट्रीसामच ॥

दधन्वेवायदीमनू । वोचत्त्रह्येतीवेरूतत्पारीविश्वा नीकाव्या । नाइमीचक्राउवामीवा ।

फी की षी तु टिच् चा श षि कू ख श

भूवादौहोवा । होइळा ॥ ५ ॥

पि प्ला प्लु शा

॥ मानवञ्च ॥

त्ववमग्नेत्वमग्नाइ । वासुंरिहारुद्रंआदीत्यंऊता । याजासूआध्वारन्जनामानुजाताम् ।

तू श षी टि त च का टित क चि टि त

घृतप्रू षामिळाभा । ओइळा ॥ ६ ॥

चि टि खण् प प्ला

॥ अगस्तस्यचराक्षोघ्नम् ॥

प्रत्याग्रे होइहरसाहराए । शृणाहिवाइश्वताः । प्राती ।

फिळ् खु फ्लि टी खाणफळ् ख श

यातूधाना । स्यरक्षसोबालाम् । न्युब्जाओबा ।

ट चि ची ट त ता प ळ

रीयम् ॥ ७ ॥

ख श

एकादश खण्डः

॥ तौदेद्वे ॥

पुरू । त्वादाशिवंवोचाएदारीरग्राइ । तावस्विदा ।

ता क पू शु क चि
तोदस्येवशरणयाहोइ । महाहोयेस्योयाऔहोवा । ई ॥ १ ॥

क टू च श टा टा खा शि ख
पुरूत्वादाशिवंवोचेत् । आरीरा ग्राइ तावास्वाइदा । तोदस्येव शरणयाहाइ ।

षी तु खि शा खि णा षी स्त्री ण श
माहाहोयेस्योयाऔहोवा । ई ॥ २ ॥

ट त टा खा शि ख

॥ दैर्घतमसानित्रीणि ॥

पुरूत्वादाशिवंवोचेत् । आराइराग्राइ । तावास्वाइदा ।

षी ति त पी शा खि णा
तोदास्याइवाशाराणाया । माहास्या । ए ॥ ३ ॥

खि शा खि ण खात्र तच्
पुरूत्वादाशिवंवोचेत् । अरिरग्राइतवास्वाइदा । तोदास्याइवाशाराणाया ।

खि शु पी टि ख णा ख ण्ण ख शा खि ण
माहा । स्या ॥ ४ ॥

खा त्र
। पुरूत्वादाशिवंवोचेद्वाबु । हाबुहोहाउवोवा ।

पि शृ क टा खि ण
अरिरग्रे तवास्वीदा । हाबुहोहाउवोवा । तोदस्येवशराणाया ।

की कि च क टा खि ण क का कि चा
हाबुहोहाउवोवा । ए माहास्या ॥ ५ ॥

क टा खि त्र तचक ट ख

॥ श्यावाश्वस्यप्रहितौद्वौ ॥

प्रहोत्रेपू । व्यंवचोग्रयाइभाराताबृहात् । वीपान्जोतीम् ।

ती टु चा क च चा टि त
षीबाइभ्रा ताऔहोवा । नवे धासे ॥ ६ ॥

टीट् ख शि ताच् ट ख
प्रहोत्राइपू र्वीयंवाचाः । आग्रये भारता बृहात् । वीपान्जोतीषीबीभ्रताइ ।

खु ष्ठी टि च काच् क ट फू ता श
नावेधासो । हाइ ॥ ७ ॥

प श ख ण्ण शा

॥ प्रजापतेःश्रुधीयेद्वे ॥

अग्नेवाजास्यागोमातोवा । ईशानस्साहसोयाहो अस्मेदेहीजातावेदोमहाइश्रवाउवा । श्रोधियाएहिया ।

फी चीश क कु का का का चा था टा टि ता च टाट खाण्

ओइळा ॥ ८ ॥

प शा

अग्नेवाजस्यगोमतोहोवा । ईशानस्साहसोयाहो । आस्मेदाइहीजातावेदो ।

षी तीतत क कु खश च य पि प्ला ता

माहीश्रावो । हाइ ॥ ९ ॥

प श ख प्ल शा

॥ प्रजापतेःसदोहविर्धानानित्रीणिसदःपूर्वहविर्धाने उत्तरे ॥

अग्नेयजिष्ठोअध्वराए । देवान्देवायाताइयाजाहुवाहोवा । होतामन्द्रोवीराजासीहुवाहोवा ।

षु तित ची का या ट ता का चा थाच् काय ट ता का

आतिस्राइधाः । ओइळा ॥ १० ॥

टि खाण प शा

आग्नाइयाईया । याजिष्ठोअध्वराइदेवान्देवायतेहाबुहोवा । याजाहोतामन्द्रोवीराजासी ।

फा खाखश पू ती टि की टा टा था क पा श

आतीयाऔहोवा । स्त्रीधाः ॥ ११ ॥

ट खा शि ख प्ल

अग्नियाओवा । याजिष्ठोअध्वराइदेवान्दाइवा । आयाते याजाहोताउवा ।

तु पू टी ता चि टा पा शा

मन्द्रोवीराजासाऔहोवा । आतिस्रीधाः ॥ १२ ॥

थाच् काट ख शि थ टिख्

॥ त्वष्टुश्चातिथ्यम् ॥

जज्ञानस्सा । समा तृभाइर्मेधामाशा । सातस्त्रायाअयान्ध्रुवाः ।

ती काच् क कीख ण चि ट टा ख ण

रयाइणाञ्चिकाइतादाऔहोवा । ऊपा ॥ १३ ॥

टा ता टीट् ख शि ख श

॥ अदितेश्वसाम ॥

उतस्यानोदीवामातिः । आदीतिरूतियागामात्साशान्ताता । मायास्कराउवोवा ।

खी प्ली क कि चाय ट टि त फा खीश

अपास्रिधाः । होइळा ॥ १४ ॥

प्ली प्ल शा

॥ अगस्तस्यचराक्षोग्नम् ॥

ईळाइष्वाहिप्रतिव्याम् । याजस्वाजातावे दसाञ्चरिष्णुधूमामग्रभाइ । ताशोऔहोवा ।

का पा शि कि कि टा खु ति श ट ख शि

चीषम् ॥ १५ ॥

ख श

॥ वाक्जभञ्च ॥

नतोवा । स्यामा । यायाचानारीपुरीशीतमाआउवा ।

ता त ख श टी च कि ता टि

तीयाः । योअग्रयेददाशहव्यदोबा । ताये ॥ १६ ॥

ख ळ षी पू ळ ख श

॥ बृहदाग्रेयञ्चसङ्कृतंवा ॥

अपत्यं ब्रजिनं रिपुं स्तेनामग्नाइ । दूराधायान्दिविष्ठमत्स्यासात्पताइ । कार्द्धीसूगाम् ।

षू खी ता श टि ख फू ता श प श ख ळ

हाइ ॥ १७ ॥

शा

॥ अगस्तस्यचैवराक्षोग्नम् ॥

हाबुश्रुष्ट्याग्नेनवस्यामेहाबु । स्तोमास्यवाईरविस्पतायेऐहिहाबुहोवा ।

षु त त श क कि पू शू

नीमाईनास्तापसाराऐहिहाबुहोवा । क्षासाऐहीहाबुहोवा ।

का का पी शू प शू

दहएहियाहा । होइळा ॥ १८ ॥

पु श ळ शा

द्वादश खण्डः

॥ वसिष्ठस्यप्रमंहिष्ठीयानिचत्वारि ॥

प्रमंहाइष्ठायगायता । ऋतात्रे बृहते शुक्राशोचाइषाइ । उपाओहोस्तुतासोआग्रायो ।

खि शू टिच् कि पा श त ताश पि श पि श ख ण्
हाइ ॥ १ ॥

प्रमंहिष्ठायगा । याताऋतात्रे बृहाताइशूक्राशोचाइषाइ । ऊपास्तुतौ हुवाएहोवा ।

तू च टि टच् काय टाक टा ताश चा टाच्क टा का
सावोबाग्रायो । हाइ ॥ २ ॥

प्रमंहिष्ठायगाइय्याई या । याताऋतात्रे बृहतेशूक्राशौहौहुवाइचाइषाइ । उपाहोइस्तुताहोसोअग्राया इ ।

फु खा खश थ की टी टा ट टी टी श का कीक थ टा खण् श
ओइळा ॥ ३ ॥

प्रमंहिष्ठायगायतप्रमंहिष्ठोवा । यागायताऋतात्रे ईबृहते शुक्राशोचाइषाइ । उपौहोवाहाइ ।

षू तू त का टी ख णी फि त ताश फा ता त श
स्तुतौहोवाहाइ । सओबाग्रायो । हाइ ॥ ४ ॥

फा ता त श ण्हा ण्हा शा

॥ भरद्वाजस्यवाजभृत् ॥

प्रासोहाआग्रेहाइ । तवाआउवा । तीभीः ।

टा त टा त श ता टि ख ण्
सूवीराभिस्तारातीवाजकर्माभिर्यास्याहाइ । त्वंसाख्यमोबावाइथो । हाइ ॥ ५ ॥

चाश चि चा का चि ट त श पा ण्हा ण्हा शा

॥ सौभराणित्रीणि ॥

तङ्गू र्धायास्वर्णारोवा । देवासोदेवामाराताइन्दधाहोइन्वाइराइ । देवात्राहव्यमूहाहाइ ।

णाफ् खा ण्हा ड श क चा क टी टि टि ताश थ टु त त श
हाइषाओहोवा । ऊक् ॥ ६ ॥

ट खा शि ख
तङ्गूर्धयास्वर्णाराम् । देवासोदाइवामाराताइन्दधन्विराउवाइ । देवात्राहाव्यमोबाहाइषो ।

तू त क का क चि टा श्रु खशङ्क त प ण्हा ण्हा
हाइ ॥ ७ ॥

शा
तङ्गूर्धयास्वौहोआर्णाराम् । देवासोदे । वामारताइन्दाधान्वाइराइ ।

कु ति त टा ख ण टी खा ण्हा ख शि
हाहोहाइ । देवात्राहा । व्यमूहा इ ।

खा ण श टा ख ण खिणफण् श
षाइ ॥ ८ ॥

ख श

॥ पथस्यसौभरस्यसामनीद्वे ॥

मानाः । हृणीथाआतिथिंवासुराग्निः । पुरौहोवाहाइ प्रशौहोवाहाइ ।

ता का ट कि टा ख श फा ता त श फा ता त श

स्तओबाआइषो । हाइ ॥ ९ ॥

ह्लि ह्लि शा

मानोहाबु । हार्णीथाआतिथिं वासुरा ग्राइः । पूरोहाहोइ प्राशोहाहो स्तायेषाएहियाहा ।

ता त श प णा ण फाह् खि ण श चा चा श क थ काथ् पा ह्ली श

होइळा ॥ १० ॥

प्लु शा

॥ दैवानीकञ्च ॥

भद्रोनोओहोअग्निरा हुताए । भद्राराताइ सुभगाभद्रोअध्वाराः । भद्राऊता ।

फिह् खी ह्लि क था च श क टा टा खा ण टि त

प्राशास्तायो । हाइ ॥ ११ ॥

प श ख प्लु शा

॥ साधञ्च ॥

याजीष्ठन्त्वावावृमहाइ । देवन्देवत्राहोताराम् । आमात्तर्यामास्ययाज्ञा ।

णा फा ख शी क टू च चा क टी

स्यासुक्रातूम् । हाइ ॥ १२ ॥

प श ख प्लु शा

॥ जमदग्रेश्चसंवर्गः ॥

तदग्रेद्यूम्नामाभारोवा । यत्सासाहासादानाइ । कञ्चिदत्राइणाम् ।

फी ची श टी त टा त श थ टि ता

मन्यूञ्जनास्यदू होढायामेहियाहा । होइळा ॥ १३ ॥

का चा टा च्च प ह्ली श प्लु शा

॥ अगस्तयस्यचराक्षोघ्नम् ॥

यद्वाऊविशपतिरिशितः । सुप्रीतोमानुषो वीशेवीश्वेदाग्नीः । प्रातिरक्षांसिसे धाताओहोबा ।

पि शु कि किच् चा टि त कूच् क टा ख प्लु

होइळा ॥ १४ ॥

प्लु शा

॥ अग्रेश्चश्रैष्ठ्यम् ॥

आयं अग्निश्रेष्ठातमोहो आयम् । वामधुमत्तमोहो आयम् । साहास्रासातमोहो आयम् ।

चा चिक चा टच् चा ट कु टच् चा चा चा टा टच् चा

अस्मिन्नास्तुसुवी र्यामौहो । ओइळा ॥ १५ ॥

की काथ् टा त प शा

॥ आदित्यस्यचरुचिरोचनंवा ॥

आदित्यश्शू । क्राउदगात्पुरुस्तात् । ज्योतिःकृण्वान्वितमोबाधमानाः ।

ती च खू श क कि खू प्ल

आभासमानाःप्रादीशोनुसार्वः । भद्रस्यकार्तरूचयान्नाया । गात् ॥ १६ ॥

क टी कि खा प्ल की त पि खा त्र

तद्धपाठः

प्रथम खण्डः

॥ रौद्रेद्वे ॥

तद्वोगाया । सुताइसचापुरुहुताहा हाइयासत्वानाइ । शंयत्गावे ।

ती ता ति टा खाशङ्कत चा खा ण श क टा त

नाशौहौ हूवोबाकाइनो । हाइ ॥ २ ॥

टा टच्कप प्ल णि शा

तद्वोगायसुतेसाचाए । पुरुहु तायसत्वानेपुरुहुतायासात्वानाइशंयात्गौवाउवोवा । नाशाकाइनो ।

षी ती त कि कु चा था च य ट ख फि खीण प श ख प्ला

हाइ ॥ ३ ॥

शा

॥ मार्गीयवञ्चैव ॥

तद्वोगायसुतेसाचाए । पूरुहुतायसत्वनाइशंयत्गावे । ऐहायाऐहि ।

षी ती त कि षू टि त च य ट ता

नाशाकाइनाऔहोवा । ई ॥ ४ ॥

टिट् खा शि ख

॥ आश्वञ्च ॥

यस्तेनूनांशताकृताबु । इन्द्रद्युम्नीतामोमादाः । तेननूनाम्मा ।

फी की श षी टि च क भि त

दाइमाउवा । देः ॥ ५ ॥

टि ता ख

॥ ऐटतेद्वे ॥

गावण्गावाः । उपावदावादाऔहोवा । वाटे ।

तु ती ट ख शि ख श

महीयाज्ञा । स्यरास्याराऔहोवा । प्सुदाउभाकार्णा ।

खिण ताट् ख शि ख श खिण

हिराहाइरा औहोवा । ण्याया ॥ ६ ॥

ताट खा शि ख श

ओइगावाः । उपा वादावाटाउवोवा । माहीयज्ञास्याराप्सूदाओयू भा ।

खिण ताच् का टा खाश चा का ता टा खाश

कर्णाउवोवा । हिर ण्यया ॥ ७ ॥

टा खाश का टाख्

॥ श्रौतकक्षेत्रे ॥

अरा मश्वायगायाता । श्रुताकक्षाराङ्गावाआरम् । हाहाइन्द्रास्याधा ।

खा प्ली ड श टी य काख ण त त पि श

होयेमोयाऔहोवा । ई ति ॥ ८ ॥

क ट खा शि ख श

अरमश्वायगायतअरमश्वोवा । यागायाताश्रुताकक्षाहाहाआराङ्गावाइ । आरामिन्द्राहाहास्याधाम्नाऔहोवा ।

षू तू त काच कि टा त त काख ण श टी त त क थ टा ख ण

होइळा ॥ ९ ॥

फ़ शा

॥ तन्वस्यपाथस्यसामनीद्वे वसोवर्षेः ॥

तामिन्द्रांवाजयामसि । माहे वृत्रा याहान्तावे । सावार्षावृ ।

पि शु चा थाच् काय ट चाय ट

षाभोबाबाभूवात् । हाइ ॥ १० ॥

क प प फ़ प्ला शा

तामिन्द्रांवाजयामसिहाबु । माहे वृत्रा याहान्तावेहोवाहाइ । सावार्षावृहोवाहाइ ।

पि शू चा थाच् काय ट टा त श चाय ट टा त श

षाभोभू वाऔहोवा । एदावासू ॥ ११ ॥

टिट् ख शि ता टाख्

॥ अङगिरसान्निवेष्टौद्वौ इळा नांवासङ्कारौ ॥

तामिन्द्रंवाजयामसीए । महाहाइवृत्रायाहोवाहन्तवेओवाई या । ओमोवासहेवार्षाओवाई या ।

षि तु त ता चिक च क क टा काट्ट त कु टा काट्ट त

ओमोवावृ षाभोयाऔहोवा । भूवात् ॥ १२ ॥

की टा ख शि ख श

औहोवाइहुवाहोइतमिन्द्रंवाजायामासी । औहोवाइहुवाहोइमहे वृत्रायाहन्तावे । औहोवाइहुवाहोइसवार्षावृ ।

तू की खा का फा तू की चा का फा तू की ख ण

षाभोभू वादिळाभाएहिळा । होइळा ॥ १३ ॥

टिट् त प्ला प्ली फ़ शा

॥ शय्यातानित्रीणि ॥

हाबुत्वमिन्द्रा । बलादधिहाबुहाबु । सहासाजाताओजासाहाबुहाबु ।

तु कु ता श का था ट भि ति श

त्वांसान्वार्षान्हाबुहाबु । वृषाइदा साओहोवा । वृधे ॥ १४ ॥

च य टा ति श टीट् ख शि ताच्

त्वमिन्द्रबलादधी । सहासाजाताओजसाइयाहोइयाइयोवा । त्वांसान्वार्षान्इयाहोइयाइयोवा ।

षि ती त का था ट भि का कि खा श च य टा का कि खा श

वृषाइदा साओहोवा । महे ॥ १५ ॥

टीट् ख शि ताच्

त्वमिन्द्रबलादधीसहसा । जाताओजासाइहोइहा । त्वांसा न्वार्षानिहोइहा ।

षू तु का का ख शी काच् क ख शी

वृषाइदा साओहोवा । ई हा ॥ १६ ॥

टीट् ख शि ख श

॥ इन्द्राण्यास्साम ॥

यज्ञइन्द्रमवर्धायात् । यत्भूमिंवायवार्तायात् । चाक्राणाओ ।

षी ति त दू ख ण ख ण ख ण

पाश न्दीवीचक्रा णाओपाशाओहोवा । दीवि ॥ १७ ॥

काच् क किच् का खा शि ख श

॥ गोषूक्तम् ॥

यदिन्द्राहं यथौहोओहोवाहाइतुवाम् । ईशीयावास्वायौहुवाइहुवाइकाईत् । स्तोतामेगोसाखौहुवाइहुवाइ ।

षी तू ती क कि टा टा टि टि क टि टा टा टि श

सायाद्धोयाओहोवा । अग्निराहुताः ॥ १८ ॥

टा ट ख शि कि टाख्

॥ आश्वसूक्तञ्च ॥

आबुहौहोवाहायदिन्द्राहाम् । याथात्वामैहीऐही । आइशीयावास्वाआइकइदैहीऐही ।

ख श्रु टी तिच् कि का दू तिच्

ओइस्तोतामाइगो साखासायाओहोवा । शुक्रआहुताः ॥ १९ ॥

ट टि टिच् का टट् ख शि कि टाख्

॥ गौरीवितम् ॥

पन्यम्पन्यमित्सोताराः । पन्यम्पन्यमित्सोताराः । आधावतमाद्याया ।

षी ति त यू प श का खी श

सोमं वीरायशूरा । या ॥ २० ॥

का टा खि त्र

॥ गौराणित्रीणि ॥

इदंवसाबु । सूतमान्धाः । पीबासुपू र्णामुदारामनाभयाईन् ।

ती श टि त चा का टि ख खा ता श

ररोबामातो । हाइ ॥ २१ ॥

प्ला फ्लि शा

ईदां वसोसूतमन्धाः । पीबासुपूर्णामूदारम् । आनाभायाईन् ।

णाफ् खा शी टित टाख ण ट त ट च ट

रराहाउवा । माते ॥ २२ ॥

टा ति टाख्

इदंवसोसुतमन्धाए । पीबासुपू र्णामूदरौहोवा । पीबासुपूर्णामूदरौहोवा ।

षी ती त का काक क टात त चु थित त

आनाभाईन् । ररिमाताऔहोबा । होइळा ॥ २३ ॥

भित चि टा ख पू पू शा

द्वितीय खण्डः

॥ सौपर्णानि त्रीणि ॥

उत्थेद्भयोवा । श्रूतामाघम् । वृषाभन्नार्यापासम् ।

ती त का ख ण टु ख ण

आस्तारामे । षाड्सूर्याऔहोबावहोइळा ॥ १ ॥

ट टा त कि टा ख ण्ड ण शा

उत्थेदभिश्चूतामाघाम् । वृषाभन्नार्या हिं । पासम् ।

षी त त चिकफळ् च प श

आस्ताउवा । रामाडिषिसूओबारायो । हाइ ॥ २ ॥

प्ला शा क कीप ण्ड प्ला शा

उत्थेदभिश्चूतामघमियइयाहाइ । वृषाभन्नार्या हाहाइपासम् । आस्ताउवा ।

षू तु त श चिकफळ् त त श प श प्ला शा

रामाऔहोवा । षिसूर्या ॥ ३ ॥

ट ख शि टिख्

॥ शाकलम् ॥

यदद्यकाच्चवृत्रहान् । ऊदगाआभीसूराया । सार्वान्तादिन्द्रतायेहिं ।

फी की कु टा त की टि च

वाशो । हाइ ॥ ४ ॥

ख ण्ड शा

॥ आभरद्वसवेद्वेऐन्द्राग्नेर्वा ॥

ययाहाबु । आनायादानायात्पारावाताः । सूनीतीतू सूनीतीतू वाशंयादूम् ।

ता त श टि टि का ख ण टीचक टिच् का ख ण

इन्द्रास्सानो इन्द्रास्सानो यूवाऔहोवा । साखा ॥ ५ ॥

टीचक टिच् ट ख शि ख श

यआनयत्परावाताः । सूनीतितुर्वशांयादूम् । इन्द्रस्सनोयूवासाखा ।

षि ती त यू प श यू प श

इन्द्रोग्निः । इन्द्राऔहोग्नाइः । आइन्द्रोग्नायाऔहोवा ।

खा श क का ख ण श कि ट ख शि

ईन्द्राः ॥ ६ ॥

ख ण्ड

॥ तान्वेद्रे ॥

मानइन्द्राभ्यादाइशाः । सूरुआत्तुष्वायामातुवायूजा । वानाइमातात् ।

षी ती की टा ख खा ता टी खण्

ओइळा ॥ ७ ॥

प शा

मानाइन्द्राभ्यादिशः । सूरुआत्तुष्वायामात् । त्वायुजावानौहोमातौहूवादौहोवा ।

ण फ खा शि खि श खाण कि टा थ का किखत्र

एययूः ॥ ८ ॥

त टाख्

॥ रौहितकूलियेद्रे ॥

एन्द्रसा । नासिरयिसजित्वानं सादासाहाम् । वार्षीष्ठामू तयाआउवाए ।

ति षी की टि त ट त का ता भी

भारा ॥ ९ ॥

ख श

एन्द्रसानसा । इंरायाइंसजित्वानंसादासाहाम् । वार्षीष्ठामू तायोबाभारो ।

तु टि कु टि त टा टाच्च प प्ला

हाइ ॥ १० ॥

शा

॥ इन्द्राण्यास्सामनीद्रे ॥

इन्द्रामिन्द्रंवायामाहामहाधानाइ । इन्द्रामिन्द्रंमर्भाइहावाहवामाहाइ । यूजायुजंवृत्राइषुवाषुवज्रीणाम् ।

दू दू श दू ष दू श दू पण्

ओइळा ॥ ११ ॥

प शा

इन्द्रंवायाम् । माहामहाधानाओऔहोइहा । ईहीबालाउवोवा ।

ती दू का त ता टी खाश

ईहाइन्द्रमर्भाइ । हावाहवामाहाओऔहोइहा । ईहीबालाउवोवा ।

खश शू दू का त ता टी खाश

ईहायुजंवृत्राइ । षूवाषूवज्रीणांओऔहोइहा । ईहीबालाउवोवा ।

खश शु दू का त ता टी खाश

ईहा ॥ १२ ॥

खश

॥ इन्द्रस्यसहस्रबाहवियम् ॥

अपिबत्काद्रूवस्सुताम् । इन्द्राहोइसाहाहोवासावांभे । तत्रादादीष्टापौहौहुवाईयांसीयामौहोबा ।

तु ति मि का क किय ट टि त क ट ट टा ट त त पा प्ला

होइळा ॥ १४ ॥

प्ला शा

॥ धृषतोमारूतस्यसामनीद्वे ॥

वयमाइन्द्रा । त्वाया वाऔहोवा । आभिप्रनोनुमोवृषान्विद्धाइटुवा ।

पि णा टाट् ख शि टि खी खा ति

स्यानाऔहोवा । वासो ॥ १५ ॥

टट् ख शि ख श

वयमिन्द्रा । त्वायावाः । आभिप्रनोनुमोवार्षान् ।

ती प्ला श पू प श

विद्वितू वाआओहाइ । स्यानोबावासो । हाइ ॥ १६ ॥

खिपू खा ण श पि प्ला प्ल श

॥ भारद्वाजस्यदारसन्तित्रीणि ॥

वयमौहोइन्द्रा । त्वायावाः । आभिप्रनोनुमोवार्षान् ।

तू प्ल श यू प श

विद्वितुवोहाइ । स्यानोहाइ । वासाऔहोबा ।

खी ण श प्ला शा क टा ख पू

होइळा ॥ १७ ॥

प्ल शा

वायामौहोवाहाइन्द्रत्वाऔहोवाहायावाः । आभीप्रानोओइनुमोवार्षान् । वाइद्धीतूवास्यानाऔहोवा ।

खा शी खि शू ट त ट त टु त ट ता ट त ट ख शि

वासो ॥ १८ ॥

ख श

हाबुवयमिन्द्रा । त्वायावाः । आभिप्रनोनुमोवार्षान् ।

तू ट टा टू टा

विद्धाइटुवास्यानोवा साऔहोवा । अस्माभ्यङ्गातुवित्त माम् ॥ १९ ॥

टा टि टिट् ख शि चा क त किख

॥ ऐधमवाहानि त्रीणि ॥

आघायेआग्निमिन्धाताइ । स्तृणन्तिबर्हिरानुषाग्येषामिन्द्रोयुवा । इहाउवाउवोबासाखो ।

षु ता त श क टि कु चि शा पु प्ल प्ला

हाइ ॥ २० ॥

शा

आघायेइहा । ग्रीमाइन्धाताउवोवा । ई हा ।

तु टु खा श ख श

स्तृणन्तीबर्हिरानुषाउवोवा । ई हा । एषामाइन्द्राउवोवा ।

कि त टी खा श ख श क टी खा श

ई हा । यूवायुवासाखा । ई हा ॥ २१ ॥

ख श टि ख त्र ख श

औहोआघायाए । ग्रीमाइन्धाताऔहोवास्तृणन्तीबर्हिरानुषाऔहोवा । एषामाइन्द्राऔहोवा ।

तु त टु खा श कि थ टी खा श क टी खा श

यूवासाखाउवाहाबु । बा ॥ २२ ॥

का प प्ली श श

॥ अहेःपैण्वस्यसाम अहिहनोवाबैल्वस्य ॥

भिन्धियोहाइ । वाइश्वा आपाद्वाइषाउवोवा । पाराउवोवा ।

ति त श किच् का टि खाश टा खाश

बाधोजहाइमाद्धाउवोवा । वासुस्पार्हन्तदाभरा ॥ २३ ॥

षु टा खाश कि कि खा

तृतीय खण्डः

॥ ऐषञ्च ॥

ईहेवाश्रुण्वएषाम् । काशाहस्तेषुयाद्वादान् । नियामैश्वीत्रामृ न्जताइ ।

पि शी यू प श खी किक फ श

नीयामैश्वाइत्रामान्जाताइ । एहियाऔहो । एहियौहोए हियौहोवा ।

षि टी ख ण श खि ता क की की

एहि ॥ १ ॥

ख श

॥ पौषञ्च ॥

इमाउत्वाविचक्षते सखायाः । इन्द्रसोमाइनाहोयेहोवा । पुष्टावान्तोहोयेहोवा ।

षी खी खा श भी ता टा ट त टि त टा क त

याथोबापाशुम् । हाइ ॥ २ ॥

क प छू प्ला शा

॥ मरूताञ्चसंवेशीयम् ॥

सामस्यामान्यावेवीशाः । विश्वेनामान्ताकृष्टायाः । सामुद्राये वासिन्धावाः ।

टी त चि टी त चि टीच क टा खण्

ओइळा ॥ ३ ॥

प शा

॥ हाविष्मतेद्वे ॥

देवानामिदाउवोवा । आवाउवोवा । माहात् ।

फि खी श टा खा श ख श

तादावृणाइमाहाउवोवा । वायम् । वृष्णामस्माभ्यामाउवोवा ।

ष टा खा श ख श टू खा श

ताये ॥ ४ ॥

ख श

हाबुदेवानामिदवोमहद्वाबु । तादावार्णाइमाहेवायम् । ऐ हायाऐही ।

षु तू श का टा चा क ख ण टच य ट ता

वृष्णामास्मा । भ्यामूता याऔहोवा । हावीष्माते ॥ ५ ॥

भि त टिट् ख शि टि ख

॥ हाविष्कृतेद्वे ॥

देवानामिदवोहाबुमाहात् । तादावृणाइमाहाइवायाम् । वृष्णांहोयास्मा ।

षू ति त षु टी त टाच् य ट त

भ्यामूता याऔहोवा । हाविष्कार्ते ॥ ६ ॥

टिट् ख शि टि ख

देवानामिदवोमाहात् । तादावृणी माहाइवायाम् । वृष्णामास्माभ्यामोबातायो ।

षू त त कीच् क टि त भि तच् क प ष् ष्णा

हाइ ॥ ७ ॥

शा

॥ काक्षीवतञ्च ॥

सोमानांस्वरणम् । कृणूहिब्रह्मणस्पाताये ओहाहाइ । कक्षाइवान्ताम् ।

खा शी षि की टा ख ष्ण त श भी त

यऔहो औहोबाशाइजो । हाइ ॥ ८ ॥

तिच् क ख ष्ण ष्णि शा

॥ उषसश्च साम ॥

बोधन्मनाः । इदास्तूनोवृत्रहाभूर्यासूतीः । शृणोऔहो ।

ती टा ट् कि ट् ख ण खा ता

तुशाक्राआशिषामौहोबा । होइळा ॥ ९ ॥

चा क पी ष्णा ष्ण शा

॥ भारद्वाजस्यमौक्षेद्वे ॥

अद्यनोदेवसवितरौहोवाइ । इहश्रुधाइप्रजावात्सावीस्सौभगा । म्पारादूष्वाहोवाहाइ ।

षु तु त श षु टि त टा चा य टात टात श

मियंसूवा । दक्षाया ॥ १० ॥

पित्र ता टक्

अद्यानोदेवसवितः । प्रजावत्सावीसौभगाम्पारादूष्वा । मियंसुवाउवाओवाऔहोवा ।

खा शू का की टि खा ण कू टट् ख शि

अस्माभ्यङ्गातुवित्तमाम् ॥ ११ ॥

चि त क ख

॥ भारद्वाजानित्रीणि ॥

कोवस्यवार्षभोयूवा । तुविग्रीवोआनानतोब्रह्माकास्ताम् । ऐ हायाऐही ।

प फि शी चिक क कि टि त टच्च ट ता

सापर्याता इ । ओइळा ॥ १२ ॥

क टा खण् श प शा

कूवाकूवा । स्यावृ षाभोयूवाओहाहाइ । तुवीग्रीवो आनानताओहाहाइ ।

ती चा टी ख फ्ल त श का थाच् टी ख फ्ल त श

ब्रह्माकास्ताओहोवा । सपर्याती ॥ १३ ॥

टिट् ख शि खी

ऐहीऐही । कास्यवृषभोयूवाऐहीऐही । तुविग्रीवोआनानताऐहीऐही ।

ती शु तू षू तू

ब्रह्माकस्तंसपर्याताऐहीऐही । आइहाओहोवा । आइही ॥ १४ ॥

षू तू ट खा शि ख शा

॥ शौक्तसामनीद्वे ॥

उपाह्वाराईगिरा ईणाम् । सङ्गमेचानादाईनाम् ।

चा का टिच्चक च क थि टा क च

धीयाविप्रोआजायातायामायाआउवा । ऊपा ॥ १५ ॥

टा टाच् का कि ता टि ख श

इदामीदंईदामिदकमीदामीदम् । उपह्वारे गीराइणांइदामीदं ।

खिश चा खू श ची चा टा खिश

ईदामिदकमीदामीदम् । संगमेचानादाईनाम्इदामीदं ।

चा खू श ची टी खिश

ईदामिदकमीदामीदम् । धियाविप्रो आजायाताइदामीदं ।

चा खू श टा काच् का का खिश

ईदामिदकमिदामाइदाम् । गोष्पादे प्रट् ॥ १६ ॥

चा खू त्रा च चाश

॥ वार्षाहरेद्वे ॥

प्रसम्राजाम् । चर्षाणाइनाम् । आइन्द्राम्स्तोतानव्याङ्गाइर्भीः ।

ती टा टि टि टा टा ख णा

नाराचार्षा हम्मोबाहाइष्ठाम् । हाइ ॥ १७ ॥

टा टाच् क प फ्ली शा

प्रसम्राजोहाइ । चर्षाणीनाम् । आइन्द्रांस्तोतानव्याङ्गाइर्भीः ।

ती त श भि त टी त टा ख णा

नारमोइ नृषाहमोइ । मंहाइष्ठा । होइळा ॥ १८ ॥

णि श णी श फ्ली फ्ल शा

॥ कूत्सस्यप्रतोदौद्वौ ॥

प्रसम्प्राजञ्चक्रुषाणाइनाम् । इन्द्रांस्तोतानव्यांगाइर्भीः । नरनृषाहम्मंहियाहाउवा ।

तू खा शा भि त टा ख णा षी फीह्ण शा
ष्ठाम् ॥ १९ ॥

ख

प्रसम्प्राजञ्चर्षणीनामिन्द्रांस्तोतानव्यांगाइर्भीः । इन्द्रांस्तोतानव्यङ्गाइर्भीन्नरनृषाहम्मांहिष्ठाम् ।

षु तू ता षी टि खा श्रु
साह मैहाइहोयाऔहोवा । मंहीष्ठाम् ॥ २० ॥
चा का टा ख शि थ टाख्

चतुर्थ खण्डः

॥ सौश्रवसेद्वे ॥

आपादुशी । प्रियन्धसास्सूदक्षास्याप्रहोषीणाः । इन्दोराइन्द्राः ।

ती ती टि त का चा का ट ता

यावाशाइराः । ऐहियाइहियाऔहोवा । ए ऊपा ॥ १ ॥

टि ता क टा खि शि तच् ट ख

अपादुशिप्रियान्धसाः । सूदक्षस्याप्रहोषिणाइन्दौहौहुवाइन्द्रोयवाशाइराः । ऐहाएहियाऔहोवा ।

फा खी शा षी की टि पा फीङ् शा कट ट खा शि
एऊपा ॥ २ ॥

त टाच्

॥ त्वाष्ट्रीसामच ॥

इमाउत्वा । पुरोवसाबु । आभिप्रनोनवूत्गाइराः ।

ती टा टा श दू टि

औहोइ । गावोवात्सान्नाधे । नावो ।

थ च श था टा प श ख ऋ

हाइ ॥ ३ ॥

शा

॥ त्वष्टुरातिथ्येद्वे ॥

अत्रा । हागोरमन्वताउवाहाउवाहोइ ।

ता क ष दू टि च श

नामत्वष्टुरपीच्यामुवाहाउवाहोइ । इत्थाचन्द्रमसोगृहाउवाहाउवाहोयाऔहोवा ।

षी दु टि च श षी टी टि ट् ख शि

ऊपा ॥ ४ ॥

ख श

हावत्रा । हागोर मन्वताउवाहोइयाहोवाउवोइ ।

ति क षा दु टि था चाश

नामत्वष्टुरपीच्यमियाउवाहोइयाहोवाउवोइ । इत्थाचन्द्रमसोगृहाउवाहोइयाहोवाउवोयाऔहोवा ।

षु दू टि था चाश षू टी टि था टा ख शि

ऊपा ॥ ५ ॥

ख श

॥ पौष्णेद्वे ॥

यदिन्द्रोया । नायादोंओंओवा । रीतोमहीरापाओंओवा ।

ती टा च ट ख श दू ट ख श

वृषावृषान्तमाओहोवा । तत्रापू षाभुवात्साचा ॥ ६ ॥

टी खा शि कि च ता ट ख

यदिन्द्रोआनायद्रीताए । माहीरापो माहीरापोवार्षान्तामाः । तत्रापूषापू षाओहोवा ।

षु ती त टीच क टि का ख ण टि टाट् ख शि

भुवात्साचा ॥ ७ ॥

ता ट ख

॥ श्यावाश्वेद्वे ॥

गौर्धयाए । तिमरूतां श्रावस्युर्मातामघोनाम् । युक्तावन्हाइ ।

ति त तीच क टि खि श ची श

रथानामाओहोवा । ऊपा ॥ ८ ॥

का ट ख शि ख श

गौर्धयतिमरुतामे । श्रावस्युर्मातामघोनामुहुवाहाइ । युक्तावान्हीरूहुवाहाइ ।

षी ति त टी टीच टि त श चि थ टि त श

रथानामौहोवा । होइळा ॥ ९ ॥

का पा प्ला प्ल शा

॥

॥ प्रजापतेस्सुतंरयिष्ठीयेद्वे ॥

उपानोहरिभीस्सूतोवा । याहिमदानाम्पाताउपनोहाओवा । राइभीः ।

पि प्लि डा श टी टि ति त प प्ल ख प्ला

सूतामौहोवा । होइळा ॥ १० ॥

पि प्ला प्ल शा

उपनोहाबुहोराइभीः । सूताम् । याहिमदानाम्पाताउपानोहा ।

षि ती ता ट त की टा खी ण

राइभाओहोवा । सूतं राइष्ठाः ॥ ११ ॥

ट खा शि का च टाख्

॥ आप्सरसञ्च इष्टाहोत्रीयंवा आपांवानिधि ॥

इष्टाहोत्रा । आसृक्षाता । इन्द्रंवृधान्तोअध्वाराइ ।

ती च खा ण क टी खा ण श

अच्छावाभार्थमोजासा । एऊदधिर्निधीः ॥ १२ ॥

खि श खि त्र त क टीख्

॥ प्रजापतेर्निधन कामम् ॥

अहमिद्धाऽपितुःपराइ । मेधामृतस्यजग्रहाआहंसूर्याइवाहाहाइ । जनिहोइहोऔहोऔहोवाहाबु ।

फी कुश क ष्ट की पा ण्ड श कू का पा प्ला
बा ॥ १३ ॥
श

॥ वाजिदापर्यञ्च ॥

रेवतीर्णाः । सधामादाइ । इन्द्राऽसान्तू ।

ती टा ख ण श टा खा ण
तूविवाजाः । क्षूमान्तोया । भिम्मोबादाइमो ।
टि च ट त ट क क प प्ली
हाइ ॥ १४ ॥
शा

॥ सोमापौष्णञ्च ॥

सोमःपूषा । चाचाई ततूरयावयोवा । वाइश्वासांसुक्षीतीनामयावयोवा ।

ती षि की खाश की टू खाश
दाइवात्राराथीयोर्हाइताः । गावोअश्वाः ॥ १५ ॥
च या टा खि त्रा था टाख्

पञ्चम खण्डः

॥ वैतहव्यानि त्रीणि ॥

पान्तमावोअन्धसाः । इन्द्रामाभिप्रागायाताहाहाइ । विश्वासाहं शाताक्रातूंहाहाइ ।

षी ति क का टु त त श कीच् का टात त श

मंहाइष्ठाञ्चाहाहाइ । षणाइनामौहोवा । उऊपा ॥ १ ॥

क टी त त श टा खा शि खाश

पान्तमाओअन्धसइहा । इन्द्रामभाइप्रगायताइहा । विश्वासाहंशाता क्रातूमिहा ।

षी तु थ कू टा ता कि टिच् टा ता

मंहाइष्ठाञ्चाइहा । षणाईनामिहा ॥ २ ॥

क चि टि टाच् का टाख्

पान्तामावोअन्धसाः । आइन्द्रामभाइप्रगायाता । विश्वासाहम् ।

णा फ ख शि षू टा ख ण टा ख ण

शाताक्रातुम् । मंहिष्ठञ्च षणाइ । नामा औहोवा ।

त पा श कीथ चा श त टख् शि

ओकाः ॥ ३ ॥

त ख

॥ शौक्तानित्रीणि ॥

प्रावाइन्द्रायामादानम् । प्रवाइन्द्राऔहो । यामादानम् ।

टी खिण टा पि श ख ण्ण ख ण

हराअश्वाऔहो । यागायाता । सखायास्सोऔहो ।

टा पि श ख ण्ण ख ण टा पि श

मापोबावान्नो । हाइ ॥ ४ ॥

फ़ाफ़ फ़ा शा

प्रवाइन्द्राऔहो । यामादानम् । हराआश्वाऔहो ।

टा पि श ख ण्ण ख ण टा पि श

यागायाता । सखायास्सोऔहो । मापोबावान्नो ।

ख ण्ण ख ण टा पि श फ़ाफ़ फ़ा

हाइ ॥ ५ ॥

शा

प्रावाई याईया । इन्द्रोई याईयायामादानम् । हाराईयाईयाआश्वोई याईयायागायाता ।

टित टत टित ट खा ण्ण ख ण टत टत टित ट खा ण्ण ख ण

साखाई याईयायास्सोई याईया । मापोबावान्नो । हाइ ॥ ६ ॥

टित टत टित टत पा ण्ण फ़ा शा

॥ गौरीवितानित्रीणि ॥

प्रवौहोवाइन्द्राऔहोवा । यामादानम् । हरौहोवाआश्वाऔहोवा ।

का टा कि टा ख ण ख ण का का कि टा

यागायाता । सखौहोवायास्सोऔहोवा । मापोबावान्नो ।

ख ण ख ण का टा कि टा पा ण ण

हाइ ॥ ७ ॥

शा

प्रावाददाऔहोइन्द्रोददाऔहो । यामादानम् । हारीददाऔहोआश्वोददाऔहो ।

चा टि त पु श ख ण ख ण चा टि त पु श

यागायाता । सखाददाऔहोयास्सोददाऔहो । मापोबावान्नो ।

ख ण ख ण चा टि त पु श णा णा श

हाइ ॥ ८ ॥

शा

प्रवप्रवाः । इन्द्राएन्द्रायामादानाम् । हराइहरियश्वायागायाता ।

ती ता क थ का य ट ता टु च का य ट

साखायास्सो । मापोबावान्नो । हाइ ॥ ९ ॥

भि त णा णा णा शा

॥ काण्वेद्वे ॥

वयंवायाम् । ऊत्वातादीदार्थाः । इन्द्रत्वायन्तस्सखायाः ।

ती ख श खि ण षी खि ण

कण्वाऊक्थेभिर्जरन्तेएहियाहा । होइळा ॥ १० ॥

ता प णू शि ण शा

वयमू त्वातदिदार्थाः । ऐहीहोइ । वायमुत्वातदिदार्थाइन्द्रत्वायन्तस्सखायाः ।

खि शु टि श षू कू टि त

काण्वाः । उक्थाइभीर्जोबा । रन्ताया ॥ ११ ॥

ख ण की प ण ता टा ख

॥ सौमित्रेद्वै दैवोदासं तृतीयं श्रौतकक्षाणिवा ॥

इन्द्रायमद्वनाइ । सूतामिन्द्रायमद्वने सूताम् । पाराइष्टोभा न्तूनोगिराः ।

तू श षी ची शा च टि तिच् च शा

अर्कमार्च्चान्तूकारावाः । ओइळा ॥ १२ ॥

टि तच् क टा खण् प शा

॥ इन्द्रायमद्वनेहाबु । ओइसूताम् ।

तू त श टि त

पारिष्टोभान्तूनोहाइगाराः । पारिष्टोभान्तूनोहाइगाइराः । अर्कमार्च्चाओहोवा ।

कि टि त ती टू त टी टि ख शि

एन्तूकारावाः ॥ १३ ॥

त चा टाख्

इन्द्रायमद्वनेसुतमिन्द्रायमोवा । द्वानाइसूताम् । पारिष्टोभाहाहान्तूनोगाइराः ।

षू तू त त पिश किट त त टा ख णा

अर्कमार्च्चाहाहा न्तूकारावाः । ओइळा ॥ १४ ॥

भि त तच् क टा खण् प प्ला

॥ वैष्णवानि त्रीणि इहद्वाम दैवोदासन्तृतीयं और्ध्वसन्नानिवा ॥

अयन्तया । द्रासोमोहोवाहोइ । नीपू तोआधीबर्हाइषी ।

ती टि का च श का टा च खा णा

आईहिमस्याद्रा वाओहोवा । पिबा ॥ १५ ॥

च था टिट् ख शि ख श

अयन्तइन्द्रसोहोमाः । नीपूतोआधीबर्हाइषी । ऐहाइमास्याद्रावापाइबा ।

तू त त की टि टा टा चि का टि

आईहिमास्याद्रावापाइबा । पीबा ॥ १६ ॥

पि की टि ख श

अयन्तइन्द्रसोमोनाइपूतोआधीबर्हिषी । नीपूतोआधीबर्हाइषी । ऐहाइमास्याद्रावापाइबा ।

फू त प णि ण्य णि की टि ता क टी त का प त्रा

ई हा ॥ १७ ॥

ख श

॥ औदलेद्वे वैणवेद्वे वैणव औदलइतीवा ॥

सुरू । पाकृत्तुमूतयाइ । सुदूधामिवगोदुहयाआउवा ।

ता च चि चाश चि टि ति टि

ऊपा । जुहूमासीद्यवीद्यवियाआउवा । उऊपा ॥ १८ ॥

ख श टि त चा ति टि खाश

सुरूहाहाबु । पकृत्तुमू तायाइ । सुदुधामिवगोदुहाऐहीऐही ।

ति त श टीच् टा श चि टि तूच्

जुहौहुवाइमासीद्यवीद्यवीऐहीऐही ॥ १९ ॥

टा टी ट चा चा तीच्

सुरूपकृत्तुमूतायाइ । ओइसुरूपकृत्तुमूतायाइ । ओइ सुदुधामिवागोदूहाइ ।

तु पा ण श षा यू टा श षा यू टा श

जुहू मसाइद्यविद्यावैही । जुहू मासी द्याविद्यवीआबुहोआबुहोवा । एद्यवी ॥ २० ॥

का पा शू टा टाच्क पि शृ त ताच्

सुरूपकृ । त्तुमूतायाइ । सुदुधामीवागो दूहाइसुदुधामा ।

ती टा चा श कि ट टाच्ख कु श

वागो दूहाइ । जुहूमासी । द्यावीद्यावो ।

टाच् का श टि त प श ख प्ल

हाइ ॥ २१ ॥

शा

॥ दैवोदासानित्रीणिआर्षभाणिवायदिवावार्ध्यश्चानि ॥

अभित्वावृषभासूताइ । सुतंसृजामीपाइतायाइ । तृम्पावायाशुहाआउवाए ।

षू ता श कीच् का या ट श का य ट ता भी

मादम् ॥ २२ ॥

ख श

अभित्वावृषभासुतेभ्याहाबु । त्वावृषाभासूताइ । सूतंसृजा मीपाइतायाइ ।

षू ति त श तच् काय टा श कीच् का या ट श

तृपाहोइवियाहो शुहीमादाम् । ओइळा ॥ २३ ॥

का कीकथ् टि खण प प्ला

अभित्वावृषभासुतेसुतंसृजोवा । मीपीतायाइ । सुतंसृजा मीपीतायाइ ।

षू तू त काट त श का काच्क टा त श

तृम्पावायाऔहोवा । शुहीमादाम् ॥ २४ ॥

ट त टद्ख शि थाट ख

॥ कौत्सेद्वे पाञ्चवाजेवा ॥

याइ न्द्राचमसेष्वाइया । सोमाश्चामूषुते सूतस्सोमश्चमू षुताइसूताः । पाइबाहाइदास्योहाइ ।

थाप शू का कीचक कुचक टित टित टितश
त्वामीशाइषा इ । ओइळा ॥ २५ ॥

टि खाण्श प शा

॥ यइन्द्रचामासेष्वा । सोमश्चमूषुताइसुताः ।

तु ता थू पाश

सोमश्चमूषुताइसूताः । ओइपिबेदस्योहाइ । त्वमाइशा इ ।

तीत पिश ट खु णश खीणफळश

षाइ ॥ २६ ॥

खश

॥ सौमेधानित्रीणि पौर्वतिथानिवा ॥

योगेयोगेतवस्ताराम् । वाजेवाजेहवामहे साखायाइन्द्रामोबातायो । हाइ ॥ २७ ॥

षी ती की चा काच् टितक प फ्लि शा

योगेयोगेतवस्ताराम् । वाजेवाजेहवामहे होवाहाइ । साखायाइहोवाहाइ ।

षी तित की चा काच् टातश टित टातश

न्द्रामूतायाऔहोवा । उऊपा ॥ २८ ॥

टि ख शि खाश

। योगेयोगेतवहाबुस्ताराम् । वाजेवाजेहवामाहाए हूवाऔहोवा ।

षी तु त की टा कि कितत

साखायाइन्द्रमू तायाए हूवाऔहोवा । सखाययाहुवाऔहोवा । न्द्रमू तये ॥ २९ ॥

थाचक कि कि कितत का टा कितत का टाख

॥ दैवातिथम्मैधातिथं वा ॥

आतू एतानिषीदाता । इन्द्रामभाइप्रगायतासाखा यस्तोमवाऔहोमवाहासाः । हायाइसाखायस्तोमवाऔहो ।

खा प्लीडश थ षु कीच् का पिश टाखण

टुच् का पिश

हिम्माहासो । हाइ ॥ ३० ॥

टा खळ शा

षष्ठ खण्डः

॥ माधूच्छन्दसङ्गौञ्चसौपर्णवा घृतशुन्निधनंआङ्गिरसानिवा ॥

इदमे । ह्यनूओजासा । सूतं राधानाम्पाताइ ।

ति टा मि का काच य ट श

पीबात्वस्यागीर्वाणाःपीबातुवा । स्यागाऔहोवा । वर्णाः ॥ १ ॥

यु पा खा ता ट ख शि ख प्ल

इदंहाऔहो । नूओजासा । सूतं राधानाओंपाताइ ।

ति ता क खाण का काट खाण श

पिबात्वस्यागाहाइ । वर्णाएहियाहा । होइळा ॥ २ ॥

पी प्ल ड श प प्ली श प्ल शा

इदंह्यनूओजसा । सूतं राधानाम्पातौहोवाहाइ । पीबात्वस्यागाइर्वाणौहोवाहाइ ।

ती ति का काच य ट तात श चा चि याट तात श

पिबातुवौहोवाहाइ । स्यागाइर्वा णाऔहोवा । घृताश्रूताः ॥ ३ ॥

टी तात श टीट्ख शि ता टाख्

॥ प्रैयमेधानित्रीणि शौक्त सामानिवा उत्गातृदमनंवातृतीयम् ॥

महंइन्द्राः । पूरश्चनोमाहीत्वामास्तूवज्जिणाइ । दायूर्णाप्राथीनाशावाः ।

ती कीय ट य ट क चि श य टय ट क ट खाण्

ओइळा ॥ ४ ॥

प प्ला

महंहाइन्द्राः । पूराश्चानाः । महाइत्वामा ।

तु त पा श टा खा ण

स्तुवौहौहाहोवाज्जीणाइ । द्यौर्नाप्राथीनाशावाः । द्यौर्नाप्रा ।

टा खि शी ती ति खा ण

थिनौहौहाहोवाशावो । हाइ ॥ ५ ॥

टा खि प्ल प्ला शा

महंइन्द्राःपूराश्चनाः । माहीत्वामा । स्तुवज्जा इणाइ ।

फी की थाट् त च टाट् ता श

द्यौर्ना प्रा । थिनाशावाः । ओइळा ॥ ६ ॥

क टट् त क ट ट खण् प प्ला

॥ गौरीवितेद्रे ॥

आतूनया । इन्द्रक्षुमान्ताम् । चाइत्रंराभंहाइसङ्गु भायामाहाहस्तोहाइ ।

ती टी त टु त कि टी खा ण श

दक्षा इणाइना । महाहा स्ताऔहोवा । दक्षिणेना ॥ ७ ॥

टाच् का चा टिट् ख शि किट्ख

आतूनइन्द्रक्षुमान्ताम् । चित्रंराभम् । संगृभाय ।

षि ती त टाख ण क पा श

माहाहास्ताऔहोवा । दक्षिणेना ॥ ८ ॥

ट त टट् ख शि स्त्री

॥ आपालवैणवेद्रे ॥

आतूनइन्द्रक्षुमान्ताम् । चित्रंराभंसङ्गभायाचित्रंराभंसङ्गौहोइभाया । ऐहाइमहाहस्तीदक्षाहोइ ।

षि ती त दू क थ ष कू खिण क षू टा च श

औहोवाहोबाणाइनो । हाइ ॥ ९ ॥

क का प प्ला प्ला शा

आतू नाइ न्द्राक्षुमान्तम् । चित्रंराभंसङ्गभायाचाइत्रंराभंसङ्गई हाभाया । ऐहाइमहाहस्तीदक्षाहोइ ।

णा णा फ खा श षे कू ख प्ल ख ण क षू टा च श

औहोवाहोबाणाइनो । हाइ ॥ १० ॥

क का प प्ल फ्लि शा

॥ धुरशम्येद्रे ॥

अभ्येआभी । प्रागोपातीङ्गीराः । इन्द्रमर्चायाथाविदाइसूनूम् ।

ती का था टा यू पा ति

ओइसत्योहाइ । स्यासाऔहोवा । पातीमे ॥ ११ ॥

पी ण श ट ख शि च ट ख

अभ्येआभी । प्रगोपतीङ्गीराः । इन्द्रमर्चायाथा ।

ती की टा टी ख ण

हिंहिंओई वीदाइसनुं सात्यास्यासा । हिंहिंओबापाताइं । हाइ ॥ १२ ॥

ट त प ण णा फि फा ता ट त प प्ल प्ला श शा

॥ महागौरीवितं तृतीयम् ॥

आभीप्रगोपतीङ्गीराः । इन्द्रमर्चयथाविदाए । सूनुंसात्याओस्यासात्पाताइं ।

फा खा खा शा पी टु की प श फ शि

सूनुंसात्याओस्यासोबात्पाताइम् । हाइ ॥ १३ ॥

की प प्ला प्ल प्ला श शा

॥ वाचस्सामनीद्रे ॥

कयानश्ची । त्रायाभूवात् । ऊताइसदावार्धस्साखा ।

ती त पाश क कु खा ण

कयाशाचाइ । छायावार्तो । हाइ ॥ १४ ॥

टि त श प श ख प्ल शा

होवाइहोवाइकयानश्ची । त्रायाभूवात् । होवाइहोवाइऊतीस्सादा वृधास्साखा ।

षू ती त पाश षू चा काच् का प श

होवाइहोवाइकयाशचाइ । छायावा र्ताऔहोवा । ऊपा ॥ १५ ॥

षू ता ता श टिट्ख शि ख श

॥ महावामदेव्यंतृतीयम् ॥

कायानश्चाइत्रायाभुवात् । ऊतीस्सादावृधस्सखाऔहोहाइकयाशचाइ । ष्टयौहोहिम्मावार्तो ।

ण फ फा खा शि का का कु ता टि ता श ति टा ट ख
हाइ ॥ १६ ॥

त्र श

कास्त्वासत्योमादानाम् । मंहिष्ठोमत्सद न्धसाऔहोहाइदृढाचिदा । रूजौहोहिम्मा ।

ण फ फा ख शा कि की कि ता टि ता ति टा
वासो । हाइ ॥ १७ ॥

ट ख त्र श

आभीषूणास्सारवीनाम् । अविताजराइतृ णामाऔहोहाईशातांभवा । सियौहोहिम्मा ।

ण फ फा ख शा कि की कि ता टि ता ति टा
तायो । हाइ ॥ १८ ॥

ट ख त्र श

॥ इन्द्रस्यसत्रासाहीयेद्वे ॥

त्यमूवाः । सत्रासाहाम् । विश्वासुगीरिषूआयाताम् ।

ति था टा दू टि

आच्यावा याऔहोवा । स्यूतये ॥ १९ ॥

टिट् ख शि क टाख

त्यामूवस्सत्रासाहम्मोवा । विश्वासुगीरिष्वायाताम् । आच्यावाया ।

ख श्रु षि टी च टि त

सियौहोवाहाइ । तायो । हाइ ॥ २० ॥

टा खा ण श ख ण्ण शा

॥ माहावामदेव्यञ्च ॥

सादा । सस्पताईमात्भूताउवोवा । प्रायाउवोवा ।

ता चि या टा खा श टा खा श

आइन्द्रास्याकामायाम् । सानिम्मेधामयासिषाम् ॥ २१ ॥

कू ख त्र चि टि खा

॥ वैर्यश्चञ्च ॥

हावाप्सूदाक्षाआप्सूदाक्षाः । एते पन्थाआथोदीवाः । हावाप्सूदाक्षाआप्सूदाक्षाः ।

खी श खि ण का थाच् टी खी श खि ण

एभिर्व्याश्चामाइरायाहाउताश्रोषान् । तूनोभू वाऔहोवा । ई ति ॥ २२ ॥

का थच् टु खी ण टिट् ख शि ख श

॥ गौतमस्यच भद्रम् ॥

भद्रंभाद्राम् । नाआभाराइषामूर्जम् । शाताक्राताबूयादिन्द्राम् ।

ति त क टा ख शी टि ख शु

डायाऔहोवा । सीनः ॥ २३ ॥

ट ख शि ख श

॥ अश्विनोश्च साम ॥

अस्तिसोमोअयंसुतोअस्तेआस्ती । सोमोअयंसुतःपिबन्त्यस्यामारुतोहाइ । उतस्वराजोअश्वाइनो ।

हाइ ॥ २४ ॥
शा षू तू षू फु ख ण श पु ङ्गी

सप्तम खण्डः

॥ त्वाष्ट्रीसामच ॥

ईङ्गयन्तीः । अपास्यूवाः । आइन्द्रन्जातामू पासाताइ ।

ती टा टा कीच् चाय टा श

वन्वानासाः । सूवीर्याआउवा । वृधे ॥ १ ॥

क टा त कि शि ताच्

॥ गोधासामच ॥

नकिदेवाः । ईनाइनीमासाइ मासीयानक्यायो । पायापयामासाइ मासीयामन्द्रश्रुत्यम् ।

ती टू श का ख शि टू श का ख शी

चाराचरामासाइ मासीया ॥ २ ॥

टू श खा ण

॥ सवितुश्चसाम ॥

दोषोआगात् । बृहद्गायद्युमत्गामा । अथ वर्णस्तुहीयौहोइदेवाम् ।

ती षी टि त चा टु ख ति

सावोबातारां । हाइ ॥ ३ ॥

क प प्ल प्ला शा

॥ उषसश्चसाम ॥

एषोऊषाः । आपू व्युव्यूच्छतीहोवाहाइ । प्रीयादाइवास्तुषाइवामा ।

ती का की टा त श टि खा खा ति

श्रीनोबाबृहात् । हाइ ॥ ४ ॥

क प प्ल प्ला शा

॥ त्वष्टुरातिथ्येद्वे ॥

इन्द्रोदधीचोअस्थभिरीयाईया । वृत्राण्यप्रतिष्कृतइयाईया । जघाननवतीर्नवइयाईयाऔहोवा ।

षु टु ट त षि टू ट त षी टू ट ख शि

ऊपा ॥ ५ ॥

ख श

इन्द्रोदधाइचोअस्थाभीः । वृत्राण्यप्रातिष्कृताः । जघानाना ।

ती खी ण की चि टि त

वती र्नावाऔहोवा । होइळा ॥ ६ ॥

काच्क टा ख प्ल प्ला शा

॥ सौमित्रञ्च ॥

इन्द्रेहिमाहाबु । स्तीयान्धासाः । वाइश्वेभिस्सोहामापर्वाभीः ।

ती त श पि श चि था त क खा ण

महं आभाऔहोवा । शिरोजासा ॥ ७ ॥

टाट ख शि टि ख

॥ इन्द्रस्यचमाया ॥

आतू औहोआतूऔहो । नाइन्द्रवृत्राहा नस्माकामार्द्धमागाही । माहान्माही भीरोबाताइभोहाइ ॥ ८ ॥
खा प्ला खा प्ला टु कथ् की टि त टा टाक्क प प्ल प्लि शा

॥ वैश्वामित्रेच ॥

हाहाउवा । ओजस्तदस्यतिद्विषे । हाहाउवा ।

फ ति षी कीख् फ ति
ऊभेयत्सामवर्त्तयात् । हाहाउवा । इन्द्राश्चर्मे वारोदासी ॥ ९ ॥
षु किख् फ ति कीक्क टा ख

ओजस्तदास्यतिद्विषाइ । ऊभेयत्समवर्त्तयादाइन्द्राश्चाम्माऔहोवा । एवारोदासी ॥ १० ॥
फी की श पू दूद ख शि तच् टी ख

॥ शौनश्शेषञ्च ॥

आयामूताइसामातसाइ । कापोताइवागार्भाधीम् । वाचास्ताची न्नाओबाहासो ।

णा णाफ् खा शी कु च य ट टा टाक्क प प्ल प्ला
हाइ ॥ ११ ॥
शा

॥ प्रतीचीनेषञ्च काशीतम् ॥

वातआवातुभाइषजाम् । शंभूमयो भूनोहदाइहाहाइ । प्रानआयूंषितारिषादौहोवा ।

तू ति क किच् का पा प्लाड श पु श पि प्ला
होइळा ॥ १२ ॥
प्ल शा

अष्टम खण्डः

॥ सौमित्रञ्च ॥

यंरक्षन्तिप्रचेतसाः । वारूणोमित्रोअर्यामा । नाकाइस्सादा ।

षी ती शु टा त टी त

हिम्माइभ्याताऔहोवा । जानाः ॥ १ ॥

टीट् ख शि ख प्ल

॥ श्यावाश्वेद्वे ॥

गव्योषुणोयथापुरा । अश्वयोतरथायावारी वस्यामहोमाहोनाऔहोवा । ऊपा ॥ २ ॥

षी ती कि की का टु खा शि ख श

गव्योषुणोयथापुराए । अश्वयोतरथाया वारीवास्यामहोमाहोनाऔहोवा । ई ॥ ३ ॥

षी तीत कि टि कथ् टा टूट् ख शि ख

॥ शैखण्डिनञ्च ॥

इमास्तया । न्द्रापृश्नयोधृतन्तूहाबुहोहाहाइतयाशाइरम् । एनामृता ।

ती की टि त टा त त टि ख णा खा ता

स्यापोबाप्यूषाइ । हाइ ॥ ४ ॥

क प प्ल प्लाश शा

॥ वैतहव्यञ्च ॥

अयाधियाचगव्ययाए । पुरूनामन्पूरू । ष्टूतौवा ।

षु तित कि खाण कातत्

यत्सोमेसोमया । यत्सोमेसोमयोबाभूवो । हाइ ॥ ५ ॥

तू टि पि प्ल प्ला शा

॥ भारद्वाजञ्च ॥

पावकानईया । सारास्वाती । वाजेभिर्वा जीनाइवाती ।

तू चाय ट चा थाच् का या ट

यज्ञांवा ष्टूऔहोवा । धियावासूः ॥ ६ ॥

टिट् ख शि ता ट ख

॥ अरूणस्यचवैददश्वेस्साम ॥

कइम्मुहुवाहाइ । ना हूषाइषूवा । आइन्द्रंसोमास्यातार्पायात्सनोवसू नीयाभारात्सनोवसूनियाभरा उवा ।

तु त श तच् का याट कि का यिट टा टाच् काय ट टा का टा का ता

आगह्येहीतइमे ॥ ७ ॥

षी टिख्

॥ सौभरञ्च ॥

आयाहिसू । षूमाहाइते षूमाहाइते । आइन्द्रासोमं पिबा आइमां पिबा आइमां ।

ती चाय टाच् काय टा चि था काय टाच् काय टा

एदम्बर्हाइस्सादोमामा । ओइळा ॥ ८ ॥

कि कि टा खण् प प्ला

॥ पाष्ठौहेच ॥

महाइत्राइनम् । आवारस्तुद्युक्षार्माइत्रा । स्यार्यम्नादुरा धार्षम् ।

खी णा टा की ख णा ट टा काख ण

वारोबाणास्यो । हाइ ॥ ९ ॥

क प प्ल प्ला शा

महित्रीणामवरस्तुए । द्युक्षर्मित्रस्यार्यम्नादुरा धार्षम् । वारौहोवाहिम्माणास्योया औहोवा ।

षी ती त षी कि टि त की टा टाट् ख शि

हाओवाओवा ॥ १० ॥

त टा टाख्

॥ साकमश्चन्धुरांवासाम ॥

त्वावातोहाबुहोओइ । पुरोवसोहाबुहोओइ । वायमिन्द्राहाबुहोओइ ।

कि किच श की किच श की किच श

प्रणेतऋहाबुहोओइ । स्मसिस्थातऋहाबुहोओइ । हारीणांहाबुहो ।

की किच श कु किच श कि कि

ओइळा ॥ ११ ॥

प शा

नवम खण्डः

॥ यामञ्च ॥

उत्वामन्दन्तुसोहोमाः । कृणौहोष्वारौहोधोअद्रिवाः । आवब्राह्मा ।

तू त त कि की चि कथ् टा त

द्विषाहोवाऔहोइजाहाऔहोवा । एययूः ॥ १ ॥

टा क थ ट य टादख शि त टाख्

॥ आङ्गीरसञ्चइन्द्रस्यवा हरिश्रीर्निधनम् ॥

गिर्वणःपहिनस्सुतज्जिर्वणःपा । हीनास्सुता म्माधोर्धारा भीराहोवाज्यासेहाउवा । इन्द्रत्वादा ।

षू तू टीच् का का की टा ति टि त

तामाइद्याशाऔहोवा । हारिश्रीः ॥ २ ॥

टीदख शि च टाख्

॥ वैरूपञ्च ॥

सादा । वइन्द्रश्चकृषाता । उपोनुसासापर्यन्नदेवाः ।

ता खू श ती कु च

ऋताश्शूराइ । न्द्राः ॥ ३ ॥

णा फ ख श त्र

॥ असीतञ्चसिन्धुसामवा ॥

आत्वाविशत्विन्दावाः । सामुद्रमीवासिन्धावाःसामूद्रमीवासिन्धावाः । नत्वामिन्द्रातिरिच्यते नत्वामाइन्द्रा ।

तू त की की की क टा त पी की का ट ता

तिरिच्याता इ । ओइळा ॥ ४ ॥

टि खण् श प शा

॥ यमस्याकौद्वौ ॥

इन्द्रमित्गा । थीनोबृहादिन्द्रमार्के भीरर्कीणाः । इन्द्रंवाणीरानूषताइळाभा ।

ती थी टि तच् क चि क टा त का टी खण्

ओइळा ॥ ५ ॥

प प्ला

इन्द्रामित्गाथिनोबृहात् । इन्द्रामर्काइभीरर्कीणाः । आइन्द्रंवाणीर्हाहा ।

फा खी शा क कु टि टु त त

आनू षता । होइळा ॥ ७ ॥

फा प्ला प्ला शा

॥ सौमित्रेद्वे ॥

इन्द्रइषेददातुनाए । ऋभुक्षणामृभुं रायिम् । वाजीददातू वोबाजाइनाम् ।

षी ती त की खाणफळ ट त च थ कि प प्ला प्ला
हाइ ॥ ८ ॥

शा
इन्द्रइषेददातुनओहाइ । ऋभुक्षणामृभुं रायीम् । वाजीददातुवा ।

षी तू त श च टि खिण तू
वाजीददातुवोबाजाइनाम् । हाइ ॥ ९ ॥
क टि पा प्ला क्लि शा

॥ इन्द्रस्याभयम् ॥

इन्द्रोअङ्गा । माहात्मायाम् । आभीषाद पाच्युच्यावात्सहाइस्थिराः ।

ती टि त का चा टि ख खा ति
वीचोबार्षाणाइ । हाइ ॥ १० ॥
क प क्लि श शा

॥ त्वाष्ट्रीसामनीद्वे ॥

इमाउत्वा । सूताइसूताइ नक्षन्ताइगीर्वाणोगाइराः । गावोवात्सान्नाधोबानावो ।

ती ता षी टि खा प्ल ख णा भि तच् क प प्ला प्ला
हाइ ॥ ११ ॥

शा
इन्द्रानूपू । षाणावायाम् । साख्यायसूवस्तायाइ ।

ती टि त का टी त श
हुवे मावा जासोबातायो । हाइ ॥ १२ ॥
का टाच् क प प्ला प्ला शा

॥ इन्द्राण्यास्सामा ॥

नक्येनाकी । आइन्द्रत्वदुत्वरान्नाज्यायोअस्ताइवृ । हिंहिंत्राहन् ।

ती च चू क था पा शा ट खा ण
नक्येवय्याथा । हिंहिंतूवां । हाइ ॥ १३ ॥
टा पा प श ख प्ला शा

दशम खण्डः

॥ श्यावाश्वञ्च ॥

तरणिंवाः । जनानामम् । त्रादंवाजाहास्यागोमाताः ।

ती टा त टी त का ख ण

समानामू । प्रशांसिषाः । होइळा ॥ १ ॥

टि त ङ्गी ङ्ग शा

॥ वैरूपञ्च ॥

असृग्रमाइन्द्रातेगिराः । प्रातीत्वामूदहासता । साजोषावृषभां पातिमोइळा ॥ २ ॥

तू ति टा टा का शा टा टा काच् पि ङ्गा

॥ सौमित्रञ्च ॥

सुनीथोघासमात्तर्याः । यम्मरूतो यम र्यामामित्राः पान्त्यद्रुहाउउवा हाउवा । आतिद्वीषाः ॥ ३ ॥

फी शा क टीच् चा चा चि टि टिच् य टा थ टिख्

॥ स्तौभञ्च ॥

औहोवाऔहोवाओहाइ । यद्विळावीन्द्रायास्थीराइ ।

खु श ङ्गा श खी कि फा श

औहोवाऔहोवाओहाइ । यत्पर्शानेपाराभृतं ।

खु श ङ्गा श खु का फा

औहोवाऔहोवाओहाइ वसुस्पार्हान्तादाभारा । औहोवाऔहोवाओहाइ ।

खु श ङ्गा श खी का फ खु श ङ्गा श

होइळा ॥ ४ ॥

ङ्ग शा

॥ श्रौतञ्च ॥

श्रूताम् । वोवृत्रहन्तमंप्रशद्धञ्चक्रषाणाइनाम् । आशाइषाइरा ।

ता षू कु टा ता का टा ता

धसे माहाऔहोवा । होइळा ॥ ५ ॥

काच् क टा ख ङ्ग ङ्ग शा

॥ आभीशवञ्च ॥

अरन्तइन्द्रश्रवसेए । गमाइ माशूरत्वावतोहोवाहाइ । आरांशाक्राहोवाहाइ ।

षू तित चा श थ कि टा टा त श चा य ट टा त श

पारेमाणाइ । ओइळा ॥ ६ ॥

टि खण् श प ङ्गा

॥ ऐषञ्च ॥

धानावन्तङ्करा म्भिणम् । आपूपवन्तमूत्थीनाम् । इन्द्राप्राता ओहाइ ।

फा खी शा यू प श खि शङ्ख ख ण श

जुषोबास्वानो । हाइ ॥ ७ ॥

ह्लि प्ला शा

॥ इन्द्रस्यचक्षुरपवी ॥

अपाम्फेनेननमुचेः । शीरइ न्द्रोदवार्त्तायाः । वाइश्वाया दाओहोवा ।

षी ती चि टि ख ण टीट्ख शि

जयास्पर्धाः ॥ ८ ॥

ता ट ख

॥ सौमित्रे ॥

इमेतया । न्द्रासोमोहोवाहोइ । सूतासोयेचासोतूवाः ।

ती टि काच श क टि का ख ण

तेषांहाहाइ । मात्स्वप्रभू ओबावासो । हाइ ॥ ९ ॥

खप्ल त त श कीप प्ल प्ला शा

तुभ्यांहाबु । सूतासस्सोमास्तीर्णाबार्हीवीभा होइवासो । स्तोतृ आभ्याइन्द्रमृ औहोवा ।

ता त श षु टि त टाच्च टा त पाश ट खि शि

डाया ॥ १० ॥

ख श

एकादश खण्डः

॥ कौत्सञ्च ॥

आवइन्द्राम् । कृवीयथावाजयान्ताश्शाताक्रातुं । मंहिष्ठांसी ।

ती षी टि तच् चा शा टि त

आयाउवा । दूभिः ॥ १ ॥

टा ता खळ्

॥ ऐषञ्च ॥

अतश्चिदिन्द्रनउपाए । आयाहिशातावाजायाईषासहा । स्रावोबाजायो ।

षू ता त चा श टी ख खा ता क प ळ् ळा

हाइ ॥ २ ॥

शा

॥ उषसश्चसाम ॥

आबुन्दंवृ । त्राहाददाइजाताःपाच्छर्द्धिमातारम् । काउग्राके ।

ती च कू क टि ख ण टि त

हाश्रुण्विराइळाभा । ओइळा ॥ ३ ॥

चा टी खण् प शा

॥ बार्हदुक्थञ्च ॥

ब्रबदुक्थंहावामहाइ । सप्राकारास्त्रामूतायाइ । साधाःकार्ण्वान्तामोबावासो ।

तु ति श टा टा का चा श टा टाच् क प ळ् ळा

हाइ ॥ ४ ॥

शा

॥ वरुणसामच ॥

ऋजुनीतीनोवरूणइहा । मित्रोनायातीविद्वांसाइहा । अर्यामादाइवाइहा ।

षु तु चा चा टि ति था टा ती

साजोषाउवा । ईहा ॥ ५ ॥

टि ता ख श

॥ उषसश्चैवसाम ॥

दूरादीहेवयत्साताः । आरूणाप्सूराशिश्वाइतात् । वीभानूंवी ।

का प शु चा च टी ता टि त

श्वाथातनादिळाभा । ओइळा ॥ ६ ॥

चा टी खण् प ळा

॥ मित्रावरुणयोश्चसंयोजनम् ॥

आनोमित्रावरुणाऔहोवा । घृतैर्गव्यूतिमुक्षातामौहोवा । माध्वाराजांसीसुऔहोवा ।

कू था टा ता कु था टा था टा क था टा

कृतूइळाभा । ओइळा ॥ ७ ॥

का टा खण् प प्ला

॥ ऋतुसामच ॥

उदुत्येसूनावोगिराः । काष्ठा यज्ञाइषुवात्नाता । वाश्राआभी ।

तु ति थाच् का टि ख ण क टा त

जूयातावो । हाइ ॥ ८ ॥

प श ख प्ल शा

॥ विष्णोश्चसाम ॥

इदामे । विष्णूर्विचाक्रामाइ । त्राइधानिद धाइपादांसमूहोढामा ।

ति टा खि ण श चि काच याट टाय ट त

स्यापाऔहोवा । एंसूले ॥ ९ ॥

ट ख शि त ताच्

द्वादश खण्डः

॥ कौत्सञ्च ॥

अतीहिमा । न्यूषावाइणां । सूषूवांसाहोउपैराया ।

ती टा टि चिटचक या टा

आस्यराताबुसूताऔहोवा । पीबा ॥ १ ॥

कि टिख शि खश

॥ काश्यपञ्चआप्सुरसंवा ॥

कद्रूपाचेतासेमहाइवाचोदेवाहाबुवचोदेवा । याशस्याताइतदाइधिया । स्यावोवार्धानां ।

चिक फ ता पाश शृ टि ख खि ति क प ण्ण

हाइ ॥ २ ॥

शा

॥ बार्हदुक्थेद्वे ॥

उक्थञ्चनोहाइ । शस्यमानान्नागोरा इराचिकेता । नागायात्रां ।

ती त श षी टिच् चा खाश टि त

गीयामानाऔहोवा । ऊपा ॥ ३ ॥

क टा ख शि खश

इन्द्रउक्थाइ । भ्यर्मन्दाइष्ठोवाजानाञ्चा । वाजपातिर्हराईवान्सू ।

ती शु क टी खिण च चा टि खाण

तानां साखाऔहोवा । होइळा ॥ ४ ॥

काचक टा ख ण्ण ण्ण शा

॥ और्ध्वसन्ननेद्वे प्रहितोर्वा संयोजने ॥

ब्राह्मणादी । न्द्रराधसाःपिबासोमामृतूं रनू । तावे दूसाख्यामास्तार्त्ता ।

ती का की टा का चा का टा प श ख ण्ण

हाइ ॥ ५ ॥

शा

वयङ्गाते अपीस्मसाइ । स्तोतारइन्द्रगिर्वणाउवउवाहोइ । तूवान्नोजीउवउवाहो न्वासोमा पाऔहोवा ।

फी शा का श क षृ टी च श च य टा टी कथ् श टाट् ख शि

एऊपा ॥ ६ ॥

त टाख्

॥ कौत्सानिचत्वारि ॥

आयाही । ऊपानास्सूतं होवाहाइ ।

ति च चा शा टा त श

वाजेभिमाहणीयथाहोवाहाइ । माहं ईवायुवाहोवाहाइ ।

कि कि ता टा त श चा टी टा त श

जानाऔहोवा । उऊपा ॥ ७ ॥

टट् ख शि खा श

ओहोइ कादावसोस्तोत्रांहर्यताया । ओहोइयावाश्माशारूधादू वाः । ओहोइ दीर्घं सूतं वातापीयाया । ई ॥ ८ ॥

टच् च श का फा टा खि श टच् च श का फा खि ण टच् च श का फा पा खा त्र ख

कादाऔहोवावासोस्तोत्रांहर्यताया । अवाऔहोवा ।

खा क था टी खि श खा क था

। श्मशारूधादू वाः ।

का खि ण

दीर्घाऔहोवा । सूतां ।

खा क था टा

वातापीया । या ॥ ९ ॥

खा खा त्र

औहोवाइ कादावासोस्तोत्रांहर्यताया । औहोवाइ यावाश्माशारूधादू वाः ।

च शि कि फ टा खि श च शि का फा खि ण

औहोवाइ दीर्घं सूतंवातापीयाया । ए ॥ १० ॥

च शि का फा पा खा त्र तच्

॥ अभिवादस्यचऔदलस्यसाम ॥

एन्द्रपृक्षुकासुचीदे । नृम्णातनू षूधाहाइनाः । सात्राजिदू ग्रापापुंसियाउवा ।

षी ति त चा काच् काय टा च श चा टा कि ता

ऊपा ॥ ११ ॥

ख श

॥ सोमसामच ॥

अयमेनंसचतांहाबु । ओइसूतोमन्दिमिन्द्रायमान्दाइनाइ । चक्राइंवा इश्वाऔहोवा ।

षी ति त श टि त कि टि ख णा श टीट् खा शि

नीचाक्राये ॥ १२ ॥

टि ख

बृहतिपाठः

प्रथम खण्डः

॥ इन्द्रस्यार्कोद्वौ ॥

अभित्वाशू । रानोनूमाओनूमाः । आदुग्धाइवाधाइनावाओइनावाः ।

ती टित टात कि चा टिख टित

आइशा नमस्यजगतास्सुवाद्रशामोद शाम् । आइशानमिन्द्रातस्थूषाःओस्थूषाओहोवा । स्थूषास्थूषाः ॥ १ ॥

किच् चू चा का टात कि का चिक टादख शि ता टाख्

आभित्वाशूरानोनूमाः । आदुग्धाइवाधाईनावाः । आइशानमस्यजगतास्सुवाद्रशाम् ।

खी ह्री चि काट टात कि चू टाखण

ईशानामीन्द्रातास्थूषाइळाभा । ओइळा ॥ २ ॥

क टात चा टी खण् प ह्ला

॥ भारद्वाजेद्वे ॥

त्वामिद्धी । हवामाहाआओहोवाहाउवा । ऊपा ।

ति टा चाच क शु खश

सातौवाजस्याकारावाआओहोवाहाउवा । ऊपा । त्वांभ्रत्राइषूइन्द्रासात्पातीमाओहोवाहाउवा ।

चिक टा टाच क शु खश दुथट ट काच क शु

ऊपा । णरस्त्वाङ्गाष्टासुवार्वाताआओहोवाहाउवा । उऊपा ॥ ३ ॥

खश कि कथ् टि काच क शु खाश

त्वामिद्धिहवामहेसातौवाजोवा । स्याकारावाः । त्वांभ्रत्राइषूइन्द्रासात त्पातीन्नाराः ।

षू तु त च य टा पु कीच य टा

तूवाङ्गाष्टा । सूवार्वाताः । ओइळा ॥ ४ ॥

टित टिखण प ह्ला

॥ सन्नतेद्वे ॥

अभिप्रवाः । सूरधासाम् । इन्द्रमर्चयाथाविदाइयोजारितु ।

ती टित यू पा खि ता

भ्योमघवापुरोवासूः । साहस्राइणाओहोवा । वाशीक्षाती ॥ ५ ॥

यू टा टिट् खा शि टिख

आभाइप्रवास्सुराधासम् । इन्द्रमर्चायाथाओहोवा । वीदे ।

टु खिण टुदख शि खश

योजरितृभ्योमाघवापुरोवासूः । सहाश्रेणेवाशाइक्षाताओहोवा । सुभूतये ॥ ६ ॥

कुच् टि ता टाख् ताक का टिट्ख शि का टाख्

॥ शैतन्त्रृतीयम् ॥

अभिप्रवस्सुराधसाओहोवा । आइन्द्रामार्चायाथाविदाओहाइ । योजरी तृभ्योमाघवापुरोवासूः ।

फू खाण फह् टी चि टाखणश च का चा पाश टाखण

साहस्रेणाइवाशाहिम्माइक्षाताओहोवा । वासू ॥ ७ ॥

फित पाश टीदख शि खश

॥ नाविकञ्च ॥

तंवएदास्माम् । ऋतीषाहांहोवाओऔहोइहा । वासोर्मन्दानमन्धसाओऔहोइहा ।

तु का चा का का त ता कीच् की का त ता

आभीवत्सन्नस्वासरे षुधे नवाओऔहोइहा । । इन्द्रंओऔहोइहा ।

की टी चा टा का त ता का का त ता

गीर्भाइर्नाओहोवा । वामाहे ॥ ८ ॥

खी शि टा ख

॥ प्रजापतेश्चाभीवर्तः ॥

तंवोदास्मामृतीषाहोवा । वासोर्मन्दानामान्धासाआभीवत्साओनास्वासरे षूधाइनावाः । इन्द्राङ्गाइर्भिर्नवामा ।

णाफ ख ङ्गि डा कीच् क्यय ट की प फ फाङ्ग चा या ट का य टा ता खणफङ्ग
हाइ ॥ ९ ॥

ख श

॥ भागञ्च ॥

तंवोदस्मामृतीषहाउवोवा । वासोर्मन्दानमन्धासाआभीवत्सन्नस्वसराइषूधाइनावाः । ओवाइ न्द्राङ्गाइर्भिर्नवामाहाइ ।

फू खीश की चा का षू यु प श कि टा ताच् ता प त्र श
भगाया ॥ १० ॥

ता टख्

॥ इन्द्रस्याभीवर्तः ॥

तंवोदस्मामृतीषहांवासोर्मन्दानमन्धासा । आभीवत्सन्नास्वासरे षूधाइनावाः । इन्द्रङ्गीर्भाइर्नावा ।

फू ताप षुङ श षी कीच् का पा श यी पा श
हिंहिंहिंहिं । नवानवोवामामो । हाइ ॥ ११ ॥

ट त ट ख ङ्गीङ्ग ङ्गा शा

॥ नौधसम् ॥

तांवोदस्मामृतीषाहाम् । वासोर्मन्दानामन्धासा । आभीवत्सन्नस्वसराइषूधेनावाः ।

प षुङ श टी ट पा श ट त षू याकख ण

आइन्द्रा । गाइर्भिर्नावोओबा । माहे ॥ १२ ॥

ट ता की प ङ्गा ख श

॥ लौशेद्वे ॥

ताराः । भाइर्वोविदाआउवाद्वासुम् । इन्द्रांसाबाधऊतये बृहात्बृहाआउवा ।

ता च का ता टि ख श टाच् च कि टा चा ता टा
गायन्तास्सूतासोमेआध्वारे । हुवेभारान्नाकारिणामिळाभा । ओइळा ॥ १३ ॥

चाक कि चा चा टि त चा टी खण् प ङ्गा

ताराः । भाइर्वोविदाआउवा । द्वासुम् ।

ता च शा ता टि ख श

इन्द्रांसाबाधऊतये बृहात्गायान्तस्सूतासोमेआध्वराइ । हुवेभारान्नाकारिणामिळाभा । ओइळा ॥ १४ ॥

टाच् चा का टाच् चाय ट टी त चिश टि त चा टी खण् प ङ्गा

॥ धानाकेद्वे ॥

तरोभिर्वोविदद्वासूम् । इन्द्रामिन्द्रंसबा धाऊतायाइ । बृहात्बृहत्गायन्तस्सूतसो मायाध्वाराइ ।

षी तित ता चा काच्च क च य ट श ता तू काच्च य टाश

हूवाइ हूवेभरन्नाकारिणामिळाभा । ओइळा ॥ १५ ॥

चाश चू टी खण प प्ला

तरोभिर्वोविदाओद्वासूम् । इन्द्रंसबाधऊतायाइ । बृहात्बृहाआउवा ।

षी तु ची टा खण श चा ता टि

गायन्तास्सूतासोमेआध्वारे हूवे होइभारान्नाकारिणामिळाभा । ओइळा ॥ १६ ॥

चि चि चा चा का टि त चा टी खण् प प्ला

॥ कालेयानित्रीणि ॥

तरोभिर्वोविदाद्वसूम् । इन्द्रंसबाधाऊतायाओवा ओवा । बृहत्गायन्तःसूतसोमायाध्वाराओवा ओवा ।

टा खी शा चीट चाक ख शप्पुख ण पु कि च य टाख शप्पुख ण

हूवाइभरन्नाकाराइणम् । ओवा ओइळा ॥ १७ ॥

चू क ख णा ख शप्पुख शा

तारोभिर्वोविदाद्वसूम् । इन्द्रंसबा धाऊतायाओहोवाओहोवा । बृहत्गायन्तस्सूतसोमायाध्वाराओहोवाओहोवा ।

टी खा शा चा काच्च काय ट ट त टा त त पु चिक य टाट त टा त त

हूवाइभाराओहोवाओहोवा । नाकारिणामिळाभा । ओइळा ॥ १८ ॥

चा या ट ट त टा त त चा टी खण् प शा

तरोभाइर्वोवीदद्वसूम् । इन्द्रंसबाधऊ तायाइबृहात्गायान्तासूतासोमेआध्वाराइ । हूवाइभरौवाओवा ।

खु प्ली क चि काच्च क प छि ताप णि फा त त श चा किख ख ण

नकारिणां । होइळा ॥ १९ ॥

प्ली प्ला शा

॥ ऐषिरेद्वे ॥

तरणिरीत् । सिषासाती । वाजांपुरान्धियायुजाआवाइ न्द्रम् ।

ती खिण क च चा ता टा टा खण

पुरूहूतान्नमे गाइराःनाइमिन्ताष्टे । वासुद्रूवाम् ॥ २० ॥

ची का टि टि ख ण क टिख्

ताराहाबु । णीरित्सीषासतीहायाइहायाइ । वाजंपुर न्धीयायुजौहोवाहाइ ।

तात श ची कु ति श चा काच्च चायट तात श

आवइन्द्रंपरुहूतन्नामाइगाइरौहोवाहाइ । नेमिन्तष्टेवासाओहोवाहाओहोवा । द्रूवम् ॥ २१ ॥

कू था का या टा तात श चा काच्च चा क खि शि ख श

॥ गौशृङ्गेद्वे ॥

तरणिरित्सीषासतीवाजम्पुरन्ध्यायूजा । वाजंपुरन्ध्यायूजावाइन्द्रांपुरुहूतन्नमे गाइराः । नेमाइन्ताष्टे ।

फू ता प ह्री डश षी टी खा फूहूत ता क टि त

वसूद्रूवामिळाभा । ओइळा ॥ २२ ॥

चि टि खण् प ह्ला

तरणिरित्सीषासतीवाजंपुरन्ध्यायूजा । वाजंपुरन्ध्यायूजावइन्द्रपुरुहूतन्नमाइगाइराहोवाउउवोइ इ ।

फू ता प ह्री डश षै टे कु त ची श

नेमिन्तष्टेवसाउवाओबाद्रूवां । हाइ ॥ २३ ॥

चू काप ह्ला शा

॥ प्रष्ठमेकम् ॥

पिबा सुतस्यरसिनाः । मत्स्वानइन्द्रगोमताहोइया । आपिन्नोबोधिसधमाद्येवृधाहोइया ।

ताच् चू षि टु क चा क षी कि टि क चा

अस्मंआवा । न्तूताइधा याः । ओइळा ॥ २४ ॥

टि त टीट् खण् प ह्ला

॥ शुक्लएकम् ॥

पिबासुतस्यरसिनोहाबु । मत्स्वानइन्द्रागोमातोहाउवोवा । आपिन्नोबोधीसाधमाद्येवार्धेहाउवोवा ।

तु त श ची टि खीश क कि की टा खीश

अस्मंआव न्तूतेधायोहाउवोवा । ई ॥ २५ ॥

ची टि खीश ख

॥ जमदग्रेरभिवर्तएकम् ॥

पिबासुतस्यरसिनोमत्स्वाहाबु । नाइन्द्रागोमतोहाबु । आपिन्नोबोधीसाधमाद्येवृधाहाइ ।

षी तू त श टा टि त श क किच् क टि टि त श

अस्मंअवाहान्तुतेहोयाओहोवा । धियऊ ॥ २६ ॥

चा चा टिट ख शि खि

॥ कौन्मुलबर्हिषेद्वे ॥

तूवां हाणहिचेरवाइ । वीदाभागंवसूक्तायाउद्धावृषस्वमाघवान् । ऐहाइगाविष्टयाइ ।

णाफ् ख शू टू पा शृ क टि चि श

ऊदिन्द्रोअश्वमाउवाओबाष्टायो । हाइ ॥ २७ ॥

षि कु प ह्नि शा

त्वंह्येहीचेरवाइ । वीदाभागंवसूक्तायाउद्धावृषस्वमाघवान् । आइहीओइ गविष्टयाइयाइ ।

तु त श यू पा शृ च चि श टी श

ऊदिन्द्रोआश्वमीओंओंओवाष्टायो । हाइ ॥ २८ ॥

टि चित च ख ह्ला शा

॥ वसिष्ठस्यजनित्रेद्वे ॥

नहिवाश्चरामन्वाना । हुवे होवाइ वसिष्ठः पराइमांसाताइ । अस्माकामद्यामरूतास्सूताइसाचा ।

खी प्ली टा काश षि यी टाश पु टि खिण

वाइश्वे होइपिबाहो न्तूकामा इना औहोवा । जनित्राम् ॥ २९ ॥

कि कीकथ् टिट् खा शि त टाख्

नहिवाश्चरामञ्चनावसिष्ठाः । होइहोइ पराइमांसाताइ आस्माकामद्यामारूतासुताइसाचा ।

फू खा कि षी यी पाश फा फा फा फा खिण

वाइश्वे पीब न्तूकौहोमाइना औहोवा । जनित्राम् ॥ ३० ॥

कि टाक्क ट त टट् खा शि त टाख्

॥ मैधातिथम् ॥

माचिदन्यदोहाइ । विशांसाता । साखायो होइमा औहो ।

तु त श खिण टिच्य पि श

राइषाउवाण्याताउवा । इन्द्रमित्तोतावृषणा औहो । साचाउवासूताउवा ।

कि का का का पु पी श का का का का

मुहूरुत्था औहो । चाशा औहोवाहोबांसातो । हाइ ॥ ३१ ॥

पु श कि काखल्ल प्ला शा

द्वितीय खण्डः

॥ वैखानसम् ॥

नकिष्टाङ्गार्म्माणानाशात् । यश्चकारा सदा वृधांसदावृधाम् । इन्द्रान्नयाज्ञैर्विश्वागू र्तामृ भ्वासान्तामृ भ्वासाम् ।

खी प्ली खी काच् क प प्ला ता क च चा की का पा फा ता

आधारिष्टन्धाष्णुमो जासाष्णुमोजसा । ओइळा ॥ १ ॥

चु काच् पा प्ला खण् प प्ला

॥ प्राकर्षम् ॥

नकिष्टाङ्गार्म्माणानशद्दोइ । यश्चकारासादावृधाम् । आइन्द्रान्नयाज्ञैर्विश्वागू र्तामाभ्वासाम् ।

षू ति श खी प्ली टि टा यू टा

आधृ होष्टान्धहाओवा । ण्णुमोजासा ॥ २ ॥

टाच् खि शि ता ट ख

॥ सात्यम् ॥

याक्कुताइचीदाभीश्रीषाः । पुराजात्रूभ्याआतृदाहोवाहाइ । सन्धातासान्धाइमाघवापुरोवासुर्होवाहाइ ।

खु प्ली टा टा ची टा त श टा टा टु चि टि त श

नाइष्कार्तावीहुतम्पूनाहोहाओहोवा । ऊपा ॥ ३ ॥

टि टा कि टा ख शि ख श

॥ भारद्वाजानिचत्वारि कण्वब्रह्मद्वितीयम् ॥

आत्वासहा । सामाशाताम् । युक्तारथे हिरण्यये ब्रह्मायूजो ।

ती चाय ट चा काच् ची का य ट

हारयइ न्द्राकाइशाइनाः । वाहान्तूसोमापाओहोवा । ताये ॥ ४ ॥

किच क्य या टा काय ट ट ख शि ख श

औहोआत्वासाहाए । सामाशातांहाहाइ । युक्तारथे हिरण्यये ब्रह्मायूजोहाहाइ ।

षा तीत चाय प प्ल ड श का का कीच् का य प प्ल ड श

हारयइ न्द्राकाइशाइनाःहाहाइ । वाहान्तूसोहाहाइ । मापीतायाउहुवाहाबु ।

कीच् का या प प्ल ड श चाय प प्ल ड श काप प्लीप्ल श

बा ॥ ५ ॥

श

आत्वासहस्रमाशतमा । युक्तारथेहिरण्ययेब्रह्मायूजोहरयइ न्द्राकेहाशाइनाहाउवा । वाहन्तुसोमपौहोहिम्मा ।

षू ति षो ची टि टि ति ची कात टा

तयाओबा । ऊ ॥ ६ ॥

ताप प्ल ख

आत्वासहस्रमाशतामात्वासाहा । सामाशतमाइहियोहाइ । युक्तारथे हिरण्यये ब्रह्मायूजोआइहियोहाइ ।

फ खा शी टु खिण श चा का कीच् का य ट ट खिण श

हारयइ न्द्राकाइशाइनाआइहियोहाइ । वाहान्तूसोआइहियोहाइ । मापीताया इ ।

कीच् का या टा ट खिण श चाय ट ट खिण श टि खण् श

ओइळा ॥ ७ ॥

प प्ला

॥ वाम्राणित्रीणि ॥

आमन्द्रैराइन्द्रहरिभाइः । याहीमयू रारोमाभाइ म्मात्वाकाइचीत् । नीयेमू वी ।

ती तु श क किचक क पा श कि शा खिश

नापाशिनोतीधन्वे वातंआइहा औहोवा । वायाः ॥ ८ ॥

क चि टिचक ट ट खा शि ख प्ल

आमन्द्रैरिन्द्रहारीभाइः । याहीमयू रारोमभाइ म्मात्वाकाइचीत् । नीये मुर्वीन्नापाशाइनाः ।

तू ता श क चिक पि टी ता का काक टा ता

आताइधान्वे । वातंआइहा औहोवा । वयोभीः ॥ ९ ॥

टी तच् क ट ट खा शि ता ख

आमन्द्रैरिन्द्रहारीभीः । याहिमयू रारोमभीराउवा । मात्वाकेचिन्नियेमुर्वीन्नापाशिनोउवा ।

तू ता क चिक शू टाचक कु दू

आतीधन्वेवतं आउवा । ई हि ॥ १० ॥

टा चा ता टि ख श

॥ गौङ्गवम् ॥

त्वमाङ्गाप्राशंसीषाः । दाइवाश्शविष्टमार्त्तायम् । नत्वादन्योमाघव न्नास्तिमार्धाइता ।

खि प्ली चि खु ण ची चिट खि णा

आइन्द्रावृवाऔहो । मीतोबावाच्यो । हाइ ॥ ११ ॥

खि श पा श क प प्ल शा

॥ साध्राणि त्रीणि ॥

त्वमिन्द्रा । याशायसीऋजीषीशावासस्पताइ । त्वं व्रत्राणीहंस्या ।

ति ची का चि चिश ती ता

प्रातीनाये काईत्पूरूरानूहोक्ताश्चार्षाणाऔहोवा । धार्त्तिः ॥ १२ ॥

कीच् कि भ टा टि टट्ख शि ख प्ल

त्वमाइन्द्रायाशायसाइ । ऋजाइषीशावासा । स्पातिः ।

खी प्ली श क किट खाणफप्ल ख श

त्वं व्रत्राणीहंस्याप्रातिन्येकाई त्पूरूरानाउवोवा । क्ताश्चाउवोवार्षणाइधृतिः । होइळा ॥ १३ ॥

क कि चा चाश चा भी खाश टा खाश पु प्ल शा

हाबुत्वमिन्द्रा । याशायसीहाबु । ऋजीषीशावासस्पातीर्हाबु ।

तु खि शि खिश खि शि

त्वं व्रत्राणीहंस्याहाबु । प्रातीनाये । काईत्पूरूर्हाबु ।

क का भी श खिण पि प्ल ड श

आनुक्ताश्चार्हाबु । षाणाऔहोवा । धार्त्तिः ॥ १४ ॥

पि प्ल ड श ट ख शि ख प्ल

॥ विरूपस्य समिचीन प्राचीनेद्रे ॥

हाबुत्वमिन्द्रा । याशायसीहोइहोइहोयेहाबुहाबुहाबु ।

तु चा का पू शू
ऋजीषीशवासस्पातिहोइहोइहोयेहाबुहाबुहाबु । त्वंवृत्राणिहंस्याप्रातीन्येकाईतपुरुहोइहोइहोयेहाबुहाबुहाबु ।

का चि चि पू शू की चा चाश चा का पू शू
आनुक्तश्चर्षाणिधृतीहोइहोइहोयेहाबुहाबुहाउवा । स्वर्महाः ॥ १५ ॥

कू चक पू पु शा क टाख
होत्वमिन्द्रा । याशायसीहोयेहो । ऋजीषीशवासस्पातिहोयेहो ।

ती चा का टाख का चि चा ट टाख
त्वंवृत्राणीहंस्याप्रातीन्येकाई त्पुरुहोयेहो । आनुक्तश्चर्षाणिधृतीहोयेहोहाउवा । स्वर्मयाः ॥ १६ ॥

की चा चि चा का टाख षि टु टाख ति क टाख

॥ यौक्तास्रजमिन्द्रस्येन्द्रियंवा ॥

इन्द्रमिदेवता । तायाइन्द्रप्रायातीयध्वाराइ । आइन्द्रासमीकेवानीनोहावामाहाइ ।

तू कू टि त श टि का ची टि त श
आइन्द्राधानास्यसोबा । ताये ॥ १७ ॥
टि पी प्ल ख श

॥ आत्राणित्रीणि ॥

इमाउत्तवापुरोवसोगिरएगिराः । वार्धन्तुयाममापावकवर्णाश्शुचयोवीपा । हिंहिंश्चाइताः ।

पू तु ता की टा तु पी श ट खा णा
आभिस्तोमै रनू हूवाएहोवा । षाताऔहोबा । होइळा ॥ १८ ॥
की टाक् काक टा क टा ख प्ल प्ल शा

इमाउत्तवापुरोवसोहाबु । गीरोवर्धन्तुयाममाइहाहाहोइहोवा । पावाकवर्णाश्शुचयोइहाहाहोइहोवा ।

षी तु श चा काच य टा तात च खाश थ की कि तात च खाश
वीपश्चीतोआभिस्तोमै रिहाहाहोइहोवा । आनूषा ताऔहोवा । ऊपा ॥ १९ ॥
ची की तात च खाश टिट्ख शि ख श

इमाउत्तवापुरोवसाबुगाइरोवर्धन्तुयामामा । पावाकवर्णाश्शुचयो वीपश्चिताऔहोआऔहो ।

फू ता पा पू ड श थ की टिच् भू त टा त
आभिस्तोमै रनू हूवाएहोवा । षाताऔहोबा ।

ची टाक् काट का टि ख प्ल

होइळा ॥ २० ॥

प्ल शा

॥ वासिष्ठानित्रीणि ॥

उदुत्येमा । धूमक्तमागाइरास्तोमा । साईरताए सान्राजाइतोधानासाया ।

ती क टि खी ण क भी खि शा खि ण

क्षीतोतयोवाजायान्ताः । रथाआइ । वा ॥ २१ ॥

क टि खि ण खि श त्रा

उदुत्येमाधुमाक्तमाः । गीरस्तोमासयाईराताइ । सत्राजितोधनासायाक्षितोतायो ।

फी की दू टा शा दू की टा

वाजयन्तोरथाआउवा । ई वा ॥ २२ ॥

तू ति ख श

हाउदुत्येमधूमाक्तमोहाइ । गाइरस्तोमासया इ । राते ।

त फू खा शा च टी खाणफळ श ख श

सत्राजितोधनासायाक्षितोतायाः । हावाजयन्तोरथाइवोहाइ । वाजयन्तोरथा ई वाऔहोबा ।

कू की खा त फू खा शा की ताचक टा ख ण

होइळा ॥ २३ ॥

पू शा

॥ वत्सस्यकाण्वस्य सामनीद्वे गौतमस्यवामनार्ये ॥

याथागौरोअपाकृताम् । तृष्यन्येतीयावेराइणाम् । आपित्वेनप्रपित्वेतु यामागाही ।

पि शु की टि ता क पि ची टि त

कण्वेषूसूसाचाऔहोवा । पीबा ॥ २४ ॥

टाचक टाट्ख शि ख श

ओवायोवायाथा । गौरोआपाकृतामोहाहाइ । तृष्यन्नेतीयावाइरिणामोहाहायापी ।

खि शि थाच का खाळ त श ची चा शा खाळ खा ण

त्वेनप्रपित्वेतूयामागहिओहाहाइ । कण्वेषूसूसाचाऔहोवा । पिबाई ॥ २५ ॥

चूक च शाख ण त श टाचक टाट्ख शि ता टख

तृतीय खण्डः

॥ हारायणानि त्रीणि ॥

शग्ध्यूषू । शाचाइपाताई न्द्रा । विश्वा भीरूतीभाइर्भागम् ।

ति चीक ख श थाच् की खा श

नहित्वायाशासंवासूवाइदम् । आनूशू राऔहोवा । चरामसी ॥ १ ॥

ची चा काख शा टिट्ख शि टा खा

शग्ध्यूषौहोशचीपताइ । आइन्द्रंविश्वाभीरूतीभीर्भगान्नाही । त्वायाशासंवासूहाइवाइदाम् ।

फी कीश षू दू त चा का टात टी

आनूशूरचराउवाओबामासो । हाइ ॥ २ ॥

षू काप प्ला शा

शग्ध्यूषूशाचीपताइशग्ध्यूषू । शाचाइपाताइहिमाहाइ । आइन्द्रंविश्वा भीरूतीभीराइहिमाहाइ ।

फु खा शी टु खिण श कुच का टि खिण श

भागन्नहीत्वायाशासं वासूवीदामाइहिमाहाइ । आनू शूराइहिमाहाइ । चारामासा इ ।

षी कीच् का टि खिण श चाय ट खिण श टि खण् श

ओइळा ॥ ३ ॥

प शा

॥ वाम्नाणित्रीणि ॥

यायाहोइ न्द्रा । भूजाआभारा । सुवाहार्वायासूराइभायाः ।

ता खाश च काय ट ता चि का या ट

स्तोताहा रामिन्मघवन्नस्यावार्धाया । याइचाहाइ । त्वेवृ क्ताबर्हाइषाः ।

टा तच् क चू य टा टि त श चा टि खाण

ओइळा ॥ ४ ॥

प शा

याइन्द्रभुजाआभाराः । स्वर्व आसूरे भायाहाहोहाइ । स्तोता रामाइन्माघव न्नास्यवार्धायाहाहोहाइ ।

दू त त थाच् ट टाख श खाण श थाच् ची का टि ख श खाण श

येचत्वाइवृ हाहोहाइ । क्ताबर्हाइषाः । ओइळा ॥ ५ ॥

क का ता खाण श टि खाण् प शा

याइन्द्रभुजआभरउहुवाहाइ । स्वर्व आसूरे भ्याउहुवाहाइ । स्तोतारमिन्मघवन्नस्यवार्धाया उहुवाहाइ ।

षु तू त श थाच् ट टाच टि त श क षू यि टाच् टि त श

येचत्वाइवृ उहुवाहाइ । क्ताबर्हाइषाः । ओइळा ॥ ६ ॥

च टा ताच् टि त श च टा खाण् प शा

॥ वरुणसामानित्रीणि ॥

प्रमित्रायप्राहाबु । आर्यम्नाइसचाहो धियौहुवार्तावसाबु । वरौहो धीयौहूवाइ वरूणेछान्दीयंवचाः ।

तु त श ट चा टि कथ टा टि चा श टाकथ टा षि कु चि

स्तोत्रांहोइराजौहूवासूगायाताआउवा । ऊपा ॥ ७ ॥

टा टिट कि टि टि ख श

प्रमित्रायप्रौहोवा । अर्यम्णाबुहो औहोवा । साचाथ्यमृ तावासाबुहो औहोवा ।

तू त कुचक का की चा किचक का

वारूथ्येवरूणेछन्दीयंवाचाबुहो औहोवा । स्तोत्रंराजाबुहोऔहोवा । सूगायाताबुहो औहोवाः ।

चू क कि किचक का क का किच क का किचक पाण्

ओइळा ॥ ८ ॥

प शा

प्रमित्रायप्रार्यम्नोवाओवा । साचाथ्यमृ तावासाबु । वारूथायाइवरूणे छन्दायांहाइवचोआ ।

षी ति ता त चा चा या ट श ट त ट त कीचक टा त टि त

स्तोत्रंराजसुगायतस्तोत्राम् । राजसूगौहोओबायातो । हाइ ॥ ९ ॥

क का चि टि त कचकट त प फ़ शा

॥ वषट्कारनिधनञ्च साकमश्वम् ॥

अभित्वापूर्वपीतयेआभीत्वापू र्वापीतयाइ । इन्द्रास्तोमै भिरायवोभीरायावाओमोवा ।

षु फ़ु खा ह्री श थीच् का चा काय ट कि

समीचीनासाक्रुभावासमास्वरान्सामास्वरानोमोवा । रुद्रागृण न्तापू र्वाया न्तापू र्वायामोमोवाऔहोवा ।

षी ची का टा चाय ट कि चा काच् का टाच् चाय ट काख शि

ऊपा ॥ १० ॥

ख श

॥ बृहतश्चमारूतस्यसाम ॥

प्रवइन्द्रायब्रहतेप्रवाः । इन्द्रायावृ हातेओमोवा । मरूतोब्र ह्याआर्चाताओमोवा ।

षु तु थाच् चाय ट कि ची काय ट कि

वृत्रंहानातीवृत्र हाओमोवा । शाताक्रातु र्वाञ्जे । णशाहाहा ।

टी चिट कि कीख ण ता त त

तपार्वणा । होइळा ॥ ११ ॥

ह्री फ़ शा

॥ संश्रवसे वीश्रवसे सत्यश्रवसे श्रवस इतिवार्यानां सामानिचत्वारी सांशानानिवा ॥

सन्त्वाहिन्व न्तीधाइताइभीस्ताइभीः । बृहादिन्द्रायागायातायाता । मरूतोवृ त्राहान्तामान्तामाम् ।

चा थाच् का या टा टी का थाच् काय ट टा ची काय ट टा

येनज्योतिरजनय नृतावार्धावार्धाः । देव न्देवा याजागृवीङ्गवीम् । सन्त्वाहिन्वन्तीधाइताइभीस्ताइभाऔहोवा ।

चि कुच् काय ट टा का थाच् काय ट टा चा था टी टि खा शि

संश्रवसे ॥ १२ ॥

च खि

सन्त्वारिण न्तीधाइताइभीस्ताइभीः । बृहादिन्द्रायागायातायाता । मरूतोवृ त्राहान्तामान्तामाम् ।

कीच् का या टा टी का थाच् काय ट टा ची काय ट टा

येनज्योतिरजनय नृतावार्धावार्धाः । देव न्देवा याजागृवीङ्गवीम् । सन्त्वारिण न्तीधाइताइभीस्ताइभाऔहोवा ।

चि कुच् काय ट टा का थाच् काय ट टा कीच् टी टि खा शि

वीश्रवसे ॥ १३ ॥

च खि

सन्त्वाताताक्षुर्धाइताइभीस्ताइभिः । बृहादिन्द्रायागायातायाता । मरूतोवृ त्राहान्तामान्तामाम् ।

का चा का या टा टि का थाच् काय ट टा ची काय ट टा

येनज्योतिरजनय नृतावार्धावार्धाः । देव न्देवा याजागृवीङ्गवीम् । सन्त्वाताताक्षुर्धाइता इभीस्ताइभाऔहोवा ।

चि कुच् काय ट टा का थाच् काय ट टा चा टख टि खा शि

सत्याश्रवसे ॥ १४ ॥

चा टिख्

सन्त्वाशिश न्तीधाइताइभीस्ताइभीः । बृहादिन्द्रायागायातायाता । मरूतोवृ त्राहान्तामान्तामाम् ।

कीच् का या टा टी का थाच् काय ट टा ची काय ट टा

येनज्योतिरजनय नृतावार्धावार्धाः । देव न्देवा याजागृवीङ्गवीम् । सन्त्वाशिश न्तीधाइताइभीस्ताइभाऔहोवा ।

चि कुच् काय ट टा का थाच् काय ट टा कीच् टी टि खा शि

श्रवसे ॥ १५ ॥

टिख्

॥ वासिष्ठानि त्रीणि भार्गवं वा तृतीयम् ॥

इन्द्राऔहो । ऋतु न्नाआभारा । पिताऔहो ।

भि त चा काय ट भि त

पुत्रे भीयोयाथा । शिक्षाऔहो । णोअस्मिन्पुरूहूतायामानी ।

थाच् काय ट भि त कू काय ट

जीवाज्योताऔहोवा । अशीमही ॥ १६ ॥

टि ख शि खी

इन्द्रऋतु न्नाआभारा । पितापुत्रे भीयोयथाशाइक्षाणोआ । स्माइन्पुरूहूतायामानीऔहौहूवाऔहोवा ।

फी की की षी टी त क कीच य टा ट ट कि त त

जीवाज्योयातीः । अशीमाहाइ । ओइळा ॥ १७ ॥

टि त टि ख ण प प्ला

इन्द्रऋतु न्नाआभराउवोवा । पितापुत्रे भीयोयाथा । हापितापुत्रेभियोयाथाहाबुशाइक्षाणोआ ।

फू खीश खा चा प्ला त चू क प श्रु

स्माइ न्पुरूहू तयामानीहाबुजीवाज्योतीः । आशोवामाहो । हाइ ॥ १८ ॥

का कि चा पा शू क प छि शा

॥ स्ववस आज्ञीकस्यसामनीद्वे ॥

मानइन्द्रा । परावार्णात् । भावानस्साधमादीयाः ।

ती पि श यू प श
त्वन्नऊतीस्त्वमिन्नआपीयाम् । मानइन्द्रापरावृ णाआउवा । ऊपा ॥ १९ ॥

षी यु प श की कित टि ख श
मानइन्द्रापारावृणान्मानइन्द्रा । परावार्णात् । भावानस्साधमादायाः ।

फू खा शी टि त कु टा त
त्वन्नऊतीस्वामिन्नाआपियाम् । मानाइन्द्रा । परावार्णाआत् ।

टी टि चि ता ता टि ख ण
ओइळा ॥ २० ॥

प शा

॥ काण्वम् ॥

वयङ्गात्वासुतावन्ताः । आपोनवृक्ताबर्हिषाउवा । पावित्रस्याप्रस्नावाणाइ ।

खि शु कु ट का ता ची चा चा श
षूवृत्राहान्पारीस्तोतारआसाताइ । आर्ष ॥ २१ ॥

टि त ट त की प त्र श च श

॥ वैष्टम्भेद्वे ॥

औहोवाइवयङ्गात्वासुतावन्तऔहोवा । औहोवायापोवृक्तबर्हिषःपवाइत्रास्या । प्रस्नवणेषुवात्राहान् ।

षू तू त षे पी श यू प श
औहोवाऔहोवाइपरिस्तोरआसतेपराइस्तोता । रआसाताऔहोवा । होइळा ॥ २२ ॥

ता त षो टी त का क टा ख ण्ण ण्ण शा

वयङ्गत्वोहाइसुतावन्तोवा । आपोनवृक्ताबर्हाइषाहोवाहाइ । पावित्रस्यप्रस्नवणे षूवात्राहान्होवाहाइ ।

ती तू त कु च य टा टा त श की कीच् काय ट टा त श
पराइस्तोताहोवाहाइ । रआसाताऔहोवा । दीशाः ॥ २३ ॥

चा या ट टा त श टिट्ख शि ख श

॥ काण्वञ्चैव ॥

औहोहोहाआइहिवायाम् । घात्वासूतावान्तोआपोनावृ । क्ताबर्हिषाऐहायाइहिपावित्रास्याप्रस्नावाणे ।

ता त तु त ख श खि श खि ण क किक खा शा खि श खि ण
षूवृत्रहानैहायाइहीपारीस्तोता । रआसाताइ । आभि ॥ २४ ॥

क कि खि शा खि ण खित्र श ख श

॥ श्रुष्टिगवञ्च ॥

ओहाइयदिन्द्रनाहुषीषू वा । ओजोनृम्णाञ्चाकृष्टिषु ऐहीआइहीहोवा उउवोइ ।

त षू तित टा टा क चिट शीक थच् चिश

यद्वापञ्चाक्षितीनामैहीऐहीआइहीहोवा उउवोइ । द्युम्नमाभराऐहीआइहीहोवाउउवोइ ।

टा टा टा श टा ट शीक थच् चिश कुट शीक थच् चिश

सात्रावाइश्वा नीपौँस्याऐहीआइहीहोवाउउवो याऔहोवा । ऊपा ॥ २५ ॥

टा टिच् का टि किक थच् टिट्ख शि ख श

चतुर्थ खण्डः

॥ इन्द्रस्यचवृषकम् ॥

सत्यमित्थावृषाइदसाइ । वृषजूतिनोर्वितावृषाहुग्राशाण्विषाइपरावाताइ । वृषोआर्वा ।

तू ति श षु टा चा चाय टा कि चाश टि त

वाताइश्रूताः । ओइळा ॥ १ ॥

टीख प शा

॥ द्वैगतेच ॥

यच्छाक्रासीपारावाती । यादर्वावा तीवात्राहान् । अताऔहोवा ।

खी ङ्गी टीच् काय ट ता ट त त

स्त्वागीर्भिद्युगदिन्द्राकेशीभीः । सूतावंआआऔहोवा । एविवासती ॥ १ ॥

टि कि या टा चाटख शि त टा खा

यच्छक्रासिपरावतियदोवा । अर्वा वाताइवात्राहान्नतास्त्वगाइ । भाइद्युगदिन्द्राकेशीभीः ।

षी तू त थाच् का या पा खा ता श क की या टा

सूतावं आऔहोवा । विवासती ॥ २ ॥

टा टट्ख शि टा खा

॥ कार्तवेशञ्च ॥

आभीवोवीरमन्धसा । मदे षुगायागीरामाहावीचेतासम् । इन्द्रन्नामा ।

षु ति काच् क टा क टि काख ण ती

श्रुत्यंशाकाइनामौहोवा । वचो । ऊपा ॥ ३ ॥

का टा खा शि ता ट ख

॥ इन्द्रस्यच शरणम् ॥

इन्द्रत्रिधातुशारणाम् । त्रीवरूथंस्वस्तयाइछर्दिर्याच्छा । माघवत्भ्याश्चामह्याञ्चा ।

फी शी षी चि टी त की क टा त

यावयादीद्यूमे भ्याऔहोवा । होइळा ॥ ४ ॥

क टा त का टा ख ण्ण ण्ण शा

॥ श्रायन्तीयञ्च ॥

श्रायन्तईवसूओरायाम् । विश्वाइदिन्द्रास्यभाक्षाता । वासूनिजातोजनिमा नीयोजासा ।

षू तात टा टि टा टा की कीच् काय ट

प्रातीभागन्नादीधीमःप्राती । भागान्नादाहिम् । धिमाओबा ।

कि कि टि त पि शा ता प ण्ण

हे ॥ ५ ॥

ख

॥ आक्षीलन्चबाभ्रंवा ॥

नसीमादेवायाहाहाइ पातत्पतोवा । इषंहोइदीर्घाहोयोमात्तर्याः । आइतग्वाचीद्यायाइताशोयूयोउवा ।

चि क फ ल त त श प शी टि भी च य ट टी त का कि की

ऊपा । जाताआइन्द्रोहारी यूयोजाजाताऔहोवा । उऊपा ॥ ६ ॥

ख श टा टि टा च क टा ट ख शि खा श

॥ शौक्तानि त्रीणि शुक्लानिवा आश्वानिवा ॥

आनएविश्वा । सुहाओव्याम् । आइन्द्रंसमात्सूभूषाताऊपा हाहाइ ।

तु टा टा कू कि ख श लू त त श

ब्रह्माणीसवनानीवृत्रहान्पारामाज्याः । आर्चाहाइ षामाऔहोबा । होइळा ॥ ७ ॥

का ची ची क टा त टा त श क टा ख लू लू शा

आनोविश्वासुहाहाव्याम् । इन्द्रंसमात्सूभूषाताऊपब्राह्मा । णीसवनानिवृत्रहान्पारामाज्याः ।

तू त त क की कि टि त ची ची क टा त

आर्चाहाइ षामाऔहोबा । होइळा ॥ ८ ॥

टा त श क टा ख लू लू शा

आनोविश्वासुहाव्याम् । इन्द्रंसमात्सूभूषाताऊपाब्राह्मा । णीसवनानिवृत्रहान्पारामाज्याः ।

तू त षु चि का य ट षु चि का य ट

ऋचिषामा । ओइळा ॥ ९ ॥

टि ख ण् प शा

॥ प्रजापतेर्निधन कामम् ॥

तवेदिन्द्रावमंवसू । त्वंपुष्यसिमाध्यामंसात्रावाइश्वा । स्यापरामस्यराजसीनकिष्वागो ।

फी की कु टी ख णा क षु का खि ण

षूवृण्वाताइ । होवाहोइहोवा हा बु । बा ॥ १० ॥

ट टा त श टा च टि च् क च् श ख

॥ गौतमस्यमनार्याणित्रीणि ॥

क्रेयथा ।

ति

क्रेदसाऔहोवाऔहोऔहोवा ।

क टा कि कि ख श

पुरूत्राचाइद्धिते मनाऔहोवाऔहोऔहोवाआलार्षीयूध्माखजक्रदौहोवाऔहोऔहोवा ।

का का कि टा कि कि ख श का कि शि कि कि ख श

पुर न्दराप्रगायात्राऔहोवाऔहोऔहोवा ।

का की टा कि कि ख श

अगासाइषू औहोवा ।

ता ट खा शि

प्सूशंसाः ॥ ११ ॥

टा ख

कूवाकूवा । ईयाथाक्रेदसाउवाऔहो ।

ती की शा टि त

पुरूत्राचाइद्धिते मनाउवाऔहो । आलार्षीयूध्माखजक्रदुवाऔहो ।

की कि का टि त का कि शि टि त

पुर न्दराप्रगायात्राउवाऔहो । अगासाइषू औहोवा ।

का की टा टि त ता ट खा शि

प्सूशंसाः ॥ १२ ॥

त ट ख

क्रेयथा । कूवाइदासी । पुरूत्राचीद्धीताइमानाः ।

ति पी ण ती चा पा ण

आलार्षीयूध्माखजक्रद्धाउवा । पूरन्दारा । प्रगायात्रा अगासाइषू औहोवा ।

कु टि ता पि ण का टाच् काट खा शि

प्सू ॥ १३ ॥

ख

॥ वैरूपाणित्रीणि ॥

वयमेनाम् । आइदाऔहोवाहीयो । अपीपेमेहावज्जिणन्तास्माऊआ ।

ती ट खा शि ख श चा था कू टा

द्यसवनाइसूतांभारा । आनूनांभू । षाताश्रुताइळाभा ।

पी यि टा क टा त का टी खण्

ओइळा ॥ १४ ॥

प शा

वयमेनाम् । इदाहायाः । आपौहोइपेमौहोइहावज्जिणाम् ।

ती टा टा कु की चि

तस्माऊआद्यासवनाइसूतंभरा । आनौहोनांभौहोषाताश्रुताआउवा । ऊपा ॥ १५ ॥

था कि कु शि क कि कि कि टि ख श

वयमेनामिदाहीयाउवोवाइयाहाइ । हुवेहोवायपिपेमेहावाज्जीणां । तस्माऊआद्यसवनाइसूतांभाराइया ।

फु खी शु की यू टा षु यू टा ट त

आनूनांभू षाताश्रुताइ । श्रावासाइ ॥ १६ ॥

क था तच् का प त्र श च ट ख श

पञ्चम खण्डः

॥ पौरुहन्मनञ्च ॥

योराजाचार्षाणाइनाम् । यातारथे भीराध्राइगूःध्राइगूः । वाइश्वासान्तरूतातरूतापार्तानानाम् ।

खी प्ली कीच् काय टा टि टी टि टि काख ण

ज्याइष्ठायोवात्राहागार्णाइ । त्रहागृणाइ । होइळा ॥ १ ॥

टी किख ण श प्ली श प्ल शा

॥ प्राकर्षञ्च ॥

योराजाचक्रषाणाइनाम् । यातारथे भीराध्राइगूः । विश्वासान्तरूतापृतनानाम् ।

तु खा शा की टि ता षू टि त

ज्याइष्ठाय्योवृ त्राहाउवा । ओबागार्णो । हाइ ।

ट ता का की प छि शा

॥ २ ॥

॥ इन्द्रस्यचाभयङ्करम् ॥

यतआन्द्राभायामहाइ । तातोनोअभायङ्काद्धी । माघवन्शग्धितवत त्राऊतायाइ ।

खी प्लीश कि टि त षु कि टि त श

विद्वाइषोवीमार्धोजहिइळाभा । ओइळा ॥ ३ ॥

टी त का टी खण् प शा

॥ कावर्षेद्वे ॥

वास्तोष्पताइ । ध्रूवास्थूणाउवोवा । अंसत्रं सोम्यानाम् ।

ती श टी खा श किच् क टा

द्रप्सःपुरांभेक्ताशश्वताइनामाइन्द्राः । मूनीनांआउवा । साखा ॥ ४ ॥

षू टि खि णा कि टि ख श

वास्तोष्पतेध्रूवास्थूणांसत्रंसोम्यानाम् । द्रप्सःपुरांभेक्ताशश्वताइनाम् । आइन्द्राः ।

फू त प छि ड श षू टि ता ट ता

मूनीनाम् । साखा ॥ ५ ॥

टा खणफळ् ख श

॥ सूर्यसामच ॥

बण्महं असिसूर्या । बाळादित्या माहं आसाई माहस्तेसातोमाहिमापानीष्टामा । मन्हादाइवा ।

खि शी कीच् काय प ण णि फा फा प्ला प त त टि ता

माहोबाआसो । हाइ ॥ ६ ॥

क प प्ल प्ल शा

॥ नैपातिथेद्वे वाशेवा ॥

यदिन्द्रप्रागपात् । ऊदान्याग्वाहूयासेनृभाइः । सिमा पूरूनृषूतोअस्यानवे ।

तू का कु टा श टाच् चा थि टी

आसीप्राशा द्वातोबार्वाशो । हाइ ॥ ७ ॥

टा टाच् क प ण् ण् शा

यदिन्द्रप्रागपागुदागे । नायग्वाहू यासाइनृभिर्हाबुहोहाइ । सिमा पूरूनृषूतोअस्यानवेर्हाबुहोहाइ ।

षी ती त कीच् क टी खिण श टाच् क च थि टी खिण श

आसाइप्राशार्हाबुहोहाइ । द्वातू औहोवा । वर्शे ॥ ८ ॥

टुच् खिण श टट् ख शि ख श

॥ कौन्मुदेद्वेस्वर्जोतिषीवा ॥

कस्तमिन्द्रा । तुवावासाबु ।

ती टा टा श

आमत्तर्योदधर्षताइ श्रद्धाहाइते । माघव न्पार्याइदाइवी ।

षी ची श था टि कि यी टा

वाजीवाजांसीषासाताऔहोवा । उऊपा ॥ ९ ॥

टा टा क टाट् ख शि खा श

कस्तमिन्द्रात्वावसाबूआमत्तर्योदधर्षताइ । श्रद्धाहाइते ।

फु ता पा श्रु था टि

माघव न्पार्याइदाइवाउवोवा । वाजीवाजां सीषासाताऔहोवा ।

कि टू खा श था टाच् क टाट् ख शि

उऊपा ॥ १० ॥

खा श

॥ अनूपेद्वे ॥

अश्वीअश्वी । रथी सूरूपायूः । गोमय्यदिन्द्रातेसाखा ।

ती काच् काय ट क कि या टा

श्वात्राभाजावयसासचातेसादा । चन्द्राइर्याती । साभाऊपो ।

टा टा चि टि त भी त प श ख ण्

हाइ ॥ ११ ॥

शा

अश्वीरथीसूरूपायूः । गोमय्यदिन्द्रातेसखाउवाहाउवाहोवाइया । श्वात्राभाजावयसासचातेसदाउवाहाउवाहोवाइया ।

तू त कि कि की टा टि क थ चा षी कि कु टा टि क थ चा

चन्द्राइर्याती । साभाऊपाइळाभा । ओइळा ॥ १२ ॥

चा या त का टी खण् प ण्

॥ वैरूपञ्च ॥

यद्यावाइन्द्रतेशताम् । शातंभूमिरूतास्यूः । नत्वावज्जिन्साहसंसूर्याआनू ।

पि शु की टि षी कु टा

नाजातामा शारोबादासो । हाइ ॥ १३ ॥

टा टाच् क प ण् ण् शा

॥ वाचश्चसाम ॥

इन्द्राग्नीयपादियामे । पूर्वागात्पद्मादाइभायाः । हित्वाशिरोजिह्वायारारापाश्चारात् ।

षी ती त टि चि या ट टी यू टा

त्रिंशत्पदान्याक्रामाऔहोवा । उऊपा ॥ १४ ॥

क दुट् ख शि खा श

॥ आक्षीलेद्वे ॥

इन्द्रनेदीयएदिहाइमितमेधा । भिरूतिभिराशन्तामाशन्तमाभीराभिष्टिभिरास्वापे । स्वाऔहो ।

ष ती तु शी टा त कु टु त पा श

पिभिरोइळा ॥ १५ ॥

खि शा

। इन्द्रनेदीयएदिहाइमितमेधाभिरूतिभाइः । आशन्तमशन्तमाभाइराभीष्टीभीरास्वापाइ ।

षी तृ शी ती श क टू यी चु श

स्वाहा । पिभिरोइळा ॥ १६ ॥

प श खि प्ला

षष्ठ खण्डः

॥ गौरीवितेःप्रहितौद्वौ ॥

इतऊती । वोओजारामौहोवाऔहोवा । प्रहेता रामप्राहीतामौहोवाऔहोवा ।

ती त टा टा त टा त त थिक्क भि टा त टा त त

आशुञ्जे तारंहाइतारामौहोवाऔहोवा । राथाई तममतूर्तान्तू । ग्रीयावार्धाऔहोवा ।

किथ टी टा त टा त त षि टू त ता ट्ख शि

स्तुषे ॥ १ ॥

ताच्

इतऊतिवोआजाराम् । प्रहे तारमप्राहितामुहुवाहोआशुञ्जेतारं हेतारमुहुवाहोइ । रथितमामतूर्तान्तू ।

षी ति त का षू टि का षी टू च श का टा खि ण

ग्रीयावार्धाऔहोवा । स्तोषाइ ॥ २ ॥

ता ट्ख शि त ख श

॥ आत्रेद्वे ॥

मोषुत्वावा । घाता । श्वाना ।

ती पाणफळ्ख श

आरेअस्मिन्निरीरमन्नाराक्ताद्वा । साधमादान्नायग ह्याइहवासान् । ऊपाश्रूधीइळाभा ।

क क च य टा टी कि टु का का टा खण्

ओइळा ॥ ३ ॥

प शा

मोषुत्वावाघाताचनाए । आरेअस्मिन्निरीरमन्होवाउउवाऊ । आराक्ताद्वासाधमादांहोवाउउवाऊ ।

षु ती षी टी क थ टि ट च य टा टी क थ टि ट

नायागाही । आइहवासन्नाउवोवा । ऊपश्रूधी ।

खि ण कु खि ण टि खण्

ओइळा ॥ ४ ॥

प शा

॥ गौतमेद्वे ॥

सुनोतसोमपान्नाए । सोममिन्द्राहोवाहा यावज्जाइणाइ । पचता पक्ताइरवसे कृणूध्वामीद्धाइ ।

तु त की टा तक्क टा ता श किच् कूच् काय ट त श

पृणान्नाइत्पृहाइ । णाताइमायाः । ओइळा ॥ ५ ॥

चा य टा त श टी खण् प शा

सुनोतसोमपान्नाउवोवाइयाहाइ । सोममिन्द्राहुवेहुवेहोयावाज्जिणाइ । पचतापक्ताइरवसेकृणूध्वामीद्धाइ ।

फू खि शु टी टी यि टा श चि टू काय ट त श

पृणान्नाइत्पृहाइ । णाताइमायाः । ओइळा ॥ ६ ॥

चा य टा त श टी खण् प शा

॥ वामदेव्यञ्च ॥

यस्सत्राहाविचर्षणिरिद्रंतांहू माहेवयम् । इन्द्रन्तंहू माहेवायाम् । साहस्रमन्योतुविनृ म्णासत्पाताइ ।

षी फू खा फ्ली की टि त षु कि टि त श

भावासामात्सूनोवृधाइळाभा । ओइळा ॥ ७ ॥

टि त चा टी खण् प शा

॥ अश्विनोश्चसाम ॥

शचीभिर्नाशशचीवसू । दिवानक्तन्दिशस्यतम्मावारातिरुपदसात्कादाचनास्मा । द्रातीःकदोबा ।

फी की पी टु क क चु क शी पी क्ल

चाना ॥ ८ ॥

ख श

॥ वसिष्ठस्य वज्राणि त्रीणि ॥

यदाकदा । चामाऔहोवा । दूषे ।

ती टट् ख शि ख श

स्तोताजरे तमात्तर्याआदीद्वन्दतवारूणांविपागिरा । धर्त्तारंवि । ब्राताऔहोवा ।

की कि पी खी खा ता टा टा टट् ख शि

नाम् ॥ ९ ॥

ख

यदाकदाचमाहाबु । दूषाइस्तोताजराइ तमात्तर्याः । आदीद्वन्दौहोहोहाहाइ तवारूणम् ।

तू त श टा टि ताश चि टु ट त त श टा ख ण

विपागिरा धर्त्तारंवियौहोहाहाइ । ब्रतानामिळाभा । ओइळा ॥ १० ॥

का का कु ट त त श का टि खण् प शा

यादाकादाचामीदूषाइस्तोता । जराइ तामात्तर्याः । आदीद्वन्दाईतवारूणम् ।

णा णा फा खी ण ताश यि ट की टि ख ण

वीपागिरौवाउवोवा । धर्त्तारं वियौवाउवोवा । ब्रतानां ।

फा खु श फि खु श फ्लि

होइळा ॥ ११ ॥

क्ल शा

॥ सौबभ्रवेद्वे ॥

पाहीगाया । न्धासामादाइ । आइन्द्रायमे धीयाताइथाइ ।

ती टि त श कुचक टा ता श

यस्सम्मिश्योहयोर्योहाइराण्यायाः । इन्द्रोवाज्जिहीरोबाण्यायो । हाइ ॥ १२ ॥

टी यू टा भित्चक प क्ल प्ला शा

पाह्येपाही । गायान्धासामादाइ । इन्द्रायमे धीयाताइथाइ ।

ती था ता ट त श कीचक टा ता श

यस्सम्मिश्योहयोर्योहाइराण्यायाः । आइन्द्रोवाज्जी । हीरोबाण्यायो ।

टी यू टा भी तच क प क्ल प्ला

हाइ ॥ १३ ॥

शा

॥ वैर्यश्वम् ॥

उभयंश्रुणवचनाए । आइन्द्रोअर्वा गीदंवचाहोवाहाइ । सत्राच्यामा घवसोमापाहाइतायाइ ।

षु ति त टिच् ताच् क कि टा त श टा चाक् टु खि ण श
धीयाशविष्टयाहोइ । गमादौहोवा । होइळा ॥ १४ ॥
टु च श पि प्ला प्ला शा

॥ इन्द्रस्यसहस्रायुतेद्वे प्रजापतेर्वा महोविशीये ॥

महेचनोवा । त्वाद्राइवाः । पाराशुल्कायादाइयासाइ नासाहस्रा ।

ती त खा णा चा काच् का या प श प्ला ता
यानायूतायावाज्राइवोनाशाताया । शातामाघो । हाइ ॥ १५ ॥
की काय पा प्ला ता प श ख प्ला शा

महेचनात्वाआद्रीवाः । पाराशुल्कायादाइयासाइ । नासहस्रायानायूतायावाज्रीवाः ।

खी प्ली चा था का या ट श की यू टा
नाशाताया । शातामाघाऔहोवा । माहोवीशे ॥ १६ ॥
टि त टि ख शि टीच्

॥ इन्द्राण्यास्साम ॥

वस्यंइन्द्रासिमेहाबुपितूः । उताभ्रातूः । आभुन्जातौवाउवोवा ।

षू ती खि प्ला की खि श
माताचामौवाउवोवा । छदयाथास्सामावासौवाउवोवा । वासूत्वानौवाउवोवा ।
क कि खि श कु कि खि श क कि खि श
यारोबाधासो । हाइ ॥ १८ ॥
क प प्ला प्ला शा

सप्तम खण्डः

॥ सौभरञ्च ॥

इमाइमइन्द्रायसुन्वाइराइ । सोमासोदध्याशिरा स्तंआमदायवज्रहस्तपीतायाइ ।

खा षू ड शि षु का ख षी षू ड शा

हराइहोभ्याइयाओइहीओकायाओहोवा । ऊपा ॥ १ ॥

टा टु कि टाट् ख शि ख श

॥ गात्समदञ्च ॥

इमइन्द्रामदायताइ । सोमाश्चिकित्रउक्थिनोमाधोःपापानाउपानोगिराः । शार्णू रास्वास्तोत्रा ।

फी की श षु यी ट य ट शु य टच्क् टा त

यागिर्वाणाः । ओइळा ॥ २ ॥

टि खण् प शा

॥ वाचश्चसाम ॥

आत्वाद्यासाबर्दुधाम् । हूवेगायत्रवेपसंआइन्द्रान्धनू । सूदूधामानियामाइषम् ।

ती ति कि कु टी त चि टि ख णा

ऊरूधारा । मारङ्गाक्ता । ओइळा ॥ ३ ॥

टि त टि खण् प शा

॥ बार्हदुक्थञ्च ॥

नत्वाबृहन्तोअद्रियाः । वारन्तइ न्द्रावीळावाः । याच्छिक्षासिस्तुवताइमावातेवासू ।

तु ति की टि त च य टा टुच् चा चा

नाकिष्टादा । मीनाताइता इ । ओइळा ॥ ४ ॥

टि त टि खण् श प शा

॥ नैपातिथञ्च ॥

कईवेदा । सूताइसाचा । पिबन्तःकद्वायोदाधूः ।

ती चा या ट यू टा

आयंयःपुरोविभिनक्तायोजासा । मन्दानाश्शी । प्रायाओहोवा ।

षु यु टा क टा त ट ख शि

न्धासा ॥ ५ ॥

ख श

॥ तौरश्रवसञ्च ॥

यादिन्द्राशासोव्रताम् । च्यावयासादसास्पारौवा । अस्माकामौवा ।

पि शी ची का का त् की त्

अंशुर्माघव न्पूरूस्पहौवा । वासान्यायौवा । धीबोबार्हायो ।

चि का की त् की त् क प ष् ष्

हाइ ॥ ६ ॥

शा

॥ त्वष्टार्याश्चसाम ॥

त्वष्टानोदैव्यंवचाः । पर्जन्योब्रंह्माणस्पातीः । पुतैर्भात्रभिरादीतिर्नूपातूनाः ।

खा शु की टि त षी की टित

दुष्टारान्त्रा । माणंवाचाः । ओइळा ॥ ७ ॥

टित चिखण् प शा

॥ अदितेश्चसाम ॥

कदाचनास्तारीरसाइ । नाइन्द्रंसाश्वासाइदाशूषाइ । उपोपेन्नुमघवन्भूयाइद्धोइनूताइ ।

तु ति श खी श खीण श षी कु टा खा शा

दानन्दाइवा । स्याप्रोबाच्यातो । हाइ ॥ ८ ॥

खि णा पा प्ला प्ला शा

॥ आजीक्तञ्च ॥

आइहीआइहीहोइ । युंक्ष्वाहिवृ त्राहन्तामा । हारीइन्द्रा पारा वाता अर्वाचीनाः ।

टि टि च श खी कि फ कीच् काय प खा ता

माघवन्सोमापाइतायाउग्रारिष्वा । भीरोबागाहो । हाइ ॥ ९ ॥

कि यी प चा ता प प्ला प्ला शा

॥ माधुच्छन्दसञ्च ॥

त्वामीदा होइहियोनराए । आपाइप्यन्वाज्राइन्भूर्णायाः । साइन्द्रस्तोमवाहासाइहाश्रूधाऔहोवाहाइ ।

च क फाळू खी शि षी की ख ण क थ टी चा क टि काफ ण श

उपास्वासाऔहोवाहाइ । रामागाहा इ । ओइळा ॥ १० ॥

टी काफ ण श टि खण् श प शा

अष्टम खण्डः

॥ उषसश्चसाम ॥

प्राताई हाईहावोदर्शियायतीयायती । उच्छाई हाईहान्तीदूहीतादीवाआदीवाः ।

टिच्य ट का था टि टि टिच्य ट का थ टी टि

आपाई हाईहामाहिब्रणुतेचाक्षुषातमाआतमाः । ज्योताई हाईहाकृणोतीसूनारीओनारी ।

टिच्य ट चूच टी टि काटच्य ट च का टी पिण्

ओइळा ॥ १ ॥

प शा

॥ अश्विनोश्चसाम ॥

इमाउवान्दिविष्टयाऐही । उसाहवन्तेअश्विनाऐही । अयंवामह्वयवसेशचीवसूऐही ।

षी खु प्ला पु खि प्ला पू खू प्ला

विशंविशंहीगच्छथाऐही । होइळा ॥ २ ॥

षी खी प्ला प्ला शा

॥ अश्विनोश्चसंयोजनम् ॥

कुष्ठःकोवामश्वीना । तापानोदे वामर्त्तायाहोवाहाइघ्नतावामा । अश्रायाहोवाहाइक्षपामाणाः ।

षी ति की टी काख खि ता टि काख खि ता

अंशूनाहोवाहाइत्थामुवादुवान्यथाऔहोवा । ऊपा ॥ ३ ॥

टि काख खा ता टा खा शि ख श

॥ अश्विनोश्चैवसाम ॥

अयामयंवाम्मधू माक्तामाः । सूतस्सोमोदिविष्टिषु ओहाओहा ।

खा प्ली डा श टी का टाट ख ता

तामाश्विनापिबतन्तीरोअन्ध्यामोहाओहा । धर्तरात्नाओहाओहा ।

षी कू टा ख ता चायट ट ख ता

नीदाशू षाऔहोवा । ऊपा ॥ ४ ॥

टिट्ख शि ख श

॥ सोमसामच ॥

आत्वासोमा । स्यागाद्वा याऔहोवा । सदायाचन्नाहञ्ज्याभूर्णाउवोवा ।

ती टिट्ख शि टा का कि टा खाश

मृगन्नसवनेषुचुकूधं कईशानान्नायाचिषादिळाभा । ओइळा ॥ ५ ॥

का ची कीच् टि त चा टी खण् प शा

॥ आजमायवञ्च ॥

आध्वर्योअद्रावयातुवाम् । सोमामिन्द्राःपीबासाती । ऊपोनू नंयुयुजे वृषाणाहारी ।

फु की चा था कायट चिक किच् काय टा

आचाजागा । मावृ त्राहाऔहोवा । होइळा ॥ ६ ॥

क टा त चाक टा ख प्ला प्ला शा

॥ समुद्रस्यच प्रैयमेधस्य साम ॥

आभीषतस्तदाहाबु । भाराइन्द्राज्यायःकानीयासाः । पूरोवसुर्हिमघवन्बभूवाइथा ।

तू त श कु टि त का कू टि ता

भाराइभारे । चाहाव्याइळाभा । ओइळा ॥ ७ ॥

टी त चा टि खण् प शा

॥ वैरूपेच ॥

यादिन्द्रायावतस्त्वाम् । एतावदहमीशीयास्तोतारामीत् । दाधिषे रादावासाबु ।

पि क षी दू त किञ्च टा त श

नापापात्वा । यारौ वाउवोबांसाइषो । हाइ ॥ ८ ॥

टि त का खिण् णि शा

यादिन्द्रायावतास्त्वम् । आइतावादाहमीशीयाओवा । स्तोतारामीत्दाधिषे रदावासाओवा ।

फि खिश टि टा का था का टा टा चि का का का

नापापात्वायारोबांसाइषो । हाइ ॥ ९ ॥

टा टाक्क प ण् णि शा

॥ वैश्वदेवञ्च ॥

त्वमिन्द्रोहाइप्रतूर्तिष्वोवा । आभिविश्वा आसाइस्पर्धाः । आशस्तिहाजनिता वृत्रातूरासाइ ।

ति तू त कीच् का या ट षी किञ्च काय टा श

तूवान्तूर्या । तारूष्याताऔहोवा । होइळा ॥ १० ॥

चाय ट चाक टा खण् ण् शा

॥ पुरीषञ्चाथर्वणम् ॥

प्रयोरिरिक्षओजसाए । दीवास्सदोभ्यस्परिनत्वाविव्याऔहोवा । चाराजाऔहोवाइन्द्रापार्थिवामतिवाइश्वाम् ।

षु ति त टीच् षू कि का की का कु टि ता

वावाक्षिथाइळाभा । ओइळा ॥ ११ ॥

का टी खण् प शा

असाविपाठः

प्रथम खण्डः

॥ प्राकर्षञ्च ॥

असौहोवाहावीदे । वाङ्मोक्तजीकमान्धाः । नियौहोवाहास्मीनि ।

ता ता खाश की खाप्ल ता ता खाश
द्रोजानूपेमुवोचा । बोधौहोवाहामासि । त्वाहरीयाश्वयाज्ञैः ।
की खाश ता ता खाश की खाप्ल

बोधौहोवाहनास्तो । मामन्धासामादाइ । षू ॥ १ ॥

ता ता खाश कि ख खाश त्र

॥ वसिष्ठस्यचनिन्हवम् ॥

आइहिआइहिएहियाउवोवाहाइ । असाविदेवङ्गोक्तजी कामन्धोअन्धोअन्धाउवोवाहाइ ।

टि टि खुप्ल त श चू काचक टा टा टा खप्ल त श
न्यस्मिन्निन्द्रोजनुषे मूवोचावोचावोचाउवोवाहाइ । बोधामसित्वाहरिया श्वायाज्ञैःर्याज्ञैर्यज्ञाउवोवाहाइ ।
ची किचक टी टा टा खाप्ल त श चु किचक टा टा टा खाश त श
बोधानस्तोमामन्धासा मादाइषू दाइषू देष्वाउवोवाहाइ । आइहिआइहिएहियाउवोवाहाऔहोवा ।
चु किचक टि टि टा खाश त श टि टि खुप्ल ख शि

ई ॥ २ ॥

ख

॥ गृत्समदस्ययोनिनीद्वे ॥

योनीः । तआइन्द्रासादानायकारीतामा । नृभाइःपूरूहूताप्रयाहीआसाः ।

ता टी कि खा शि कू खि शि
यथानोआवीतावृधाश्चिदादाः । वसूनिमीमदाश्वासो । माइः ॥ ३ ॥
भि कि खा शि भी पा खा त्र श

योनिष्टआइन्द्रसदनाइहोवा । आकाराइतमानृभिर्होवा । पूरूहूताप्रयाहीहोवा ।

च खि शृ का ख शृ का ख खि शि
आसोयथानोविताहोवा । वार्धश्चाइत्तदोवसूहोवा । नाइमामादश्चसोमैर्होवा ।
का खा शु क खा शृ भु खा शि

होइळा ॥ ४ ॥

प्ल शा

॥ औरूक्षयेद्वे ॥

अदर्दरूत् । समसृजो वीखानित्वामर्णवान्बल्वधानं आराम्णाः । माहान्तामिन्द्रपर्वतं वीयाद्वासृजाद्धाराः ।

ती कीचक का टि त चा था भि टि त कीक का टि त
अवयददा नावान्हा । ओइळा ॥ ५ ॥

कुचक ट खण् प शा

अदर्दरूत्समसृजाः । वीखानित्वमर्णवान्बल्वधानं आराम्णाः । माहान्तमिन्द्रपर्वतं वीयाद्वाः ।

तृ पू कु टा त ष की टा त
सृजाद्धारावयददा नावोयाऔहोवा । हान् ॥ ६ ॥
टि त कुचक ट ख शि ख

॥ पाथेद्वे ॥

सुष्वाणासाः । इन्द्रास्तुमसीत्वा । सनिष्यन्तश्चित्तून्विनृम्णावाजम् ।

ती खु श पु खु श
आनोभराउवोवा । सुवितय्यस्यकोनातानात्मना । सह्यामातूवो ।
ख श खीण शु तू खि खा
ताः ॥ ७ ॥

त्र
ओहोहोइसूष्वा । णासाइन्द्रास्तुमसीत्वा । ओहोहोइसानीष्यन्ताश्चीतूवीनृम्णावाजम् ।

त त खिण का खु श त त खिण भि खु श
ओहोहोआनोभरा सुवितय्यस्यकोना । ओहोहोइतानात्मनासह्यमातूवो । ताः ॥ ८ ॥
त त खाण का खू श त त खिण का पि खा त्र

॥ सौमित्रेद्वे ॥

जगृह्यातेदक्षिणमोहाओहाए । इन्द्रहास्ताम् । वसूयवोवासूपाताइवसूनांओहाए ।

ते त टि त का यि पा शु त त त
विद्वाहित्वागोपातिंशूरगोनांओहाए । अस्माभ्यञ्चाइत्रांवार्षाणंरायिन्दाओहाए । रायाइन्दाउवा ।
यु पा शीत त त दू चा काफ श त त त दू ता

ऊपा । औहोऔहोवाहाउवा । ई ॥ ९ ॥

ख श क का पा शि ख
जग्रह्यातेदक्षिणमौहोऔहोवाहाइ । इन्द्रहास्तम् । वसूयवोवासूपाताइवसूनौवाउवोवाहाइ ।

षू तू त श खि श का यि पा शु खि ष्ट त श
विद्वाहित्वागोपातिंशूरगोनौवाउवोवाहाइ । अस्मभ्यञ्चाइत्रांवार्षाणंरायिंदौवाउवोवाहाऔहोवा । ई ॥ १० ॥
यु पा शी खि श त श दू चाक फा खी ष्ट ख शि ख

॥ वात्सप्राणित्रीणि ॥

होयेहोयेहोये । जगृह्णातेदक्षिणामिन्द्राहास्तांहास्तांहास्ताम् ।

टा टा टा थी कीच्क टा टा टा
वसूयवोवसुपते वासूनांसूनांसूनाम् । विद्वाहित्वागोपतिंशू रागोनांगोनांगोनाम् ।

षी कीच्क टा टा टा कीच् कीच्क टा टा टा
अस्मभ्यश्चित्रं व्रषणं रायाइन्दाआइन्दाआइन्दाः । होयेहोयेहोयावाऔहोवा ।
कि कूच्क टि टि टि टा टा टा ख शि

ई ॥ ११ ॥

स्व
हाबुहाबुहाबु । ओहोहोवाओहोहोवाओहोहोवा ।

तु श की की की
जगृह्णाताइदा क्षीणामिन्द्रहस्तन्द्रहस्तन्द्रहस्तम् । वसूयवोवा सूपाताइवसूनांवसूनांवसूनाम् ।
कि किच्क ख शे का टिच्क ख शो

विद्वाहित्वागो पातींशूरगोनांरगोनांरगोनाम् । अस्मभ्यन्चाइत्रां वार्षाणंरयिन्दारयिन्दारयिन्दाः ।
कुच्क ख शे दूच् चा ख शे

हाबुहाबुहाबु । ओहोहोवाओहोहोवा ।

तु श की की
ओहोहो वाऔहोवा । ई ॥ १२ ॥

टिट् ख शि ख
आबुहोआबुहोआबुहोवाऔहोऔहोवा । जगृह्णाताइदा क्षीणामिन्द्रहस्तन्द्रहस्तन्द्रहस्तम् ।

षू ति टा टा त त कि किच्क ख शै
वसूयवोवा सूपाताइवसूनांवसूनांवसूनाम् । विद्वाहित्वागो पातींशूरगोनांरगोनांरगोनाम् ।

का किच्क ख शो कुच्क ख शै
अस्मभ्यन्चाइत्राववार्षाणंरयिन्दारयिन्दारयिन्दाः । आबुहोआबुहोआबुहोवाऔहोऔहोवाऔहोवा ।

ई ॥ १३ ॥

स्व

॥ वैदन्वतञ्च ॥

इन्द्रन्नारोनेमाधाइता । हावन्ताइयत्पारा यायूनाजान्ताइ । थियास्ताशूरोनार्षाताश्रावासाः ।

खि श खि णा टि खी श खि ण श टि खि श खि ण
चाकामाइयागोमातिव्रजाइभाजा । तूवन्नाउवा । एऊपा ॥ १४ ॥

टि खी श खी ण टि ता त टा ख्

॥ सौपर्णञ्च ॥

वयोहाहाबु । सूपर्णाउपसेदूराइन्द्रं प्रियमेधाऋषायोनाधामानाः । आपध्वान्तमूर्णूहिपू र्धीचाक्षूः ।

ति त श षि चु का षी कि क टा त षी की टा त
मूमुग्धियोहोआस्मान्निधयेवाबा । ध्रान् ॥ १५ ॥

च टि त टा पि खा त्र

॥ यामञ्च ॥

आयामयायमौहोवाऊ । नाकेसुपर्णाभुपयात्पतन्तंपत न्तमौहोवाऊ ।

की टा था ट पु कु कि टा था ट

आयामयायमौहोवाऊ । हृदावेनन्तोअभ्याचाक्षतत्वाक्षतत्वौहोवाऊ ।

की टा था ट पु कि टि टि था ट

आयामयायमौहोवाऊ । हिरण्यपक्षंव्रूणास्यदूतंस्यदू तमौहोवाऊ ।

की टा था ट पु कु कि टा था ट

आयामयायमौहोवाऊ । यामस्योनौशकुनांभुर ण्युंभुर ण्युमौहोवाऊ ।

की टा था ट पु कु कि टा था ट

आयामयायमौहोवाऊ । वा हाउवा ।

की टा था ट टच् य टा

एदिवमे दिवमेदिवाम् ॥ १६ ॥

त कि कि टाख

॥ ऋतुसामनिच ॥

ब्रह्माब्राह्मा । जज्ञानं प्राथमं पुरास्तात् । वीसाइवाइसी ।

टि त चि कि मि टि ता

मतस्सुरूचोवे नआवात् । साबूसाबू । धन्याउपामाआस्यवाइष्टाः ।

की था मि टि त चिक ट भी

सातास्साताः । चयोनीमासाताश्चवाइवाः । ओइळा ॥ १७ ॥

टि त चु कि पाण् प प्ला

हुवे हाइहुवे हाइहेषाया । ब्रह्मजज्ञानांप्राथमं पुरा स्तात् । वीसीमतास्सुरूचोवे नआवात् ।

टात टित टित की ट कि खाश की की खाश

साबुधन्याउपमाआस्यवाइष्टाः । सातश्चयोनीमासातश्चवीवाः । हुवे हाइहुवे हाइहेषाया औहोवा ।

कु कि खा प्ला कु का खिप्ल टात टित टि ख शि

एऋतममृतमेऋतममृतमेऋतममृताम् ॥ १८ ॥

त कू कू टुख

॥ इन्द्रस्यवारवन्तीयम् ॥

आपूर्व्याबुहोहोहाइ । पूरूतमानियास्मै । माहेवीरायातावासाइतुरा या ।

तू त त श खू श टु कि खि श

विरप्शीनाइवज्जिणेशान्तमानि । वाचांस्यास्माइस्थावीरा यताक्षूः । स्थविरायतक्षुस्थविरा याताक्षूः ।

खी खु खाश टी की खाप्ल पू खि खात्र

स्थावीरा याताक्षूः ॥ १९ ॥

कि क खा

द्वितीय खण्डः

॥ इन्द्रस्यचक्षुरपविनीद्वे ॥

आवाद्राप्सोअंशुमातीम् । आताष्टादीयानाःकाष्णोदाशाभीः । साहासाइरावार्त्तामीन्द्राशशीया ।

खि श खि ण का ख खि श खि ण का ख शा खा श खि ण

धामान्तामापास्त्रीहीतिनृमाणाः । अधाद्राऔहोवा । अधद्राः ॥ १ ॥

का ख खि श खि ण टा ख शि च टाख्

अवद्रप्साए । अंशुमतिमतिष्ठादीयानाःकाष्णाः । दाशाभीसाहासाये आवक्तामीन्द्राः ।

ती त की टि चि चा कि टी ची क

शशाच्याधामन्तामपास्त्रीहीती नृमणाअधाद्राः । होइळा ॥ २ ॥

क ट कुचक पा छि प्ल शा

॥ सौरश्मेद्वे ॥

अवद्रप्सोअंशुमतीमौहोऔहो । आतीष्ठादौहोऔहो ।

षी ची ट ख ता का टा ख ता

इयानःकृष्णाऔहोऔहो । दाशाभीस्साहसैरौहोऔहो ।

चु ट ख ता की था ट ख ता

आवाक्तामिन्द्राऔहोऔहो । शाच्याधामन्तामौहोऔहो ।

चि चा ट ख ता चु ट ख ता

अपास्त्रिहीतिनौहोऔहो । नृमा णाऔहोवा ।

चु ट ख ता टाट् ख शि

आधद्राः ॥ ३ ॥

च टाख्

अवद्रप्सोअंशुमतीमेऔहोवा । आताइष्ठात् ।

षी तु खात्र प त्रा

इयानाःकृष्णोदाशाभीस्साहसैरावाक्तामाइन्द्रोशाचीयाधमान्तमपास्त्रिहीतिनृमाणाओवा । अधद्राः ॥ ४ ॥

चि चा चि चिकच का टा कि खा पू शु तिच्

॥ बृहतोमारूतस्यसामनीद्वे ॥

हाओहाओहाहा इवृत्रस्यत्वाश्वासथादीषमाणाः । विश्वेदेवाआजाहुर्येसखायाः । मारूत्भिराइन्द्रासाखीय न्तेस्तु ।

क टच् क च त तच् श की की खाप्ल टी का खी प्ल दू कि ख श

आथेमावाइष्वाःपार्त्तानाजयासि । हाओहाओहाहाऔहोवा । ओऔहो औहो ॥ ५ ॥

दू कि खाश क टच् क ट त ख शि का टच् क ख

होये हायायेहयाऔहोवाहाइवृत्रस्यत्वाश्वासथादीषमाणाः । विश्वेदेवाआजाहुर्ये सखायाः ।

टाच् काट चि क फ त श ची की खाप्ल टि की खा प्ल

मारूत्भिराइन्द्रासाखिय न्तेस्तु । आथेमावाइष्वाःपार्त्तानाजयासि ।

दू कि ख श दू कि खाश

होये हायायेहयाऔहोवाहाऔहोवा । ओऔहो ॥ ६ ॥

टाच् काट चि क फ ख शि का ख

॥ सोमसामनीद्वे ॥

वीधूम् । दद्रादद्राणांसामानाइबहू नायुवा ।

ता दु कि खि शि
नंसानंसान्तापालीतोजगारादेवा । स्यपास्यपाश्याकावीय म्मही त्वाद्या ।

दु कि खा शि दु कि खा शा
ममाममारासह्यास्सामा । ना ॥ ७ ॥

दु पा खा त्र
आआहाहाइ वीधुन्दद्राणांसामानाइबहू नाम् । यूवानंसान्तापालीतोजगारा ।

त ख प्ल त श क टी कि खि श दु कि खा श
देवस्यपाश्याकावीय म्मही त्वा । आआहाहा ।

क टी कि खा श त ख प्ल त
अद्याममारासहीयास्सामा । ना ॥ ८ ॥

दू पि खा त्र

॥ इन्द्रस्यवज्रेद्वे ॥

औहोइत्वम् । हत्यास्सप्तभ्योजायमानाः । औहोअशा ।

ती चा कि कि ख ती
त्रभ्योअभावश्शत्रूरिन्द्रा । औहोइगूढे । द्यावाप्रथिवीअन्वविन्दाः ।

का का की ख तु कु कि ख
औहोइविभू । मत्भ्योभुवनेभ्योरणन्धाः ॥ ९ ॥

तु का की का ख
त्वोहाइहत्यौवाउवोवा । सप्तभ्योजायमानाउवाओवाअशोहाइ । त्रभ्यौवाउवोवा ।

त शी खिण कि कि कि पा शा ङ श खु ण
अभाव शत्रूरिन्द्राउवाओवागूढे हाइ । द्यौवाउवोवा । पृथिवीअन्वविन्दाउवाओवाविभू हाइ ।

कि कि कि पा शा ङ श खु ण कि कि कि पा शा ङ श
मत्भ्यौवाउवोवा । भुवने भ्याउवाओवारणान्धाः । होइळा ॥ १० ॥

खु ण कि कि पा छि प्ल शा

॥ भृष्टिमतस्यस्सौर्यवर्चस्यसामनीद्वे ॥

मेळीम् । नत्वावज्जिणंभृष्टीमान्ताम् । पूरूधास्मानंवृषभंस्थीराप्सून् ।

ता कू टा त चा क कु टा ता
कारोष्यर्यस्तरूषीर्दूवास्यूः । आइन्द्रन्द्युक्षंवृत्राहाणाऔहोवा । गृणीषे ॥ ११ ॥

चा दु टा त कि दुर्ख शि का टख्
मेळिन्नत्वावाऔहो । ज्राइणंभृष्टाइमौवान्तं । पुरू औहो ।

खु ता की की त ख खा ता
धस्मानंवृषभंस्थाइरौ वाप्सुनुम् । कारो औहो । प्यर्यस्तरूषाइर्दूवौवास्यूः ।

कू कि त ख श खा ता पू का ख प्ल
इन्द्राऔहो । द्युक्षंवृत्राहाणाऔहोवा । गृणीषे ॥ १२ ॥

खा ता दुर्ख शि खि

॥ वसिष्ठस्यां कुशौद्वौ ॥

प्रवाः । माहे माहेवृधे भाराधूवाम् । प्राचातसाइप्रासूमातीम् ।

ता काक चि भित पी किख ण

कृणूध्वामीहावाइशाः । पूर्वीःप्रचाराचार्षाणाइप्राऔहोबा । होइळा ॥ १३ ॥

चि खि णा टत भित का टि खण्ण ण शा

हा । प्रवोमहाइमाहेवृधा इभरा ध्वम् । हा ।

ख खू श णाफ् खिश ख

प्राचेतसाइप्रासू । माता इङ्कणु ध्वम् । हा ।

खू श णाफ् खिश ख

विशःपूर्वाइप्राचा । राचार्षाणाइप्राः । हाबुहौहोवाहाउवा ।

खू श णाफ् खा प्ला ख पु शा

ई ॥ १४ ॥

ख

॥ भारद्वाजञ्च ॥

शुनंहुवेमघवानमिन्द्राम् । अस्मिन्भरे नृतमंवाजसातौ । श्रण्वन्तमुग्रमूतये सामात्सू ।

पी तू पी की टा त पु कि टा त

घ्नन्तांवात्राहोवाहाइ । नीसन्जीतन्धनानीहोवाहा इ । ओइळा ॥ १५ ॥

भित टा त श का कीत टा खण्ण प शा

॥ वासिष्ठञ्च ॥

दीवयाहोवाऔहोवा ऊदुब्रह्माणीऐरातश्रवास्या । इन्द्रंसमार्येमाहायावसीष्ठ । आयोर्विश्वानीश्रावासातताना ।

कि काट त कथ् दू खु श क टी कि खा श क टी कि खा श

दीवयाहोवाऔहोवा ऊपश्रोतामाइवतोवाचां । साइ ॥ १६ ॥

कि काट त कथ् दु पि खा त्र श

॥ पुरीषञ्चाथर्वणम् ॥

चक्रंयदस्यप्सूआनिनिषक्ताम् । ऊतोतदस्मैमध्वीचच्छाद्यात् । पृथिव्यामतिषीतं यादूधाः ।

षू तु षु टी त पी कि टा त

पायोगोषूआदधाओषाधीषूइळाभा । ओइळा ॥ १७ ॥

टि त टि च था टि खण्ण प शा

तृतीय खण्डः

॥ आदित्याः सामनीद्वे ताक्ष्यसामनिवा ॥

त्यमूषू वाजिनान्देवजू तम् । सहोवानन्तारूतारंरथानाम् । अरिष्टनाइमीपृतनाजमाशूम् ।

खि खिख खाश का था कि खिश खी शा खि खाश

स्वस्तयाइताक्षमिहाहूवाइ । माम् ॥ १ ॥

कु खि खाश त्र

इयइयाहाइत्यमुषुवाजिनान्देवजू तम् । ईयाईयाआहाइ । सहोवानन्तारूतारंरथानाम् ।

ती पु खिख खाश फा फाफू त श का था कि खिश

इयइयाआरिष्टनाइमिंपार्तानाजमाशूम् । ईयाईयाआहाइ । स्वस्तयाइताक्षमिहाहूवाइ ।

ती क दु कि खाश फा फाफू त श कु खि खाश

मा ॥ २ ॥

त्र

॥ इन्द्रस्यचत्रातम् ॥

त्रातारमिन्द्रमवितारामीन्द्राम् । हावेहवेसूहावंशुरामीन्द्राम् । हूवाइनुशक्रंपुरूहू तामीन्द्राम् ।

क पी कि टा त पु कि टा त षू कि टा त

ईदं हावाइ माघवावाइतूवाइ । न्द्राः ॥ ३ ॥

था चाश पी खिश त्र

॥ वाक्रतुरम् ॥

यजामहोवा । आइन्द्रंवाज्रादक्षाइणाम् । हारीणां रथ्याविव्रतानाम् ।

ती त की टि ता किच् चा टि त

प्राश्माश्रुभिर्दोधूवादूर्वाधाभूवात् । वीसाइनाभिर्भयमानोवाइरा धासो । हाइ ॥ ४ ॥

का दु किखण चा कि भी प शाख फू शा

॥ द्युतानस्य मारूतस्य सामनीद्वे ॥

सात्राहणाऔहोवा । दाधृषींतूम्मीन्द्राउवोवा । माहामपारंवृषाभं सूवज्राहन्तायोवृ ।

फा खाण फ फू टि टी खाश क कि की टि टा खण

त्रंसनितोतावाजाम् । दाता माघानिमाघवा सूरधाः ॥ ५ ॥

पी खात्र थाक् कि टाक् काटक्

सात्राहणन्दाधृषीइन्तूमीन्द्रम् । माहामपारं वृषाभं सूवज्राहन्तायोवृ । त्रंसनितोतावाजाम् ।

फा फि फा खीश क किक चि टि खिण पी खात्र

दाता माघानिमाघवा सूरधाः ॥ ६ ॥

थाक् कि टाक् काटक्

॥ आत्रम् ॥

योनोवनुष्यन्नभिदातिमार्क्ताः । ऊगणावामन्यमानास्तुरोवा । क्षीधीयूधाशवसावातामाइन्द्राम् ।

पु खु फू पी दू त पी की टा ता

आभाइष्यामावृषमाणास्तुवोताः । ओइळा ॥ ७ ॥

भी त भित टा खण् प फू

॥ गृत्समदस्यसमिधौदौ ॥

हाबुयंवृत्रेषू । क्षितयस्पर्धमानाः । धामानाईयाइ याहाबुयंयुक्तेषु ।

तू खू ळ कि ट टा ख शू

तुरयन्तोहवान्ताइ । हावान्ताईयाई याहाबुयंशूरसाः । तौयमपामुपाज्मान् ।

खू शा कि ट टा ख शु खू श

ऊपाज्मानीयाई याहाबुयंविप्रासाः । वाजयन्ताई सई न्द्राः । साइन्द्रोईयाई याहाउवा ।

की ट टा ख शू कु खा ळ कि ट टा ख ळ शा

ई ॥ ८ ॥

ख

यय्ययाहाबुयंवृत्रेषू । क्षितयस्पर्धमानाः । धामानायै यय्यैयय्यया ।

ति तू खू ळ की टा चि

यय्ययाहाबुयंयुक्तेषू । तुरयन्तोहवान्ताइ । हावन्तायै यय्यैयय्यया ।

ति तू खू शा की टा चि

यय्ययाहाबुयंशूरसाः । तौयमपामुपाज्मान् । उपाज्मान्यैयय्यैयय्यया ।

ति तू खू श की टा चि

यय्ययाहाबुयंविप्रासाः । वाजयन्ताई सई न्द्राः । साइन्द्रोयै यय्यैयय्ययाहाउवा ।

ति तू कु खा ळ की टा ति ति

ई ॥ ९ ॥

ख

॥ वैश्वामित्रम् ॥

इन्द्राहाबु । हाहोइपर्वताबृहतारथाइनाउवा । ऊपा ।

ता त श क षु टू का ता ख श

वामीर्हाबु । हाहोइष आवहतंसुवाइरा उवा । ऊपा ।

ता त श क षि टू का ता ख श

वीतांहाबु । हाहोइहव्यान्यध्वारेषुदाइवाउवा । ऊपा ।

ता त श क षी टु का ता ख श

वर्धेहाबु । हाहोथांगीर्भिरिळायामदान्ताहाउवा । ऊऊपा ॥ १० ॥

ता त श क षी टु ती खा श

॥ सावित्राणिषट्त्रयमेधानिवा ॥

हाहाइ न्द्रायगाइरोआनीशीतसार्गाः । आपःप्रैरायात्साग रस्यबू धात् ।

त था दू कि खा ण्ण दू का खि श

योआक्षेणाइवाचाक्रीयौशचीभिः । वीष्वक्तस्तंभाःपार्थीवीमूता ।

दू कि खा ण्ण टु पि खा

द्याम् ॥ ११ ॥

त्र

असावासाविन्द्रायगाइरोआनीशीतसार्गाः । आपःप्रैरायात्साग रस्यबू धात् ।

ता क था दू कि खा ण्ण दू का खि श

योआक्षेणाइवाचाक्रीयौशचीभिः । वीष्वक्तस्तंभाःपार्थीवीमूता ।

दू कि खा ण्ण टु पि खा

द्याम् । ।

त्र

१२ ॥ कूवाकूवाइ न्द्रायगाइरोआनीशीतसार्गाः ।

ता क था दू कि खा ण्ण

आपःप्रैरायात्साग रस्यबू धात् । योआक्षेणाइवाचाक्रीयौशचीभिः ।

दू का खि श दू कि खा ण्ण

वीष्वक्तस्तंभाःपार्थीवीमूता । द्याम् ॥ १३ ॥

टु पि खा त्र

अयामायामिन्द्रायगाइरोआनीशीतसार्गाः । आपःप्रैरायात्साग रस्यबू धात् ।

ता क था दू कि खा ण्ण दू का खि श

योआक्षेणाइवाचाक्रीयौशचीभिः । वीष्वक्तस्तंभाःपार्थीवीमूता ।

दू कि खा ण्ण टु पि खा

द्याम् ॥ १४ ॥

त्र

अविदादविदविन्द्रायगाइरोआनीशीतसार्गाः । आपःप्रैरायात्साग रस्यबू धात् ।

कि की दू कि खा ण्ण दू का खि श

योआक्षेणाइवाचाक्रीयौशचीभिः । वीष्वक्तस्तंभाःपार्थीवीमूता ।

दू कि खा ण्ण टु पि खा

द्याम् ॥ १५ ॥

त्र

ईहाई हान्द्रायगाइरोआनीशीतसार्गाः । आपःप्रैरायात्साग रस्यबू धात् ।

टा ख ण दू कि खा ण्ण दू का खि श

योआक्षेणाइवाचाक्रीयौशचीभिः । वीष्वक्तस्तंभाःपार्थीवीमूता ।

दू कि खा ण्ण टु पि खा

द्याम् ॥ १६ ॥

त्र

॥ कूतिवारस्यवैरूपस्यसाम ॥

आत्वासखायसख्यायववृत्यूः । तीरःपुरुचिदर्नवाजगम्याबुहोऔहोवा । पीतुर्नापातमादधीतवाइधाबुहोऔहोवा ।

षु तू षी दू चिक का षी दू चीक का

अस्मिन्क्षयेप्रतरान्दीदियानाबुहोऔहोवा । औहोवाईहा ॥ १७ ॥

षी दू चिक का क काटख

॥ वामदेव्यम् ॥

कोअद्युंक्तेधुरिगाऋतस्याए । शिमीवतोभामीनोदु ह्णायून् । आसन्नेषामप्सुवाहोमायोभून् ।

षु तू त षी कि टा त षी की टा त

याएषांभृत्यामृणाधात्साजाइवाउवा । ऊपा ॥ १८ ॥

षु कि टा का ता ख श

चतुर्थ खण्डः

॥ शैखण्डिनेद्वे ॥

गाया । ओन्तित्वाओगायात्राङ्गाः । अर्चाओन्तियाओर्कामार्काङ्गाः ।

ता च ता प प्ला त ता ता च ता प प्ला त ता

ब्रह्माओणस्त्वाओशाताक्राताबु । उद्वाओँशमाओवयाइमिराइ । होइळा ॥ १ ॥

ता च ता प प्ला त त श ता च ता प प्ला छिश प्ल शा

गायान्तित्वोहाइगायात्रीणाः । अर्चन्त्यर्कमार्कीणाः । अर्चन्तीयोहार्कमार्कीणाः ।

ती खु ण यु प श खी श खि ण

ब्रह्माणस्त्वाशताक्राताबु । ब्रह्माणस्तोहाइ । शताक्राताबु ।

यू प शा खी शा खि ण श

उद्वंशमीवयाइमीरे । उद्वंशमोहाइ । वयाइमा इ ।

यू पा श खी ण श खीणफळू श

राइ ॥ २ ॥

ख श

॥ उद्वंशीयन्तृतीयम् ॥

गायान्तित्वागायात्रिणया । अर्चन्त्यर्कमर्कङ्गाः । ब्रह्माणस्त्वाहोइ शाताक्राताबु ।

षी तु टू ता टी च श टि त श

उद्वंशमीवयाइमीरे । उद्वंशमी । वयाउवा ।

यू पा श खि ण टा ता

उप्माइरो । हाइ ॥ ३ ॥

टा खा त्र श

॥ शैखण्डिनीत्रीणि ॥

इन्द्रविश्वाः । अवीवृधान् । सामुद्राव्याचा साङ्गिराः ।

ती टा चा कि टाच् चि

राथीतमाहाउवाराथाइनाम् । वाजानांसात्पार्तीपतिमिळाभा । ओइळा ॥ ४ ॥

का ता टिच् चा शा च टा त का टी खण् प शा

होइन्द्रंविश्वाः । अवीवृधान्सामू द्राव्याचसंगिराः । राथी तामां राथाइनाम् ।

तु का थि टच् य ट का चा य टच् य टच् का चा

वाजानांसात्पार्तीपातीम् । ओइळा ॥ ५ ॥

य च य टच् काट खण् प शा

इन्द्रंविश्वाअवीवृधन्समूद्राव्या । चासाङ्गिराः । राथी तामाऊहोवाऊ राथाइनाम् ।

षू खु ण क पा श काथ् क ट ट था टच् चा शा

वाजानांसाऊहोवाऊत्पार्तीपातीम् । ओइळा ॥ ६ ॥

च था ट ट था ट काट खण् प शा

॥ आष्टादंष्ट्रे ॥

इन्द्रंविश्वाअवीवृधन्नय्याहाइ । सामूद्रान्यांचासाङ्गाइराअय्याहाइ । राथाइतामंराथाइनामय्याहाइ ।

षू ती त श चाय टच् क क य टा टा त श चा या टच् की टा त श

वाजानांसात्पाताइम्पातीमय्याहाइ । ओइळा ॥ ७ ॥

चाय टच् का टा ट टा खण् प शा

इन्द्रंविश्वाअवीवृधन्नय्यादौहोवा । समुद्रव्याचसङ्गाइराअय्यादौहोवा । रथीतमंराथाइनामय्यादौहोवा ।

षू खूत्र कू टि टा ट त त चीक क टा टा ट त त

वाजानांसात्पातीम्पातीमय्यदौहोवाः । ओइळा ॥ ८ ॥

च था कि टा टि ट खण् प शा

॥ महावैश्वामित्रे ॥

हयाइहयाओहाओहा । हयाइहयाओहाओहा । हयाइहयाओहाओहा ।

खु फा फा खु फा फा खु फा फा

इन्द्रंविश्वाअवीवार्धान् । समुद्रव्याचसङ्गाइराः । रथीतमंराथाइनाम् ।

ती चा टा ती चा टि ती का टा

वाजानांसात्पार्तीपातीम् । हयाइहयाओहाओहा । हयाइहयाओहाओहा ।

ती चा टा खु फा फा खु फा फा

हयाइहयाओहाओहा । होइळाह होइळा होइळा ॥ ९ ॥

खु फा फा फि फिख्ख शा

हायाये हायायेहयाहाआइन्द्रंविश्वा अवीवृधान् । सामुद्रान्याचसङ्गाइराः । रथीतामंरथी नाम् ।

टिच् क टा ता त प कीच् फा ता प णुफ् ता प णुफ् त

वाजानांसात्पार्ती पताइ । हायाये हायायेहयाहाआहोइळाहोइळा होइळा ॥ १० ॥

प णुफ् ता श टिच् क टा ता त प फि फिख्ख शा

॥ गृत्समदस्यवीकानिचत्वारिवसिष्ठस्यवाप्रियाणी ॥

इममाइन्द्रा । सूतांपा इबाऔहोवा । ज्येष्ठाममात्तर्यम्मदं शुक्रा ।

पि णा टिट् खा शि टी कि ता

स्यत्वाभीयाक्षाराऔहोवा । धाराऋतस्यसादाने ॥ ११ ॥

था क टाट् ख शि क ट टु ख

इममी न्द्रसुतांपिबा । ज्येष्ठाममात्तर्यम्मदं शुक्राउवोवा । स्यत्वाभ्यक्षरन्धाराउवोवा ।

णिफ् खि शा क कि टि खीश का पु खाश

ऋताउवोवा । स्यसादनाइ । होइळा ॥ १२ ॥

खीश प्लीश प्लु शा

इममिन्द्रासुतम्पीबा । ज्येष्ठामामत्तर्यामाम्मादामौहौहुवाऔहोवा । शुक्रास्यत्वाभायाक्षारानौहौहुवाऔहोवा ।

फी णि फ च का का य टाट ट कि त त ची क य ट ट ट कि त त

धाराऋताऔहौहुवाऔहोवा । स्यासादाना इ । ओइळा ॥ १३ ॥

था टाट ट कि त त टि खण्श प शा

इममिन्द्रसुतंपिबज्येष्ठाम् । आमर्त्तयाम्मादाम् । शुक्रासियात्वाभियाक्षारन् ।

पि शृ च का य टा की टि ख ण

धाराउवोवा । आर्त्ताउवोवा । स्यसादनाइ ।

टा खाश टा खाश प्लीश

होइळा ॥ १४ ॥

प शा

॥ वसिष्ठस्यवीकानिचत्वारिइन्द्रस्यवाप्रियाणिआकूपाराणिवा ॥

यदिन्द्रोहाइ । चीत्रामाईहनाअस्तित्वादा होइ । तामद्राइवोराधस्तन्नोवीदा होइ ।

ति त श च चाट पा फील्लुत श चि टा प णि फाल्लुत श

वासाउभयाहस्तियाउवा । भारो । हाइ ॥ १५ ॥

टु कि ता प्ला शा

यदिन्द्रचित्रमौहोवाइहाना । अस्तित्वादातमाउवाआउवा । द्राइवाः ।

षू ता खिश षी की कि ख प्ला

राधस्तन्नोविदाउवाआउवा । द्वासो । उभयाहस्तयाउवाआउवा ।

षी की कि ख श षू का कि

भारो । हाइ ॥ १६ ॥

प्ला प्लु श

यादिन्द्राचित्रामाईहानाअस्ताइत्वादातामद्राइवोराधस्तन्नोवीदद्वसाबु । ऊभायाहास्तायाभारो । हाइ ॥ १७ ॥

पि प्ला खिण टा कि चु थ टि च चि श चा टा प श ख प्लु शा

यदिन्द्रचित्रमाई हनास्ति । त्वादातमद्रिवोराधस्तन्नोवीवीदद्वसाबु । ऊभायाहास्तायाभारा ।

षू फा खाश षू टू त टा चि श चा टा टाट खण्

ओइळा ॥ १८ ॥

प शा

॥ तिरश्चेराङ्गिरसस्यसामनीद्वेदेवानांवादेवपुरे ॥

श्रुधीहावांहावान्तीरश्र्याः । इन्द्रयास्त्वसपाहार्यातीया । सुवीर्यस्यगोमतोरायास्पूर्द्धी ।

का टा टा चि क टा त टा त टा त षी की टा त

महंयसिया । ओइळा ॥ १९ ॥

टा खिण् प शा

श्रुधीहावान्तीरश्र्याः । इन्द्रायस्त्वासपर्याताए सुवीर्यास्यागोमाताः । रायास्पूर्द्धीहाहाइ ।

ख णि क कू टा खी ण टा टी त त श

महंयसी । होइळा ॥ २० ॥

ह्री ऋ शा

॥ वैश्वामित्रम् ॥

असाविसोमइन्द्राते शवाइष्ठाधृ । ण्णावागाहि । आत्वापृणाहाक्तूवीन्द्रायम् ।

चू फा खीश त पा श टी त टा ख ण

राजस्सूर्यौवाउवोवा । नराश्मिभीः । होइळा ॥ २१ ॥

की खिश ह्री ऋ शा

॥ काण्वेद्वे ॥

एन्द्रयाहीहहरीभाइः । उपाकण्वास्यासूष्टू तिम् । देवाअमूष्याशासाताः ।

खिश ह्री श ता ता च खा ण ता ता का ख ण

दाइवय्ययाआउवा । दाइवावासो । हाइ ॥ २२ ॥

कि ता टि ख शाख ऋ शा

एन्द्रयाहीहरिभीरूहुवाहाइ । उपाकण्वास्यासुष्टुतिमुहुवाहाइ । देवाअमूष्याशासाताः ।

षी तू त श का कि टू त श क कि का ख ण

दाइवय्ययाउवा । दीवा । वसोहा ।

कु शा ख श णि

होइळा ॥ २३ ॥

ऋ शा

॥ वैश्वामित्रञ्च ॥

आत्वागाइरोराथीरीवा । अस्तुस्सुते षुगिर्वाणाओवा ओवा । अभित्वासामानूषाताओवा ओवा ।

खु ह्री चीकय टा ख शङ्ख ण किच् काय टा ख शङ्ख ण

गावोवात्सान्नाधोबानावो । हाइ ॥ २४ ॥

भि तच् क प ऋ ऋ शा

॥ इन्द्रस्यशुद्धाशुद्धीयेद्वे ॥

एतोन्विन्द्रंस्तवामा । शुद्धंशुद्धे नासाम्ना । शुद्धैरुक्थैर्वावृद्धांसाम् ।

तू त की टा त कु टा त

शुद्धैराशीर्वान्ममाओहोवा । तू ॥ २५ ॥

टि त च खा शि ख

एतोन्विन्द्रंस्तवामा । शुद्धंशुद्धे नासाओम्ना । शुद्धाईरूक्थाईर्वावृद्धांसम् ।

तू त कीच क टा भी त चा खा ण

शुद्धैराशीर्वान्मामातूइळाभा । ओइळा ॥ २६ ॥

टि त च चा टि खण् प शा

॥ गौतमस्यरयिष्ठेद्वे ॥

योरयिंवोरयाहाबु । तामाः । योद्युम्रैद्युम्रवाक्तमासोमस्सुतस्सायाहोइन्द्रताइ ।

कू त श ख ण् पि कु टू टी श

आस्तिस्वधापाताइहोयेमदोइळा ॥ २७ ॥

टू टि खा ण्ना

योरयिंवोरयिन्तमोहाइ । योद्युम्रैद्युम्रवाक्तमोहाइ । सोमसुतस्सइन्द्रतोहाइ ।

फू खा शा फू खा शा फू खा शा

अस्तिस्वाधापातेमदोहा । होइळा ॥ २८ ॥

ची क फ खा ण् ण् शा

पञ्चम खण्डः

॥ कौल्मलबर्हिषेद्वे ॥

प्रत्यस्मैपीबाहाबु । ओइषाताइइ । वाइश्वानी वाइदूषेहाइभाराआरा ज्ञमायाजाहाग्मायायपाश्वादाऔहोवा ।
तु त श तित श कि चक् टीत ता त टाच् का टा त था टिट्ख शि

ध्वनेनराः ॥ १ ॥

टा खा

प्रत्यस्मैपीपीषताइ । वाइश्वा नीवाइदूषेभाराआरा ज्ञामायजग्मायायपश्वाद्ध्वनाहोइ । नाराऔहोबा ।
ती ति श किच्क टि टा टाच्क षू टू च श टि ख ष्

होइळा ॥ २ ॥

ष् शा

॥ नानदन्तृतीयम् ॥

प्रत्यस्मैपीपीषताइवाइश्वानिविदुषेभारा । अरज्ञमायाजग्मयोहायापाश्वादाः । ध्वानोबानारो ।
फु ता पा षूड श फू खा दु क प ष् ष्

हाइ ॥ ३ ॥

शा

॥ शाकपूतञ्च ॥

आनोवयोवयश्शायाम् । माहान्तङ्गह्वराइष्ठाम् । माहान्तपूर्वीनाइष्ठाम् ।

षी ति त

खू शा

खू णा

उग्रंवाचोअपावा । धीः ॥ ४ ॥

टि खी त्र

॥ कौल्मलबर्हिषेद्वे ॥

आत्वारथंयथौहोवा । तायाइसूम्ना । यावर्क्तयामसीतुविकूर्मीमार्क्ती ।

षी ति त

का खा ण

षू टु टच् ख ण

षहांमाइन्द्रंशावी । षासात्पार्ती । ओइळा ॥ ५ ॥

का कि ख ण

टि खण् प शा

आत्वारथंयथोतायाआत्वारथाम् । याथोतायाऔहोवा । ई हा ।

फू खा

शी

टी

खा श ख श

सुम्नायावार्क्तयामसीयौ होयौहोवा । ई हा । तुविकूर्मीमृताइषहमौ होयौहोवा ।

चि क

कुच्य ट ख श

ख श

ची क

कुच्य ट ख श

ई हा । इन्द्रंशावीषासात्पतिमौ होयौहोवा । ई हा ॥ ६ ॥

ख श

ची

कुच्य ट ख श

ख श

॥ मधुश्चुन्निधनञ्च प्राजापत्यम् ॥

सपूर्व्योमहोनामे । वेनाःक्रातूभाइरानाजेहाहाऔहोवाआइही । यस्याद्वारामानूःपीताहाहाऔहोवाआइही ।

तू त

चि क

टु त

टा त

टा ता

का था

टी त

टा त

टा ता

दाइवाइषूहाहाऔहोवाआइही । धीयाआना जाऔहोवा । मधूश्च्यूताः ॥ ७ ॥

टु त टा त टा ता

का

टाट्ख

शि

ता

टाख्

॥ उषसश्चसाम ॥

यदीवहन्त्याशवोयद्येयादी । ओइवहन्तायाशावाः । ओइभ्राजमानारथाइषूवा ।
ओइपिबन्तोमदीराम्माधू । ओइतत्रश्वावांसिक्राउवाओबाण्वातो । हाइ ॥ ८ ॥

॥ गौतमम् ॥

त्यमुवोअप्राहाणम् । गृणीषेशवासस्पाताइमिन्द्रावाइश्वा । साहं होयेनारमोइ ।
शचाइष्ठांवी । श्वावाहोबादासां । हाइ ॥ ९ ॥

॥ अग्रेश्चदधिक्रम् ॥

ओहाइदधिक्राविण्णोअकार्षामोहाइ । ओहाइजिष्णोरश्वस्यवाजिनाओहाइ । सुराभीनोमुखाकारात् ।
प्रणा होआयूंहोषीताराइषात् । ओइळा ॥ १० ॥

॥ मारूतंवैश्वामित्रंवा आङ्गीरसानांवा साम मैधातिथंवा ॥

पूरांभिन्दुर्युवाकविः । आमीतौजाआजायाता । आइन्द्रोविश्वास्याकर्माणाः ।
धर्त्तावाज्जौवाउवोवा । पुरूष्टु ताः । होइळा ॥ ११ ॥

षष्ठ खण्डः

॥ वामदेव्यञ्च ॥

प्रप्रवस्त्रष्टुभमिषमोहाओहाए । वन्दद्वीरा याआइन्दवाओहाओहाए । धीयावोमेधसातायेओहाओहाए ।

पु तू त का थाच् का टि ट त ट त त यू प श ट त ट त त
पुरान्धीया । वीवोबासातो । हाइ ।

भि त क प प्ल प्ला शा
॥ १ ॥

॥ काश्यपञ्च ॥

कश्यपस्यस्वर्विदाए । याआहुस्सायूजावाइतीयायोर्वीश्वामापीव्रताइ । यज्ञान्धीरो ।

षी ति त ची का य पा फा फा फा ता श भि त
नीचाया याओहोवा । ऊपा ॥ २ ॥

टिट् ख शि ख श

॥ अग्नेर्वैश्वानरस्यसामनीद्वे ॥

विश्वानरा । स्यवास्पातीम् । आनानतस्याशावासाः ।

ती टा टा कु च य ट
एवैश्वचर्षणा ईनाम् । ऊतीहूवाइरथानाम् । हाइ ॥ ३ ॥

क च टीच् चा का का पि प्ल शा
विश्वानरस्यवौहोस्पातिम् । आनानताहास्याशावासाः । एवैश्वचर्षणाइनाम् ।

खा प्लू ड श टी त का ख ण क च पी त्रा
ऊतीहूवाइरथानाम् । हाइ ॥ ४ ॥

का का पि प्ल शा

॥ शाकपूतेद्वे ॥

साधायस्ताए । दिवोनाराए । धियामार्क्ताए ।

टी त टी त टी त
स्याशार्म्माताए । ऊताइसाबृए । हातोदीवाए ।

टी त टु त टी त
द्विषोआंहाए । नातारातिइळाभा । ओइळा ॥ ५ ॥

टी त चि टि खण् प प्ला
सघायस्ताइ । दीवोनरोधियोमार्क्तास्याशार्म्माताः । ऊतीसाबृहातोदिवाः ।

ती श का की टा का चा था टा का चा
द्विषोआंहो । नातारातिइळाभा । ओइळा ॥ ६ ॥

का टा चि टि खण् प प्ला

॥ प्रैय्यमेधञ्च ॥

अर्चतप्रार्चतानाराः । प्रियमेधासोआर्चाता । अर्चन्तुपू त्राकाऊता ।

षू ख ळ्ख स्वी चा फा स्वी चा क फ

पूरमिद्धाणुवार्चा । ता ॥ ७ ॥

क टि खि त्र

॥ बार्हदुक्थञ्च ॥

उक्थमिन्द्रा । याशंसायाम् । वार्धानं पुरूनिष्पाइधाइ ।

ती टि त कि टी ता श

शक्रोयाथासूते षूनाः । रारणात्सा । स्वीयाइषूचा ।

भित काखण क टा त का टाखण्

ओइळा ॥ ८ ॥

प शा

॥ वरूणान्याश्चसाम ॥

विभोष्टइ न्द्राधासाः । विभवीरातिशतोऽकृतोशताक्रताबु । आथानोविश्वचर्षणेश्चचार्षाणाइ ।

षि तित टी कु टा चाश का चू टा चाश

द्युमंसूदत्रमंहयत्रमांहा । या ॥ ९ ॥

कू खु त्र

॥ उषसश्चसाम ॥

वयश्चाइक्तेपतत्रिणाः । द्विपाश्चतूष्पदर्जुनायेउषःप्रारान् । ऋतूं रनूदिवोआन्ते ।

खि शू षी कि पा शी का की टा

भायास्पारो । हाइ ॥ १० ॥

प श ख ळ्ख शा

॥ देवानाञ्चरुचिरोचनंवा ॥

आमियेदेवास्थना । मध्येयेरोचनेदिवाःकाद्वाऋताङ्गादमार्त्ताम् । काप्रत्नावाआहूतीः ।

षि ती षी बु की टि कि टिखण्

ओइळा ॥ ११ ॥

प शा

॥ ऋक्सामयोस्सामनीद्वे ॥

ऋचंसामयजा । महाइयाभ्याङ्कर्मणीकृण्वाताइ । वीतेसद सिराजाताः ।

तू षु कि टि त श की टि त

यज्ञान्दाइवे । षूवाक्षताइळाभा । ओइळा ॥ १२ ॥

टि ता का का टा खण् प ळ्हा

ऋचंसामायाजामहाइ । याभ्यांकर्मा णीकाण्वाताइण्वताइ । वाइतेसदसीरा जातोजाताः ।

स्वी षीश चा थाच् काय ट टि श कुच् काय ट टा

यज्ञान्दाइवे । षूवाक्षताइळाभा । ओइळा ॥ १३ ॥

काय टा का का टा खण् प शा

ऐन्द्रपाठः

प्रथम खण्डः

॥ त्रैशोकम् ॥

विश्वोहाइ । पार्त्तनाआभिभूतर न्नाराः । साजूस्तातक्षूराइन्द्रन्जजनुश्चराजासोहाइ ।

ता त श टि कि काच्क च चा चि कि का चि पा ण श

ऋत्वौहोइवारौहोइस्थेमन्यामूरीम् । उतोहाइ । उग्रामोजिष्ठन्तारा सम् ।

कु की टा खण ता त श पि श खि ण

ओइतरा स्वीनमोवा । ओइजीवा ॥ १ ॥

खि शि खि श

॥ शैखण्डिनेद्वे ॥

श्रक्तेहोइ । दधाहोमिप्रथमायमान्यावाइ न्यावाइ । अह न्होइ ।

ता त श टा त टी काय ट श टा श ता त श

यददाहो । स्युन्नर्यंविवे रापाआपाः । उमेहोइ ।

टि त टि चाय ट टा ता त श

यत्वाहोरोदसीधावतामानूआनू । भ्यसाद्धोइ । तेशुहो ष्मात् ।

टा त टि किय ट टा ता त श काथच्क

पृथिवीचीदाद्रीवोद्रीवाः । द्री । वाऔहोवा ।

टि चाय ट टा टट् ख शि

हाहाउवा । ई ॥ २ ॥

क ति ख

श्रक्ताइ । दधा मिप्रथमायमान्यावाइ न्यावाइ । अह न्यददा स्युन्नर्यंवीवे रापाआपाः ।

ता श थाच् टी काय ट श टा श का थिच् टि काय ट टा

उभाइयत्वारोदसीधावतामानुआनु । भ्यसाक्तेशु ष्मात्पृथिवीचीदाद्रीवोद्रीवाः । द्रीवाए हियाहा ।

ता श था टि किय ट टा ता थाच्क टि चाय ट टा काख प्ला श

होइळा ॥ ३ ॥

प्ल शा

॥ अत्रेर्विवक्तोद्वौ ॥

आयोवाआयायोवा । श्राक्ताइ । दाधा ।

चाट चिट प शा ख ण

मिप्रथमायमान्यावाइ न्यावाइ । आयोवाआयायोवा । आह न्याददा ।

टी काय ट श टा श चाट चिट प श ख ण

स्युन्नर्यविवे रापाआपाः । आयोवाआयायोवा । ऊभाइ यात्वा ।

टि चायट टा चाट चिट प शा ख ण

रोदसीधावतामानुआनू । आयोवाआयायोवा । भ्यासाक्ताइशू ।

टि कियट टा चाट चिट प श ख णा

ष्मात्पृथिवीचीदाद्रीवोद्रीवाः । द्रीवाऔहोवा । हाहाउवा ।

क टि चायट टा टटख शि त ति

द्रिवऔहोहम् ॥ ४ ॥

चिट तच्

ईयोवाईयायोवा । श्राक्ताइ । दाधा ।

चाट चिट प शा ख ण

मिप्रथमायमान्यावाइ न्यावाइ । ईयोवाईयायोवा । आह न्याददा ।

टी काय ट श टा श चाट चिट प श ख णा

स्युन्नर्यवीवे रापाआपाः । ईयोवाईयायोवा । ऊभाइ यात्वारोदसीधावतामानुआनू ।

टि चायट टा चाट चिट प शा ख ण टि कियट टा

ईयोवाईयायोवा । भ्यासाक्ताइशू । ष्मात्पृथिवीचीदाद्रीवोद्रीवाः ।

चाट चिट प श ख णा क टि चायट टा

द्रीख)औहोवा । हाहाउवा । द्रीवई योहम् ॥ ५ ॥

टट् शि त ति चिट तच्

॥ महासावेदसेद्वे ॥

आयाम् । श्रक्ताइ । दाधा ।

त त प शा ख ण

मिप्रथमायमान्यावाइ न्यावाइ । आयाम् । अह न्याददा ।

टी काय ट श टा श त त प श ख णा

स्युन्नर्यवीवे रापाआपाः । आयाम् । ऊभाइ यात्वा ।

टि चाय ट टा त त प शा ख ण

रोदसीधावतामानूआनू । आयाम् । ।

टि किय ट टा त त

भ्यासाक्ताइशू । ष्मात्पृथिवीचीदाद्रीवोद्रीवाः । द्रीख)औहोवा ।

प श ख णा क टि चाय ट टा टट् शि

हाहाउवा । द्रीवोद्रीवाः ॥ ६ ॥

त ति चा ट ख

अयय्याः । श्रक्ताइ । दधा ।

ति चा शा थाच्

मिप्रथमायमान्यावाइ न्यावाइ । अयय्याः । अह न्याददास्युन्नर्यवीवे रापाआपाः ।

टी काय ट श टा श ति चा थि टि चाय ट टा

अयय्याः । उभाइ यत्वारोदसीधावतामानूआनू । अयय्याः ।

ति चा श थाच् टि किय ट टा ति

भ्यसाक्तेषु ष्मात्पृथिवीचीदाद्रीवोद्रीवाः । द्रीख)औहोवा । हाहाउवा ।

चा थाच् क टि चाय ट टा टट् शि त ति

द्रीवाई ॥ ७ ॥

टा ख

॥ शैरीषेद्वे ॥

औहोहोहाइ । श्रक्ताइ ।

ता त त श ख शा

दाधामिप्रथमायमान्यावेयमन्यावाइ । अह न्याददास्युन्नर्य वीवेरा पोवीवेरा पाः ।

फा फी खि श खि ण श णा फि फि खि श खि ण

उभाइयात्वारोदसीधावतामानूवतामानू । भ्यसाक्ताइशू ष्मात्पृथिवीचीदाद्रीवोचिद्रद्राइवाः ।

णा फि फी खि श खि ण णा फि फी खि श खि णा

द्रीवाऔहोवा । हाहाउवा ।

टट् ख शि क ति

एद्रीवाईहा ॥ ८ ॥

त का ट ख

श्रक्ताऔहोहोहाइ । दधा मिप्रथमायमान्यावाइ न्यावाइ । अहाऔहोहोहाइ ।

टि त त त श थाच् टी काय ट श टा श टि त त त श

यददा स्युन्नर्यवीवे रापाआपाः । उभाऔहोहोहाइ । यत्वारोदसीधावतामानूआनू ।

थिच् टि चाय ट ट टि त त त श थाच् टि किय ट टा

भ्यसाऔहोहोहाइ । ताइशू ष्मात्पृथिवीचीदाद्रीवोद्रीवाः । द्रीवाऔहोवा ।

टि त त त श थिच् क टि चाय ट टा टट् ख शि

हाहाउवा । द्रीवए द्रीवाः ॥ ९ ॥

क ति चि टाख

॥ इन्द्रस्येन्द्रियाणीत्रिणि ॥

समाहाइ । आइतविश्वाओजासापतिमोइदिवाहाहाइ ।

ता त श पु कि कि पि ष्ठ ड श

यआइकाईत्भूरातिथिर्जनानांहाहाइ । सापूर्वीयोनूतानमाजिगाइषान्हाहाइ ।

चा या ट च चा टि ख ष्ठ ड श टी का चा टा खा ष्ठ ड श

तंवार्त्तानीरानुवावृतआएकयाउवा । वृधे ॥ १० ॥

क या ट च्च क टा चि ट का ता ताच्

समेतविश्वाओजसापतिमेपातीम् । दिवयाहौहौहोवाई या ।

षु तू कि ट ट त टात

यआईकाईत्भूरातीथिर्जनानांहौहौहोवाई या । सापूर्व्योनूतानमाजिगाइषान्हौहौहोवाई या ।

त या ट ट था टि क ट ट त टात टि का चा चा का ट ट ट त टात

तंवार्त्तानीरानुवावृताआयेकयाउवा । महे ॥ ११ ॥

क या ट च्च क टा चा च ट का ता ताच्

समेतविश्वाओजसापतिमेपातीम् । दाइवायाऔहौहोवाओमोवा ।

षु तु यि ट ट ट त चि श

यआइकाईत्भूरातीथिर्जनानाऔहौहोवाओमोवा । सापूर्वायोनूतानमाजिगाइषान्हौहौहोवाओमोवा ।

चा या ट च चा टि टा ट त चि श चाय ट का चा टा टि ट त चि श

तंवार्त्तानीरानुवावृतआएकयाउवा । धर्माणे ॥ १२ ॥

काय ट च्च क टा चि ट का ता टा ख

॥ वैरूपाणित्रीणि ॥

इमेतया । न्द्रातेवयम्पुरुष्टूता । येत्वारभ्यचरामसिप्रभूवासाबु ।

ती दू टा पी दू टा श

नाहित्वादन्योगिर्वणोगिरास्साघात् । क्षोणीरिवप्रतितद्ध्यनोवाचावचाउवोवा । होइळा ॥ १३ ॥

षु दु टा क षि दू पा षु ष्ठ शा

इमेतया । न्द्राते वयम्पुरुष्टूतायाइत्वा । राभ्या ।

ती का कू य टाच् य टच्

चारामसीप्रभूवासाबु । नाही त्वादा न्योगिर्वणोगिरा स्साघात् । क्षोणीराइत्वाप्रातीतद्धरी यानोवाचा ।

कू टा श य ट च्च य टच् ची का चा य ट च्च य टाच् का कि टि ख ण्

ओइळा ॥ १४ ॥

प ष्ठा

इमेताइन्द्रतेवयंपुरुष्टू तोवा । येत्वारभ्याचरामसीप्राभूवासाबु । नाहित्वादान्योगिर्वाणोगीरा साघात् ।

पि षु ष्ठि ड श टी खी चा फा श टी खी चा फा

क्षोणीराइवा प्रातीतद्ध्यनोवाचाः । होइळा ॥ १५ ॥

दुच् टी ष्ठी ष्ठ शा

॥ बार्हदुक्थञ्च ॥

चर्षणीधृतांहाबु । माघवानामुक्थायाम् । इन्द्रङ्गीरोबृहतीराभ्यानूषाता ।

तु त श कि टि त षु की टि त

वावृधानाम्पूरूहू तांसुवार्त्ताइभीः । आमा तीयाजरमाणान्दाइवे दाइवो । हाइ ॥ १६ ॥

टी टिच् टि ख णा टाच् का टी प शा ख ष्ठा शा

॥ त्रासदस्यवेच ॥

अच्छावइन्द्रम्मतयस्वर्यूवाए । सद्गीचीर्विश्वाउशतीरनूषाता । पारीष्वजन्तजनयोयथापातिम् ।

षु तू त षु कु टा षु कु टा

मर्यन्नाशून्ध्यूर्मघवानमू औहोवा । तया ई ॥ १७ ॥

टि त टी खा शि ताच ख

आच्छावइन्द्रम्मातयाः । सूवार्यूवा साध्रीचीर्विश्वाउशतीः । आनूषतापारिष्वजन्ताजनयाः ।

प षु डा क टि प षु डा क टि प षु डा

याथापताए मार्यन्नशुन्द्र्यूर्माघवा । नामूतायाबु । बा ॥ १८ ॥

क भीप षु डा क काच श टख

॥ सौभरेद्वे ॥

अभित्याम्पेषम्पूरूहू । तामृ ग्मायाम् । ईन्द्राङ्गीर्भाईर्मदतावस्वोअर्णावामोहाहाइ ।

खि णि ड श चा टा ता ता चू का पा ण त श

यस्यद्यावोनविचर न्तीमानूषामोहाहाइ । भुजेमंहिष्ठमभिविप्रमर्चतादुरातिना औहोवा । ऊपा ॥ १९ ॥

ची कीच श कि प ण त श षू कू टा खा शि ख श

त्यंसू मेषम्माहया । सूवर्वाइदाम् । शतांयस्यसूभुवस्साकामाइराताइ ।

खा णि डा टि ता ता चि चि का याट श

अत्यन्नवाजंहावानस्यादांराथां । आइन्द्रं ववृ त्यामवसाइसूवृ औहोवा । क्तीभीः ॥ २० ॥

षू चा का च य ट किच का दूख शि ख श

॥ वरूणसामनीद्वे द्यावापृथिव्योर्वासामनी ॥

घृतवतीभुवनानामभाइश्रिया । उर्वीपृथ्वीमधुदुघेसुपेशासा ।

षू ती ति षु कू च

द्यावापृथिवीवरूणास्याधर्मणा । वाइष्कभीतायाजरे भूरिराईतसाउवा ।

षू की चि कीच कि टि कि ता

इन्दुस्समुद्रमूर्वीयाविभाती ॥ २१ ॥

का कु किख

घृतावाताइभुवनानामभाइश्रिया । उर्वीपृथ्वीमधुदुघेसुपेशासाहोइ ।

णा फा खी शू षू दू च श

द्यावापृथ्वीवरूणास्याधर्मणाहोइ । विष्काभाइते ।

षी की टि च श टि ता

आजरे भूरिराईतसाउवा । एइन्दुसामूद्रमूर्वीयावीभाती ॥ २२ ॥

कि चि कि ता त का कु किख

॥ इन्द्रस्यचश्येनः ॥

उभेयदिन्द्रोदसाइ । आपाप्राथाइषाआउवा । ई वा ।

तू ता श टा का ता टि ख श

माहान्तन्त्वामहाइनांसम्राऔहो । जञ्चक्रुषणाआउवाए । नामा ।

टी टी पि श कि ता भी त ख

देवीजनत्रयाजीजानात्मद्राऔहो । जानित्रयजाआउवा । एजनादा ॥ २३ ॥

क यू टा पि श टि ता टि त काख

॥ वैरूपम् ॥

प्रमन्दाइनाइ पितुर्मदार्चातावाचाः । याःकृओवा । ण्णागर्भानीराह नृजाइश्वानाअवस्यावाः ।

खि शि खी चा फा टा ख ण चि कि टु खि ण

वृषाणंवाज्रादक्षाइणम् । मारौ वाउवोवा । त्वन्तंसख्यायउहुवाइमहाबु ।

कि का खा णा का खिश पु छि छिश

बा ॥ २४ ॥

श

द्वितीय खण्डः

॥ यामम् ॥

स्वादोरित्थाविषूवतोमाधोःपिबन्तिगौर्याः । याइन्द्रेणासायावारीः । वृष्णामद न्तीशोभाथा ।

फू ता प श्रू की टि त चा काचूक टा त

वस्वाइरानूस्वारा ज्यामिळाभा । ओइळा ॥ १ ॥

चा याट का टि खण् प शा

॥ गृत्समदस्यमदौद्वौ ॥

इत्थाहिसो । माइम्मादाः ।

ती टि त

ब्रह्माचाकारावर्द्धानाम् । शाविष्ठवज्जिन्नोजासा ।

की च टा त कु टा त

पृथिव्यानिश्शशाआहीमर्च्चान्नानूस्वारौहोवा जीयमोइळा ॥ २ ॥

कि कि का चा य टच् चिकचूक प्ला शा

इत्थाहिसोमइम्मदाः । ब्रह्माचाकारावर्द्धानाम् ।

फी की की टि ख

शवाइष्ठावाज्जिन्नोजासा । पृथिव्यानिश्शशाआहीमर्च्चान्होइनोहोइस्वारा ज्यामिळाभा ।

खीश खिण कि कि क कि टि की टि खण्

ओइळा ॥ ३ ॥

प शा

॥ आभीशवेद्वे ॥

इन्द्रोमदा । यवावाद्धाई । शवसेवृ त्रहानृ भीः ।

ती खि शा की खिळ्

तमिन्महत्स्वाजाइषू । ऊतिमर्भेहवामाहाइसावा । जाइषुप्रनोबावाइषात् ।

खू शा पी खि शी पु ळ् ळि

हाइ ॥ ४ ॥

शा

इन्द्रोमदायवावृधाई । शवसेवृ त्रहानृभीस्तामिन्माहात्साहाबुजाइषु । ऊतिमर्भेहवा मा ।

फी कीश की कायप शु शु क टुच् ख

हाइसावा । जाइषूप्रनोबावाइषात् । हाइ ॥ ५ ॥

शी पु ळ् ळि शा

॥ अभीकेद्वे ॥

इन्द्रोमदायवावृधाइ । शवसेवृत्राहानृभीराऔहोऔहोवाहा । तामिन्महत्स्वाजिषु आऔहोऔहोवाहा ।

फी कीश किच टा काश टिचक ट ख टु काश टिचक ट ख

ऊतिमर्भे हवामाहा आऔहोऔहोवाहा । सावाजेषूप्रानो । वाइषात् ।

क कि टा काश टिचक ट ख यीप श ख प्ला

हाइ ॥ ६ ॥

शा

इन्द्रोमदायवावृधेशवसेवृ । त्राहानृभीः । तामिन्महत्सुआजिषु ऊतीमार्भाइ ।

षू तू चायट का टि टि काख ण श

हवामाहाइ । सावाजेषूप्रानो । वाइषात् ।

टा चाश यीप श ख प्ला

हाइ ॥ ७ ॥

शा

॥ बार्हगिराणित्रीणी ॥

इन्द्रोओमदा । यावावृधेशवासाइवृ । त्राहाऔहोवा औहोवानृभाइः ।

तिप् ता दू ख णा टा तातद् खा शी

तामिन्महत्स्वाजिषूतिमार्भाइ । हावाऔहोवा औहोवामहाइ । सावाजेषुप्रनाऔहोवा औहोबावाइषात् ।

की दू त श टा तातद् खा शी दू तातद् खा प्ला ऋ

हाइ ॥ ८ ॥

शा

इन्द्रोमदायवावाद्धाइ । शवसेवृ त्राहानृभीःहाबुहौहोवा । तामिन्महत्सूवाजिषूऊतिमर्भे हावामाहेहाबुहौहोवा ।

खा प्लीड शा की कायप फित त कु ट पाक कि काय प फित त

सावाजेषूप्रानोवाइषात् । हाइ ॥ ९ ॥

यीप श ख प्ला शा

ओहाइन्द्रोमदायवावाद्धाइ । शवसेवृ त्राहानृभीःआबुऔहोवा । तामिन्महत्सूवाजिषु आबुऔहोवा ।

फा खा प्लीड शा कीच् कायप फित त कु ट पा फित त

ऊतिमर्भाइहवौहोवामाहे । सावाजेषुप्रानोवीषादौहोबा । होइळा ॥ १० ॥

क कू था टा यप श पि प्ला प्ला शा

॥ इन्द्रस्यचस्वाराज्यम् ॥

इन्द्रतुभ्यमिदद्रीवाए । आनुक्तंवज्रि न्वीर्य्यद्वात्याम्मा । याइनम्मृगा न्तावात्याम्मा ।

षी तीत कुच् का काय ट कुच् काय ट

यायावधी रर्चान्नानूस्वारा ज्यामिळाभा । ओइळा ॥ ११ ॥

कीच् काय ट का टि खण् प शा

॥ कश्यपस्यचधृष्णुम् ॥

प्राइहि आभिहिधृष्णुहाऔहो । नाता इवज्जोनियंसताऔहो । आइन्द्रोनृम्णंहितेशवाऔहो ।

टिचक कु ट त टाच् षि टु त टिच षी टि त

हानो वृत्रन्जयाअपाऔहो । आर्चान्नानूस्वारा ज्यामिळाभा । ओइळा ॥ १२ ॥

टाच् षी टि त टा टा का टि खण् प शा

॥ वैदन्वतम् ॥

यदुदीरातआजयाः । धृष्णवेधी याताइधानम् । युद्धामदच्युताहारी ।

फी शा का कीच का या ट क टु ख ण

कंहनःकंवसाबुदाधाः । अस्मंइन्द्रावासौदाधाः । ओइळा ॥ १३ ॥

क टु खा ण ता ता टि ख ण प शा

॥ यामेद्वे ॥

अक्षन्नामीमादन्तहीयावप्रियाधुषता । आस्तोषतस्वभानवोविप्रान्नावी । छायामतीयोजानूवाइन्द्राताऔहोवा ।

ची क फ ता प शु का कू भि त की टि त टाट् ख शि

हारी ॥ १४ ॥

ख श

उपोषुश्रुणुहीगिरए औहोवा । माघवन्मातथाइवाकदानस्सु । नार्त्तावतःकरा इदर्थायासाई द्योजान्वाइन्द्राताऔहोवा ।

षू ति खा त्र क टि प्ला खा ता का की चि य पा खा ता टा ख शि

हारी ॥ १५ ॥

ख श

॥ त्रैतानित्रीणि ॥

चन्द्रमायाउवा प्सूआन्ताराउवा । सुपणोधाउवा । वातेदिविनवोहाइरा उवा ।

क कुच् क कु क कुच् क षु किच् का

ण्यानाइमायाउवा । पादंविन्दाउवा न्तिविद्युतोवित्तम्मायाउवा । स्यारोदासा इ ।

क कूच् कूच् क कि कू का ट ख ण श

ओइळा ॥ १६ ॥

प शा

चन्द्रमाया । प्सूआन्तारा । सुपणोर्धा वाताइदीविया ।

ती त पा श कीच् क ट चा ता

नवो हिर ण्यने मयःपादंविन्दन्तिविद्युतोहाइ । वित्तंहोइमायाहो स्यारोदासा इ । ओइळा ॥ १७ ॥

टाच् का का कू पी ण श टू कथ टि ख ण श प शा

चन्द्रमायाप्सूअन्तरा । सुपणोर्धा वाताइदाइवि । नवोहीर ण्यने मयःपादंविन्दन्तिविद्युताः ।

खी श प्लि कीच् यी टा टाच् का का पी कि टि

वित्तंहोइमायाहोस्यारोदासा इ । ओइळा ॥ १८ ॥

टू कथ टि ख ण श प शा

॥ सौपणोद्वे ॥

चन्द्रमायप्सुआ । न्तारासुपणोर्धा वातेदाइवी । नवोहोइ हिर ण्यने मयःपादंविन्दन्तिविद्युताः ।

तू कूच् टि ता टा च श का का शा कु टि

वित्तंहोइमायाहोस्यारोदासाऔहोवा । उऊपा ॥ १९ ॥

टू कथ टि ख शि खा श

चन्द्रौहोमायप्सुअन्तराओवा । सुप णोर्धावातेदाइवाएहोवाहोइहुवोइ । नावोहाइरण्यनाइमायाहोवाहोइहुवोइ ।

षू तु का का टू का ख ति श षू टी का ख ति श

पादंविन्दन्तिवाइद्युताहोवाहोइहुवोइ । वित्तम्मेअस्यरोदासाए होवाहोइहुवोवा । उऊपा ॥ २० ॥

षु टी का ख ति श षू टि का ख खि त्र खा श

॥ लौशम् ॥

प्रातिप्रयतमंराथाम् । वार्षणंवासूवाहानाम् । स्तोतावामाश्विनावार्षीः ।

प षुड श क कि टि त भि त टा ख ण

स्तोमाभीःभूषातिप्राती । मध्वाइमामा । श्रूतां ।

भी का खा ण भी त प श

हाआवां । हाइ ॥ २१ ॥

ख प्ला शा

तृतीय खण्डः

॥ इन्द्रस्यसञ्चयेद्वे सेनुदेवा वामदेव्येवा ॥

आतेअग्रइधीमाहाइ । द्यूमन्तन्दे वाआजरामा । यद्धस्यास्याताइ पानीयासी ।

प पू ड श तीचूक ट च ता भि त श काख ण

सामीदिद यताइद्याविया । ईषंस्तोतृ । भ्यायाभारो ।

की टा चा ता टि त प श ख ण

हाइ ॥ १ ॥

शा

आतेअग्रइधीमाहाइद्युमन्तान्देवाआजरम् । यद्धस्यातेपनीयसीसमिदिदयताइ । हिंहिन्धावी ।

पू खा ण्नी ख ण्नी षू तू श ट खा ण

ईषंस्तोतृभ्याया । हिंहिंभारो । हाइ ॥ २ ॥

टि श प श प श ख ण शा

॥ अङ्गिरसान्निवेष्टौद्वौ ॥

आबुऔहोवा । अग्निन्नस्ववृक्तिभीः । आबुऔहोवा ।

फि त त षी किख् फि त त

होतारन्त्वावृणीमहे । आबुऔहोवा । शीरम्पावाकाशोचिषं विवोमादाइ ।

षी कीख् फि त त क थाचूक की खिण श

आबुऔहोवा । यज्ञाइषुस्तीर्णाबर्हिषां । आबुऔहोवा ।

फि त त कु कीख् फि त त

विवक्षसे ॥ ३ ॥

च खि

अग्निन्नस्ववृक्तिभिःइहइहाहाइ । होतारन्त्वावृणीमहे इहइहाहाइ । शीरम्पावाकाशोचिषं इहइहाहाइ ।

का कु ती त श षी का का ती त श क थाचूक की ती त श

विवोमादाइ । इहइहाहाइ । यज्ञाइषुस्तीर्णाबर्हिषं इहइहाहाइ ।

खिण श ती त श षु की ती त श

वाइवाऔहोवा । क्षासे ॥ ४ ॥

ट खा शि ख श

॥ सत्यश्रवसोवार्यश्चसाम ॥

महाइमहोनोअद्यबोधाया । ऊषोराये दिवित्माती । यथाचीन्नोआबोधायाः ।

खा षी ण्डि ड श कीचूक टा त भि त काख ण

सत्याश्रावासिवाय्याइ । सुजाते आ । श्वासुनार्त्तो ।

भि त टा खण्ण श भि त प श ख ण

हाइ ॥ ५ ॥

शा

॥ उषसश्चसाम ॥

भद्रन्नोअपिवातया । मानोदक्षामूताक्रातूम् । आथातेसख्येअन्धासावीवोमादाइ ।

पि शु टा कीख ण च था का टि खिण श

रणागावो नायवसाइवाइवाऔहोवा । क्षासे ॥ ६ ॥

टा टाच्च क टुट् खा शि ख श

॥ लौशञ्च ॥

कृत्वामहं अनुष्वाधाए । भीमाआवा वृताइशावाः । श्रीयाऋष्वाऊपाकायोः ।

षी ती त चा थाच्च का या ट ता ता काख ण

नीशिप्रीहारीवान्दाधाइ । हस्तायोर्वा । ज्रामोबायासां ।

ची काय ट श भि तच्च क प प्ल प्ला

हाइ ॥ ७ ॥

शा

॥ यामञ्च ॥

सघातंवृषणंरथाऔहोवा । आधीतिष्ठातीगोवाइदाम् । यःपात्रं हारियोजानम् ।

फा फी खाण फ श क चि काय टा कि टि ख ण

पूर्णाभिन्द्राचिकेताती । योजानूवाइन्द्राताऔहोवा । हारि ॥ ८ ॥

क कु ख ण भि त टाट् ख शि ख श

॥ अङ्गिरसाञ्चैवनिवेष्टः ॥

अग्निन्तम्मान्येयोवासूः । अस्तंयय्यान्तीधेनावाः । अस्तामर्वान्तायाशावाः ।

खी प्ली टी टाख ण टी टाख ण

अस्तान्नित्यासोवाजाइनाः । इषंस्तोतृहाहोहाइ । भ्यायाभारो ।

टी टाख णा टी खाण श प श ख प्ल

हाइ ॥ ९ ॥

शा

॥ गौरयश्चाङ्गिरसस्यसाम ॥

नतमंहोनदुरितमियइयाहाइ । दाइवासोअष्टामात्तर्यामियइयाहाइ । साजोषसोयमर्यामाइयइयाहाइ ।

षू तू त श की कु टि त श की की टी त श

माइत्रोनायान्तिवारूणाः । आतिद्वीषाः ॥ १० ॥

की टि ख त्र थ टा ख

चतुर्थ खण्डः

॥ वसिष्ठस्यसङ्गमौद्वौसौहविषाणित्रीणि सर्वाणिवासौहविषाणि ॥

परिप्रधन्वा । इन्द्रायसोमास्वादूर्हाइ मित्रायापूष्णेभाहाइ । गायो ।

हाइ ॥ १ ॥

परिप्रधन्वा । इन्द्रायसोमाओहाओहाइ । स्वादुर्मित्रायाओहाओहाइ ।

पूष्णाओहोवा । भगाया ॥ २ ॥

परीहोइ प्रधान्वा । इन्द्राहोयसोमा । स्वादूर्होइ मित्राया ।

पूष्णेहोइ भगाया । पूष्णेभगायपूष्णेहोइभगाया । एस्वर्वाते ॥ ३ ॥

हाहाइपारीप्राधन्वाएहियाहाहाइ । हाहाइ न्द्रायसोमाएहियाहाहाइ । हाहाइस्वादूर् मित्रायाएहियाहाहाइ ।

हाहाहाइ पूष्णे भगायाएहियाहाहा इ । ओइळा ॥ ४ ॥

पर्येपारी । प्राधन्वाहोवाहोइ न्द्रायसोमाहोवा । होइस्वादुर्मित्रायाहोवाहोयेपूष्णौवाउवोवा ।

भगायाबु । बा ॥ ५ ॥

॥ वाकानित्रीणि ॥

पर्येषुप्रधन्वावा । जसातायाओइपारी ओइवृत्रा णीसर्क्षणीद्वाइषास्तारा । धीयाऋणायाना ।

ईरासाआइरासा इ । ओइळा ॥ ६ ॥

पर्येषू । प्राधान्वावाजसातायाइ । परिवृत्राणिसाक्षाणिद्विषास्तारा ।

धिय्याऋणायानाईहिं । रासो । हाइ ॥ ७ ॥

पर्येपारी । ऊषुप्रधन्वावाजसातयेपरिवृत्राणिसाक्षाणिद्वाइषास्तारा । धीयऋणयानयाउवाओबारासो ।

हाइ ॥ ८ ॥

शा

॥ प्रजापतेर्धर्मविधर्माणिचत्वारि ॥

पवस्वसोमा । माहान्सामूद्राःपीतादेवानांवाइश्वाऔहोवा । भीधामा ॥ ९ ॥

तु च क कि दू खा शि टा ख

औहोवाऔहोवाऔहोवाऔहोवा । पावस्वसोममाहान्सामुद्राःपीतादेवानांविश्वा भिधामा ।

कु था ट ख शि ची चि चि का टि काचू क ट ख

औहोवाऔहोवाऔहोवाऔहोवा । एधर्मा ॥ १० ॥

कु था ट ख शि तट ख

ओहोवाओहोवाओहोवाओहोवा । पावस्वसोमामाहेदक्षायामाश्वोनानिक्तोवाजीधनाया ।

कु था ट ख शि कू चि का चि ट कि ख

ओहोवाओहोवाओहोवाऔहोवा । एविधर्मा ॥ ११ ॥

कु था ट ख शि त का ख

पवस्वसोमा । माहेदक्षायामाश्वोनानिक्तोवाजाऔहोवा । धनाया ॥ १२ ॥

तु क थ टि कु खा शि ता ख

॥ भागञ्च ॥

इन्दुःपविष्टा । चारूमादायामपामुपास्थाइ । कावाऔहोवा ।

तु ट कि कि टा त श ट्ख शि

भगाया ॥ १३ ॥

ता ट्ख

॥ वाजिनाञ्चसाम ॥

अन्वनू । हाइत्वासूतंसोमामदामसिमदा मासाएमहाइसामा । रीयाराज्येवाजं आभीपवमानपवमानाः ।

ति कि कि चि कीच् का ट खी ण चा टा टाचू क पु कि च

प्रागा हासाऔहोवा । होइळा ॥ १४ ॥

टाचू क टा ख ण्ण श

॥ प्रजापतेर्हिकनिकविकानित्रीणि ॥

कईव्यक्ताः । नारस्सानाइळारूद्रस्यमर्यायाथाऔहोवा । स्वश्वाः ॥ १५ ॥

ती ची टाच् दूट्ख शि त ट्ख

काई वियाक्ताः । नारा स्सानाइळाः । रूद्रस्यमर्यायाथाऔहोवा ।

णाफ् खा ण्ण णाफ् ख ण्ण दूट्ख शि

सुवाश्वाः ॥ १६ ॥

ता ख

काई वियाओवाक्तानाराः । सनाओवाइळारूद्रा । स्यमाओवार्यायाथा ।

था टा क ख शि टा क ख शी टा क ख शि

सुवाओवाश्वाः । होइळा ॥ १७ ॥

टा क ख ण्ण श

॥ आश्वेद्वे ॥

अग्नेतमद्या । अश्वन्नस्तोमाइःकृतू न्नाभाद्राम् । हार्दिस्पृशामृद्ध्यामाऔहोवा ।

तु था कूचक टा टाक च टाट् ख शि

ताओहैः ॥ १८ ॥

टा ख

आग्ने होइतमद्या । अश्वन्नस्तोमाइःकृतू न्नाभाद्रां । हार्दाओइ स्पृशामृद्ध्यामाऔहोवा ।

फाफ खिश था कूचक टा थाच श चा टाट् ख शि

ए ताओहैः ॥ १९ ॥

तच्चक ट ख

॥ वाजिनाञ्चसाम ॥

आविर्मर्याः । आवाजंवाजिनोग्मान्दे । वास्यसवीतुस्सावाइ ।

क पा ण षि टु च टु त श

स्वर्गाअर्वान्ताः । जयता ॥ २० ॥

टा खात्र क टाख्

॥ आदित्यानाञ्चपवित्रम् ॥

पवस्वसोमा । द्युम्नी सूधाराः । माहीनामानूपूर्वीयो इळा ॥ २१ ॥

तु णाफ् खाप्प टि टि खाप्प शा

पञ्चम खण्डः

॥ इन्द्रस्यक्रोशानुक्रोशेद्वे ॥

इन्द्रा । सूतेषुसोमेषूहोयेहू होइक्रतुंपुनिषउक्थ्यां । वीदाइवाद्धास्यादक्षस्या ।

ता कु टिसद् षी चु चा या ट त पा श

महंहिषाः । ओइळा ॥ १ ॥

टा खाण् प शा

इन्द्राहोइहवे होइ सुतेषुसोमेषुकृतुंपुनीषउक्थ्याम् । वीदाइवाद्धास्यादक्षस्या । माहंही ।

ता कीच श ष्ट्र चू चा या ट क चि फि

षाः ॥ २ ॥

ख

॥ कौत्सन्तृतीयम् ॥

इन्द्रसुतेषुसोमेषू । क्रातूंपूनाइषाउक्थ्यांवीदे वाद्धास्यादक्षस्या । महंहाइषाः ।

षु तात टा की चा का टा क चि टु

महंहिषाः । ओइळा ॥ ३ ॥

टा खाण् प शा

॥ प्रहितोःसंयोजनेद्वे ॥

तामूआभिप्रगायता । पुरूहूतंपूरूष्टूताम् । इन्द्राङ्गाइर्भीस्ताविषामा ।

ण फ खी शा दू टा टाच् कि टि त

वीवासाताऔहोवा । ओकाः ॥ ४ ॥

टिट्ख शि ख ष्ठ

तामूअभिप्रगायतेदाम् । पुरूहूताम्पूरूष्टूताम् । आइन्द्रङ्गीर्भीस्तविषमा वीवासाता ।

ण फ ची शि दू टा टीच् कुच् काय ट

आइन्द्राङ्गाइर्भी स्ताविषामा । वाइवाऔहोवा । सतए ॥ ५ ॥

कि ख ताच् क टा त ट खा शि खि

॥ दैवोदासेद्वे ॥

हाबुतमूअभी । प्रगायताहाबुपुरूहू तम् । पुरूष्टुतांहाविन्द्राङ्गाइर्भी स्ताविषामाहाबु ।

तू का भिश खिण का भि खि ताच् क पा फ ण श

विवासाता । दीवि ॥ ६ ॥

खि त्र ख श

तामू अभी होइप्रगायताए । पुरूहू ताम्पूरूष्टु ताम्पूरूष्टु तम् । इन्द्राङ्गीर्भा इ स्तवाइषामा ।

फा णाफ्छ खी छि भित भित टा खण भि तच् श भी त

वीवासाविवासाता । आइन्द्रङ्गीर्भा इस्तविषमाविवावाहासताउवोवा । ऊ ॥ ७ ॥

भित टा ख ण की तच् दृ त त टा खा श ख

॥ हारिवर्णानिचत्वारि ॥

तन्तेमदङ्गुणिमासी । वृषाणंपृक्षुसासाहाइम् । ऊलोकाकृत्तुमद्रावोहारीश्रायाम् ।
दू चा दूचक च श षु टा ता ट त ट खण्

ओइळा ॥ ८ ॥

तन्तेमदङ्गुणीमसीए । वृषाओहोणंप्रक्षुसासहीम् । ऊलोओहोककृत्तुमद्रिवाः ।
प शा पी ती त कि ख यी शा कि ख शु

हारोबाश्रायां । हाइ ॥ ९ ॥

तान्तेहोइमदांगृणीमसीए । वृषाहोणंप्रक्षुसासाहिं । ऊलोककृत्तुमद्रिवाहारी श्रीयामौहोबा ।
क प प्ल प्ला शा ण फल्ल खी पु टि यी टा शु यी टच्च क पा प्ला
होइळा ॥ १० ॥

तन्देमदांगृणीमसाइ । वार्षाणंप्रक्षुसासाहीहोवाहाइ । ऊलोकाकृहोवाहाइ ।
प्ल शा फी की श कु टा त टा त श टि त टा त श
त्तुमाद्रा इवाओहोवा । हारिश्रीयाम् ॥ ११ ॥
टिट् खा शि च टिख्

॥ त्रैतानिचत्वारि ॥

औहोयौहोवा । यत्सोममीन्द्रावीष्णावाइ । औहोयौहोवा ।

च य ट ख श खी कि फ श च य ट ख श
यद्वाघत्रीतायासीयाइ । औहोयौहोवा । यद्वामरूत्सूमन्दसाइ ।
खी कि फ श च य ट ख श खी कि फ श

औहोयौहोवा । सामिन्दुभीः ॥ १२ ॥

च य ट ख त्र टि ख
हायोहायत्सोममा । न्द्रावाओहोवा । ण्णावे ।

षु ता टट् ख शि ख श
यद्वाघात्रीतआप्तीये यद्वामरूत्सुमाहोन्दसाइ । समाहोयेन्दुभिरो इळा ॥ १३ ॥

टा का चा का दू टि श टा टा खि शा
यत्सोममिन्द्रविष्णावाइ । यद्वाघत्रीतआप्तायाइ । यद्वामरूत्सूमन्दासोहाइ ।
षु ता त श पी ची श चू पा ण श

सामाओहोवा । एन्दुभीः ॥ १४ ॥

टट् ख शि त टाख
यत्सोममाइन्द्रवीष्णावाइ । । यद्वाघत्रीताआप्तेयद्वामारूत् ।

फी कु श टा च चा का टि त
सूमान्दासाइ । सामाओहोवा । न्दुभिः ॥ १५ ॥
टा ख ण श तट् ख शि ख प्ल

॥ सराधसःप्रराधस्यश्चाङ्गिरसयोस्सामानित्रीणि ॥

एदू माधोर्मदाइन्तारम् । सिञ्चाध्वर्योअन्धसाधासा । एवाहिवीरास्तवताइवाताइ ।

फा फा खा खा श क दू ख ण क षी टि खा ण श

सदावा । र्धाः ॥ १६ ॥

खि त्र

एदुमधौहोर्मदिन्तराम् । सिञ्चाहोअध्वर्योअन्धासा । आइवाहिवीरास्तवताइ ।

पु की भि टि भि यि टा च चि श

सदा वृधाऔहोबा । होइळा ॥ १७ ॥

टाच्वृ टा ख ण्ण ण्ण शा

एन्दुमिन्द्रायसीञ्चता । पिबातसोम्यम्माधू प्राराधांसी । चोदयतामाही ।

फि फा खा शा टा चा कि टि त यी प श

त्वानाऔहोबा । होइळा ॥ १८ ॥

टि ख ण्ण ण्ण शा

॥ वैश्वमनसम् ॥

एतोन्विन्द्रंस्तवामा । साखा यस्तोम्या । नारमाकृष्टीयोर्विश्वा ।

तू त काच् टा ख णफण्ण षु चि

आभियास्त्याइकाईत् । आऔहोवा । ऊ ॥ १९ ॥

टी टि ख शि ख

॥ सौमित्राणित्रीणि ॥

इन्द्रायसा । मागायतावाइप्रायाबृहाते बृहात्ब्रह्माकृते वीपाश्चाइताऔहोवा । पानस्यवे ॥ २० ॥

ती कि चि टा का चा टीच्क टाट् खा शि च टिख्

इन्द्रायसामगायाता । वाइप्रा याबृहता इ । बृहात् ।

खा ण्णी ड श किच् टा खा णफण्ण श ख श

ब्रह्माकृते वीपाश्चिते ओइपा नाऔहोवा । स्यावे ॥ २१ ॥

थ टिच् टी टिट्ख शि ख श

औहोऔहोऔहोवा । इन्द्रायासामगायाताविप्रायाबृहातेबृहात् । ब्रह्माकृते वीपाश्चिते ।

क की ख त्र टाक्क टि क टि चाक काश थ टिची टि

औहोऔहोऔहोवा । एपानस्यवे ॥ २२ ॥

क की ख त्र त च टिख्

॥ त्रैककूभानित्रीणि ॥

याएकाइद्वीदयाताइ । वासुमर्क्ताहायादाशूषाइ । आइशानोअप्राताहाइष्कृताः ।

ख ण्ख खी ण श च टि त का ख ण श कि टी खि ण

आइन्द्रोअङ्गायाऔहोवा । ईन्द्राः ॥ २३ ॥

कि टाट्ख शि खण्

यएकइदिहाहाइ । वीदयताइवसुमर्क्तायादाशूषाइ । ईशानोआप्रातिष्कृताआउवा ।

तू त श षु टि तच्चा शि भित क कि टि

ईन्द्राः । अङ्गाऔहोवा । होइळा ॥ २४ ॥

खण् क टा खण् ण शा

यएकइद्विदयाताइ । वासुमर्क्तायादाहिं । शूषाइ ।

षी तित श पु शा त त श

आइशानोअप्रतीष्कृताः । आइशानोअप्रताइ । ष्कृताः ।

कि ची का यी चिश त त

आइन्द्रोअङ्गायाऔहोवा । ईन्द्राः ॥ २५ ॥

कि टाट्ख शि खण्

॥ औक्षोरन्धराणित्रीणिऔक्षोनिधनानिवा ॥

सखाययाहाबु । शिषामहेहाबु । ब्रह्माइन्द्राहाबु ।

ती त श खा शी खा शी

यावज्रणास्तुतऊषुहाइ । वोनृतमाहा याधार्णावाऔहोवा । ऊपा ॥ २६ ॥

टू त श टी तच्क टाट्ख शि ख श

सखाययाशिषामहेब्रह्मेन्द्रायवज्रिणोवा । आइतिवाहोवाहाइ । स्तुषऊषुवोहोहाइ ।

षे तू त टि त टा त श चिप ण्ड श

नार्त्तामाहोवाहायाधार्णावाऔहोवा । ई ॥ २७ ॥

मा त टा त च टाट्ख शि ख

साखाययाशिषामाहाइ ब्रह्मेन्द्रायवज्रिणोहाइ ।

फ णि फि ख श षू ट ड श

स्तुषऊषूवोनार्त्तामायाधृहाहाइवोनार्त्तामायाधृहाहाइष्णावाऔहोऔहोवाहा धृष्णावाऔहोऔहोवाहाहाऔहोवा ।

चि का कि ख ण् त च का कि ख ण् त च टि ता ता त कथ् टि ता ता त त ख शि

उऊपा ॥ २८ ॥

खा श

षष्ठ खण्डः

॥ इन्द्राण्यास्सामनीद्वेइन्द्रस्यवासांवर्त्ते संवर्तस्यवाङ्गीरसस्य ॥

एन्द्रनाः । गधिप्राया । सात्राजितागोहायागिराइर्नवाइ ।

ति क टा ख की टा खा ति श

श्वाताःपार्थूःपा र्ताऔहोवा । दीवाः ॥ १ ॥

ति टाट् ख शि ख ण्

एन्द्रनोगधिप्राया । सात्राजितागोहायौहोवाहाइ । गिराइर्नवौहोवाहाइ ।

फि णि श की या ट ता त श टी ता त श

श्वाताःपार्थूःऔहोवा । पातीर्दीवाः ॥ २ ॥

टि ख शि ती

॥ दैवोदासानिचत्वारि ॥

यस्याओत्याच्छाओंबर म्मादाइ । दिवोओदासाओयर न्धायायान् । अयाओंससोओमइन्द्राताइ ।

ता प ता प ण्ना त त श ता क ता प ण्ना त त श ता क ता प ण्ना ता त श

सुताःओःपिबाओबा । ऊपा ॥ ३ ॥

ता क ता प ण्ना ख श

यस्यात्यच्छांवरम्मादाइ । दीवोदासायरन्धायन्नायां सासोमइन्द्राताइ । सूताऔहोवा ।

फी की श पी कूचक ख ति त श ट ख शि

पीबा ॥ ४ ॥

ख श

यस्यात्याच्छांवरम्मादाइ । दीवो दासायरन्धयन्नायां सासोमइन्द्राताइ । सुताओःपा इबाऔहोवा ।

खी णी श टाचक षि कीचक ख ति त श का टाट् खा शि

ईति ॥ ५ ॥

ख श

यास्यात्याच्छद्दोइशंबराम्मदाए । दीवोदासायरन्धय न्नयांसासोमइन्द्राताऔहोवा । सूताःपिबोइळा ॥ ६ ॥

फ ण्ना खू ण्ना पी ची भि ख खी शि ख ण्ना खा शा

॥ रेवञ्च ॥

हाबुगृणाइ । तदाइन्द्रोताइ । शवाओवाउपामान्दे ।

ती श खी ण श टा का खि ण

वातातयाइयद्धंसाइवात्रमोजसाशाची । पाताऔहोवाहा औहोवा । द्यूभीः ॥ ७ ॥

पु टि खा शू टा ट खि शि ख ण्ना

॥ आक्षारञ्च ॥

गृणेतदा । औहोइन्द्रते शवाः । उपामान्देवातातायाइयद्धांसिवात्रमोजसाशाचीपा ।

खी खा चि णा चा था काट ख चि ता का चा चा फ

ताइ ॥ ८ ॥

ख श

॥ रेवञ्चैव ॥

गृणेतदौहोइन्द्रते शवाः । उपामान्दे वातातायउपामान्दे वातातायाइ । यद्धंसीवृत्रमोजसाउवा ।

फु शि का चा टाच् का चीट थच् काट त श कि टि का ता
शाचीपाताइहोइळा ॥ ९ ॥

ख ण् ख खि शा

॥ आक्षारञ्चैव ॥

याइन्द्रसो । मापातामाः । मादश्शवाइष्ठचेतताइ ।

ती टा ख ण षी कि चा श
याइनाहांसी । नीयत्रिणान्तामीमा । हाइ ॥ १० ॥

टि ख ण की च क फ ख श

॥ यामम् ॥

तुचेतुनायतात्सूनाः । द्राघीयआयूः । जीवासाआदित्यासास्सम्महसाः ।

षी खि ण का खा ण चा टि टा टी
कृणोता । ना ॥ ११ ॥

खि त्र

॥ भारद्वाजस्यशुन्ध्यु ॥

वेत्थाहिनिऋतीनां । वाज्रहास्तापारी व्रजामाहारा हाशुन्ध्युःपारी पदामा । इवा ॥ १२ ॥

षि ती की का कि का का कि टा ख त्रा

॥ आदित्यानाञ्चापामीवम् ॥

अपामीवामपा । स्त्रीधामपसेधतादुर्मातीम् । आदीत्यासो यूयोतनानाआउवाओबांहासो ।

तू षु का टा त टा टाच् क षी कि प ण् प्ला
हाइ ॥ १३ ॥

ण् शा

॥ वसिष्ठस्यचवैराजे ॥

पीबा । सोममिन्द्रमन्दतुत्वायन्तेसुषावहर्याश्वाद्रीः । सोत)र्बाहुभीयांसूया ताऔहोवा ।

ता षु टि क कू ट त ट टि त टाट् ख शि
ए नार्वा ॥ १४ ॥

तच् टाख्

हाबुपिबा । सोमामिन्द्रमन्दतुत्वादतुत्वायन्तेसुषावहर्याश्वाद्रीश्वाद्रीः । सोतुर्बाहुभ्यांसूयतास्सूयतोनार्वाऔहोवा ।

ती षु कि चि क यू टा टा क की कि कि टट् ख शि
ई ॥ १५ ॥

ख

सप्तम खण्डः

॥ इन्द्रस्याभ्रातृव्यम् ॥

आभ्रातृव्योअनातुवाम् । आनापिराइन्द्राजनुषासना । दासीयूधे दापित्वामिच्छसेयुधा ॥ १ ॥

फी की कूच् क टा खाणफप्पु ख श चा क कु ताच्

॥ शार्करेद्वे ॥

योनोहाबु । ईदामिदम्पूराहाबु । प्रावाप्रवस्ययाहाइ ।

ता त श दू त श दू त श

नीनानीनायतमुवोहाबु । स्तुषाइ सखाययाहाइ । न्द्रामूतायाइ ।

षी टी त श षि टी त श टि खण्

श) । ओइळा ॥ २ ॥

प शा

योना इदमिदाम्पूरा । योनइदमिदाम्पूरा । प्रावस्ययानीनायतामूवास्तुषाइ ।

णाफ् खी शा यू प श कू खा कि फ श

नीनायतामूवास्तूषाइ इ । साखायायाइन्द्रमूता । याइ ॥ ३ ॥

च खि कि फा श टि ट खी त्र श

॥ बृहत्कम् ॥

आगन्ता । मारीषण्याता । प्रस्थावानोमापास्थातासामान्यवाः ।

ति तच् क टा त का का चा था च य टा

द्रढाश्चीद्या । मयोवाष्णावो । हाइ ॥ ४ ॥

भि त ङ्गि प्ला शा

॥ सौयवसानिचत्वारिपुनरींळवातृतीयम् ॥

आयाही । आयमिन्दवेश्वपाताइ । गोपाताउर्वरापाताइसोमाम् ।

ति षी टि त श कि का य पा ति

सोमापा ताऔहोवा । पीबा ॥ ५ ॥

टिट् ख शि ख श

अयाहिया । यामाइन्दावे । आश्वपते गोपताउर्वराहाइपाताइ ।

ती त पि श की कि टि खिण श

सोमंहाइ । सोमपतेहाइपाईबाए हियाहा । होइळा ॥ ६ ॥

प णा श टीत पा ङ्गि शि प्लु श

आयाह्ययमिन्दावाइ । अश्वापाताइगोपाताउर्वरापाताइ । सोमंसोमाओपाताइपीबाओबा ।

तू त श चा य ट ची टि ख ण श की का की प प्लु

ऊपा ऊपा ॥ ७ ॥

ख शप्पु ख ण

त्वयाहस्वीत् । यूजावयं प्रातीश्वासान्तंवृ षाभ ब्रूवीमाहाइसंस्थाइ । जानास्यगोबा ।

ती की या टा का का या पा ति श पी प्लु

माताः ॥ ८ ॥

ख प्लु

॥ मरुताञ्चसंवेशीयंककूभंवा ॥

गावश्चित्वासामन्यवाः । सजात्येनमरूतस्सबन्धवाहोइ । रीहतेकाकुभोमीथाऔहोबा ।

तु ति पु टू च श कि पा श टि ख ण

होइळा ॥ ९ ॥

पू शा

॥ इन्द्रस्याभरेद्वे ॥

त्वन्नई । न्द्राभारा । ओजोनृम्णांशताक्रातो वीचर्षाणाइ ।

ति टा त चा था टीचू क खा ण श

आवीरांपृ हाइ । तानाऔहोवा । साहाम् ॥ १० ॥

क भित श ट ख शि ख श

त्वन्नइन्द्रा । आभारा । ओजोनृम्णांशाताक्रातोवीचर्षाणाइ ।

ती टा त चा था टी खि ण श

आवीरांपाक्ताना साहामौहोबा । होइळा ॥ ११ ॥

क टा त काचू क पा पू पू शा

॥ ऐषिराणित्रीणि ॥

अथाहिया । न्द्रागिर्वाणाः । उपत्वाकामाई माहाइ सासृग्माहाइ ।

ती टि त कि तच् काट त श क टा त श

ऊदे वाग्मान्ताः । उदाभिरिळाहभीः । होइळा ॥ १२ ॥

का टा त पा पु पू शा

अधाहीन्द्रगिर्वाणाः । ऊपत्वाकामाई माहाइसासृग्माहाइ । ऊदेवाग्मान्ताओबादाभो ।

तू त की या टा चा य टा श च य टाचू क प पू पू

हाइ ॥ १३ ॥

शा

अधाहीन्द्रगिर्वणाए । ऊपत्वाकामाईमाहाइसासृग्माहाइ । उदौहोइवाहाग्मान्ताऔहोवा ।

षी ति त चि य ट टि चा खा ण श टा त टा त ट ख शि

ऊद भिरे ॥ १४ ॥

चा टाख

॥ प्रजापतेस्सीदन्तीयेद्वे ॥

साईदन्तस्तेवयोयाथा । गोश्राइस्तेमधो म्मादिरोवाईवाक्षणाः । अभीत्वामाइन्द्रानोनूमाः ॥ १५ ॥

प पू ड श क कि काचू क पि पू ता ची कि फ ख

सीदन्तस्तेवयोयथागोश्रीस्तेर्मधोम्मदिराः । विवाहाबुक्षाणाः । अभीहोइ इत्वामाइन्द्रनोनूमाउहुवाहाबु ।

फू ता प प्ली डा ता त श प श ता त श पा श ति प श प्ली

बा

श

॥ पथस्यसौभरस्यसामनीद्वे ॥

वाया मुत्वामापू र्विया । स्थुरन्नकश्चीत्भरा ताआवास्यावाः । वज्रिंश्चित्रांहावामाहो ।

णाफ् खी शा क कूच का य पा ती प श प्खफ्हा
हाइ ॥ १७ ॥

शा

वयमुत्वमपूर्वस्थूरन्नकश्चित्भरन्तओवा । हाहाअवास्यावाः । हाहाइवज्रिंश्चित्राम् ।

षो तू त त चिप श त दू
हाहाइहवामाहाउहुवाहाबु । बा ॥ १८ ॥

त चीप पु श श

अष्टम खण्डः

॥ वसिष्ठस्याभरेद्वे ॥

विश्वतोहाबु । दावन्विश्वतो नयाहाओहा । आभराभरा ।

ति त श क थ कि ता खा ण कि ट त

यन्त्वाशवीष्ठामाइ । माहाओहोओहोवा । ऐहीऐही ॥ १ ॥

टा का चा श टा खी श तीच्

विश्वतोदावन्विश्वतो नया । भराभरा । यन्त्वाशवीष्ठामाइ ।

षु तु का ट त टा का चा श

माहाओहोबा । होइळा ॥ २ ॥

टि ख ण्ण ण्ण शा

॥ वासुमन्देद्वे ॥

एषाः । ब्रह्माययाआउवा । एत्वियाया ।

ता का ता टि त ता ख

आइन्द्रानामश्रुताआउवा । एगृणाया ॥ ३ ॥

ट ता क ति टि त ता ख

एषाएषाः । ब्रह्मा ब्रह्मा याऋत्वियाउवाआउवा । आइन्द्रोआइन्द्रोनामश्रुताउवाआउवा ।

ती टाच् टाच् क कू कि टि टि क कि का कि

गृणाओहोबा । होइळा ॥ ४ ॥

टि ख ण्ण ण्ण शा

॥ कावर्षाणित्रीणि ॥

एषाओवा । ब्रह्मायाऋत्वियाः । आइन्द्रोहाइ नामाश्रुतो गृणाओहोबा ।

ती का ट चि टि त शत त प श टि ख ण्ण

होइळा ॥ ५ ॥

ण्ण शा

ओहाओहा । एषब्रह्मायाऋत्वियाः । ओहाओहा ।

ट ख ख ण क पि श खि ट ख ख ण

इन्द्रोनामाश्रुतो गृणाइ । ओहाओहा । एस्वर्वते ॥ ६ ॥

क पि श खि श ट ख ख ण त टिख्

एषब्रह्मौहोयाऋत्वियाः । इन्द्रोनामौहोश्रुतोगार्णाआउवा । ऊपा ॥ ७ ॥

थ कु चि था की कि टि ख श

॥ प्रजापतेःश्योकानुश्योकानित्रीणि ॥

हाबुस्वरता । ब्रह्माणाओवाइन्द्रम्माहयान्तोर्कैः । आवा र्धायान्नहयेहन्तावाऊ ।

तु टि का कि टा ख ण टाच् चा की खात्र

श्योकाः ॥ ८ ॥

ख ण्

हावभिस्वरता । ब्रह्माणआइन्द्रामाहयान्तोर्कैः । आवर्धायान्नहयेहन्तावाऊ ।

तू टूच क टा ख ण चिट की पात्र

श्योकायताः ॥ ९ ॥

तच् क टाख्

हाबुस्वरता । स्वारातस्वाराता । आनावस्तेरथमश्वायाताक्षूर्हाबुस्वरता ।

तु चा टित की कीच य प शु

स्वारातस्वाराता । त्वष्टावज्रम्पुरुहू ताद्युमान्तांहाबुस्वरता । स्वारातस्वाराताओहोवा ।

चा टित का का कि पी शु चा टिख

शि) । स्वाराता ॥ १० ॥

चाटख्

॥ वाचस्सामनीद्वे ॥

ओहोइशम्पादंमाघंरायाओईषीणाइ । नाकाममव्रतोहिनोतिनस्पृशाद्रयिमोइळा ॥ ११ ॥

चीक फ कीप ति श षू कू खि शा

सादा । गावश्शुचयोविश्वाधायासास्सादान् । दाइवाअरोबा ।

ता कु टी खात्र टि पाण्

पासाः ॥ १२ ॥

ख ण्

॥ मरुताञ्चसाम् ॥

आयाही । वनासासहा । गावस्सचन्तावार्तानीम् ।

ति टा च शा कीच य टा

यादूधभिरो इळा ॥ १३ ॥

टा खि शा

॥ वैश्वामित्रञ्च ॥

ओवाउपप्रक्षेमधुमतिक्षियन्तओवा । ओवाइपुष्येमरइन्धीमहेताआइन्द्रा । ओवायाउवाओवा हाउवा ।

षे ती त षु कू टा ता कु टाच्य टा

ऊपा ॥ १४ ॥

ख श

॥ मारूतञ्चैव ॥

अर्चन्तिया । कर्मरूतास्सूवार्काः । आस्तोभाताइ ।

ती की टा त टा चा श

श्रूतोयुवासआइन्द्राउवा । ऊपा ॥ १५ ॥

क कु का ता ख श

॥ उद्वंशपुत्रञ्च ॥

प्रवाःआइन्द्रायवृत्रहान्तमाया । विप्रायगाथाङ्गायाता । यञ्जुजोउवा ।

ता षी टु त यू प श कि कि
उपषातो । हाइ ॥ १६ ॥
टि ख त्र श

नवम खण्डः

॥ धुरशशम्येद्वे ॥

अचेती । अग्रिश्रीकाइतीर्हव्यावाण्णाऔहोवा । सूमाद्राथाः ॥ १ ॥

ति टी ता ट त ट्ख शि टि ख

अचेतिया । ग्राइश्चाइकाइतीर्होऔहो । हव्यावा ण्णाऔहोवा ।

ती षि टी टि त टिड्ख शि

ए सूमाद्राथाः ॥ २ ॥

तच् टि ख

॥ प्रजापतेर्गूदः ॥

ओग्राइ । त्वनोयाहिम्मान्तामाः । ऊतत्राताशिवोभूवाः ।

त त श पा श खि प्ल कू खा

शिवोभूवावारोबाथायो । हाइ ॥ ३ ॥

पी प्ला फ़ि शा

॥ विश्वामित्रस्यचार्दः ॥

अग्रौहोइत्वौहोइ । न्नोअन्तामाआउवा । ऊतात्राताउवोवा ।

तू श त कि टि ख श खीण

शिवोभूवाः ॥ ४ ॥

टीख्

॥ प्रजापतेश्चैवगूदः ॥

अग्रेतूवान्नोअन्तामाः । ऊतत्राताशिवोभूवोवराबुहौहाहोबाथायो । हाइ ॥ ५ ॥

खी प्ली षी की की खाप्ल प्ला शा

॥ विश्वामित्रस्यचैवात्यर्दः ॥

अग्रेहोइतूवान्नोअन्तामाः । उताहोवाऔहोइत्राताशिवो । भूवाः ॥ ६ ॥

खू पु टा था टच् य टि खाणफप् खप्ल

॥ प्रजापतेस्सन्तनीकेद्वे ॥

भागाः । नाचित्रोअग्रिर्महोनान्दाधाऔहोवा । तीरात्नाम् ॥ ७ ॥

ता षि टी त ट्ख शि टा ख

भगोनचित्राः । अग्रिर्महोनान्दाधाऔहोवा । ए तीरात्नाम् ॥ ८ ॥

तु टी त ट्ख शि तच् टा ख

॥ प्रजापतेर्धनधर्मेद्वे ॥

विश्वस्या । प्रस्तोभापुरोवासान्यदिवे । हानूना माओहोवा ।

ति कि टी ति क टाट्ख शि

धानम् ॥ ९ ॥

ख श

ओहोइविश्वस्या । प्रस्तोभापुरौहोवाहाइ । वासा न्यादिवे हानूना माओहोवा ।

तू टि ती त श टाच्च क का टिट्ख शि

धार्मा ॥ ११ ॥

ख श

॥ उषसश्चसाम ॥

उषाअपा । स्वासुष्टामाः । संवार्त्तायतिवार्त्तानीम् ।

ती क खाण टा क टि ख ण

सूजाओहोवा । एताता ॥ ११ ॥

टट्ख शि तट्ख

॥ वैश्वामित्रञ्च ॥

इमानूकम्भूवना । सीषधाईमाउवा । ई हा ।

तु ता क टा का ता ख श

इन्द्राश्चवाइ उवा । ई हा । चदे वायाओहोवा ।

थ कु ता ख श काटट्ख शि

वीशाः ॥ १२ ॥

ख प्ल

॥ भारद्वाजञ्च ॥

ऊर्जा । मित्रोवारूणःपिन्वातआइळा । पिबारीमिषङ्कुणुहीनआइन्द्राउवा ।

ता कू टि ता पू खू ता

ऊपा ॥ १३ ॥

ख श

॥ इन्द्रस्यचरातिः ॥

विसूविसू । तायास्तायायथापाथाः । आइन्द्रात्वाद्या न्तूरोबातायो ।

ती टा टा का चा टि टाच्च प प्ल प्ला

हाइ ॥ १४ ॥

शा

॥ भारद्वाजञ्चैव ॥

अयावाजाम् । दाइवा हीतं सने मा । मादेमाश्शाताहिम्माश्शाताहा इमाओहोवा ।

ती किच् चा खाश कि चा टा क टाट्खा शि

सूवीराः ॥ १५ ॥

काटख

॥ इन्द्रस्यचवैराजे ॥

इन्द्रोविश्वस्यराजती । होइळा ॥ १६ ॥

खा प्ली शा ख शा

इन्द्रोहोइवाइश्वा । स्यारा जतीहोवा । होइळा ॥ १७ ॥

टाच् य टा चा काच् ती ख शा

दशम खण्डः

॥ प्रजापतेर्वाजसनी ॥

ओई त्रीकाद्रूकाइषूमाहिषोयाव शीरन्तूवीशूष्माःओइत्रं पात् । सोमामपीबद्वीष्णूनासूतंयाथावाशंओइसाईम् ।

चाक फ टी चि काक फ क फ खिण कू चाक फ चाक फ खिण

ममाद माहिक र्म्माकार्त्तावेमाहामू रूँओइसाइनम् । सश्वादे वोदे वांसत्यइन्दूस्सत्यामिन्द्राबु ।

चि कि चाक फ किफ खि णा टि काच दू क थ श

बा ॥ १ ॥

ख

॥ गौराङ्गीरसस्यसामनीद्वे ॥

अयंसहोहाइ । स्रमानावाः । दृशाःकवीनाम्मतिर्जोतिर्विधार्मा ।

ती त श खिण की की खिश

ब्रध्नस्समाइचीरूषासस्सामाइरायात् । अराओवा । पासस्सचेतसाः ।

दू का चि याट ता का ख छि ता

स्वासरे मन्युमान्ताः । चितायाऔहोवा । गोः ॥ २ ॥

कि टि त खि शि ख

अयंसहस्रमानावाः । दृशाःकवीनाम्मतिर्जोतिर्विधार्मा । ब्रध्नस्समाइचीरूषासस्सामाइरायात् ।

षु ता त पी की टि त दू चा चि याट

ओवाअरे पासस्सचेतसस्वासरे मन्युमान्ताः । ओवाचितागोराऔहोवा । वो ॥ ३ ॥

का टाक कि कु टि त का काट्ख शि ख

॥ प्रयस्वच्चप्राजापत्यम् ॥

एन्द्रयाह्युपनाः । परावाताः । नायमच्छावीदधानाइवासत्पाताइः ।

तू टाख ण की कू खा ण श

अस्ताराजेवासत्पाताइः । हावामहेत्वाप्रयस्वन्ताः । सूताइषू आपुत्रासोनापीतरंवाजासातायाइ ।

भित क खा ण श षु ती टीकथ की कू ख ण श

मंहाइष्ठांवा । जासातायो । हाइ ॥ ४ ॥

भित प श ख ण शा

॥ अक्षय्यञ्चरेवत् ॥

तमिन्द्रन्जोहवीमीमाघवानाम् । ऊग्रम् । सत्राहोइदधानामप्राताईष्कृतम् ।

षू तु ख श षू टी खा ण

श्रवांसाइभूरिम् । मंहिष्ठोगीर्भिराचायाज्ञायाः । वावर्त्तारा ।

टा ट खा श षु टि ख ण कि ट

येहोइनोविश्वासुपाथा । कृणोतूवाऔहोवा । ऊपा ॥ ५ ॥

की खीश ता ट ख शि ख श

॥ सवितुश्चसाम ॥

अभित्यन्देवंसवितारमौहोऔहोवाहाइ । ओणायोःकाविक्रातूम् । औहोऔहोवाहाइ अर्चामीसात्यासावांरा ।

तू त श पा ण पि ण क का पा शा खि श खि ण
त्नाधामाभीप्रीयम्मातीम् । औहोऔहोवाहाबुऊर्ध्वायास्याआमातीर्भाः । आदीद्यूतात्सावीमानी ।

पि ण पि ण क का पा शा खि ण खि ण पि ण पि ण

औहोऔहोवाहाइ हीराण्यापाणीरामीमी । तासुक्रातूः । औहोऔहोहाउवा ।

क का पा शा खि श खि ण चि ण का पा शि

ए कृपास्वाः ॥ ६ ॥

तच्क ट ख

॥ वाक्रतुरञ्च ॥

तावत्यन्नायन्नुताबु । आपाआइन्द्राप्राथमम्पूर्वीयं दीवीप्रवाच्यकृतम् । योदेवास्यास्याशावसाप्रारीणायासूरीणान्नापाः ।

प श प्ला डि श टुच् क पि चाक फ चि क फ टीच् क पि चाक फ चाक फ

भूवोविश्वामाभ्यदाइवमोजसावीदे दूर्जशताक्राताबु । विदाइदिषाबु । बा ॥ ७ ॥

टु पा चि क फ चाक फ खि ण श फु श श

॥ ऐषञ्च ॥

अस्तुश्रौषाट् । पूरोअग्निधीयादधे होऔहोवा । अनुत्यच्छर्धो दिव्यंवृणाहाइमाहाइ ।

ति त षी की का त त कुच् क टि खि ण श

इन्द्रांवायूवृणीमाहाइ । यद्धाक्राणाविवास्वाताइ । नाभासन्दायानाव्यासाइ ।

भि त टा ख ण श टू ख ण श क टू ख ण श

अधप्रनूनमुपयन्तीधीतायोहोऔहोवा । दाइवं अच्छाहोऔहोवा । नाधोबातायो ।

षी कू टा का त त टि टा का त त क प प्ला

हाइ ॥ ८ ॥

शा

॥ यामम्मरूताञ्चसाम ॥

प्रावोमहेमतयोयन्तुविष्णावोहाइ । मरूत्वताइगिरिजाहाहाए वयामारूत् । प्राशाद्धायाप्रायाज्यावाइ सूखादायाइ ।

प पू प्ली ड शा ती टी त था खि ण च य टा च य टा श का ख ण श

तवासेभन्ददिष्टये धुनाइब्राता । याशाऔहोवा । वासे ॥ ९ ॥

का था की भी त टट् ख शि ख श

॥ भारद्वाजस्यविषमाणित्रीणि इन्वकंवातृतीयम् ॥

आया । रूचाहारिण्यापुनानाः । विश्वाद्वेषांसितरतीसायुग्वाभिः ।

ता कु खा श बी पी कि ष्ठ

सूरो नासायू औहोवा । ग्वाभिः ॥ १० ॥

का टाट्ख शि ख ष्ठ

आयारूचाहारी ण्या । पुनानोविश्वाद्वाइषाम् । साइतरत्यौहोवाहाइ ।

फा खीश का टी ता कु ता त श

सायूग्वाभीः । सूरोनासयूग्वा । भाइः ॥ ११ ॥

टाख ण टा खी त्र श

अयारूचाहारीण्यापुनानोविश्वाद्वेषाम् । साई तारा तीसायूग्वाभीः । सूरो नासायूग्वाभिर्धारापृष्ठास्यारो चाताइ ।

की धि प शू चा का का य टा का टा ख शू टाक्क च श

पुनानोआरूषोहारिर्विश्वायद्रू । पापरियासायाक्वाभीः । सप्तासीये ।

टी काख शू क कि यि ट भि त

भाइराक्वाभो । हाइ ॥ १२ ॥

प शाख ष्ठ शा

॥ पारूच्छेपेद्वे ॥

अग्रिंहोता । रम्मन्येदास्वन्तमोवा । वासोस्सूनुम् ।

ती क था क ता त का ख ण

सहासाजातावेदासाम् । विप्रान्नजाओवातावेदासम् । याऊर्ध्वायासूआध्वाराः ।

का था च य टा ती त त टाख ण ची क भि

देवोदेवाओवाचीयाकृपा । घृतोओवा । स्याविभ्राष्टिमनुशुक्रशाओवा ।

ती त त चाख ण ता त त टि तू त त

चीषआजुह्वानास्यसाओवा । पाइषा औहोवा । ऊपा ॥ १३ ॥

दू ता त त ट खा शि ख श

अग्रिंहोतारं मन्येदास्वन्तंवासोस्सूनुम् । सहासाजातावेदासाम् । विप्रन्नजातावेदासाम् ।

कु था च शू का था च य टा ची च य टा

याऊर्ध्वायासूआध्वाराः । देवोदेवाचायाकृपा । घृतास्यविभ्राष्टीमानूशुक्राशोचिषाः ।

ची भी का था च य टा ता चू का य टा

आजुह्वाना । स्यासार्पाइषो । हाइ ॥ १४ ॥

टि त प श ख ष्ठ शा

॥ बार्हस्पत्येद्वेअग्नेर्वाराक्षोघ्ने ॥

अहावोहावोअहावोहावोअहावोहावाः । अग्निष्ठापातीप्रतिदहा त्यग्निं होतारम्मान्येदास्वन्तम् ।

खी ण् खी ण् खी ण् टुच् की ख् की खा चा क फ

वासोस्सूनुंसहसाजातावे दसम् । विप्रान्नजातावे दासम् ।

की की ख चा क फ चा खा चा क फ

याऊर्ध्वयासूआध्वाराः । देवोदेवाचीयाकृपा ।

चा खा चा क फ क ख चा क फ

घृतास्याबिभ्राष्टिमनुशूक्राशोचीषाः । आजुह्वान्वास्यासार्पीषाः ।

का कि खी चा क फ कि ख चा क फ

अहावोहावोअहावोहावोअहावोहावाः । अग्निष्ठापातीप्रतीदहा आताइ ।

खी ण् खी ण् खी ण् टुच् की ख् त्रा श

एविश्वंसमत्रीणन्दहा । एविश्वंसमत्रीणन्दहा ।

त का खू त का खू

एविश्वंसमत्रीणन्दहा ॥ १५ ॥

त का खू

त्यग्नाइःप्रतिदहातीहाबुहोहाबु । अग्निं होतारम्मान्येदास्वन्तम् । वासोस्सूनुंसहसाजातावे दसम् ।

खा श फि ण् खि शा की खा चा क फ की की ख चा क फ

विप्रान्नजातावे दासम् । याऊर्ध्वयासूआध्वाराः । देवोदेवाचीयाकृपा ।

चा खा चा क फ चा खा चा क फ क ख चा क फ

घृतास्याबिभ्राष्टिमनुशूक्राशोचीषाः । आजुह्वान्वास्यासार्पीषाः । त्यग्नाइःप्रतिदहातीहाबुहोहाउवा ।

का कि खी चा क फ कि ख चा क फ खा श फि ण् खि शि

एविश्वंसमत्रीणन्दहा । एविश्वं वियत्रीणन्दहा । एविश्वं नियत्रीणन्दहा ॥ १६ ॥

त का कूख् त का कूख् त का कूख्

पवमानपाठः

प्रथम खण्डः

॥ आजीकञ्च ॥

उच्चा । तेजातामान्धासा । दिविसत्भूम्याददाउग्रंशार्म्मा ।

ता था च य टा शु का टि त

माहाऔहोवा । उप्श्रावाः ॥ १ ॥

टट्ख शि खा प्ल

॥ आभीकञ्च ॥

उच्चातेजा । तामान्धासा । दिवाइसात्भू ।

पिण पि ण पी ण

मियाददाउग्रंशार्म्मा । माहाइश्रावाऔहोवा । वाइ ॥ २ ॥

चा शा पि ण टीट्ख शि ख श

॥ ऋषभश्चपावमानः ॥

हाहाउच्चातेजा । हाहाइतमान्धासा । दिविसत्भूमियादादे ।

तू त त टि ख ण यू प श

उग्रंशार्म्मा । ओंओमहोबाश्रावोहाइ ॥ ३ ॥

खि ण च ट खा प्ल प्ला शा

॥ आभीकञ्चैव ॥

उच्चातेजा तमौहोन्धासा । दिविसत्भूमियादादे । उग्रंशार्म्मा ।

प शिप्ल डी श यू प श खि ण

महाउवाइश्रावोहाइ ॥ ४ ॥

टा खी प्ल शा

॥ बाभ्रवेद्वे ॥

उच्चातेजा । तामन्धासाओमोवा । दिविसत्भूमियादादेओमोवा ।

ती टी कि कुच् काय ट कि

उग्रंशार्म्माओमोवा । माहाऔहोवा । श्रवाई ॥ ५ ॥

चाय ट कि टट्ख शि ताटख्

उच्चातेजा । तामन्धासा । दिविसत्भूमियादादाइ ।

ती टि त की टि त श

ऊग्रांहाइशर्मोहाइ । महाहोइश्रावाऔहोवा । ग्वाभीः ॥ ६ ॥

टा त टि त श का टिट्ख शि ख प्ल

॥ इन्द्राण्यास्साम ॥

उच्चातेजातमा । न्धासाओमोवा । दिविसत्भूमियादादेओमोवा ।

तू टा कि कु काय ट कि

उग्रं शकर्मोओमोवा । महाइश्रावाऔहोवा । उऊपा ॥ ७ ॥

चा य ट कि टीट्ख शि खा श

॥ शैशवेद्रे ॥

उच्चातेजातमन्धासा । दिविसत्भूम्याददाउग्रंशार्म्मा । महाइश्रावा ॥ ८ ॥

षी ति त पु का पि ण खीत्र

उच्चातेजातमन्धासा । दिविसत्भूम्यादादाउग्रंशार्म्मा । महाहोवाऔहोइश्रवाहोवा ।

षी ति त टु था टि त टा था टच् य टि था

औहोइया होइयोवा । ऊ ॥ ९ ॥

टच् य टाच् क खात्र ख

॥ प्रजापतेर्दोहादोहीयेद्रे ॥

उच्चाऔहो । तेजातमा । न्धासा ।

खा ता टा खाणफळ ख श

दिविसत्भूम्याददे आउग्रंशार्म्मा । माहीश्रावाऔहोबा । होइळा ॥ १० ॥

पु काथ टि त चा काट खळ फळ शा

उच्चातेजातमन्धसादोहाइदोहाए । दिविसत्भूम्याददे दोहाइदोहाए । उग्रंशार्म्मादोहाइदोहाए ।

षी तु तित त पु काट त टा त त टि त ट त टा त त

माहिश्रावाः । ओइळा ॥ ११ ॥

टि खण् प शा

॥ इन्द्राण्याश्चैवसाम ॥

उच्चातेजा तमान्धासा । दीवाइसात्भूम्याददाओवाओवाउवउवाहोइ । उग्रंशार्म्माओवाओवाउवउवाहोइ ।

णा णाफ् खा शा पी ण ट टा ट त ट त टी च श टि त ट त ट त टी च श

माहीश्रावो याऔहोवा । ययुरे ॥ १२ ॥

चा टाट् ख शि खि

॥ आमहीयवञ्च ॥

उच्चाताइजातमन्धसा । दीवाइसात्भूम्याददाइ । उग्रं शार्म्मा ।

खि शू चा या ट टा ता श चाक च

माहाइश्रवाउवा । स्तौषे ॥ १३ ॥

क ट कि खा त ख

॥ आजीकञ्च ॥

स्वादाइष्ठायामादाइष्ठाय । पावास्वसोमाधाराया । इन्द्रायापा ।

कु कु की टि त की

तावाइसूताः । ओइळा ॥ १४ ॥

टी खण् प शा

॥ सूरूपेद्वे ॥

स्वादिष्ठयाइयाइयामदिष्ठाया । पावास्वसोइयाइयामधाराया । इन्द्रायपाइयाइया ।
थ टि टा की टा च टि टा की टा था टा टा चा
तावाइसूताः । ओइळा ॥ १५ ॥

टी खण् प प्ला

स्वादिष्ठयौहोवाइयामदिष्ठाया । पावस्वसौहोवाइयामधाराया । इन्द्रायपौहोवाइया ।
थ कु का टी च कु की टा चा की चा
तावाइसूताः । ओइळा ॥ १६ ॥

टी खण् प शा

॥ जमदग्नेरिशिल्पेद्वे ॥

ओइस्वादी । ष्टयामादिष्ठायाउवोवा । पावास्वसो माधारायाओई न्द्रा ।

खि ण का था टा खाश

कीच् का टा खाश

यापाओहोवा । तवेसुताः ॥ १७ ॥

ट ख शि तीच्

उहुवाइस्वादी । ष्टयामादीष्ठायाओहोवा । पावास्वसोमाधारयाउहुवाइन्द्रायापा ।

खु ण का या टा खाश

की चा खा

शृ

तावाओहोवा । सूताः ॥ १८ ॥

टट् ख शि ख प्ल

॥ संहितञ्च ॥

स्वादाइष्ठायामदिष्ठाया । पावास्वासोमधारया । आइन्द्रायापाहाबु तवाइसुताबु ।

ता ति ती टा ख श ती क खा

शी प्ला प्लि श

बा ॥ १९ ॥

श

॥ वसिष्ठस्यशकूनः ॥

स्वादिष्ठयामदिष्ठयापवस्वसोमधारयाइन्द्रायपा । तावाऊतावाऊतवाउवाओहोवा । सूताः ॥ २० ॥

षौ

तू ता

टा ट च क ट

खी

शि

ख प्ल

॥ जमदग्नेश्चगम्भीरम् ॥

औहोहिंभाएहियाहाहाइ । स्वादाइष्ठयामादीओइमादी । औहोहिंभाएहियाहाहाइ ।

कु ता त त श

कु ख श खि ण

कु ता त त श

ष्टायापवास्वासोओस्वासो । औहोहिंभाएहियाहाहाइ । माधारयाई न्द्राओई न्द्रा ।

क कि ख श खा ण

कु ता त त श

क कि ख श खा ण

औहोहिंभाएहियाहाहाइ । यापातवाइसू ताओइसू ताः । औहोहिंभाएहियाहाहाओहोवा ।

कु ता त त श

क कि

खा श

खि ण

कु ता त ख

शि

ई ॥ २१ ॥

ख

॥ संहितञ्चैव ॥

स्वादिष्ठयामदाइष्ठया । पावास्वासोमधाराया । आइन्द्रायापातवाहाउवा ।

तू ति टाट त टाचश ट ता ट टि ति
सूताः ॥ २२ ॥
ख ण

॥ सोमसामनीद्वे ॥

वृषापवा । स्वधाराया मारूत्वाताइचामत्साराः । वाइश्वादा धाऔहोवा ।

ती का टाचक ट दू त टीदख शि
नाओजासा ॥ २३ ॥
टि ख

वृषाहाबु । पावास्वाधारा या । मारूत्वाताइचामत्साराः ।

ता त श ख श खिण ख ण ख श खी ण
वाइश्वा दधानाओऔहोवा । जासा ॥ २४ ॥
किचू काटदख शि ख श

॥ आशुभार्गवंतृतीयम् ॥

वृषापवस्वधाराया । मारूत्वाताइचामत्साराः । विश्वादाधानओजासो ।

षु तात टी चा खा ण चा य ट ता प ण
हाइ ॥ २५ ॥
शा

॥ वैश्वदेवेद्वे ॥

आइवृषा । पावाई हाऔहोस्वाधाराया । मारूत्वतेहाइ चामात्साराहाइविश्वादधाहाबुनओजसाहाबु ।

ती टिचय ट थ टित टीत श चा य प शौ
ओवा ओवाओवा । अस्मेरायाऊताश्रवाः ॥ २६ ॥
णाफू ख शि की टा खा

वृषापवाएहिया । स्वधारायाऔहोवा । मारूऔहोवा ।

खु णा टा खाक शा पा क था
त्वातेचामात्साराः । औहोयेऔहोवा । विश्वादधा नाओजासा ॥ २७ ॥
यी प श टचय ट खात्र चा काचक टा ख

॥ इन्द्रसामनीद्वे ॥

वृषापावाहौहोऔहो । स्वाधारायाहौहोऔहो । मारूत्वातेहौहोऔहोचामात्साराहौहोऔहो ।

टी टि त टी टि त टी टि त टी टि त

विश्वादाधाहौहोऔहो । नाओजासाहौहोऔहो । ओइळा ॥ २८ ॥

टी टि त टी टि खण् प शा

वृषापावाऔहोऔहोवा । स्वाधारायाऔहोऔहोवा । मारूत्वाताऔहोऔहोवा ।

टी खी श टी खी श टी खी श

चामात्साराऔहोऔहोवा । विश्वादाधाऔहोऔहोवा । नाओजासाऔहोऔहोवा ।

टी खी श टी खी श टी ची प्ल

होइळा ॥ २९ ॥

प्ल शा

॥ यौक्ताश्वेद्वे ॥

औहोहोहाइवृषा । पावस्वधारायामारूत्वाताइ । ओइचामाचामत्साराः ।

ता त ती क टु च क ख ण श टि क खा ण

औहोहोहाइविश्वा । दधानाओजासाऔहोवा । ओइज्वरा ॥ ३० ॥

ता त ती टा ख श खा शि खी

वृषाबुहोहोहाइ । पावस्वधारायामारूत्वाताइ । चमा ओचामत्साराः ।

ती त त श क टु टा ख ण श ताच् का खा ण

विश्वाबुहोहोहाइ । दधानाओजासाऔहोवा । ओइजूवा ॥ ३१ ॥

ती त त श टा ख श ट ख शि खि श

॥ भासञ्च ॥

यस्ताइ । मादोवाराउवोवा । णीयास्ताइना ।

ता श टी खा श ख शी

पावास्वाआउवोवा । न्धासादाइवा । वाइराघशाउवोवा ।

टी खा श ख शी टु खा श

साहा ॥ ३२ ॥

ख श

॥ सोमसामच ॥

यस्तेमदाः । वराइणीयास्ताइनापावास्वाआन्धसा । दाइवावाइरा हाबु ।

ती ता ति टु ता ता की खा शा

घशांसहा । होइळा ॥ ३३ ॥

प्ल शा प्ल शा

॥ प्रजापतेश्वसहोरयिष्ठीयम् ॥

यस्ताओइमादाः । वाराइणायाउवोवाहाउवोवाहाइ । ताइनापावास्वाआन्धासाउवोवाहाउवोवाहाइ ।

ता खि ण टु खा श खि श त श की का टि खा श खि श त श

दाइवावाइराउवोवाहाउवोवाहाइ । घाशाऔहोवा । सहोरायिष्ठाः ॥ ३४ ॥

टु खा श खि श त श टट् ख शि ता च टाख

॥ मादिलम् ॥

यस्तेमादोवाइया । राइणायाः । ताइनापावास्वाऔहोवाहान्धासा ।

खी श प्ला यि ट कि का टा क था टा

दाइवावाइरा औहोवा । घशंसहा ॥ ३५ ॥

चि ट खा शि तीच्

॥ सोमसामचैव ॥

यस्ताइमादोवरेणीयाः । ताइनापावास्वाआन्धासा । दाइवावाइराघाशोबांसाहो ।

पी शु कीच का य ट टि टिक प प्ला

हाइ ॥ ३६ ॥

शा

॥ प्रजपतेश्वैवसहोरयिष्ठीयंसोमसामवा ॥

यस्तेमदोवरेणियाए । तेनापवस्वान्धासादे वावीराहाइ । घाशाउवासाहाउवा ।

तू त क पि की पिण श का का का का

उऊपा ॥ ३७ ॥

खा श

॥ वैष्टम्भेद्वे ॥

तिस्रोवाचाः । उदाउदाआउवाए । रातेगावोमिमा ।

ती चा ता भी ख शु

तीधाइतिधाआउवाए । नावोहरिरेतिकनाइकनाआउवा । क्रादात् ॥ ३९ ॥

का ति भी ख शु चा ति ट ख श

तिस्रोवाचाः । उदाइराते । गावोमिमन्तिधाइनावाः ।

ती पीश यू पा श

हारिरेत्योहाइ । कानाऔहोवा । क्रादात् ॥ ३९ ॥

खी ण श टट ख शि ख श

॥ पाष्ठौहेद्वे ॥

तिस्रोवाचोहाउदीराताइ । गावोमिमाहान्तीधे नवोहर राइतोहाइ । कानाइक्रादाऔहोवा ।

था प्ला च का चा श था प्ला च का का शा पि ण श टीट ख शि

अस्माभ्यङ्गातुविक्रमाम् ॥ ४० ॥

कि त खी

तिस्रोवाचाउदीरतोवाहाइ । गावोमिमन्तीधे नावोहरिरेति । कानाऔहोवा ।

षी तु त श ती का ख शु टट ख शि

क्रादात् ॥ ४१ ॥

ख श

॥ वैष्टम्भश्चैव ॥

तिस्रोवाचा उदीरताइ । गावोमिमा न्तीधाइनावाहोवाहाइ । हाराइराइतीहोवाहाइ ।

ण णाफ् खा शि कीच् का या ट टा त श चा या टा टा त श

कानाइक्रादाऔहोवा । दीशाः ॥ ४२ ॥

टीट् ख श ख प्ला

॥ पाष्ठौहश्चैव ॥

तिस्रोवाचाउदीरताइ । गावोमिम न्तीधेनवोहरिराइती । कानौ हूवाएहोवा ।

फी कीश क कि पी टि ता टाच् काट का

क्रादाऔहोवा । हाओवाओवा ॥ ४३ ॥

टट् ख शि त टा टाख्

॥ इषोवृधीयञ्च ॥

इन्द्रायेन्दाबु । मारूत्वताइपावस्वमाधुमक्तमाः । आर्कास्यायो नीमासादाऔहोवा ।

ती श का का टु ची थ टिच् टिट् ख शि

इषोवृधे ॥ ४४ ॥

टीच्

॥ इन्द्रसाम ॥

आइन्द्रायाइन्दो । मारूत्वाताइ । पावा स्वामा ।

ख शाप्ख णा कि ख श ख शाप्ख ण

धूमक्तामाः । आर्कास्यायो । नीमासादाः ॥ ४५ ॥

कि ख ख शाप्ख ण कि ख

॥ वैश्वदेवेच ॥

इन्द्रायेन्दोहोऔहोवा । मारूत्वतेहोऔहोवा । पावास्वमाहोऔहोवा ।

का का क त त क क त त च टि का त त

धूमक्तामाहोऔहोवा । आर्कास्यायोहोऔहोवा । निमासदाहोऔहोवा ।

च टि का त त थ टि का त त का टा का त खण्

ओइळा ॥ ४६ ॥

प शा

इन्द्रायेन्दोएमरू । त्वाताइपवास्वमधूमक्तामा हूवाएहोवा । आर्कास्यायो हूवाएहोवा ।

तु ता षा कु टा तच् क ट त त टि तच् क ट त त

नीमासादाः । ओइळा ॥ ४७ ॥

टि खण् प शा

॥ इन्द्रसामचैव ॥

इन्द्रायेन्दोमरूत्वतओहाइ । पवास्वामधुमक्तमाओहाओहा । आर्कास्यायो ।

षी तु त श कि कु ट ख ख ण था टा

नाइमाओहोवा । उप्सादाः ॥ ४८ ॥

ट खा शि खा ऋ

॥ आग्नेयानित्रीणि ॥

इन्द्रायेन्दोहाबु । मारूत्वतेहाबु । पावास्वमाहाबु ।

ती त श टी त श की त श

धूमाक्तमाहाबु । आर्कास्ययोहाबु । निमाहोबासादो ।

टी त श टी त श टा ख ऋ ऋ

हाइ ॥ ४९ ॥

शा

इन्द्रायेन्दोवाओवा । मारूत्वताउवाआउवा । पावास्वमाउवाआउवा ।

ती ता त का की कि का की कि

धूमाक्तमाउवाआउवा अर्काहाबुस्ययोहाबु । नीमाउवाहोबासादो । हाइ ॥ ५० ॥

का की खि श्रु की प ऋ ऋ शा

इन्द्रायेन्दोमरूत्वाताइ । पवास्वम धूमाक्तमा अर्कस्ययोनिमाहाबु । सादो ।

षी ति त श की श च य प श्रु ऋ

हाइ ॥ ५१ ॥

शा

॥ आश्वानिचत्वारि ॥

आसा । व्यंशुर्माआउवा । दायाप्सुदाक्षाः ।

ता क ता टि ख शी

गिराआउवाए । ष्ठाः । श्येनोनायो ।

ता भी ख का ट त

निमाआउवा । सादात् ॥ ५२ ॥

ता टि ख श

असाविया । शुर्मदा याप्सुदक्षोगाइरिष्ठाः । श्याइनोनायो नीमोबासादात् ।

ती टिक्क षि की यि टाक्क प ऋ ऋ

हाइ ॥ ५३ ॥

शा

असाव्याउवोवा । शुर्मदायाउवोवा । आप्साउवोवा ।

फा खि श क टि खा श टा खा श

दक्षोगिराइष्ठाउवोवा । श्येनोनयोनिमासा । दात् ॥ ५४ ॥

टू खा श क टू ख

असाव्यौवाउवोवा । शुर्मदायौवाउवोवा । आप्सूदक्षौवाउवोवा ।

फा खी श क कि खि श फा खु श

गीराइष्ठौवाउवोवा । श्येनोनयौवाउवोवा । नीमासादौवाउवोवा ।

की खि श फा खु श की खि ऋ

होइळा ॥ ५५ ॥

ऋ शा

॥ च्यावनानिचत्वारि ॥

असाव्युहुवाहाइ । अंशुर्मदायाप्सुदक्षोगिरिष्ठाउहुवाहोइ । श्याइनोनायोऔहोवा ।

तु त श क ष्ट दू च श क ता ट ख शि

नीमासादात् ॥ ५६ ॥

टि च

असाव्यंशुरौहोवाहाइ । मदा याप्सुदक्षोगिरिष्ठाः । श्याइनोनायो ।

षी तित श टाच् षी कि यि टा

नाइमाऔहोवा । उप्सादात् ॥ ५७ ॥

ट खा शि खा श

इहाओवाइहाअसाव्यंशुर्मदायेहा । आप्सुदक्षोगिरिष्ठाः । ई हा ।

ता पा षु शु कू खणफळ् ख श

श्येनोनयोनिमा । ई हा । आसदात् ।

क टि खाणफळ् ख श ट खाणफळ्

ई हा ॥ ५८ ॥

ख श

असाव्यंशुर्मदायाहाबु । आप्सुदाक्षाः । गिराइष्ठोहाइ ।

खा प्ला खा शि खिण पी ण श

श्याइनोनायो । नाइमाहा इ । सादात् ।

भी त टि खण् श प प्ल

हाइ ॥ ५९ ॥

शा

॥ प्राजापत्येद्वे ॥

पवास्वादौहोऔहोवाहाइ । क्षासा धानाऔहोऔहोवाहाइ । देवेभ्यःपाइतये हाराऔहोऔहोवाहाइ ।

फि फा फात त श थाच् क ट ता तात त श कथ कुच् क ट ता तात त श

मारूत्भ्योवाऔहोऔहोवाहाइ । यावाऔहोवा । मादाः ॥ ६० ॥

चि ट ता तात त श ट् ख शि ख प्ल

पवस्वदक्षसाधनओवा । देवेभ्यःपीतयाहोइहराइ । मारूत्भ्योवाऊयवोबामादो ।

षू ती त क टु टी श चि ट प प्ला प्लि

हाइ ॥ ६१ ॥

शा

॥ वैदन्वतानिचत्वारि ऋषभोवावैदन्वतश्चतुर्थः ॥

पारीस्वानोगीरिष्ठाः । पवाइत्रे सोमोअक्षारात् । मदाइषू साई यार्वाधोबाआसो ।

ता चु टा खाक थ टि की टात क प प्ल प्ला
हाइ ॥ ६२ ॥

पर्येपारी । स्वानोगिरिष्ठाःपवाइत्रे सोमोअक्षारात् । मदाइषूसाहार्वाधाऔहोवा ।

ती चु टा खाक थ टि टु त टट्ख शि
एआसी ॥ ६३ ॥

पारी स्वानोगाइरिष्ठाः । पावित्रेसोमोअक्षारात्पावित्रे सोमोअक्षारात् । ओइमदौवाओवाषुवा ।

फा फाख शि चाक का कि कि टा खा ण कीख ख शि
सार्वधायसाइमादाऔहोवा । ए षुसार्वधायसी ॥ ६४ ॥

थ टट्ख शि तच् का टि ख
औहोइहाहा हाहोयौहोवा । पराइस्वानोगीराइष्ठाः । पवाइत्रे सोमोअक्षारात् ।

ट चिकच् काट ख श खी श खा णा खी श खि ण
मदाइषू सार्वधायसी । औहोइहाहा हाहोयौहोवा । एऊपा ॥ ६५ ॥

खी श खि ण ट चिकच् काट ख त टाख

॥ रजेराङ्गीरसस्यपदस्तोभौद्वौ ॥

पर्येस्वानाः । गाइरिष्ठाःइयाहाहाउवाहोइ । पावित्रेसोमोअक्षारात्इया हाहाउवाहोइ ।

ती ट चि टाच् था टा च श कि टा चि टाच् था टा च श
मदाइषू सा । हाहाउवाहोर्वाधोबाआसो । हाइ ॥ ६६ ॥

टा काच था टाट क प प्लि शा
पयौहोवाहाइस्वानाः । गाइरिष्ठाः । इया ओहा हाइ ।

षू ता ट चि टाच्ख शष्टत श
हाहाओवाओवा । पावित्रे सोमोअक्षारात् । ओहा हाइ ।

था का का कि टा चि ख शष्टत श
हाहाओवाओवा । मदाइषू सा । ओहा हाइ ।

था का का टा काच ख शष्टत श
हाहाओवाओवार्वाधोबाआसो । हाइ ॥ ६७ ॥

था का काक प प्लि शा

॥ और्णायवेद्वे ॥

परिप्रियादिवःकावीः । वायांसिनस्योर्हितास्वानैर्याती । आयाउवाइयाईया ।

षी ती षु कि टा त का शीटत
कावीःक्रातो याऔहोवा । ई ॥ ६८ ॥

चा टाट्ख शि ख
परिप्रियादिवःकवाइः । वया हाउवांसिनस्योवार्हीताः । स्वानैर्याती ।

फी शा काश टाच्क कि कीच क टा त
हुवाहोवाहोवाहुवाईया । कावीःक्रातो याऔहोवा । ईयाम् ॥ ६९ ॥

का का का टाटत चा टाट्ख शि तट्ख

द्वितीय खण्डः

॥ सौभरेद्वे ॥

प्रसोमासाः । मदच्यूताऔहोवाइश्रवासाइनाः । ओइमघोनाम् ।

खिण चि टा त त टि ख णा दु

सूतावा इदाऔहोवा । थेअक्रमूः ॥ १ ॥

टिट् खा शि खी

प्रसोमासाः । वाइपाश्चीताआपोनायान्ताऊर्मयोवानानिमाओऔहो । हिषाई वाइळाभा ।

ती की श च य टा की च य टा का त चि टि खण्

ओइळा ॥ २ ॥

प शा

॥ इन्द्रस्यवृषकाणित्रिणि ॥

पवस्वेन्दोवृषासुताः । कृधीनोयशसोजनाएवाइश्वायापा । द्वाइषाऔहोवा ।

फी शा का षु पि शु ट खा शि

जाहि ॥ ३ ॥

ख श

वृषाहिया । सिभानूना । द्युमन्तत्वाहवामाहाइपावा ।

ती भित यू पा ति

मानासुवोओबा । दृशम् ॥ ४ ॥

टी प श ख श

वृषाहियासिभानुना । द्युमन्तन्त्वाहवामहे होवाऔहोवा । पावमानासुवदृशंहोवाऔहोवा ।

फी की टी की काट का टि च टी काट का

हूवोइळा ॥ ५ ॥

खा प्ला

॥ बभ्रोःकुम्भस्यसामानित्रीणि ॥

इन्द्रूरौहोवाहाइपावी । ष्टचाईतनोहाइ । हाहोएहोवा ।

खा शृ टा खिण श क टा ट त

प्रीयाःकवीनाम्मतिरोहाइ । हाहोएहोवा । सृजादश्वांहाइ ।

की पीण श क टा ट त टा खा ण श

हाहोएहोवा । राथाऔहोवा । ईवा ॥ ५ ॥

क टा ट त ट ख शि ख श

इन्दुःपविष्टचेतनःप्रियःकवाइ । हिंहिन्नाम्मातीः । सृजदाश्वाम् ।

षू तू श ट खि ण पि श

हिंहिंरा थाऔहोवा । ईवा ॥ ७ ॥

ट त टट् ख शि ख श

इन्दुःपविष्टचेतनःप्रियःकविनाम्मतिंसृजादश्वां । ओवाओवारा थाऔहोवा । ईवा ॥ ८ ॥

षो तु ता का का टट् ख शि ख श

॥ बभ्रोःकार्तवेशानित्रीणि ॥

असृक्षताप्रावाजीनाः । गव्यासोमासोआश्वया । शुक्रासोवीरया शावओइळा ॥ ९ ॥

खी श ङ्गि टा टा त चि टा टा काचुक पा शा

असृक्षताप्रावाजीनाः । गव्यासोमासोआश्वयाहोइ । शुक्रासोवाहोइ ।

तु ति षु टि च श ता टा च श

रायाशावाओहोवा । ग्वाभीः ॥ १० ॥

क टाट्ख शि ख श

असृक्षतप्रवाजिनए गव्यासोमा । सोआश्वया । शुक्रासोवी ।

पी खु शी त पा श टा ख ण

रायोबाशावो । हाइ ॥ ११ ॥

क प ङ्ग ङ्गा शा

॥ शाम्मदे द्वे ॥

पावास्वादे । वयावायाओहोवा । यूषागाइन्द्रङ्गच्छा ।

ती ता ट ख शि ख शू

तुताइतुताओहोवा । मादाः । वायूं होआरो ।

ता टा ख शि ख ङ्ग टाच्य ट त

हधाहाधाओहोवा । म्माणा ॥ १२ ॥

ता ट ख शि ख श

पवस्वदेवाएहिऐहीया । आयुषागैहीऐहीया । इन्द्रङ्गच्छन्तुतेमदाऐहीऐहीया ।

फु खी श टी टा ट त पी टु टा ट त

वायूमारो ओहाधोबाम्माणो । हाइ ॥ १३ ॥

की का प ङ्ग ङ्गा शा

॥ वसिष्ठस्यजनित्रेद्वे ॥

पावा । मानोअजीजानात् । दीवाश्चित्रान्यतान्यतूम् ।

ता की ख ण चा चा शी

ज्योतीर्वै श्वानाराओहोवा । बृहात् ॥ १४ ॥

कि टा ख शि ख श

पवमानाः । अजाइजानात् । दीवाश्चित्रांहाहाइ नात न्यातूम् ।

ती पी श चा टा त त श का ख ण

ज्योतीर्वाइश्वा । नरोबाबृहात् । हाइ ॥ १५ ॥

ख श ख णा ङ्गा ङ्गि शा

॥ मरूताम्प्रकीळास्त्रयःसङ्कीळावानिक्रिळावा ॥

पारी । स्वानासइन्दवोमदायाबर्हणागिरा मधोअर्षाम् । तीधोबारायो ।

ता षू चि टि खा खा ता क प ण्ण ण्ण
हाइ ॥ १६ ॥

पर्येपारी । स्वानासइन्दवाउवाहाउवाहोवाइया । मदायबर्हणागिराउवाहाउवाहोवाइया ।

ती षू टा टि क थ चा षू टी टि क थ चा
माधोअर्षन्तिधारयाउवाहाउवाहोवाइयो याओहोवा । ऊपा ॥ १७ ॥

पु टु टि क थ टाट्ख शि ख श
पारी स्वाना साइन्दवाः । मदायाबर्हणागीरामधोआर्षान् । ऊर्मिरिवाईया ।

फा णाफ्ख शि टा च चि क टी त टी ट त
तिधा रायाओहोवा । होइळा ॥ १८ ॥

काच्च क टा ख ण्ण ण्ण शा

॥ औशनम् ॥

परिप्रासी । प्यादत्कावीः । सिन्धोरूम्मर्मावाधीश्रीताः ।

ती चि ट यू टा
कारूम्बाइभ्राओहोवा । पूरूस्पृहाम् ॥ १९ ॥

टिट् खा शि ता टाख्

तृतीय खण्डः

॥ यामानित्रीणि ॥

इहा इ हाउपोषुजातमासुरामिहा । इहा इ हागोभिर्भङ्गम्परा इष्कृतामिहा । इहा इ हाइन्दुन्देवाअयासीषूःइहा ॥ १ ॥

टाच् क श टूच् क च शा टाच् क श टूच् का च शा टाच् क श टूच् क च क श

आउपोषुजातमासुरामुपा । गोभाइहो इ । भङ्गम्पराइष्कृतामुपा ।

ष टूच् क च शा टा काच् श टी चि शा

इन्दुं होइ । देवाअयासिषुराआउवा । उऊपा ॥ २ ॥

टाच् क श टी ति टि खा श

उपोष्वौहोइजाताम् । आसूरामौहोवाइगोभिर्भागम् । ओइपारीष्कृताम् ।

षु ता टात टात चा खाण यी टा

इन्दून्देवाऔहोवा । अयासिषूः ॥ ३ ॥

टा खा शि खी

॥ अङ्कतेवैररूपस्यसाम ॥

पुनानोया । क्रामीदाभीः । विश्वामाद्धौवीचर्षाणाइः ।

ती खिण टा ख श खिण श

शुम्भान्तावी । प्रान्धाऔहोवा । तीभीः ॥ ४ ॥

टा ख ण टट् ख शि ख ण

॥ औशनेच ॥

आविशन्कालाशंसुताः । वाइश्वाअर्षन्नाभाइश्रायाओहाओवाओहा । इन्दूरा इन्द्राऔहोवायधीयते ॥ ५ ॥

तु ति कि क थ क टी ट त टा ख ण टिट् खा शि खी

आवीशङ्कालाशं सुतोवाइश्वा । अर्ष न्नाभाइश्रायाऔहोऔहोवा । औहोऔहो इन्दूराइन्द्रा ।

फा फा फाळ् खि णा थाच् क टी खी श ट तिच् का य टा

याधीया ताऔहोवा । ऊपा ॥ ६ ॥

टिट् ख शि ख श

॥ सोमसामच ॥

असर्जिरा । थियोयाथा । पावित्रे चामुवोस्सूताः ।

ती पि श चि टि ख ण

कार्ष्मन्वाजी । नियाक्रामाइदौहोवा । होइळा ॥ ७ ॥

क टा त चा क पि ण्ना ण्ना शा

॥ कार्णोच ॥

प्रयद्वाबु । गावो नाभू र्णायास्त्वेषा । अयासोअक्रामुघ्नान्ताःकार्णाम् ।

ति श थाच् काय प ता कु चा टा त

आपात्वचमौहोहाऔहोवा । उऊपा ॥ ८ ॥

कु टट् ख शि खाश

प्रयत्गावोनभूर्णायाः । त्वाइषाअयासोअक्रमू घ्नातोहाइ । कार्णाऔहोवा ।

कि ख शी चि काट कि प णाश टट् ख शि

आपत्वाचाम् ॥ ९ ॥

थ टा ख

॥ भारद्वाजञ्च ॥

अपघ्नन्होइपावा । साइमार्धाः । ऋतूवित्सोमामात्साराः ।

षु ता च या ट कीच् काय ट

नुदस्वादाऔहोवा । वयु न्जनाम् ॥ १० ॥

टिट् ख शि का टाख्

॥ वैश्वामित्रञ्च ॥

एआयापवा । स्वधाराया हाउवा ऊपा । यायासूर्यमरोचाया हाउवा ।

तु का टाच् य टाच् ख श कि कि टाच् य टाच्

ऊपा । हिन्वानोमानुषाइर्हो यापयाआउवा । उऊपा ॥ ११ ॥

ख श दू काच् क ता टि खाश

॥ इन्द्रस्यवात्रघ्नम् ॥

सहोइपवस्वा । यायावीथाइ न्द्रवृत्रायाह न्तावाइ । ओवाओवा ।

ता शी टा क था टि काख ण श टा ख ण

वब्रीवांसां । माहीरापाऔहोबा । होइळा ॥ १२ ॥

टि त काक टा ख ष्ण ष्ण शा

॥ सोमसामानित्रीणि ॥

अयावीती । पारिस्त्रवायस्ताइन्दोमादाइषुवाअवाहान्ना । वातोबानावो ।

ती क कु की टि भित त प ष्ट प्ला
हाइ ॥ १३ ॥

शा

अयावीताऔहोवा । औहो औहोवाऔहोवा । परिस्त्रवायस्तइन्दो औहोवा ।

कि था टा थाच्क टट्ख शि का का कीच्क टा
औहो औहोवाऔहोवा । मदेषुवाअवाहान्ना औहोवा । औहो औहोवाऔहोवा ।
थाच्क टट्ख शि टाच्का का काच्क टा थाच्क टट्ख शि
वतीर्नवा ॥ १४ ॥

टीख्

आयावीता इपारिस्त्रवा । यास्ताइन्दोमादाइषूवा । अवाहान्ना ।

णा णाफ् स्वा शि चा थाच् का याट भित
वतीर्नवाऔहोवा । होइळा ॥ १५ ॥
काक टा ख ष्ट प्ला शा

॥ भारद्वाजश्चैव ॥

परिद्युक्षाम् । ओइसनद्रायीम् । ओइभरद्वाजाम् ।

ती दू दू
ओइनोअन्धसास्वानोअर्षा । वावोबान्नायो । हाइ ॥ १६ ॥
पू स्वा ता क प ष्ट प्ला शा

चतुर्थ खण्डः

॥ वार्षाहरम् ॥

अचिक्रदादाची क्रादादचिक्रदादे । वृषाहराइ वार्षा हाराइवृषाहराए । महान्मित्रोमाहान्मित्रोमहान्मित्राए ।
ती काचक ख पु ती श काचक ख पू ती काक खा पु
नदर्शतानाद शर्तानदर्शताए । संसूर्याइ संसू रीयाइसंसूर्याए । णदिद्युताइ णादी द्यूताइणादाइद्युताबू ।
ती काक ख पु ति श काचक ख पु ती श काचक ख शि ग्नी
बा ॥ १ ॥
श

॥ वार्षानित्रीणि ॥

आतेदक्षाम् । मयोभूवाम् । वन्हिमद्यावृणीमाहाइ ।
ती भित दू ख ण श
पान्तामाई या । पूरूस्पृहाऔहोवा । उऊपा ॥ २ ॥
का टात टिट्ख शि खाश
आतेदाक्षांमायोभू वम् । वन्हिमद्यावृणिमहोहाइ । पान्तामाईयापू रूऔहोवा ।
खिश खिण फू खा शा टा त टट्ख शि
स्पृहम् ॥ ३ ॥
ख श
आतेदक्षम्मयोभुवांहाइ । वन्हिमद्यावृणीमहोहाइ । पान्तामापूरूस्पृहामीळाभा ।
फू खा शा फू खा शा या ट का टी खण्
ओइळा ॥ ५ ॥
प शा

॥ वैरूपेचदेवानांवाञ्जसायिनी ॥

अध्वर्योआ । द्रिभाइस्सूतांसोमं पावी । त्राआनाया ।
पि ण भी त काख ण या टा
पुनाहीन्द्राऔहोवा । यापातावे ॥ ५ ॥
टा खा शि टिख
अध्वर्योऔहोअद्रीभीः । सूतमौहोवाइ सोमं पावी । ओइत्रायानाया ।
षि तु च टा त त श काख ण यी टा
पुनाहा इन्द्राऔहोवा यापातावे ॥ ६ ॥
टिट्खा शि । ए(तच्चक टा ख
॥ तरन्तस्यचवैददश्चेस्साम ॥

तरत्समान्दीधावाताइ । धारासूता । स्यान्धासाऔहोवा ।
ती त या ट श टाख ण टाट्ख शि
तारत्समन्दीधावती ॥ ७ ॥
कु खी

॥ सोमसामच ॥

आपवस्वा । साहस्रिणांहुवाइहुवाहोइ । रयिंसोमासुवीर्याहुवाइहुवाहोइ ।

ती च टि टा टि च श का का टि टा टि च श

अस्मैश्रवांसिधारायाहुवाइहुवाहोयाऔहोवा । ऊपा ॥ ८ ॥

था की टा टा टि टट्ख शि ख श

॥ सूर्यसामच ॥

आनुप्रत्नासआयावाः । पादन्नवीयोअक्रमूः । रूचेजनान्तासूहिम्माए ।

षी तित षी ची पु श भि

रीयम् ॥ ९ ॥

ख श

॥ दाढ्यच्युतानित्रीणि ॥

आर्षाइहा । सोमाद्युमाक्तामाइहा । आभाइइहा ।

चा शा टी चा शा चा श चा

द्रोणानिरो रूवादिहा । सीदानिहा । योनौवना इषूवाइहा ॥ १० ॥

टीच्क च शा क च शा टीच्क श चा शा

आर्षाहाबु । सोमद्युमक्तमोअभिद्रोणानिरोऔहोरूवात्सीदाउवा । योनौवानेहिम्माए ।

कात श भू टि त भि त टा ती पि श भि

षूवा ॥ ११ ॥

ख श

अर्षासोमाद्युमाक्तमोअर्षासोमा । द्युमक्तमोअभिद्रोणाहाहाइ । नीरोरूवत्साइदन्योनौहाहाइ ।

फू खा शी की किट त त श चा कि टी त त श

वानाइषुवा । ओइळा ॥ १२ ॥

टीखण् प शा

॥ इन्द्रस्यचवृषकम् ॥

वृषासोमा । द्यूमं आसाइ । वृषादाइवोहाइ वार्षात्राताः ।

ती चाय ट श टु त श काख ण

वृषाधर्माइया । णाइद द्रिषाइळाभा । ओइळा ॥ १३ ॥

कीट त कि टी खण् प शा

॥ ऐषञ्च ॥

इषेपवा । स्वधारयौहोवाहा औहोवा । मृज्यमानोमनीषीभीः ।

ती की खि शि की टीख्

इन्दोरूचाभिगाऔहोवाहा औहोवा ही ॥ १४ ॥

चा क फ शि खि शि । उपई(कि ख

॥ श्यावाश्वञ्च ॥

मन्द्रयासो । माधारयावृषपावा । स्वादाइवायूः ।

ती षी टि तच् क टि त

अव्यावा राऔहोवा । भिरस्मयूः ॥ १५ ॥

टिद् ख शि तीच्

॥ सोमसामच ॥

आया सोमसूकृत्यया । माहान्सन्नाभ्यवाद्धाथाः । मान्दानाईदृषाया ।

णाफ् ख शु दू ख ण य ट य ट खि

साइ ॥ १६ ॥

त्र श

॥ आग्नेयञ्च ॥

आबुहौहोवाहाअयाविचा । र्षणाइर्हाइताः । आबुहौहोवाहाइपवमानाः ।

ख पु शी टी खा ख पु शु

साचाइताताइ । आबुहौहोवाहाइहिन्वानया । पियौहौहाहोबाबृहात् ।

टी ख श ख पु शु टा खिक्ल प्ला

हाइ ॥ १७ ॥

शा

॥ आयास्येच ॥

प्रणइन्दोऐहीऐहीया । माहेतुनऐहीऐहीया । ऊर्मिन्नबिभ्रदर्षसीऐऐहीऐहीया ।

फी खीश दु टट त क षी दू खीश

आभाइदा इवं औहोवा । आयास्याः ॥ १८ ॥

टीद् खा शि टा ख

प्रणइन्दोइयाईया । माहेतुनइयाईया । ऊर्मिन्नबिभ्रदर्षसीयाईया ।

फी खाखश दू टत क षी टी टत

आभाइदाइवं औहोवा । ए आयास्याः ॥ १९ ॥

टी खा शि तच् क ट ख

॥ भारद्वाजञ्च ॥

होई याहोई याईयाहाइ । अपघ्नान्पाहोई याहोई याईयाहाइ । वाताइमा द्वाऔहोवा ।

खाक्ल खा शु टि ख खाक्ल खा शु टीद् ख शि

अपसोमोअराविण्णाःहोई याहोई याईयाहाइ । गच्छन्नाइन्द्राहोई याहोई याईयाहाइ । स्यानाइष्कार्ताऔहोवा ।

कि टि खा खाक्ल खा शु टि खा खाक्ल खा शु टीद् ख शि

ई ॥ २० ॥

ख

पञ्चम खण्डः

॥ आयास्यञ्च ॥

पुनानस्सो । माधाओहोवा । राया ।

ती टट् ख शि ख श

आपोवसानोअर्षस्यारात्नाधाः । योनाइमार्त्तास्यासाओहोवा । दासी ।

ती क थ टी त टी त टट् ख शि ख श

उत्सोदे वोहाइरा ओहोवा । ण्याया ॥ १ ॥

भित ट खा शि ख श

॥ वसिष्ठस्यचापदासे ॥

पुनानस्सोमधारया । आपोवसानोअर्षस्योहाओहाइ । अरात्नाधायोनिमृतस्यासीदस्योहाओहाइ ।

षु ति की क थ टा त ट त श का कि ची थ टा त ट त श

उत्सोदाइवाओहाओहाइ । हिरण्याया । ओइळा ॥ २ ॥

चा य टा ट त ट त श टि खण् प शा

पुनानस्सोमधारयाआपोवासानोअर्षसी । अरात्नाधायोनीमार्त्तास्यासीदसी । उत्सोदाइवो हीरण्याया ।

फी की टा टा त चि टा टा था टा त चि टा टिचक टा खण्

ओइळा ॥ ३ ॥

प शा

॥ माण्डवञ्च ॥

पुनानस्सोमधारयापोवसोवा । नोअर्ष स्यारात्नाधाउवाओहाइ । योनिमृतास्यसीदस्युत्सोदे वाउवाओहाइ ।

षु तू त कि का कीट त श च ची थ टी किट त श

हीरण्याया । ओइळा ॥ ४ ॥

टि खण् प शा

॥ उद्वञ्च ॥

पुनानस्सोमधाहोरया । आपोवसानायाहोर्षासी । आरत्नधायोनिमृतास्यासाहोइदासी ।

षी ति ता की टि टा षु कि टि टि

उत्सोहोइदाइवो । हीरोबाण्यायो । हाइ ॥ ५ ॥

टाच् य टा ता क प ष्ठा शा

॥ माण्डवञ्चैव ॥

इयाईया । पूनानस्सोमधारा या । आपोवसानोअर्षासी ।

टा ट त टी खिण की टि त

आरत्नधायोनिमृतास्यासिदासी । उत्सोदे वोहा इरा ओहोवा । ण्याया ॥ ६ ॥

षु कि टि त क था टाट् खा शि त टख्

॥ प्रजापतेश्वरसदोविशीयम् ॥

पुनानस्सोमधारयाओहाओहाएऔहोऔहोवा । आपोवसानोअर्षस्योहाओहाएऔहोऔहोवा ।

पू तू टा टा त त की क थ टा त ट त टा टा त त
आरा त्नाधायोनिमृतास्यासीदस्योहाओहाएऔहोऔहोवा । उत्सोदाइवाओहाओहाएऔहोऔहोवा ।

का कि ची थ टा त ट त टा टा त त चा य टि त ट त टा टा त त
हीरण्यायाऔहोवा । सदोवीशाः ॥ ७ ॥

टिट् ख शि ता ट ख

॥ जमग्रेस्सवासिनी द्वे ॥

ओहोवाओओहोवाओओहो वाओवाओवाऔहोवा ।

ट य टा ट य टा ट कच्च क काट् ख शि
पुनानस्सोमधारयाआपोवसानोअर्षस्यारात्नाधायोनिमृ तस्यासीदस्युत्सोदे वाः ।

की की की क थ टि कि का चा थ टी च
ओहोवाओओहोवाओओहो वाओवाओवाऔहोवा ।

ट य टा ट य टा ट कच्च क काट् ख शि
एहिर ण्यया ॥ ८ ॥

त का टाख्
ओहोवाओवाओवाऔहोवा । पुनानस्सोमाधारयापोवसानोअर्षस्यारा त्नाधायोनिमृ तास्यसीदसी ।

तच्च क काट् ख शि की की कि क थ कि कि का चि खा
ओहोवाओवाओवाऔहोवा । उत्सोदे वोहिरण्यायाइळाभा ।

तच्च क काट् ख शि कि कु टा खण्
ओइळा ॥ ९ ॥

प शा

॥ आयास्येद्वेसोमसामनीवा ॥

आयिपुना । नास्सोमाधारयाअपोवासाओनोअर्षसी । आरात्नाधाओयोनिमृतस्यासीदसी ।

ती कि कू का चि की कू चि
उत्सोदाइवाओइ । हीरण्याया । ओइळा ॥ १० ॥

कु च श टि खण् प शा
पुनानस्सोमधाहाबुहोवा । रायापोवसानया । र्षासी ।

षी तु त पा टि खाणफप्पु ख श
अराऔहोवा । त्नाधायोनिमृतास्यसा इ । दासी ।

पा क था कि टि खाणफप्पु ख श
उत्सोऔहोवा । दाइवोहिरा । ण्याया ॥ ११ ॥

पा क था टि खाणफप्पु ख श

॥ कण्वरथन्तरम् ॥

पुनानस्सोमधारया । आपोवसानोअर्षासी । आरत्नधायोनिमृतस्यसीदसाऐही ।

षु ति कु पा श पू तू ता
उत्सोदाइवो । हिराआउवा । एण्ययाया ॥ १२ ॥

टि ता ता टि त ता ख

॥ आयास्यञ्च ॥

पुनानस्सोमधारयाएऔहोवा । आपोवसानया । र्षासी ।
षु तु खात्र का टा खाणफळ् त टख्
आरत्नधायोनीमृतास्यासाओऔहो । दासी । उत्सोऔहोदाइवोहिरा ।
षू की पा श त टख् पि श चि खाणफळ्
ण्याया ॥ १३ ॥
त टख्

॥ रौरवम् ॥

पुनानस्सोमाधाराया । आपोवसानोअर्षस्यारत्नधायोनिमृतास्यसाइदसाओहाउवा । उत्सोदेवोहिराहाओहाउवा ।
तु पाण षौ दू ति पा शा दू त पा शा
ण्यायाऔहोबाहोइळा ॥ १४ ॥
क टा ख ण् ण् शा

॥ यौधाजयञ्च ॥

पूनानासोमाधारा या । आपोवसानया । र्षासी ।
चय प श ण् खाण का का ट खणफळ् ख श
आरात्नाधायोनिमृतास्यसा इ । दासी । उत्सोदाइवोहिरा ।
का कि टि खाणफळ् श ख श टा टि खाणफळ्
ण्याया ॥ १५ ॥
ख श

॥ वसिष्ठस्यचप्लवम् ॥

हाउवाहाउवाहाहाउवोवाहाइ । पूनानास्सोमधारा या । आपोवासानोआर्षासी ।
ति तित खि ण् त श खि श खि ण खि श खि ण
आरात्नाधायोनाइमार्त्तास्यासिदासी । उत्सोदाइवोहाइराण्याया । हाउवाहाउवाहाहउवोवाहाऔहोवा ।
खि श खी श खि ण खि शा खी ण ति तित खी ण् ख शि
एआतिविश्वानीदूरीतातरे मा ॥ १६ ॥
त का का कि किख

॥ अच्छिद्रञ्च ॥

परीतोषी । अताआउवा । सूतम् ।
ती ता टि ख श
सोमोयाऊक्तामं हावीः । सोमोयऊ । क्तमांआउवा ।
टा चा चा चा ती ता
हावीः । दध न्वायोनर्यो अप्स्वन्तरा । दधन्वायाः ।
ख श का टीच् ची ती
नर्यो आप्सुआआउवा । न्तारा । सूषावसोमामद्रिभीः ।
टाच्च ता टि ख श चा शा क टिख्
सूषावसो । ममाआउवा । द्राइभीः ॥ १७ ॥
ती ता ख ण्

॥ रयिष्ठञ्च ॥

परितोषी । अतासूतामौहोवाऔहोवायीयायीयाहाहाउवा । सोमोयऊक्तामं हावीः ।

ती भि टा त टा त टा त ट ख ण्ण ति टा चा चा चा

सोमोयऊ । क्तामांहावीरौहोवाऔहोवायीयायीयाहाहाउवा । दध न्वायोनर्यो अप्सन्तारा ।

ती भि टा त टा त टा त ट ख ण्ण ति का टीच् चा चा

दधन्वायाः । नर्योअप्सुअन्ताराऔहोवाऔहोवायीयायीयाहाहाउवा । सूषावसोमामाद्रिभीः ।

ती टा टा टा टा त टा त टा त ट ख ण्ण ति चा कि टीख्

सूषावसो । ममाद्राइभिरौहोवाऔहोवायीयायीयाहाहाउवा । उऊपा ॥ १८ ॥

ती भि टित टा त टा त ट ख ण्ण ति खाश

॥ भारद्वाजेद्वे ॥

औहोइ परितोषी । अता सूतमौहोऔहो वाऔहोवा ।

षि ती ताच् टि तिच्क क ख श

सोमोयऊक्तामं हाविरौहोऔहो वाऔहोवा । दध न्वायोनर्यो अप्सन्ताराऔहोऔहो वाऔहोवा ।

टा चा का टी तिच्क क ख श का टीच् कि टा तिच्क क ख श

सूषावसोमामाद्रिभिरौहोऔहो वाऔहोवाउहुवाहाबु । बा ॥ १९ ॥

चा ची टि तिच्क क प षीश श

पर्येपरी । तोषिअतासूतमाउवाहाबुहाबुहोवा । सोमोयऊक्तामं हाविराउवाहाबुहाबुहोवा ।

ती क टिच् षु ति कि टा चा चा फु ति कि

दध न्वायोनर्यो अप्सन्ताराउवाहाबुहाबुहोवा । सूषावासोहाबुहाबुहोवा । मामाद्राइभिरूहुवाहाबु ।

का टीच् कि टि ति कि टित ति कि च ण्ण षु शा

बा ॥ २० ॥

श

॥ आभिषवेद्वे ॥

परितोषिअतासुतंए । सोमोयाउक्तामंहाविर्दाधाहाइ । न्वायोनर्योअप्सुआन्तारा सूषाहाइ ।

षू ति चा क की खाण्ण त श दू किखण्ण त श

वासोमामोबाद्राइभो । हाइ ॥ २१ ॥

का पा ण्ण ण्णि शा

परितोषिअतासुतंए । सोमोयाउक्तामंहाविर्दाधाहाहाइ । न्वायोनर्योअप्सुआन्तारा सूषाहाहाइ ।

षू तित चा क ती खाण्ण त त श दू किखण्ण त त श

वासोमामोबाद्राइभो । हाइ ॥ २२ ॥

का पा ण्ण ण्णि शा

॥ अङ्गिरसामधीवासपरीवासौद्वौ ॥

परितोषिञ्चतासुतंहहा । सोमोयउक्तमंहावीरिहा । दध न्वायोनर्योअप्सन्ताराईहा ।

षू ती षि टी ति का षी टि ति

सूषावासोइहा । मामाद्रा इभाऔहोवा । ई हा ॥ २३ ॥

टि ति टिद् खा शि खश

इहापरीतोषिञ्चतासुतंहहा । सोमोयउक्तमंहावीरिहाउवा । ऊपा ।

षू तू षि टी कि शा खश

दध न्वायोनर्योअप्सन्ताराइहाउवा । उपा । सूषावासोइहाउवा ।

का षी टि कि शा खश टि कि शा

ऊपा । मामाद्राइभीरिहाउवा । उऊपा ॥ २४ ॥

खश च टा की शा खाश

॥ माण्डवेद्वे ॥

परीतोषिञ्चतासुताम् । सोमोयाउक्तमं हावाइर्दाधाउवोवा । ऊपा ।

षू ता क क कीच् का टि खाश खश

न्वायोनर्योअप्सन्तारा । सूषावासो । मामाद्रिभिरिळाभा ।

षी टि त टि त का टी खण्

ओइळा ॥ २५ ॥

प शा

परीतोषिञ्चतासुतंहहा । सोमोयउक्तमं हाविर्दधान्वायोहाहाइ । नर्यो अप्स्वन्तारा सूषावासोहाहाइ ।

षू ति त टिच चा चीय ट त त श टाच् चा चा चाय ट त त श

मामाद्रिभीरिळाभा । ओइळा ॥ २६ ॥

का टी खण् प शा

॥ वैनसोमकृतवेद्वे ॥

परीतोषिञ्चतासुताम् । सोमोयउक्तमंहावीः । दध न्वायोनर्योअप्सान्तारा ।

तू ता दूद टा का दूद टा

सूषावासो । मामोबाद्राइभो । हाइ ॥ २७ ॥

टि त क प ष्ठ ष्णि शा

पारीतोषाइञ्चतासुतामैहिऐहीऐहिहोवाउवाईया । सोमो यउक्तमंहावीरैहीऐहीऐहिहोवाउवाईया ।

टी भु टा टाच थि टाटत टाच् का भी टा टाच थि टाटत

दध न्वायोनर्यो अप्स्वन्ताराऐहिऐहीऐहिहोवाउवाईया । सूषावसोमामद्रीभीरैहीऐहीऐहीऐहिहोवाउवाईया ।

का टीच् भी टा टाच थि टाटत टी क भि टा टा टाच थि टाटखण्

ओइळा ॥ २८ ॥

प ष्ठा

॥ प्रजापतेर्गूदौद्वौ गौतमस्यवाप्रतोद्वौ ॥

ऊपाऊपाउपाओऊपाऊपा । परीतोषिञ्चतासुतमूपाऊपाउपाओऊपाऊपा ।

चा च फ ता प चा क फ षू ची च फ ता प चा क फ

सोमोयउक्तमंहविरूपाऊपाउपाओऊपाऊपा । दधन्वायोनर्योअप्स्वन्तराऊपाऊपाउपाओऊपाऊपा ।

षू ची च फ ता प चा क फ षू चू च फ ता प चा क फ

सुषावसोममद्रिभिरूपाऊपाउपाओउपऊपा । ऊपा ॥ २९ ॥

षू ची च फ ता प खि त्र ख श

हाबुहाबुहाउवा । पारितोषिञ्चता सूतामुपा । हाबुहाबुहाउवा ।

षी ति कू च् क टि ख् षी ति

सोमोयउक्तमं हाविरूपा । हाबुहाबुहाउवा । दधन्वायोनर्योअप्स्वन्ताराउपा ।

कू च् क टि ख् षी ति षू का च् क टि ख्

हाबुहाबुहाउवा । सुषावसोमाद्री भिरूपा ॥ ३० ॥

षी ति कू क च् टि ख्

॥ मरूताङ्गोष्ठापुंसिनिद्वे ॥

हाबुहाबुहाउवा । पारितोषिञ्चतासूतामिहाउपा । हाबुहाबुहाउवा ।

षी ति कू चा टी ख् षी ति

सोमोयउक्तमंहविरिहाउपा । हाबुहाबुहाउवा । दधायोनर्योअप्स्वन्तराइहाउपा ।

कू चा टी ख् षी ति षु चा टी ख्

हाबुहाबुहाउवा । सुषावसोममाद्रीभिरिहाउपा ॥ ३१ ॥

षी ति कू का टी ख्

हाबुहाबुहाउवा । पारीतोषिञ्चता सूतं श्रवो बृहदुपा । हाबुहाबुहाउवा ।

षी ति कि टि च् का टा च् टी ख् षी ति

सोमोयाउक्तमं हाविश्रवो बृहदुपा । हाबुहाबुहाउवा । दधन्वायोनर्योअप्स्वन्ताराश्रवो बृहदुपा ।

कि कि च् क टि च् टी ख् षी ति कू टा च् क टि च् टी ख्

हाबुहाबुहाउवा । सूषावासोममा द्रीभिश्चवो बृहदुपा ॥ ३२ ॥

षी ति कि टि च् क टि च् टी ख्

॥ महारौरवञ्च ॥

हाबुहाबुहाउवा । पारीतोषिञ्चता सूतंसोमो यउक्तमं हाविर्दध न्वायोनर्यो अप्स्वन्तारासूषावसो ।

षी ति कू च् क कि च् का का की टी च् चा चा टी ख्

हाबुहाबुहाउवा । ए मामाद्राइभीः ॥ ३३ ॥

षी ति त च् टि खा

॥ महायौधाजयञ्च ॥

हाउवोवाहाउवोवा हाओवाहाउवा ।

खि श खि शङ्ख त प ण्ण ति

पारितोषिञ्चता सूतंसोमो यऊक्तामं हाविर्दध न्वायोनर्योअप्सन्तारा सूषावसोममा ।

कूच क किच का का की टी ची ची खा

हाउवोवाहाउवोवा हाओवाहाउवा ।

खि श खि शङ्ख त प ण्ण ति

द्राइभीः ।

त टाख्

॥ ३४ ॥

॥ आश्वानिचत्वारि ॥

आसो । मास्वानोअद्राइभाउवोवा । तिरोवाराणिअव्ययाजानानापाउवोवा ।

ख ण क था टी खाश टीच टि टा टा खाश

रिचामुवोर्वीशाद्धरीस्सादाउवोवावानाउवोवा । षुदाद्धिषाइ । होइळा ॥ ३५ ॥

टीच टि टा खाश टा खाश ष्ठीश प शा

हावासोमस्वा । नोअद्राइभिस्तीरोवारा । णियाआउवा । व्यायाजनोनापूरीचामू वोः ।

तु खि शा खिण ता टि ख श खि श खिण

विशाआउवा । द्वारिस्सादावाने । षुदाआउवा । ध्रिषे ॥ ३६ ॥

ता टि ख श खिण ता टि ख श

आसोमस्वानोअद्रिभाइः । तीरोवाराणिआव्याया । जनोनपूरिचामूवोर्वीशाद्धारीः ।

तु ति श षी यि ट षी यिट का य ट

सदा वानाइषूदध्रिषो इळा ॥ ३७ ॥

टाच् टी खिङ्ख शा

आसोमस्वानोअद्रिभिस्तिरोवारा णीयव्यया । जनोनपु रिचम्बोर्वीशाद्धारीरौ हूवाए होवा ।

षु फु खा ष्ठी षी कु टिच् टि चा

सादावने षूदौ हूवाए होवा होबा । होइळा ॥ ३८ ॥

की टाच् टि चा । द्विषाओ(टि ख ण्ण ण्ण शा

॥ आग्नेयञ्च ॥

प्रसोमदा । इवावीत याइ । सिन्धुर्नपाइप्ययाआउवा ।

ती खीण श क कि ति टि

र्णासाअंशोःपाया । सामदाइरोनजाआउवा । ग्रवीराच्छाकोशम् ।

ख श खिण क की ता टि ख श खिण

मधाआउवा । श्रूतम् ॥ ३९ ॥

ता टि च श

॥ सोमसामच ॥

प्रसोमदेववीतयोहाइ । सिन्धुर्नपिप्येअर्णासोहाइ । आंशाउवोवा ।

फू खा शा फू खा शा टा खा श

पायाउवोवा । सामदिरोनजाग्रवीहाइ । आच्छाउवोवा ।

टा खा श फ णि फा खा ण श टा खा श

कोशाउवोवा । मधूश्चूता । होइळा ॥ ४० ॥

टा खा श ङ्गी फू शा

॥ द्विहिङ्कारञ्चवामदेव्यम् ॥

प्रासोमादेववीतयाइ । साइन्धूर्नापिप्यअर्णासाअंशोःपयसामदिरोनजौहोहिम्मा । ग्रवीराच्छाकोशंमधौहोहिम्मा ।

पि शू षौ कू त टा ट त कू त टा

श्चूतामौहोवा । होइळा ॥ ४१ ॥

पि फ्ला फू शा

॥ अङ्गिरसामुत्सेधनिषेधौ द्वौ ॥

प्रसोमदेववीतयेसिन्धूर्नपाऔहोवा । प्येअर्णासा हाउवा । ऊपाअंशोःपयाऔहोवाहाइ ।

पु फु खा ण फ फू क टिच्य टा ख श श्रु

सामदिरोनजागृ विर्हाउवा । ऊपाअच्छाकोशंऔहोवाहाइ । मधूश्चूताम् ।

क कि कि या टा ख श श्रु खित्र

ऊ ॥ ४२ ॥

ख

प्रसोमदाइवावीतयाइ । सिन्धूर्नपाइप्येअर्णासाइहा । आंशोःपायाहाहोहाइ ।

तू ति श चू थ टा ता टा ख श खा ण श

सामदिरोनजागृवीरिहा । आच्छाकोशांहाहोहाइ । मधूश्चूताम् ।

क कि टा ती टा ख श खा ण श खित्र

हे ॥ ४३ ॥

ख

॥ सोमसामानिषद् ॥

हाबुसोमाः । उष्वाणस्सोतृभीः । आधिष्णुभीरावाइनाम् ।

ती थाच् यिट की च य टा

आश्वाऔहोयेवहरितायाताइधाराया । मन्द्रायायाहाओवा । तीधाराया ॥ ४४ ॥

टा ट त षू यि टा कि ख शि टि ख

सोमउष्वाणस्सोतृभाइः । आधिष्णुभीरावीनामाश्वयेवा । हारितायातिधाराया ।

खी ङ्गी श की क था पि ण यू प श

मन्द्रायायाताइधा । रायाऔहोबा । होइळा ॥ ४५ ॥

खि श ख णा टि ख ण्ण ण्ण शा

सोमउष्वाणस्सोतृभिरे अधी । ण्णुभिराआउवा । वीनाम् ।

षु ती ता ति टि ख श

आश्वायेवहरितायातिधाआउवा । राया । मान्द्रायायातिधाआउवा ।

ट त कू ता टि ख श ट त का ता टि

राया ॥ ४६ ॥

ख श

सोमउष्वाणस्सोतृभिरे अधी । ण्णुभिरवीनामाश्वये वाहरितायाताइधारयामन्द्रायौवा । तिधा ।

षु ती ता की की कु कु शु ख श

रायाऔहोबा । होइळा ॥ ४७ ॥

टि ख ण्ण ण्ण शा

सोमउष्वाणस्सोतृभाइः रधिष्णुभिरवीनाम् । आधिष्णुभिरवीनामाश्वयेवाहारीतायाताइधा । रयाआउवा ।

षे तू षू कू पी शा ता टि

मान्द्रायायातीधा । रायाऔहोबा । होइळा ॥ ४८ ॥

ख श खि ण णा च क फ ण्ण शा

सोमउष्वाणस्सोतृ भिरौहोआधिष्णुभीरवीनाम् । आश्वयेवाहारिताया तीधारायौवाउवोवा । मान्द्रायायातीधाहिं ।

षु चा टा त प शू क की थि च्क कि ण्णि श क पी श च

रायो । हाइ ॥ ४९ ॥

ख ण्ण शा

॥ विष्णोररणीद्वे ॥

तवाहंसो । मरा राणारणा । सख्यइन्दोदिवा इ दिवाइदिवे ।

ती टाच् चा शा दू च्च श चा शि

पूरूणिबभ्रोनिचरन्तिमामावाअवा । पारीधीरतितंइहा इहा औहोवा । ऊउ पा ॥ ५० ॥

षू टी चा शा कू टाट् खा शि खा श

तवातवा । आहंसोमरारणसख्याइन्दोदिवाऔहोदाइवे । पूरूणिबभ्रोनिचरन्तिमामावा ।

ती षी दू त भि त टि षू यी प श

पराऔहो । धाइंरतीतोबा । आइहो ।

भि त की प ण्ण ण्ण

हाइ ॥ ५१ ॥

शा

॥ आङ्गिरसानित्रीणि ॥

तवाहंसोमारारणा । सख्याइ न्दोदीवेदाइवे । पुरूणिबभ्रोनिचरन्तिमामावाहाइपरिधाइंरा ।

तु ति खि श खि णा षू चि प श्रु

तीतोबाआइहो । हाइ ॥ ५२ ॥

त प ण्ण णि शा

तवाहंसोमरौहोरणा । साख्याइन्दोदिवा इ । दीवे ।

तू ता च टि खाणफण्ण श ख श

पूरूणाइबाभ्रोनिचरान्तिमा । मावा । पारीधाइंरातितं ।

टा टि टी खाणफण्ण ख श टा टि खाणफण्ण

आइहि ॥ ५३ ॥

ख शा

तवाहंसोमरारणसाख्याइन्दोदिदेदिवाइ । सखयइन्दोदिवेदाइवे । पूरूणिबभ्रोनिचर न्तिमामावा ।

षी फु खा शु की टि ता षू का टि त

पाराइधाइंरा । तीतंआइहा इ । ओइळा ॥ ५४ ॥

टी ता टाट खाण्ण प शा

॥ औक्षणोरन्ध्राणित्रीणि ॥

मृज्यमानाः । सुहस्तियासामूद्राइवाचमिन्वसाइ रार्यीपाइशांगम्बहुलांपूरूस्पृहम् । पावमानाऔहो ।

ती ती टाख शा ती श टाख शा ती टाख ण चि पा श

भीयोबार्षासो । हाइ ॥ ५५ ॥

क प ण्ण णा शा

मृज्यमानाः । सूहस्तायासमुद्रेवाचामिन्वासाइरयाइंपिशांगम्बहुलम्पूरूस्पृहाम् । पावामा नाऔहोवा ।

ती चि ट चा था या पा खि ति की चय टा टिट्ख शि

भ्यर्षासी ॥ ५६ ॥

टा ख

मृज्यमानाः । सूहस्तियासामू द्राइवाचमीन्वासाइ । राइं पाइशांगम्बहुलंपूरूस्पृहाम् ।

ती च चिय टच्चय टा का चा श य टच्चय टा क चि ची

पावा मानाभायाऔहोवा । र्षासि ॥ ५७ ॥

य टच्चय ट ट ख शि ख श

॥ औक्ष्णोनिधनानित्रीणि ॥

मृज्याए । मानस्सुहस्तियाऔहो । सामुद्रेवाचमिन्वसाऔहो ।

ता त षू ट त कू भि त
रायिंपिशांगंबहुलंपूरूस्पृहाऔहो । पावमाना । भीयोबार्षासो ।

की क कि भु त टि त क प ल्ला
हाइ ॥ ५८ ॥

शा
मृज्यमानस्सुहस्तेयावाहाइ । सामुद्राइ वाचमिन्वासी । रायाइंपिशांगंबहुलंपूरूस्पृहापावामाना ।

षी तू त श षी टि ख ण खा ति क कि या पा खा ता
भीयोबार्षासो । हाइ ॥ ५९ ॥

क प ल्ला शा
मृज्यमानास्सुह स्तिया । समूद्रेवाचमाइन्वासी । रायिंपिशांगम्बहुलंपूरूस्पृहाऔहो ।

फी शा का टा टा टा टि की की भु त
पावमाना । भीयोबार्षासो । हाइ ॥ ६० ॥

टि त क प ल्ला शा

॥ वाजजिच्चा ॥

मृज्यमानस्सुहा । स्तियासमू होद्रेवाहोचामिन्वासाइ । रया होइंपीशाहोगं बहुलंपूरूस्पृहाम् ।

तू टा टा च्य टा था चि श टा च्य टि था की चि
पवा होमानाहोभीअर्षासाआउवा । वाजीजीगीवा ॥ ६१ ॥

टा च्य टा था कि टि क कितच्
॥ द्वभ्यासञ्चसौहविषंवसिष्ठस्यवापिप्पलि ॥

मृज्यमानस्सुहस्त्यासमुद्रेवोवा । चामिन्वसीरायिंपिशाहाहाहाङ्गम्बहुलंपूरूस्पृहम् । पावामानाहाहाइ ।

षू तु त की टी ट त त की कीच् का टा त त श
भ्यर्षासा इ । ओइळा ॥ ६२ ॥

टा खण् श प शा
॥ वैश्वदेवेच ॥

हाहाअभीसोमा साआयावाः । हाहाइपवन्तेमादीयाम्मादां । हाहाइसमुद्रस्याधिविष्टपे मा नाइषाइणाः ।

त कि थाच् का य ट त चू का य ट त षू चीकच् क या टा
हाहाइमत्सारासो मादाच्यूताः । हाहा इ । ओइळा ॥ ६३ ॥

त की थाच् का य ट त खण् श प शा

आभिसोमासआयवाः । पवन्तेमद्यम्मदामाऔहोआऔहो । सामुद्रस्याधिविष्टपे मणीषिणाऔहोआऔहो ।

कि ख की कि दू त टा त की की भु त टा त
मात्सारासोमदच्युताऔहोआऔहो । ओइळा ॥ ६४ ॥

थ कि भु त टा खण् प शा

॥ इन्द्रसामच ॥

अभिसोमा । सयाआउवा । यावाःपवन्ताइमा ।

ती ता टि ख शू

दीयाआउवा । मादंसामूद्रास्या । धिविष्टपे मनाआउवाए ।

ता टि ख शू की का टि भ

षीणोमात्सारासाः । मदाआउवा । च्यूताः ॥ ६५ ॥

ख शु ता टि ख ण

॥ वैश्वदेवञ्चैव ॥

अभिसोमासआहोयवाः । पवन्तेमद्यम्मदं पवन्तेमदियां होइमादाम् । सामुद्रस्याधिविष्टपेमनी षिणोमना होषाइणाः ।

षु ता ता कि षी दूच्य टा त

की श कुच का टाच्य ट ता

मात्सारासोमदच्युतोमदा होच्यूताः । ओइळा ॥ ६६ ॥

थ श कु श टाच्य ट खण् प शा

॥ इन्द्रसामानित्रीणि ॥

औहोवाअभिसोमासआयवऔहोवा । पवान्तेमावा । द्यम्मदंसमूद्रस्यावा ।

षु तु त टा खात्र क टी खात्र

धीविष्टपेमनी षिणाऔहोइमत्सारासोवा । मदाच्यूताः ॥ ६७ ॥

च कुच क टच्य टि खात्र ता टाख्

अभिसोमासआयावाः । पवान्तेमावा । द्यम्मदंसमूद्रस्यावा ।

षु ता त टा खात्र क टी खात्र

धिविष्टापेमनीषीणोमत्सारासोवा । मदाच्यूताः ॥ ६८ ॥

कि कु टा खात्र ता टाख्

अभिसोमासआयावाः । पवन्ताइमादियम्मादम् । सामुद्रस्याधिविष्टपाइमनाइषाइणाः ।

षु ता त का दुख ण की षु टा खा णा

मात्सारा सोमा दाऔहोवा । च्यूताः ॥ ६९ ॥

कि टाख् शि ख ण

॥ स्वःपृष्ठमाङ्गिरसम् ॥

अभाइसोमाऔहोसआयवाः । पवान्तेमाऔहोद्यम्मदम् । समूद्रस्याऔहो धिविष्टपाइ ।

टा खि खा फा का टा खा खाक का टा खा खा फा काश

ओइमा नाऔहोवा । षीणाः । ऊपा ऊपा ।

टिट्ख शि ख ण ख शण्ख ण

मात्सारासोमा दाऔहोवा । च्यूताः ॥ ७० ॥

कि टाख् शि ख ण

॥ सोमसामच ॥

पुनानसोमजाजागृविरव्याः । वारैःपारीप्रीयाः । त्वंविप्रोअभवोगाइरास्तमाः ।

षू ती यी टा षू पि ता

माध्वा यज्ञाम्माइमाऔहोवा । क्षाणाः ॥ ७१ ॥

काच का ट्ख शि ख ण

॥ आदित्यानाञ्चपवित्रम् ॥

पवमान असृक्षतपवाइ । त्रामतिधारयामरूत्वन्तोमत्सराइन्द्रीया हायामाइधाम् । अभाइप्रा याऔहोवा ।

षी तू श षे टु तच टि ता टीदृ ख शि
सीचा ॥ ७२ ॥
ख श

॥ सोमसामनीद्वे ॥

पवस्ववाजसाइहा । तामाः । आभिविश्वा नीनवार्यास्त्वंसामौहोवा ।

षू ता ख ऋ कीचृ क टीदृ ख शि
द्राःप्रथामेवीधर्मन्दाइवाइभ्यास्सोऔहोवा । ममत्सराः ॥ ७३ ॥

कि च थि टुदृ ख शि तीचृ
इन्द्रायापा । वाताइमादाः । सोमोमरुत्वताइसूताः ।

ती टा टि दू टि
साहस्रधारोअत्यव्यमार्षाती । तमाइमार्जा न्तीयायावाः । ओइळा ॥ ७४ ॥
षु टु टा टा टिचृ क टा खण् प ष्ठा

॥ स्वःपृष्ठञ्चैवाङ्गिरसम् ॥

इन्द्रायपा । वते मदास्सोमोमारू त्वातेहोइसूताः । साहस्रधारोअत्यव्यमार्षाताउवोवा ।

ती का चा था टाचृ क टा टि षु दू खाश
ऊपा । तामीहोइमार्जा न्तीयायावाः । ओइळा ॥ ७५ ॥
ख श टि टिचृ क टा खण् प शा

॥ सोमसामचैव ॥

इन्द्रायपा वाताइमादाः । सोमोमरूत्वताइसूताः । साहस्रधारोअत्यव्यमार्षाती ।

खी षु दू खाण की श टी ख ण
तमाऔहोइमार्जातायाऔहोवा । यावाः ॥ ७६ ॥
कि खिण टदृ ख शि ख ष्ठा

षष्ठ खण्डः

॥ औशनानित्रीणि ॥

ओई प्रातू इहाओद्रवापारीकोशान्नीषीदा । ओई नृभीरिहाओपुनानोआभीवाजमार्ष ।
चा फा ता कू खिश चा फा का की कि खाश
ओआश्वाइहाओनत्वावाजीनम्मार्जयान्ताइ । ओआच्छाइहाओब हाइराशनाभाइर्नाया ।
चा फ ता टी कि खा शा चा फ ता का कि पि खि
न्ताइ ॥ १ ॥

त्र श
हाओहाउहुवाओहा । प्रातूद्रवापारीकोशान्नीषीदा । नृभिःपुनानोआभीवाजमार्ष ।
का फ खि ण षी कि खिश टु कि खाश
अश्वन्नत्वावाजीनम्मार्जयान्ताइ । हाओहाउहुवाओहा । अच्छाब हाइराशनाभाइर्नाया ।
टु कि खा शा का फ खि ण कि कि पि खि
न्ताइ ॥ २ ॥

त्र श
प्रातू । द्रावापरिकोशान्नीषीदा । नृभिःपुनानोआभीवाजमार्ष ।
ता षु टि थ टु कि खा ण
अश्वन्नत्वावाजिनम्मार्जयान्ताइ । अच्छाब हाइराशनाभाइर्नाया । न्ताइ ॥ ३ ॥
षी टू त श कि कि पि खि त्र श

॥ प्रशस्यजानस्याभीवर्तौद्वौ ॥

प्रत्वेप्रतु । द्रावाद्ववापारीकोशान्नीषीदा । नृभिरे नृभीःवपूनापुनानोआभीवाजमार्ष ।
का ता षी कि खिश ति ता टु कि खाश
अश्वमेअश्वाम् । नत्वानत्वावाजीनम्मार्जयान्ताइ । अच्छयेअच्छा ।
ति ता टु कि खा शा ति ता
बर्हाब हाइराशनाभाभाइर्नाया । न्ताइ ॥ ४ ॥
कि कि पि खि त्र श
प्रतूद्रा । वापरिकोशान्नीषीदासाइदा ।
ति षी टू त कि
शबुहो औहोवा । नृभिःपुनानोअभीवाजमार्षार्षाबुहो औहोवा ।
काच्क का षु टु त का काच्क का
अश्वन्नत्वावाजिनम्मार्जयान्ताइ यन्ताबुहो औहोवा । अच्छाब हाइराशनाभिर्नायाएहियाहाउवा ।
षु टु त श का काच्क का कि कि टि काख ङ्गि शा
न्ताइ ॥ ५ ॥
ख श

॥ प्रजापतेर्वाजसनिनीद्वे वाजजितौद्वौ वाराहाणिवा ॥

प्राकाव्यामूशनेवाब्रूवाणाः । देवोदेवानान्जनिमा विवाक्ती । माहिब्राता रशुछीबान्धूःपावाकाः ।

क टाच् भी टा त टी टीच् टा त टीच् भी टा त

पादावाराहोअभियाइतिरा औहोवा । भान् ॥ ६ ॥

टी टी खि शि ख

प्रकाव्यामूशनेवाब्रूवाणाः । देवोदेवानान्जनिमा विवाक्ति । माहिब्राता रशुचिबान्धूःपावाकाः ।

टिच् भी टि टी टीच् टि टी भी टि

पादावाराहोभिया औहोवा । तीरे भान् ॥ ७ ॥

टीट खा शि टा ख

प्रकाव्यामुशनेवाब्रू वाणोदे वो । देवानान्जनिमावीवाक्तिमाही । वृतशुचीबन्धूःपवाकाःपादा ।

चू शा का ख श चि चा क कि ख श थू कि ख श

वराहोअभ्येतिराहाउवा । भान् । ॥ ८ ॥

चि का टा ति ख

हाबुहाबूहू प्राकव्यामूशनेवाब्रूवाणाः । देवोदेवानान्जनीमाविवाक्ति । माहिब्राता रशुचिबान्धूःपावाकाः ।

ति चा कि की खाप्ल क टी कि खा श की की खाप्ल

हाबुहाबूहू । पादावराहोअभियाइतिरा इ । भान् ॥ ९ ॥

ति चा च क टि पि खि श त्र

॥ अङ्गिरसांसङ्गोशास्त्रयःदेवानांवा सामसुरसे द्वे ॥

होयेहोवाहाहोइतिसोवाचाईरायातिप्रवान्हीः । ओहा होहाओहा । ऋतस्यधाइतीं ब्राह्मणोमानीषाम् ।

टा टा त त श टु का खिप्ल णाफ् ख शि दू कि खा श

आहाहोइआहाहा हाहोइ । गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छर्मानाः । इहाहोइई हाहा हाहोइ ।

का कि काच् क च श क टु कि खाप्ल का कि काच् क च श

सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा । नाः ॥ १० ॥

क कु पि खा त्र

होइयाहोइ तिसोवाचाईरायातिप्रवान्हीः । ओहा होहाओहा । ऋतस्यधाइतीं ब्राह्मणोमानीषाम् ।

टि च श टु का खिप्ल णाफ् ख शि दू कि खा श

आहाहोइआहाहा हाहोइ । गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छर्मानाः । इहाहोइई हाहा हाहोइ ।

का कि काच् क च श क टु कि खाप्ल का कि काच् क च श

सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा । नाः ॥ ११ ॥

क कु पि खा त्र

हाहोइयाहो इ तिसोवाचाईरायातिप्रवान्हीः । ओहा होहाओहा । ऋतस्यधाइतीं ब्राह्मणोमानीषाम् ।

क टि कच् श टु का खिप्ल णाफ् ख शि दू कि खा श

आहाहोइआहाहा हाहोइ । गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छर्मानाः । इहाहोइई हाहा हाहोइ ।

का कि काच् क च श क टु कि खाप्ल का कि काच् क च श

सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा । नाः ॥ १२ ॥

क कु पि खा त्र

॥ वेणोर्विशालेद्वे ॥

होइयाई होइयाओहोइया तिस्रोवाचाईरायातिप्रवन्हीः । ओहा होहाओहा । ऋतस्यधाइतीं ब्राह्मणोमानीषाम् ।

की टी किच् टु का खिप्ल णाफ् ख शि टू कि खाश

आहाहोइआहाहा हाहोइ । गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः । इहाहोइई हाहा हाहोइ ।

का कि काच् क च श क टु कि खाप्ल का कि काच् क च श

सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा । नाः ॥ १३ ॥

क कु पि खा त्र

होइहाई होइहाओहोइहा तिस्रोवाचाईरायातिप्रवन्हीः । ओहा होहाओहा । ऋतस्यधाइतीं ब्राह्मणोमानीषाम् ।

की टी किच् टु का खिप्ल णाफ् ख शि टू कि खाश

आहाहोइआहाहा हाहोइ । गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः । इहाहोइई हाहा हाहोइ ।

का कि काच् क च श क टु कि खाप्ल का कि काच् क च श

सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा । नाः ॥ १४ ॥

क कु पि खा त्र

॥ गौतमस्यतन्त्रातन्त्रेद्वे ॥

ईहोईहाइहोइहाहोवा होइहा । तिस्रोवाचाईरायातिप्रवन्हीः । ओहा होहाओहा ।

चा फा ती काच् फण टु का खिप्ल णाफ् ख शि

ऋतस्यधाइतीं ब्राह्मणोमानीषाम् । आहाहोइआहाहा हाहोइ । गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः ।

टू कि खाश का कि काच् क च श क टु कि खाप्ल

इहाहोइई हाहा हाहोइ । सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा । नाः ॥ १५ ॥

का कि काच् क च श क कु पि खा त्र

इहाउवाइ हाइहा तिस्रोवाचाईरायातिप्रवन्हीः । ओहा होहाओहा । ऋतस्यधाइतीं ब्राह्मणोमानीषाम् ।

टी ख प्लिङ् टु का खिप्ल णाफ् ख शि टू कि खाश

आहाहोइआहाहा हाहोइ । गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः । इहाहोइई हाहा हाहोइ ।

का कि काच् क च श क टु कि खाप्ल का कि काच् क च श

सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा । नाः ॥ १६ ॥

क कु पि खा त्र

॥ अगस्त्यस्ययमिकेद्वे ॥

इहाउवाइहाउवाइहाउवाई हाई हा । तिस्रोवाचाईरायातिप्रवन्हीः । ओहा होहाओहा ।

का ता टी का त्र ख प्लाड टु का खिप्ल णाफ् ख शि

ऋतस्यधाइतीं ब्राह्मणोमानीषाम् । आहाहोइआहाहा हाहोइ । गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः ।

टू कि खाश का कि काच् क च श क टु कि खाप्ल

इहाहोइई हाहा हाहोइ । सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा । नाः ॥ १७ ॥

का कि काच् क च श क कु पि खा त्र

ई हाहाईहातिस्रोवाचाईरायातिप्रवन्हीः । ओहा होहाओहा । ऋतस्यधाइतीं ब्राह्मणोमानीषाम् ।

ख प्लाड टु का खिप्ल णाफ् ख शि टू कि खाश

आहाहोइआहाहा हाहोइ । गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः । इहाहोइई हाहा हाहोइ ।

का कि काच् क च श क टु कि खाप्ल का कि काच् क च श

सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा । नाः ॥ १८ ॥

क कु पि खा त्र

॥ मरूताङ्गलकाक्रन्तौ ॥

ओऔहोऔहोवाहा । तिस्रोवाचाईरायातिप्रवान्हीः । ओहा होहाओहा ।

का ख फा त तच् टु का खिप्प णाफ् ख शि

ऋतस्यधाइतीब्राह्मणोमानीषाम् । आहाहोइआहाहा हाहोइ । गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः ।

टू कि खाश का कि काच् क च श क टु कि खाप्प

इहाहोइई हाहा हाहोइ । सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा । नाः ॥ १९ ॥

का कि काच् क च श क कु पि खा त्र

ओऔहो औहोऔहोऔहोवाहाहा इ तिस्रोवाचाईरायातिप्रवान्हीः । ओहा होहाओहा ।

टिच् क ख फा फा त त तच् श टु का खिप्प णाफ् ख शि

ऋतस्यधाइतीब्राह्मणोमानीषाम् । आहाहोइआहाहा हाहोणइ ।

टू कि खाश का कि काच् क च श

गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः । इहाहोइई हाहा हाहोइ ।

क टु कि खाप्प का कि काच् क च श

सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा । नाः ॥ २० ॥

क कु पि खा त्र

॥ वासिष्ठानिषद् ॥

अस्याऔहोवा । प्रेषाहे मानापू यमानाः । देवोऔहोवा ।

खा क था टि कि खाप्ल खा क था

देवाइभीस्सामापृ क्तरा सम् । सुताऔहोवा । पवाइत्रांपारीये तिरे भन् ।

टी कि खाश खा क था टी कि खाश

मिताऔहोवा । वसाद्वापाशुम न्तिहोता । पशुमान्तिहो ।

खा क था भि कि खाश पि खा

ता ॥ २१ ॥

त्र

उहुवायस्याऔहोवा । प्रेषाहे मानापू यमानाः । उहुवादेवोऔहोवा ।

खु क था टि कि खाप्ल खु क था

देवाइभीस्सामापृ क्तरा सम् । उहुवासुताऔहोवा । पवाइत्रांपारीये तिरे भन् ।

टी कि खाश खु क था टी कि खाश

उहुवामिताऔहोवा । वसाद्वापाशुम न्तिहोता । पशुमान्तिहो ।

खु क था भि कि खाश पि खा

ता ॥ २२ ॥

त्र

हाउहुवायस्याऔहोवा । प्रेषाहे मानापू यमानाः । हाउहुवादेवोऔहोवादेवाइभीस्सामापृ क्तरा सम् ।

खु क था टि कि खाप्ल खू क था टी कि खाश

हाउहुवासुताऔहोवा । पवाइत्रांपारीये तिरे भन् । हाउहुवामिताऔहोवा ।

खू क था टी कि खाश खू क था

वसाद्वापाशुम न्तिहोता । पशुमान्तिहो । ता ॥ २३ ॥

भि कि खाश पि खा त्र

हायौहोवायस्याऔहोवा । प्रेषाहे मानापू यमानाः । हायौहोवाइदेवोऔहोवा ।

खू क था टि कि खाप्ल षु खा क था

देवाइभीस्सामापृ क्तरा सम् । हायौहोवाइसुताऔहोवा । पवाइत्रांपारीये तिरे भन् ।

टी कि खाश षु खा क था टी कि खाश

हायौहोवाइमिताऔहोवा । वसाद्वापाशुम न्तिहोता । पशुमान्तिहो ।

षु खा क था भि कि खाश पि खा

ता ॥ २४ ॥

त्र

हाहायौहोवायस्याऔहोवा । प्रेषाहे मानापू यमानाः । हाहायौहोवाइदेवोऔहोवा ।

षु खा क था टि कि खाप्ल षू खा क था

देवाइभीस्सामापृ क्तरा सम् । हाहायौहोवाइसुताऔहोवा । पवाइत्रांपारीये तिरे भन् ।

टी कि खाश षू खा क था टी कि खाश

हाहायौहोवाइमिताऔहोवा । वसाद्वापाशुम न्तिहोता । पशुमान्तिहो ।

षू खा क था भि कि खाश पि खा

ता ॥ २५ ॥

त्र

औहोवहाहोई हा । अस्यप्रेषाहेमानापू यमानाः । देवोदेवाइभीस्सामापृ क्तरा सम् ।

ट क था टाकथ् टु कि खाप्ल टू कि खाश

सूतःपवाइत्रांपारीये तीरे भन् । औहोवहाहोई हा । मीतेवसाद्वापाशूमान्तिहो ।

टू कि खाश ट क था टाकथ् टु पि खा

ता ॥ २६ ॥

त्र

॥ आश्वञ्च ॥

होहोअक्रान्सामुद्राःप्रथामेविधर्मान् । होहोइ जनय न्प्राजाभुवनस्यगोपाः । होहोइवृषा पावित्रे आधिसानोअन्याइ ।
टी च चा चि शि कि कि का कु च टुच् टिच् मि चा श
होहोइ बृहत्सोमोवावृधेस्वानोअद्रायौहोवाहाउवा । ए स्वानोअद्रीः ॥ २७ ॥
कि टु क था टि ट ता ति तच्च क टिख्

॥ सोमसामनीद्वे ॥

कानी । क्रन्तीक्रन्तीहरी रासृज्यमानासाइदन् । वानावानास्यजठरे पूनानोनृ भीः ।
ता टा टा काथ टि खा णा टा टा की टा खाण
यातायाताःकृणूतेनिर्निजांगामाताः । मातिम्मातिन्जन यतास्वाधाऔहोवा । भीः ॥ २८ ॥
टा टा का था टा खाण टा टा का टि ख शि ख
कनिक्रन्तीहाहोइहरिरासृज्यमानाः । हाहोइसीदन्वनस्यजठरे पूनानाः । हाहोइनृभिर्यतःकृणुते निर्निजाङ्गा ।
फू त फु खाळ त षू कि टा त त षू कि टि त
हाहोअतोमताइजनयतास्वाधाऔहोवा । भीः ॥ २९ ॥
त षू टुद् ख शि ख

॥ ऐषञ्च ॥

एषाएषाः । स्यताओइमधूमंइन्द्रसोमोवृषावृषाए । वृष्णाओःपरिपवित्रेअक्षास्सहासाहाए ।
ती ता प षू तू त ता प षु तू त
सदाओश्शतदाभूरिदावाशश्चच्छश्वादे । तमाओंबर्हिरावाज्येहियाहाउवा । स्थात् ॥ ३० ॥
ता प षु तू त ता प षु ष्णि शा ख
॥ माधुच्छन्दसम् ॥

हाओहा । इहाओपावस्वसोमामाधूमं ऋतावा । आपोवसानोआधीसानोअन्याइ ।
खा ण ता च क टी कि खाश टु कि ख शि
आवद्रोणानीघार्त्ताव न्तीरो हा । हाओहा । इहाओमदिन्तमोमात्सरयाइन्द्रापा ।
टु कि खाश खा ण ता च क टी पि खि
नाः ॥ ३१ ॥
त्र

॥ सोमसामानिचत्वारि ॥

सोमःपवतेजनिता माताइनाम् । जनितादीवोजनीता पृथाइव्याः । जनिताग्नेर्जनितासूरीयायास्या ।

चु किच् का टा ति चा किच् का टा षी की टा त

जनिते न्द्रास्याजनितोतावाइ । ण्णोः ॥ ३२ ॥

कि टा पि खाश त्र

सोमःपवतेजनिताए औहोवा । माताइ नाम् । जनितादीवोजनीताप्रथिव्याः ।

पु ती खात्र प शत्र कि का कि चि

जनाइताग्नेः । जनितासूरीयास्या । जनिते न्द्रास्यजनितोतविष्णोः ॥ ३३ ॥

टा खाण खी खात्र कि कु टिख्

हाबुजनद्धाबुजनद्धाबुजनज्जनद्धाबुजनद्धाबुजनद्धाबुहोइजनद्धोइजनद्धोइजनात् । सोमःपवातेजानीतोमतीनाम् ।

षो तो श षू चू क टी कि खाश

जनितादाइवोजानीतापृथीव्याः । जनिताग्नाइर्जनितासूर्यास्या ।

कि टि कि खाप्ल कि कि किख श

हाबुजनद्धाबुजनद्धाबुजनज्जनद्धाबुजनद्धाबुजनद्धाबु । होइजनद्धोइजनद्धोइजनात् ।

षो तो श षू चू

जनिते न्द्रास्याजानीतोतावाइ । ण्णोः ॥ ३४ ॥

कि टा पि खाश त्र

जनद्धाबुजनद्धाबुजनद्धाबुजनदाबुजनदाबुजनदाबुजनद्धोइजनद्धोइजनद्धोइ । सोमःपवातेजानीतामतीनाम् ।

षौ तो श षू चु श क टी कि खाश

जनितादाइवोजानीतापृथीव्याः । जनिताग्नाइर्जनितासूर्यास्या ।

कि टि कि खाप्ल कि कि किख श

जनद्धाबुजनद्धाबुजनद्धाबुजनदाबुजनदाबुजनदाबु । जनद्धोइजनद्धोइजनद्धोइ ।

षौ तो श षू चु श

जनिते न्द्रास्याजानीतोतावाइ । ण्णोः ॥ ३५ ॥

कि टा पि खाश त्र

॥ मरूतां व्रतोपोहस्सम्पद्धा ॥

ओहाओहाओहाइयाओहाए । आभिन्निप्राष्टां वार्षाणं वयोधाम् । अङ्गोषीणामावावाशन्तवाणीः ।

क टा क टा टा ट त त टु कि खाश च कि क कि खाप्ल

वानावसानोवारूणोनसीन्धूः । ओहाओहाओहाइयाओहाए । वीरत्नधादयतेवारीया ।

टु कि खाप्ल क टा क टा टा ट त त की पी खा

णाइ ॥ ३६ ॥

त्र श

सप्तम खण्डः

॥ कूत्सस्याधिरथ्यानित्रीणि ॥

होवाउहुवाहोवा । प्रासेनानाइश्शूरोअग्राइरथानाम् । गव्यन्नेताइहर्षातेआस्यसे ना ।

ख श खिण कि टि खु श कि टु खि श

भाद्रान्कृण्वन्निन्द्राहावान्साखीभ्याः । आसोमोवास्त्रारभसानिदाक्ताइ । होवाउहुवाहोवाहाबु ।

कि की खि ण्ण कि टा कि खात्र श ख श खी ण्ण श

बा ॥ १ ॥

श

औहोओवा । प्रासेनानाइश्शूरोअग्राइरथानाम् । गव्यन्नेताइहर्षातेआस्यसे ना ।

फात त कि टी खु श कि टु खि श

भाद्रान्कृण्वन्निन्द्राहावान्साखीभ्याः । औहोओवा । आसोमोवास्त्रारभसानिदा ।

कि की खि ण्ण फात त कि टा पि खा

क्ताइ ॥ २ ॥

त्र श

ओहोओवा । प्रासेनानाइश्शूरोअग्राइरथानाम् । गव्यन्नेताइहर्षातेआस्यसे ना ।

फात त क था टी खु श क था टु खि श

भाद्रान्कृण्वन्निन्द्राहावान्साखीभ्याः । ओहोओवा । आसोमोवास्त्रारभसानिदा ।

क था टी खि ण्ण फात त क था टा पि खाणफण्ण

क्ताइ ॥ ३ ॥

ख श

॥ वैश्वज्योतिषाणित्रीणि ॥

हाबुहोहाइ प्रतेधारामाधूमाताइरसृग्रान् । हाबुहोहाइवारं यत्पूतोआतीयाइषीयाव्याम् ।

ति शा भु चक टु ति षी चु टु

हाबुहोहाइ पवमानपावसे धामगोनाम् । हाबुहोहाइ जनयन्सूर्यामापाइन्वोअर्काइः ।

ति शा चु का टी ति शा चु क टू

हाबुहोहाबु । बा ॥ ४ ॥

खि ण्ण श श

प्रागायताभ्यार्चामदे वान् । सोमंहिनोतामाहाते धनाया । स्वादुःपवातामातीवारमान्यम् ।

टी का खाश क टी कि खाश क टी कि खाश

आसीदतू कालशान्दाइवायाइ । न्दूः ॥ ५ ॥

क कि पी खि श त्र

हाबुहोहाइ प्रहिनवानोजनितारोदसीयोः । हाबुहोहाइ रथोनवाजंसनिषान्नयासीत् ।

ति शा षी खी खा ण्ण ति शा षु खि खाश

हाबुहोहाइ इन्द्रङ्गच्छन्नायुधासांशिशानाः । हाबुहोहाइ विश्वावसुहस्तयोरा दधानाः ।

ति शा षी खी खा ण्ण ति शा षी खी खा ण्ण

दधानाबु । बा ॥ ६ ॥

खा ण्ण श श

॥ वाचस्सामनीद्वे ॥

ताक्षाद्यादीहोइमनासावेनतोवाक् । ज्येष्ठास्याधाहोर्मद्युक्षोरनीकाइ । आदीमायान्होइवरा मावावशानाः ।

फा फाफ णि फीफ फा फाफ ण फीफ श फा फाफ णि फीफ

जूष्टं पातीहोइङ्कलशोगावइन्दाबु । बा ॥ ७ ॥

फा फाफ षु शी श

तक्षाद्यादाओइमनासावेनतोवाक् । ज्येष्ठास्याधाओर्मद्युक्षोरनीकाइ । आदाइमायाओन्वरा मावावशानाः ।

कीप णि फीत कीप ण फीत श क कीप णा फीत

जुष्टम्पाताओइङ्कलशोगावइन्दाबु । बा ॥ ८ ॥

कीप षु शी श

॥ दाशस्पत्यानिषट् ॥

साकाम् । उक्षोमर्जयन्तस्वासाराः । दाशाधीरस्यधीतयोधानूत्रीः ।

ता षा कु ट त टा कू टात

हारीपर्यद्रवज्जास्सूर्यास्या । द्रोणा न्नानक्षेअत्येनवाहाउवा । जी ॥ ९ ॥

टा कु टात टाचक दू ति ख

साकमुक्षाए । एमर्जयन्तस्वासारोदशधीराए । एएस्यधीतयोधनुर्निर्हरिःपर्याए ।

ती त तप षु तूत तप षी तूत

एएद्रवज्जस्सूर्यस्यद्रोणन्ननाए । एएक्षेअत्येनवाहाउवा । जी ॥ १० ॥

तप षू ती त तप षू शा ख

इन्दूर्वाजी पावतेगोन्योघा इन्द्राइस्सोमाः । सहइन्वन्मदाया हन्ताइराक्षाः । बाधतेपरियरातिं वाराइपाःकृ ।

था टाच कूचक टि त षी किचक टि त षि कुचक ती

ण्वान्वृजनास्याराजौवाउवोवा । होइळा ॥ ११ ॥

थ टि पा षु षू शा

इन्दुर्वाजीपवतौहोऔहोवाहाइ । गोन्योघौवाउवोवा । इन्द्रेस्सोमस्साहाइन्वन्मदायौवाउवोवा ।

षु तूत श कि खिश का की कु खिश

हन्तीरक्षोबाधते परियरातौवाउवोवा । वरिवःकृण्वन्वृजनास्याराजौवाउवोवा । होइळा ॥ १२ ॥

क दूच कु खिश की टी पा षु षू शा

इन्दुर्वाजीपवतेगोन्योघाः । इन्द्रेस्सोमस्सहइन्वन्मदाया । हन्तिरक्षोबाधतेपर्यरातिम् ।

षी तु त षी तू श षु तू श

वरिवःकृण्वन्वृजनस्यराजाराजौहोवा । एस्याराजा ॥ १३ ॥

षु तु खि शि त टाख

इन्दुरौहोवाहाई या । वाजाउवाहाउवा । पवातेगोन्योघाउवाहाउवा ।

षु तात ती ति का था का ता ति

इन्द्राइसोमास्सहइन्वन् । उवाहाउवा । मादाऔहोवा ।

क की की ता ति टदख शि

याहन्ताइ । रक्षोबाधाताइपाउवाहाउवा । रीया राऔहोवा ।

ख क च श थि की ता ति टादख शि

तीम् । वाराइवःकृण्वन्वृजानाउवाहाउवा । स्याराऔहोवा ।

ख चा कि की ता ति टदख शि

जा ॥ १४ ॥

ख

॥ कश्यपस्यचशोभनम् ॥

अधीयदा । स्माइन्वाजिनी वाशुभाः । स्पर्धन्ते धीयास्सूराईनविशाः ।

ती टि काच् चि क थाच् कि ख शी

आपोपृणानःपवताइकवीया न्नाजन्नपाशुवार्धनायामा । न्मा ॥ १५ ॥

षु दू कथ दु पि खा त्र

॥ आत्रम् ॥

महत्तत्सोमोमहिषाश्चाकारा । अपांयत्गर्भोवृणी तादाईवान् ।

षु चि टि ता चि काच् का टा

आदधादिन्द्रेपवमानाओजोअजनायत्सूर्येज्योतिरिन्दाउवा । एअजनायत्सूर्ये ज्योतिरिन्दूः ॥ १६ ॥

ति का चि का ट कि का ट क टा क ता त कि कि खी

॥ अपांसाम ॥

अपामीवेदूर्मयस्तौहोऔहोवाहाइ । तुराणाहा हाहाइ । प्रामनीषाई रतेसोमामाच्छाहाइ ।

षू तू त श खि शङ्क त त श चि पा णि फ फाळ त श

नामस्यन्ताइरूपचायन्तीसञ्चाहाहाआचविशन्तुशातीरूशन्तांहाहाऔहोवा । वाहाः ॥ १७ ॥

षु टि का फ त त त क चू क फ त त ख शि त टख

॥ श्रौष्टाणित्रीणि ॥

औहोहाअयोहाइ । पावापवस्वैनावसूनीऔहोइहाईया । मा श्रत्वइन्दोसरसीप्रधान्वान्वाऔहोइहाईया ।

तु त श कु टा त ट च का ट त कथ षी कि टा त ट च का ट त

बृध्नाश्चिद्यस्यवातोनाजूतींऔहोइहाईया । पुरूमेधश्चित्तकवेनारान्धात् । औहोइहाई याऔहोवा ।

षु का टा त ट च का ट त षा कू टा त ट च का ट ट ख शि

एदीदिही ॥ १८ ॥

त तिच्

अयोहाइपवोहाइ । पावस्वैनावसूनीइहोइहाईया । मांश्रत्वइन्दोसरसीप्रधान्वाइहोइहाईया ।

ता ती त श ती टा त का का ट त षु कि टा त का का ट त

बृध्नाश्चिद्यस्यवातोनाजूतींइहोइहाईया । पुरूमेधश्चित्तकवेनारान्धात् । इहोइहाई याऔहोवा ।

षु का टा त का का ट त षि कु टा त का का ट ट ख शि

एदीदिया ॥ १९ ॥

त टिख्

हाउवोवाहाउवोवाहाओवाहाउवा । आयापावापवस्वैनावसूनीहो इहियाईहोइहा ।

खिश खिश त प श ति चा चा कि कि काच् क टा टा टा ख

मां श्रत्वइन्दोसरसिप्रधन्वाइहोइहियाइहोइहा । बृध्नाश्चिद्यस्यवातोनाजूतिमिहो इहियाइहोइहा ।

कथ की कू चा टि टा खा चा चा कि कुच् टि टा खा

हाउवोवाहाउवोवाहाओवाहाउवा । पुरूमे धश्चित्तकवेनरान्धादिहो इहियाइहोइहा ॥ २० ॥

खिश खिश त प ष्ठ ति कि कु कि काच् टि टा खा

॥ वासिष्ठम् ॥

असाऔहो । जीवाक्कारथ्याइयाथा । जाबु ।

भि त क टा पी श ख श

धियाऔहो । मानोता प्राधमामानीषा । दशाऔहो ।

भि त टिच्क पि श ख भि त

स्वासारो धिसानोआ । व्याइ । मृजाऔहो ।

टिच् पि श ख श भि त

न्तिवान्हींसादनाइषूवच्छाबु । बा ॥ २१ ॥

टिच्क पी शि ख

अष्टम खण्डः

॥ नकूलस्यवामदेवस्यप्रैखौद्वौ ॥

पुरोजिती । वोअन्धासाः । सूतायमादयाआउवाए ।

ती खि ण टी ता भि

त्नावे । आपश्चानंश्चथाआउवाए । ष्ठाना ।

ख श टी ता भि ख श

साखायोदीर्घजाआउवा । ह्वीयम् ॥ १ ॥

टी ता टि ख श

पूरोजिती । वोअन्धासाः । सूता यामाऊहोवाऊ ।

ती त पा श काच्क ट ट था ट

दायाइत्नावे । आपश्चानाऊहोवाऊ । श्वाथाइष्ठाना ।

त पि श च था ट ट था ट त पि श

साखायोदाऊहोवाऊ । र्घाजाऔहोवा । एह्वीयाम् ॥ २ ॥

च था ट ट था ट टट्ख शि त टाख्

॥ महाकार्तव्येशञ्च ॥

पुरोहाहाबुजाइती । वोआऔहोअन्धासाः । सूताऔहोयामाहाओवा ।

ति खि णा त का खि ण चाक ख शु

दाइत्नावारूपा । आपश्चानंश्चथाइष्ठाना । साखाऔहोयोदाहाओवा ।

च किक ख यू पा श चा क ख शु

र्घाजिह्वयमूपा ॥ ३ ॥

क टिख

॥ और्ध्वसन्नज ॥

पुरोजितीवोअन्धसउवाहाइ । सूतायमादइत्नवउवाहोआपश्चानंश्चथिष्ठनउवाहोइ । साखायोदाइर्घाजिह्वायाम् ।

षु तु त श षु दू च पी दू च श च था कि खात्र

सूवृक्तिभी ऋमादनंभरेषुवा ॥ ४ ॥

कीच्क टु ताच्

॥ श्यावाश्वञ्च ॥

पूरोजीतीवोअन्धासए हिया । सूतायमादाइत्नवाएहिया । आपश्चानंश्चाथीष्ठाना ।

चाय प ष्ठ खी णा कु टि टि कि पा श त त

ऐहाएहिया । सखायोदाइर्घाजीह्वायाम् । हाइ ॥ ५ ॥

कट टि का पी श ख ष्ठ शा

॥ आन्धीगवञ्च ॥

पुरोजितीवयाओन्धासाः । सूतायमादायाहिमा । त्नावे आपश्चानंश्चधिष्ठाना ।

षी तू त पु श टाट् टाच् की ती

साखाउवा । योदीर्घाजीह्वीयाऔहोवा । होइळा ॥ ६ ॥

पा शा ट टा त क टा ख ष्ठ ष्ठ शा

॥ क्रौञ्चानित्रीणि ॥

अयं पूषोहोइरायिर्भगाः । सोमःपुनानोआर्षा । ताइ ।

का कु चि ती टा ख त्र श

पातिर्विश्वोहोस्याभूमनाः । व्यख्याद्रोदासीऊ । भाइ ॥ ७ ॥

का की च शा ति टा ख त्र श

अयंपूषाअयंपूषा । रायिर्भगास्सोमाःपुनानोअर्षताइ । पातिर्वाइश्वाओस्याभूमानाः ।

षी तू क चि था टा क थ चा श चि टा यि टा

ओइव्यख्याद्रो । दासीऊभाइळाभा । ओइळा ॥ ८ ॥

टी त का टी खण् प शा

आयं पूषा होइरायिर्भगाए । सोमःपुनानया । र्षाति ।

चा क फळ् खी ण्णि त टि खाणफळ् ख श

पातिर्विश्वस्यभूमनाः । व्यख्याद्रो । दासीउभा इ ।

चि टुख टा त टि खण् श

ओइळा ॥ ९ ॥

प शा

॥ गृत्समदस्यसूत्राणि चत्वारि ॥

आहाआवा । रीयातायधृष्णवेधनू ओवा । ष्टन्व न्तीपौंस्यंशुक्राओवा ।

था प ण का क टी का प ण का च्च कि ता प ण

वियन्त्यसुरायनिर्त्रिजेविपांओवा । अग्रे महीयुवाः ॥ १० ॥

टु चा टा ता प ण चा टा टा ख्

हाहाआहर्यातायाधृ हाहाओहोवा । ण्णावे । हाहाइधानुष्टान्वन्तीपौःहाहाओहोवा ।

त त की ख शङ्ख त ख शि ख श त त कु ख शङ्ख त ख शि

सीयम् । हाहाइशुक्रावियन्तायसुरायानी हाहाओहोवा । र्नीजे ।

ख श त त कु टी ख शङ्ख त ख शि ख श

हाहाइवीपामाग्राइमाही हाहाओहोवा । यूवाः ॥ ११ ॥

त त कि टा खा शङ्ख त ख शि ख ष्ण

आहर्यतायधृष्णवाया । धानू ष्टान्वातीपापुंसायां । शुक्रावियन्तायसुरायानीर्नाइजाइ ।

षु तु चाय ट का या ट की की का ख णा श

वीपामाग्राइ । ओइमाहीयूवो । हाइ ॥ १२ ॥

चाय ट श पि श ख ष्ण शा

आहरीयातायाधृ ण्णावे धनूष्टन्वान् । तिपापुंस्यंशुक्रावियन्तायसुरायनाउवा । र्नीजे ।

फ णा ष्ण फा खा शी ता था की की शी ख श

वाइवांहाआग्रेहाइ । माहीयूवाः । ओइळा ॥ १३ ॥

टि त टा त श चा ट खण् प शा

॥ आकुपारम् ॥

परित्यंहर्यतंहरिं पारित्यंऔहोर्यतंहराइम् । बभ्रंपुनन्तिवारे णाबाअभ्रंपुनौहौन्तीवारे णा ।

चू काप ह्री डीश कू थच् पा फू डिश

योदेवान्विश्वंइत्पारीयोदेवान्वौहोइश्वंइत्पराइ । मदेनसहगच्छातीमादेनसौहोहगच्छातो ।

षु चा कप ह्री डुश षि ची कप ह्री ह्री

हाइ ॥ १४ ॥

शा

॥ त्वाष्ट्रीसामनीद्वे ॥

सुतासोमा । धूमाक्तमाःसोमाइन्द्रायमाएन्दिनाया । पवाइ ।

ती ता ता कित ता त ता ख चाश

त्रवान्तयाएक्षर त्रादाइवान् । गच्छान्तुवाएमदाया ॥ १५ ॥

ता ता त काख चि ता ता त ता ख

सुतासोमधुमाक्तमाः । सोमाइन्द्रायमा । न्दीनाः ।

षी ती टा टा खाणफळ ख फू

पावित्रवान्तोअक्षरन्देवान् । गच्छान्तुवोमादाः । ओइळा ॥ १६ ॥

टी तू चा टि खण् प शा

॥ सोमसामानिचत्वारि वासिष्ठानिवा मदाईनिधनानिवा त्वाष्ट्रीसामानी ॥

सुतासोमाधूमाक्तामाः । सोमाइन्द्रायमन्दीनाःपावाउवोवा । त्रवन्तोअक्षरन्देवान् ।

खा ह्री क कु का टा खाश षू ता

गच्छान्तुवोमादाः । ओइळा ॥ १७ ॥

चा टि खण् प शा

सुतासोमधूमाक्तमस्सोमाइन्द्रा । यमन्दीनाःपावीत्रवान्तोअक्षरन्दाइवान्गच्छाउवा । तूवाः ।

षू तू यु टच् य ट कु की शा खफू

मदाऔहोवा । होइळा ॥ १८ ॥

टि खफू फू शा

सुतासोमधुमाक्तमस्सोमाहाबु । इन्द्रायामान्दिनाः । इन्द्राहोयमान्दाइनाः ।

षी तू त श था च य टा था टि ख णा

पावित्रवान्तोअक्षरान् । त्रवाहोन्तोअक्षरन् । देवान्गच्छन्तुवोमादाः ।

कीट भि ता टा खाण ची क य टा

देवान्होइगच्छोहाइ । तू वाऔहोवा । मदाया ॥ १९ ॥

था खी ण श ट्ख शि ता ट्ख

सुतासोमधुमाक्तमाए । सोमाइन्द्रायामान्दिनादाइनाः । पावित्रवान्तोअक्षरान्क्षारा ।

षि तु त ची क य टा टि कीट टि टा

देवान्गच्छन्तुवोमादामादाः । देवान्होइगच्छोहाइ । तू वाऔहोवा ।

ची क य टा टा था पी ण श ट्ख शि

मादाई ॥ २० ॥

ता ट्ख

॥ त्वाष्ट्रीसामनीचैव ॥

सुतासोमाहाधु मक्तामाः । सोमाइन्द्राहायमान्दाइनाः । पावित्रवाहान्तोअक्षरान् ।

टी चा टि टी चि टि टी क थ टि

न्देवान्गच्छाहान्तुवोहोबामादो । हाइ ॥ २१ ॥

टी त प्ला प प्ला शा

सूतासोमा हाहाधूमक्तामाः । सोमाइन्द्राहाहायमन्दाइनाः । पावीत्रावा हाहान्तोअक्षरा ।

णा च कफू त चा पि फा फाफू त चि पि णा फाफू त त थ पि

न्देवान्गच्छाहाहान्तुवोहोबामादो । हाइ ॥ २२ ॥

फा फाफू त त प्ला ख प्ला शा

॥ क्रौञ्चेद्वेशामदेवा ॥

हाबुसोमाः । पव न्दाइन्दावाउवाहाउवा । अस्माभ्यङ्गातुवित्तामाउवाहाउवा ।

ती काट मि ता ति का था भी ता ति

मित्रास्वानाआरेपासाउवाहाउवा । स्वाधियास्सूवार्वाइदो । हाइ ॥ २३ ॥

का था ट मि ता ति फ ता प श ख प्ला शा

सोमाःपवन्तई न्दवाः । अस्माभ्यङ्गातुवित्तामाः । माइत्राउवोवा ।

फा खी शा की कि ख टि खाश

स्वानाअरे पसाः । स्वाधियाः । सूवार्वाइदाः ।

क कि टाख तच् चा टि खाण्

ओइळा ॥ २४ ॥

प शा

॥ सोमसामानि त्रीणि ॥

अभिनोवा । जासाओहोवा । तामम् ।

ती टट् ख शि ख श

रयिमार्षशातस्पृहामिन्दोसहस्रभाहोर्णसाम् । तुविद्युम्विभाहोए । सहमोइळा ॥ २५ ॥

टि का कि दू टि दू टा खि शा

अभिनोवा । जासातमं रायीमर्षाउवाओहाइ । शतस्पृहामिन्दोसाहाउवाओहाइ ।

ती की चा का काट त श चि टिक्क टिट त श

स्रभर्णसन्तुवाइद्यु म्नाओहोवा । विभासाहाम् ॥ २६ ॥

षी टीट् ख शि ता ट ख

अभीहोइनोवाजासाहोतामम् । रयिंहोअर्षशाताहोस्पृहम् । इन्दोहोइ सहस्रभाहोर्णासम् ।

टा कि शि खाश टा क च खाश खाश टा च श खि श खाश

तुवाहोइद्यु म्विभाहोसा । हाम् ॥ २७ ॥

टा कि खु त्र

॥ क्रौञ्चैव उद्वद्ववा ॥

आभिनोवाओजसातमाम् । रायिमर्षाओशतास्पृहाम् । इन्दोसहाओस्रभर्णसाम् ।

कीप प्ला ता कीप प्ला ता क किप प्ला ता

तूवाइद्युम्विभासहा । बु । बा ॥ २८ ॥

कु प प्ली श श

॥ सोमसामचैव ॥

अभिनोवौहोजसातमाम् । रयिमषौहोशतस्पृहाम् । इन्दोसहौहोसभर्णासाम् ।

तु ती तु ती कु ती
तुविद्युम्रौहोविभासहाम् । सहन्तुविद्युम्रंविभाहाउवा । साहामे ॥ २९ ॥
कु ती षू णि शा चाटख्

॥ प्रैय्यमेधानि त्रीणि ॥

आभी । ओइ नवन्तायादहाः । ओइप्रियमिन्द्रस्यकामामायाम् ।

ख ण षा युट् षी यु ट्
ओइवत्सन्नपूर्वायूनी । ओइजातंरिहन्तिमोबा । ताराः ॥ ३० ॥
षु यीट् षी पी ण् स्व ण्

आभीनवन्तयादहाः । प्रीयामिन्द्रास्याकामायाम् । वत्सन्नपूर्वायूनी ।

फा खी शा ता ता का ख ण ती का ख ण
जातं होइरिहाहो न्तीमाताराः । ओइळा ॥ ३१ ॥

का कीकथ् टि खण् प शा
अभिनवन्तअद्रुहःओहाइ । प्रियमिन्द्रस्यकामियमोहाइ । वत्सन्नपूर्वायून्यौहोवाहाइ ।
षु ती शा षू ति शा तू तु त श

जातंरिहाउवा । न्तीमा । ताराओहोबा ।

की शा ख श टि ख ण्
होइळा ॥ ३२ ॥

ण् शा

॥ औशनंवैरूपम् ॥

प्रासुन्वानायआन्धासाः । मार्क्तो नवाष्टतद्वाचाः । आपश्चानमराधासाम् ।

पि शु था टा खिण पि ती त
हातामाघन्नभ्रङ्गा । वाः ॥ ३३ ॥
टि खी त्र

नवम खण्डः

॥ कावम् ॥

आभीप्रीयाणीपावाताइ । चानोहितोनामानीयाहोअधीये । षूवर्धताए आसूरी यास्याबृहाताः ।

खि श खि ण श क टि खि श खि ण क भि खि श खि ण

बृहन्नधाए रथांवाइश्वांचामारूहात् । विचाआउवा । क्षाणाः ॥ १ ॥

क भी खि शा खि ण ता टि ख प्ल

॥ प्रजापतेर्वाजसनिनीद्वे ॥

एआभीप्रीया । ओणीपावाताए चनोहीताए नामानीया । ओहोअधीयाए ।

त चाक फ त चि ता चि ता चाक फ त चि ता

षुवर्धाताए । आसूरीया । ओस्यबृहाताए बृहान्नाधी ।

चि ता चाक फ त चि ता चाक फ

एराथांवीष्वा । ओञ्चमारूहादे । विचक्षणाः ।

त चाक फ त चि ता पु

होइळा ॥ २ ॥

प्ल शा

अभ्यौहोवाहाइप्रियाणी । पावाताइचानो । हितोनामानियहोअधियाइ षूवर्धाताइ ।

षू ति कि खा ण टि की ति श चा चा श

आसूरियास्यबृहातोबृह न्नाधाइ । राथंवाइष्वाञ्चामारूहाद्विचाआउवा । क्षाणाः ॥ ३ ॥

ट कि ची चाक च श कू कि ता टि त टख्

॥ वाजिजितौद्वौ ॥

आभिप्रयाणि पावताइहोइहोवाहोए चनोहिताहाइहोवाहाइ ।

क कीच् शी की पा शै

नामानियाहो अधियाइहोइहोवाहोएषुवर्धताहाइहोवाइ ।

था किच् शी की पा शे

आसूरियास्यबृहतोहोइहोवाहोए बृहन्नधीहाइहोवाहाइ ।

था चि शि की पा शै

राथं विष्वाञ्च मारूहाद्धोइहोवाहोए विचक्षणाःहाइहोवाहाउवा ।

का किच् कि टी पा षी ह्री शि

वाजीजीगीवा ॥ ४ ॥

क क तच्

आभिप्रियाणीपवताइचानोहिताहोवाहोइ ।

क की कु शि काच श

नामानियाहो अधियाइषूवर्द्धताइहोवाहोइ ।

था कि कु कू च श

आसूरियास्याबृहतोबृ हन्नधीहोइहोवाहोइ ।

था कि की शि कीच श

राथं विष्वाञ्चामरूहाद्वीचक्षणाहोवाहो वाऔहोवा ।

का कि की की टाट् ख शि

वाजीजीगीवाविश्वाधनानी ॥ ५ ॥

क कि कि टा ख

॥ कावञ्चैव ॥

अभ्योवा । प्रीयाणिपवताइचनोहाइताः । नामानियहो अधियाइषूवर्धताइ ।

ता त षि कू टि षु कु टि श

आसूर्यस्यबृहतोबृहन्नाधी । राथांवाइष्वाञ्चमारूहाद्वाइचाक्षा । णाः ॥ ६ ॥

षी कु टा खि शा ता टा टि ख त्र

॥ सामराजानित्रीणि विशालानिवा उद्वन्तिवा सम्पद्वा तृतीयम् ॥

अचोदासोनो धानुवान्तूइन्दवाः । प्रस्वानासोबृहद्वाइवेषूहारयाः । वीचीदाश्राना इषयोआरातयाः ।

का टा कथ् च टा त चि था टा चि टा त चि चिट कथ् टि त चि

अर्योनास्सान्तूसानाइषान्तूनोधीया बु । बा ॥ ७ ॥

था टा चा टि त किचु श टख्

आचोदासोनोधन्वान्तुविन्दवाः । प्रस्वानासोबृहद्देवा इषूहरयाः । वाइचीदश्राना इषयोआरातयाः ।

का खु शी का चूख् शु चु कच् खि शी

आर्योनस्सन्तुसनीषन्तूनोधीयाबु । बा ॥ ८ ॥

का षि की फ प्ला श श

हाबुहोहाअचोदासोनोनुवान्तूइन्दवाः । हाबुहोहाइप्रस्वानास्सोबृहद्दे वाइषुहरयाः ।

ति की था खा श चि ति की थाच् क काख शा खि

हाबुहोहाइविचिदश्रानाइषयोआरातयाः । हाबुहोहाअर्योनस्सन्तूसानिषान्तूनोधीयाबु ।

ति चू क खिक खि ति चि काच् क च खा शु

बा ॥ ९ ॥

ख

॥ आङ्गीरसानित्रीणि ॥

अचोहाइ । दासोनोधनुवान्तुविन्दावाः । प्रस्वानासोबृहद्दे वाइषू हरयाः ।

ता त श षि कु टा षी कि कि टि

विचोहाइ दश्रोहाइ नाइषयोअरोहाइ । तायाअर्योहाइनस्सोहान्तुसानीषाम् । तुनाउवा ।

खा शा खा शा खूण श का खा शा खा श खिण टा ता

धीयाः ॥ १० ॥

ख प्ल

अचौहोवा । दासोनोधनुवान्तुविन्दावाः । प्रस्वानासोबृहद्देवाइषु हारायाः ।

ति त षि का ट षी कु टि

वाइचीदाश्रानाइषयोहोआरातायाः । होआर्योनास्सान्तुसानीषा । होन्तुनोधा ।

टि ख श खि श खीण त टा ख श खिण खी

याः ॥ ११ ॥

त्र

अचौहोवाहाइ । दासोनोधनुवान्तुविन्दावाः । प्रस्वानासोबृहद्देवाइषू हारायाः ।

ती त श षि कु टा षी कू टि

वाइचीदाश्रानाइषयोआरातायाः । आर्योनास्सान्तुसनीषान्तुनोधा । याः ॥ १२ ॥

ट ता ट ख ण फु त त ट त ट ख ण फि खि त्र

॥ औशनम् ॥

एषप्रकोरो माधूमंअचाइक्रादात् । इन्द्रास्यवाज्रोवापूषांवपुष्टामाः । अभाइमृतास्यांसूदूघाघृताश्रूताः ।

क टीच् क टा खी ण टुच् क टा खिण दूच् क टा खिण

वाश्राअर्षान्तीपायसाचधाइना । वाः ॥ १३ ॥

क टी क टा खी त्र

॥ प्रवत्भार्गवम् ॥

प्रोअयासाइदिन्दूरिन्द्रास्यानिष्कृताम् । सखासख्युर्नप्रमिनाताइसङ्गिराम् । मर्याइवायुवातिभाइस्सामर्षताइ ।

त चि फा टी चि का का भु ची था का शा भी चि श

सोमःकलाशेशतयामनापाथाबु । बा ॥ १४ ॥

थ की भी चाच श टख

॥ विरूपस्यचतन्त्रे ॥

प्रोअयासाइदिन्दूरिन्द्रास्यानिष्कृतांसाखासाख्युर्नप्रमिनातिसङ्गाइरम् ।

त चि था टी पि चा क फ चाक फ खि शा

मर्याइवायुवातिभाइस्सामर्षताए सोमाःकालाशेशातायामनापा ।

था का शा भी पी चा क फ चा क फ खि

था ॥ १५ ॥

प्रोअयासीत् । इन्दुरिन्द्रास्यानिष्कृतंसाखासाख्युर्नप्रमिनातीसङ्गीरम् ।

खिण पी श का फ चा क फ पु श का फ

मर्याइवायुवातिभाएसामर्षताइ । सोमाःकालाशेशतयामनापा ।

चाक फ पुश काफ श चा क फ टी खि

था ॥ १६ ॥

त्र

॥ भार्गवञ्चैव ॥

प्रोअयासीदिन्दुरिन्द्रास्यानिष्कृतांकृताम् । सखाओसख्युर्नप्रमिनातिसङ्गिरांगिराम् ।

षू तू खा ता पण् षू ती खा

मर्याओइवयुवतिभिस्समर्षताइषताइ । सोमाओकलशेशतयामनापा ।

ता पण् षू ती खि श ता पण् षू खि

था ॥ १७ ॥

त्र

॥ यामम् ॥

ओवाइया । प्रोअयासीदिन्दुरिन्द्रास्यानीष्कृताम् । साखासख्युर्नप्रमिनातीसङ्गीरम् ।

था चा षू पा चा फा षु पि चाक फ

मर्यइवयुवतिभाएसामर्षताइ । ओवाइया । सोमःकलाशेशतयामनापा ।

षी पु चाक फ श था चा यु टि खि

था ॥ १८ ॥

त्र

॥ दार्शशीर्षेद्वे ॥

धर्त्तादाइवाअवाए । पवते कृत्वियोरासाअवाए । दक्षोदाइवाअवाए ।

कि खा डि चिक किख डि कि खा डि

नामनुमा दियोनृ भाइ अवाए । हाराइस्सार्जाअवाए । नोअत्योनासाक्राभाअवाए ।

च किच् किख श डि की ख डि किच् किख डि

वृथापाजाअवाए । सिकृणुषाइनादाइषू वाअवाए । होइळा ॥ १९ ॥

किख डि ती का किख छि छ शा

धर्त्ताबुहोहोहाइ । दीवःपवताइकृऔहोहाहाइ ।

ती त त श चु थाट त त त श

त्वियोरासोदक्षोदाइवाऔहोहाहाइ । नामानुमादीयोनुभाइर्हाराइस्सार्जाऔहोहाहाइ ।

चा चा चाथ टि त त त श की की चि चा थ ट त त त श

नोअत्योनासक्राभाइवृथापाजाऔहोहाहाइ । सिकृणुषाऔहोहाहाइ ।

कि की चिथ टा त त त श चाथ टा त त त श

नदीषू वाऔहोहाहाऔहोवा । ए नादीषूवा ॥ २० ॥

कि क ट त त ख शि तच् का टाख्

॥ सैन्धुक्षितानित्रीणि ॥

वृषामातीना म्पावताएवीचक्षाणाए । सोमोअन्हाम्प्राताराइताएउषसान्दीवाए ।

का टा कथ् टि त चिक ख था टा चा टि त ची क ख

प्राणासाइन्धूनां कालाशंअचिक्रादादे । इन्द्रास्याहार्द्यावाइशानेमनीषीभीरे ।

था टि कथ् टि त चिक ख थ टा ट टी त चिक खण्

ओइळा ॥ २१ ॥

प शा

वृषामताईनाम्पवतेवीचक्षाणाः । सोमोअन्हाम्प्रतरीतोषासान्दाइवाः । प्राणासाइन्धनाङ्गलशंआचिक्रादात् ।

टा टा कु टि त टा टा की टि ता टा टि की टि त

आइन्द्रास्याहार्द्याविशन्मानीषाइभा इः । ओइळा ॥ २२ ॥

टि टा कि टि खाण्श प शा

वृषामतीनांपवताइवाइचाक्षाणाः । सोमोअन्हाम्प्रतरीतोषासान्दिवाः । प्राणासिन्धू नाङ्गलशंअचाइकृदात् ।

कु कि या पा ता का का कि या प का क किच्क टि पा ति

आइन्द्रास्याहार्द्याविशन्मानाइषीभाबु । बा ॥ २३ ॥

की कीय प शाण श ख

॥ यामानित्रीणि ॥

असाविसोमो आरूषोवृषाहराइः । राजेवदास्मोआभीगाचीकृदात् ।

का किच्क पा शा ताश था किच्क पा प्ल का

पुनानोवारा मातिधाएषीयाव्ययाम् । श्येनोनयोनी द्रुतवान्तमासदात् ।

का किच्क पि प्ला ता था किच्क पा प्ली

होइळा ॥ २४ ॥

प्ल शा

आसावीसोमोआरूषाः । वर्षाहराए राजेवादास्मोआभीगा । आचिक्रदात्पूनानोवारामातीये ।

खिश खिण क भी खिश खिण क टि खिश खिण

षीअव्ययांश्येनोनायोनीङ्गार्त्तावां । तमासादाऔहोवा । देदीवी ॥ २५ ॥

क टि खिश खिण ता टट्ख शि त टाख्

असाविसोमोअरूषोवृषाहराइः । राजेवदस्मोअभिगाअचिक्रदा । पुनानोवारमत्यष्यव्ययाम् ।

षु तू श षू तू षु तु

श्येनोनयोनिंघृतवान्तमासादाऔहोवा । एदीवी ॥ २६ ॥

षू ति ता टट्ख शि त टाख्

॥ मरूतान्धेनुनीद्वे ॥

प्रादे । वामच्छामधुम न्ताआइ न्दावाः । आसिष्यादन्तागावआनाधाइनावाः ।

ता कूच्क ट कथ् टा च खा कथ टिच्क टच् चि

बर्हिषादाः । वाचानावान्ताऊ धाभाइःपारिखू तम् । उस्त्रियानिर्णिजन्धाइराएधाइरा औहोवा ।

खिण चा टीच्क कि खाण षू टी खि शि

धाइरा इ ॥ २७ ॥

त टाख्श

त्राइरस्मैसप्तधेनवोदुदौहोहाइराइ । सत्यामाशीरम्परमेव्योमानी । चत्वार्यन्याभुवनानिनिर्णाइजाइ ।

प षु प्लू ड शि षु की टा पी कु टि श

चारूणाइचा । क्रेअद्रुताइरावा । द्वाता ॥ २८ ॥

खि णा क टि श टा ख त्र

॥ वसिष्ठस्यापामीवेद्वे वायोर्वाभिकृन्दौ ॥

इन्द्रायसोमसुषुताःपारीस्त्रावा । आपामीवाभवतुराक्षासासाहा । माताइरसस्यमत्सताद्वायावीनाः ।

की खी चाक फ कि खु चाक फ का पी खि चाक फ

न्द्रावाइ णस्वन्तइहसन्त्वाइन्दा । वाः ॥ २९ ॥

चा श षु खू त्र

इन्द्रायसोमसुषुतःपर्यौहोइस्त्रावा । आपामीवाभवतुरक्षसासाहा । मातेरसस्यमत्सतद्वायावीनाः ।

षु तू त पी यू प श षु यु प श

द्रावीणास्वान्ताई हसाहोन्तुवाइन्दा । वाः ॥ ३० ॥

ख प्ल ख ण का टा ट खी त्र

॥ अञ्जतेव्यञ्जतेस्समञ्जतइति काक्षीवतानांसामानि त्रीणि शार्ङ्गाणिवा ॥

अञ्जताइव्यञ्जताइसमञ्जताइ । ऋतुं रिहान्तीमध्वाभ्यञ्जाताइ । सिन्धोरूच्छासे पतयान्तामुक्षाणाम् ।

क का षु टी श का कि कि टा श था कि कि टी

हिर ण्यपावाःपशुमाप्सुगृष्णाताबु । बा ॥ ३१ ॥

का कि की चि श टख

अञ्जाहोतयाहोइव्यञ्जते सामञ्जताइ । ऋतुं होइ रिहाहोन्तिमध्वाभीयञ्जताइ ।

ता च ता कि चा चाकफ श ताच श ताट खि चाकफ श

सिन्धोर्होउच्छाहोसे पतयान्तामूक्षाणम् । हिराहोण्यपाहोवाःपशुमप्सुगृष्णा ।

ता च ता का खि चाकफ ताच ता का खू

ताइ ॥ ३२ ॥

त्र श

हावञ्जा । ताइ व्यञ्जते समञ्जताए हियाएहियाहाबुक्रातुम् । राइह न्तिमध्वाभ्यञ्जताए हियाएहियाहाबुसाइन्धोः ।

ति प श णि चि टा ताट खा शी प णा चु टा ताट खा शु

ऊच्छासे पतयन्तमुक्षाणामेहियाएहियाहाबुहाइरा । ण्यापावाःपशुमप्सुगृष्णान्ताए हियाएहियाहाबु । होइळा ॥ ३३ ॥

प णा चू टा ताट खा शु प णा चू टा ताट खाप्ल श प्ल शा

॥ आदित्यस्यार्कपुष्पे देवानांवा ॥

पावित्रन्तेविततं ब्रह्मणस्पतेहुवे हुवे होवाहाहाइ । प्राभुर्गात्रा णीपर्ये षीविश्वताहुवे हुवे होवाहाहाइ ।

की कि कु टा टा टा त त श टीचक टा ची टा टा टा त त श

अतप्ततनूर्नतदामोअश्रुते हुवे हुवे होवाहाहाइ । श्रतासइद्वह न्तस्सन्तदाशताहुवे हुवे होवाहाहाओहोवा ।

कु कि की टा टा टा त त श का की कू टा टा टा त ख शि

अर्कोदेवानांपरामे व्योमान् ॥ ३४ ॥

टि टा चिट ख

पावित्रन्तेविततं ब्रह्मणस्पतेहूवाओहोवा । प्राभुर्गात्राणीपर्ये षीविश्वतो हूवाओहोवा ।

की कि कीचकाट टा की कि कीचकाट टा

अतप्ततनुर्नतदामोअश्रुते हूवाओहोवा । श्रतासइद्वह न्तस्सन्तदाशताहूवाओहोवाओहोवा ।

कु कि कीचकाट टा कू कू टि ट ख शि

अर्कस्यदेवाःपरामे व्योमान् ॥ ३५ ॥

कि कच् चिट ख

दशम खण्डः

॥ वसिष्ठस्यपदेद्वे ॥

इन्द्रमच्छा । सूताईमाउवोवा । वृषाणय्यन्तूहारयाउवोवा ।

ती टी खाश का था टक्क टा खाश

श्रुष्टाई । जातासइन्दावाः । सूवर्वाइदाः ।

चाश चू टि खाण्

ओइळा ॥ १ ॥

प शा

इन्द्रमच्छा । सूताईमाइताई माइ । वृषाणय्यन्तूहारयाहारायाः ।

ती टी टित श का था च क टा क ट त

श्रुष्टे जातासाइन्दवाआइन्दावाः । सुवरा औहोवा । विदोवीदाः ॥ २ ॥

का था ट टि ती टिख् शि ता ट ख

॥ वसिष्ठस्यानुपदेद्वे ॥

इन्द्रमिन्द्रा । आच्छासूताइमेआइमे । वृषाणय्यन्तूहारयारायाः ।

ती च क या टा टि का था का टा टा

श्रुष्टे जातासाइन्दवादावाः । सुवरा औहोवा । विदोवीदाः ॥ ४ ॥

का था ट टि टा किख् शि ता ट ख

इन्द्रमच्छसूताइमेवृषाणय्यन्तूहाहोरायाः । श्रुष्टाउवाजाताउवा । सइन्दवास्सूवा हो ।

षू फू त ता ख का का का का चीक फ़ू त

विदोइळा ॥ ४ ॥

खा शा

॥ पौष्कलम् ॥

इन्द्रमाच्छास्सूताई माइ । वृषाणय्यन्तूहारायाः । श्रुष्टाई ।

क पा प्ला खाण श चा की खण चाश

जातासइन्दावाः । सुवर्विदाः ॥ ५ ॥

टीख त्र ता टाख्

॥ ऐषिराणिपञ्च ॥

प्रध न्वासौहोऔहोवा । मजाग्रवीः । इन्द्रायेन्दौहोऔहोवा ।

का शा का च ण का टा था शा का ख ण

परीसावा । द्युम न्तांशौहोऔहोवा । ष्ममाभारा ।

चा टा का शा का ख ण का टा

सुव विदौहोऔहोवा । ऊपा ॥ ६ ॥

का की ख त्र ख श

प्रध न्वासौहोवाहोमजाग्रवीः । इन्द्रायेन्दौहोवाहोइपरीसावा । द्युम न्तांशौहोवाहोष्ममाभारा ।

का की कि टा था की की टा का की कि टा

सुव विदौहोवाहोवाऔहोवा । ऊपा ॥ ७ ॥

का कि टट् ख शि ख श

औहोऔहोइ प्रध न्वासो । औहोऔहोमजाग्रवीः । औहोऔहोइ इन्द्रायाइन्दो ।

क चि श का टा क कु टा क चि श था टि च्

औहोऔहोइपरीसावा । औहोऔहोइ द्युम न्तांशू । औहोऔहोष्ममाभारा ।

क कू टा क चि श का टा च् क कु टा

औहोऔहोइसूवार्वाइदाऔहोवा । ऊपा ॥ ८ ॥

क चि का त तट् खा शि ख श

हुवाइहुवाहोइ प्रध न्वासोमजाग्रवीः । इन्द्रायाइन्दोपारीसावा । द्युम न्तांशूष्मामाभारा ।

टा टि शा का टा का टा था टि चा टा का टा का टा

हुवाइहुवाहोइ सूवार्वाइदाऔहोवा । ऊपा ॥ ९ ॥

टा टि शा क त ट खा शि ख श

प्राधन्वासोमजाग्रवीः । इन्द्रायाइन्दो । ओइपाराइसावा ।

पि शु टा ख णा टि पि श

द्युमान्तांशू । ओष्ममाभारा । सूवार्वादिदाम् ॥ १० ॥

टा ख ण टि ख त्र ता ट ख

॥ शौक्तानिपञ्च ॥

सखायाया नीषीदतपुनानाया प्रागायता । शिशुन्नायाज्ञै पाराइभू षाताश्राया इ । ओइळा ॥ ११ ॥

का टाच् तृ तच् चा शा टि त कथ् टीच्क टा खण्श प शा

साखायाया । नीषीदाता । पूनानायाप्रागाऔहोवा ।

ती खिण टा ख ण टट्ख शि

याता । शिशुन्नायाज्ञैःपरीभूषा ताऔहोवा । श्रिये ॥ १२ ॥

ख श चु का टाट्ख शि ताच्

सखाययानीषीदाता । पुनानायप्रगायताशिशुन्नायाज्ञैःपराइभूषाताश्राया इ । ओइळा ॥ १३ ॥

षी टि त का षे टी टि त ट खण्श प शा

ओहाइसखाययानीषीदाता । पुनानौहोइपुनानौहोएयाप्रायाप्रा । गायतौहोइ गायतौहोएशाइशूंशाइशूम् ।

त पू तित का कु पि शी क शी क पी शू

नायज्ञौहोइ नायज्ञौहोएपारीपारा औहोवा । ए भूषतश्रिये ॥ १४ ॥

ती श पु ता खा शि तच् तुच्

सखाययाउवोवा । नीषाइदाताउवोवा । पुनानायप्रगायताशाइशाउवोवा ।

फा खी श टु खा श का की ता टि खा श

नायज्ञैःपारिभूषाताउवोवा । श्रिये ॥ १५ ॥

दू टा खी श ताच्

॥ कार्णश्रवसानित्रीणिगौलोमानिवा ॥

तांवा स्साखा । योमदाया । पूनानामभीगाया ता ।

ख शङ्ख ख ण क टा त कु टाट्

शाइशून्नाहव्यैस्वदयान्तगूर्त्तभा इः । ओइळा ॥ १६ ॥

की का टि खीण्श प शा

ओइतंवस्सखा । योमदायाउवोवा । पूनानमभिगाउवोवा ।

तू क भि खा श का टी खा श

यताउवोवा । शिशुन्नाहव्यैस्वदयाउवोवा । न्तगाउवोवा ।

शा खा श कि का टि खा श शा खा श

र्त्तीभीः ॥ १७ ॥

ख प्लू

तंवस्सखायोमदाया । पूनानमभिगायाताशाइशू न्नाहव्यैस्वदयान्तागूर्त्ताइभो । हाइ ॥

षी तित का टी चा टिचक ख श ति प श ख प्ला शा

‘१८ ॥

॥ वैश्वदेवेद्वे ॥

प्राणा । शाइशू र्म्माहाइनाम् । हिन्वान्नार्त्ता ।

ता ख शाष् ख णा टा ख ण

स्यादाइधीतिम् । वाइश्वापरिप्रियाभुवादधद्विता । ओइळा ॥ १९ ॥

त पि श कि की टा खीण् प शा

प्राणाप्राणा । शाइशूश्शाइशूर्म्महाआउवाए । नाम् ।

ती टि टि ता भी ख

हिन्वान्नार्त्तास्यदाआउवाए । धीतिम् । विश्वापरिप्रियाआउवा ।

क कि ता भी ख श का ती टि

भूवात् । अधौहौहुवाइद्वा इताऔहोवा । उऊपा ॥ २० ॥

ख श टा ट टीट् खा शि खा श

॥ इन्द्रसामनीद्वे ॥

प्राणाशिशूः । महाइनमौहोवा । हिन्वन्नृतस्यदीधितिंवाइश्वाउवापारा उवा ।

ती टा खीत्र क शी कि कि का का का

प्रियाभुवदधाउवा । एद्विता ॥ २१ ॥

टा की ता त ताच्

प्राणाहोइयाहाइ । शाइशू र्म्माहाइनामाबुहोऔहोवा । हिन्वन्नृतस्यदीधिताइमाबुहोऔहोवा ।

खि शी टिच् टी च काक का क षी टु काक का

विश्वावाराबुहोऔहोवा । प्रीयाभू वाऔहोवा । आधाद्विता ॥ २२ ॥

टी काक का टिटख शि च तिच्

॥ मरूताम्प्रेङ्गःवसिष्ठस्यवा ॥

प्राणाहाहोइशाइ शूर्हाहोइ । माहीनांहोवाहोए । हिन्वान्नहहोयार्त्ताहाहोइ ।

फा ण् खि श ण् ता श क टा का पा ण् खी श ण् ता श

स्यादीधिताइंहोवाहोए । वीश्वाहाहोइपारी हाहहोइ । प्रीयाभुवाद्वोवाहोए ।

चा का कि पा फा ण् खि श ण् ति श चा टा क क पा

आधाद्वाइतो । हाइ ॥ २३ ॥

प श ख ण् शा

॥ आग्नेयञ्च ॥

पावास्वदाइवावीतायाइ । इन्दोधाराभीरोजासा । आकलशम्माधूमान्सो ।

टी खीण श टी खिण कू ख ण

मानए मानाःसदाए । होइळा ॥ २४ ॥

चि पा ण् ण् शा

॥ सोमसामच ॥

पवस्वदा इवावीतयाइन्दोधाराभिरोजसाए । आकाहालाशाम् । माधुहोमान्सोमानोवा ।

तीच् णु का क ख णु टा त टा टा त टाच् क प ण्

स्वादो । हाइ ॥ २५ ॥

ण् शा

॥ सुज्ञानेद्वे ॥

सोमःपुना । नऊर्म्मिणाव्यंवारंविधावताइ । अग्रेवाचाःपावमानाऔहोवा ।

ती का चा थ टा का चा श था टाच् क टाट् ख शि

कनीकृददे । ऊपा ॥ २६ ॥

का ति ट ख

सोमःपूना । नऊर्म्मिणाउवाओवाऔहोवा । अव्यंवारंविधावत्यग्राउवाओवाऔहोवा ।

ती का का काट् ख शि टू ति काट् ख शि

वाचःपवमानःकनाउवाओवाऔहोवा । क्रादात् ॥ २७ ॥

क ष चू काट् ख शि ख श

॥ द्यौतेद्वे ॥

सोमःपुनानऊ । र्म्मिणाव्यंवारंवीधावाती । अग्रेवाचाःपावमानाःकानीक्रादात् ॥ २८ ॥

तू कु टि त ची ची काफ ख

सोमःपुनानऊर्म्मिणाऐही । अव्यंवारं विधावताऐही । अग्रेवाचःपवमानाऐही ।

षी खु प्ला कीच् का खा प्ला षी खी प्ला

कानी । ऋददेहियाहा । होइळा ॥ २९ ॥

ता षू षू शा

॥ आतीषातीयेद्वे ॥

सोमःपुनानऊर्म्मिणा । अव्यंवारं वीधावत्यग्राओइवाचाः । पवाओमानाः ।

षी खि ण कीच् का टि खि ण टा खा ण

कनाइक्रा । दात् ॥ ३० ॥

खीणफष्ट् ख

सोमाःपूना ओनऊर्म्मिणाए । अव्यंवारंविधावाती । अग्रेवा चाःपावमानाः ।

चा कफष्ट् खि ष्टि यू प श खिणफष्ट् तच् क टा त

कानाऔहोवा । ऋददे ॥ ३१ ॥

टट् ख शि खि

॥ सोमसामानिचत्वारि ॥

प्रापुनानायवेधसाइ । होइहोइ सोमायावाचाउच्याताइ । भृतिन्नभरामातिभाइजूषाता इ ।

पि शू पी टु भि श कु कि टी खण् श
ओइळा ॥ ३२ ॥

प शा

प्रपुनानौहोयवेधसाइ । सोमाऔहोयवचउच्यताइ । भृताऔहोइन्नभरामातिभाइः ।

फु की श क का ख शृ कि ख ह्री डि श
जुजोआउवा । षाते ॥ ३३ ॥

ता टि ख श

गोमन्नो होइन्दोअश्ववादे । सूतःसुदक्षधानीवाः । शुचिञ्चवा णामधिगोऔहो ।

फिह् खि ह्लि श यू प श खीणफह् खी ता
षुधारायाऔहोवा । होइळा ॥ ३४ ॥

काक टा ख ह्ण ह्ण शा

हावास्मा । भ्यान्त्वावासुवाइदम् । अभाइवाणीरनाउवोवा ।

ति ख श खि णा टा खाश खी श
षाता । गोभिष्टे वर्णा माभिवासयामसि । होइळा ॥ ३५ ॥

ख श चि थाच् टि शी ख ह्ण

॥ सोमस्ययशांसित्रीणि ॥

पवतेहा । रीयातोहरिरौ होयौहोवा । आतिह्वरां सीरंहीया औहोयौहोवा ।

ती चाट किच् य ट ख श टीच् क किच् श य ट ख श
अभ्यर्षस्तोतृभ्योवाऔ होयौहोवा । रा वाऔहोवा । यशो याशाः ॥ ३६ ॥

कू काच् य ट ख श टट् ख शि ताच् क टख्
पवापवतेहा । रीयातोहरिरौ होयौहोऔहो । आतिह्वरां सीरंह्याऔहोयौहोऔहो ।

खा शी चाट किच् य ट खि टीच् क का श य ट खि
अभ्यर्षस्तोतृभ्योवाऔहोयौहोऔहो । रा वाऔहोवा । यशो याशाः ॥ ३७ ॥

का की का य ट खि टट् ख शि ताच् ट ख
पवतेहर्यतोहरीरातीह्वरांसीरंह्या । अभ्यर्षस्तोतृ भ्योवाइरा राऔहोवा । याशाः ॥ ३८ ॥

फू ताप ह्लि डि पि ह्ण ता टाट् ख शि ख ह्ण

॥ औशनंवासिष्ठंवा ॥

परीकोशंमधुश्रूतं । सोमःपुनानोअर्षतीहोएअभिवा णीर्ऋषीणाम्सप्तानाउवोवा । षाता ॥ ३९ ॥

खि शु की टू खिणफह्ण त च था टि खाश ख श

एकादश खण्डः

॥ वासिष्ठेद्वे ॥

पावा । स्वामाधुमात्तामाउवोवा । ईन्द्रा ।

ता दू खाश खश

यसोमाक्रातूवित्तामामादाओइमाहाउवोवा । द्युक्षातमोमादाः ॥ १ ॥

कि क क भि टा टी खाश चा ता टा

पवस्वमाए । धुमात्तामाइन्द्रायसोओओहोवा ।

तु का कि ति का त त

माक्रातूवीत्ताओओहोतमोमादाः । महाइद्युक्षाओहोवा ।

टी त का ख खा ता टीद ख शि

तमोमादाः ॥ ३ ॥

ता ट ख

॥ सभानित्रीणि ॥

पवस्वमधुमाइहा । त्तामाइन्द्रायसोमःकृतुवीत्तामोमादाइहा । महाइद्युक्षाइहा ।

षू ता शु कु टि ति टी ति

तामोमादाः । ओइळा ॥ ३ ॥

टि खण् प शा

पावस्वमधूमात्तामाः । आइन्द्रायसोमाक्रातुवाइत्तामोमादाः । माहिद्युक्षातामोमादो ।

ख षु ड श दू क पी श त त पु श ख ष

हाइ ॥ ४ ॥

शा

पावास्वामधू मत्तामाः । इन्द्रायसोमाक्रातुवाइत्तामोमादाः । महाइद्युक्षातामोमादो ।

पि ष्ठा खा ण टुचक पी श त त पू श ख ष

हाइ ॥ ५ ॥

शा

॥ ऐषिराणिचत्वारिच्यावनानिवा ॥

अभाइद्यु म्नाम्बृहाद्याशाः । इळास्पते दिदीहिदे वादेवायूम् । वीकोशम्मद्ध्यमां ।

की ख कि फ की खी श का फ कि कि

यूवा ॥ ६ ॥

ख त्र

अभ्येद्युम्लाम् । बृहाद्याशाः । इळास्पताइदिदीहाइदे वादाइवायुं विकौवाउवोवा ।

ती चा य ट पी कि ख शा खी श खु ण

शर्माद्ध्यमांआउवा । यूवा ॥ ७ ॥

का ता टि ख श

अभिद्युम्लम्बृहदिहा । याशाइळास्पतेदिदीहिदे वादेवायूम् । विकौहोवाहाइ ।

पी ती धू की टि त ती त श

शर्माद्ध्यमं यूवाइळाभा । ओइळा ॥ ८ ॥

टाच् का का खिण् प शा

अभिद्युम्लम्बृहद्यशाः । ईळास्पताइदिदीहिदाइवादेवयूम् । वीकोशम्मद्ध्यमां होयूवाएहियाहा ।

तु ति क कू की चि टूच् य प ग्री श

होइळा ॥ ९ ॥

प्ल शा

॥ शौक्तानित्रीणि ॥

आसोतापा । राइषाऔहोवा । ज्ञाता ।

ती ट खा शि ख श

अश्वन्नस्तोममसूरं रजस्तुरमोए वनाओए प्रक्षाऔहोवा । उदाप्रूताम् ॥ १० ॥

था का की कि मि ता टा खा शि ता ट ख

आसोतापा । रिषिञ्चताऊहोवाऊ । अश्वन्नस्तोममसुराऊहोवाऊ ।

ती का टा ट क थ ट था का टी ट क थ ट

राजस्तुराऊहोवाऊ । वानप्राक्षाऊहोवाऊ । उदाप्रूताऔहोवा ।

च टिट क थ ट चिट ट क थ ट ता ट ख शि

उऊपा ॥ ११ ॥

खा श

आसोतापा । रिषाइञ्चताअश्वन्नस्तोममासूरं रजस्तूरंवनोहाबु । प्राक्षामूदाहिम्माए ।

टि त टु कू ख श खि शु पि श मि

प्रूतम् ॥ १२ ॥

ख श

॥ वाचस्सामानित्रीणि ॥

आसोतापारीषिञ्चता । आश्वाऔहोवा । नस्तोममसुरं रजस्तुरं होइवनाऔहोवा ।

ती ती टा खाश का की षी टी खाश

प्रक्षामुदाप्रूताम् ॥ १३ ॥

का ता ट ख

आसोऔहोतापाराइषीञ्चाताआश्चन्नस्तोममसूरम् । रजस्तूरंवनोहाबु । प्राक्षामुदाआउवा ।

खा ता यु टा कू खश खि शु का ता टि

प्रूतम् ॥ १४ ॥

खश

आसोतापा होरिषीञ्चताए । आश्चन्नस्तोमामसूरम् । राजस्तूरं वानाप्राक्षां ।

णा च फल्ल खि णि चा थाच् च य टा की च य टा

ऊदांप्रूतां । हाइ ॥ १५ ॥

प श खल्ल शा

॥ कौन्मलबर्हिषाणिपञ्च शंकुतृतीयंसीदन्तीयंवा तृतीयेतराणिपञ्चा त्यर्थः ॥

एताम् । उत्त्यम्मदाश्चूतम् । साहास्रधारंवार्षाभांदीवोदूहम् ।

ता टी खण की टी टा खण

विश्वाहोइहोइवासू । नाइबाऔहोवा । भ्रातम् ॥ १६ ॥

टा टु त ट खा शि खश

एतमूत्यम् । मदाआउवा । च्यूतम् ।

ती ता टि खश

साहास्रधारंवृषाभन्दिवोदूहांवाइश्वावसू । निबाआउवाए । भ्रातम् ॥ १७ ॥

की कि टि कख शु का भी खश

एतमुत्यमेमदा । च्यूतांसहस्रधारंवृषाभन्दीवोदूहाम् । वाइश्वावासु नीबोबाभ्रातां ।

कु ता पू की टित टि टाक्क प फल्ल

हाइ ॥ १८ ॥

शा

एतमुत्यमोहाइ मदच्युतमोहाइ । साहास्रधारंवार्षाभम् । दीवोदुहमोहाइ ।

कु षा तु त श खि श खिण खु ण श

विश्वाहोइवासू । नाइबाऔहोवा । भ्रातम् ॥ १९ ॥

टा टित ट खा शि खश

एतामुत्यम्मदाच्युतम् । साहास्रधारंवृषाभन्दीवो दूहमोइ । विश्वावसूनिबा हो इभ्रातमाआउवा ।

फा खी शा की टी टाक्क चि श दूक्कक्क का ता टि

उऊपा ॥ २० ॥

खाश

एतामुत्यम्मदाच्युतम् । साहास्रधारंवृषाभन्दिवोओवा । दूहाम् ।

खा ण्णी शा टी चि टि का पश

विश्वावसूनिबाआए । भ्रातामेहियाहा । होइळा ॥ २१ ॥

दू टा प ण्णी श फल्ल शा

॥ दीर्घेद्वे ॥

सासू । न्वेयोवासूनाम् । योरायामाने तायाइळानाम् ।

ता का टा त टा चिथ टि त

सोमाः । यास्सूक्ष्मीताआइनां । हाइ ॥ २२ ॥

ट त का पा फ्लि शा

ससुहाबु । न्वेयोवासूनांहाबु । योरायामाने तायाइळानांहाबु ।

तिश टु त श चा चिथ टी त श

सोमोयास्सूहाबु । क्षितीनामौहोबा । होइळा ॥ २३ ॥

टी त श का पा प्ला प्लु शा

॥ सोमसामानिनित्रिणि ॥

सस्वेसासू । न्वेयोवासाआउवा । नां ।

ती का ता टि ख

योरायामाने तायाइळानांसोमौवाउवोवा । यास्सूक्ष्मीताआउवाए । नाम् ॥ २४ ॥

टा चिथ टी खुण का ता भि ख

ससून्वेयाएवासू । नायोरायामाने तायाइळानांसोमाः । यास्सूक्ष्मीता इ ।

पु ता क याप काथ टि ख ता का खाणफप्लु श

नाम् ॥ २५ ॥

ख

सासून्वेयोवसूनाम् । योरायामाने तायाइळानाम् । सोमोयस्सुक्ष्मीतीनाम् ।

पि शी क य प काथ पि त्र टा की ख

सोमाः ॥ २६ ॥

ट ख

॥ शैतेप्याणिचत्वारि ॥

त्वंहियाम् । गदाइव्यपवमानजनिमा निद्युमाक्तामाः । आमाक्तात्वायाघोबाषाया ।

ति पी चू कच् काट टा टा टा क प प्लु प्ला

न्हाइ ॥ २७ ॥

शा

त्वंहियाम् । गदाइव्यपवमानाहोवाहाइ । जनिमानीद्युमाक्तामाः ।

ति पी किक टा त श टि ख पा त त

आमाक्तात्वाऔहोवा । यघोषायान् ॥ २८ ॥

टिट् ख शि का टाख्

त्वंह्यंगदा । इव्यपवमानजनिमानिद्युमाक्तामाः । आमाक्तात्वायाघोबाषायान् ।

ती पू कि टि ता टि तच् क प प्लु प्ला

हाइ ॥ २९ ॥

शा

त्वंहायांगादाइव्याम् । पावमाना जनिमा नायेद्युमाक्तामाः । आमाक्तात्वा ।

खि प्ली टि कथ् टिक् प पा त त भि तच्

याघोबाषायान् । हाइ ॥ ३० ॥

क प प्लु प्ला शा

॥ सोमसामानित्रीणि ॥

एषस्यधारायासूताः । अव्यावाराइभाइःपवतेमदिन्तामाः । क्रीळान्नूर्माइः ।

क यु टा थाच्च क पी कु चा टित श

आपामाइवो । हाइ ॥ ३१ ॥

प श ख प्ला शा

एषास्याधारयासुताः । अव्याहोइ वारेभिःपवतेमदीन्तामाः । क्रीळान्होऊर्मीः ।

क प शु भिश षि यु टा टाच्च ट त

अपामीवाऔहोबा । होइळा ॥ ३२ ॥

चाक टा ख प्ल प्ला शा

एषस्यधारयासुताः । अव्यावाराइभिःपवाताइमदीन्तमाः । क्रीळान्नूर्मीरपाउवाओबामाइवो ।

फी की थाच्च क कु प शि का पी की प प्ल प्लि

हाइ ॥ ३३ ॥

शा

॥ गायत्रपार्श्वञ्च ॥

एषाः । स्यधारयाआउवा । सूताः ।

ता का ता टि ख प्ल

अव्यावारेभिःपवते मादिन्तामाः । क्रीळान्नूर्मीरपाहिंवा । माइवा ॥ ३४ ॥

पी कीच्च क टा ख यिट ता प श टिख

॥ सन्तनिच ॥

एषाहाबु । स्यधारयाआउवा । सूताः ।

ता त श का ता टि ख प्ल

अव्यावारे भिःपवते मादिन्तामाः । क्रीळान्हाबु । ऊर्मीरपाआउवा ।

पी कीच्च क भि ता त श का ता टि

मीवा । याउस्त्रियाअपियाआन्तारश्मानी । निर्गाहाबु ।

ख श पी कि च खी ता त श

आक्रन्तदोआउवा । जासा । आभिवृजन्तन्तीषे गव्यमश्वियाम् ।

का ता टि ख श पी की दुख

वर्मीहाबु । वाधृ ण्णवाआउवा । रूजा ॥ ३५ ॥

ता त श का ता टि ख श

Index

- ॥ अक्षय्यञ्चरेवत् ॥ , 170
 ॥ अगस्त्यस्यचराक्षोघ्नम् ॥ , 51
 ॥ अगस्त्यस्ययमिकेद्वे ॥ , 209
 ॥ अगस्त्यचराक्षोघ्नम् ॥ , 46, 49
 ॥ अगस्त्यचैवराक्षोघ्नम् ॥ , 49
 ॥ अग्रेराक्षोघ्नेद्वे ॥ , 25
 ॥ अग्रेराग्रेयेद्वे ॥ , 32
 ॥ अग्रेरायुः ॥ , 30
 ॥ अग्रेर्यद्वाहिष्ठीयेद्वे ॥ , 43
 ॥ अग्रेर्वैश्वानरस्यसामनीद्वे ॥ , 38, 137
 ॥ अग्रेर्हरसीद्वे ॥ , 24, 31
 ॥ अग्रेश्चजराबोधीये ॥ , 21
 ॥ अग्रेश्चदधिक्रम् ॥ , 136
 ॥ अग्रेश्चद्रविणम् ॥ , 35
 ॥ अग्रेश्चयज्ञायजीयम् ॥ , 28
 ॥ अग्रेश्चवारवन्तीयम् ॥ , 22
 ॥ अग्रेश्चविशोविशीयम् ॥ , 43
 ॥ अग्रेश्चवैश्वानरस्यार्षेयम् ॥ , 20
 ॥ अग्रेश्चश्रैष्ठ्यम् ॥ , 51
 ॥ अग्रेश्चसंवर्गः ॥ , 21
 ॥ अग्रेश्चाग्रेयम् ॥ , 37
 ॥ अग्रेश्चार्षेयम् ॥ , 25
 ॥ अङ्गिरसान्निवेष्टौद्वौ इळा नांवासङ्कारौ ॥ , 55
 ॥ अङ्कतेवैरूपस्यसाम ॥ , 188
 ॥ अङ्गिरसांसङ्कोशास्त्रयः देवानांवा सामसुरसे द्वे ॥ , 208
 ॥ अङ्गिरसाञ्चैवनिवेष्टः ॥ , 151
 ॥ अङ्गिरसान्निवेष्टौद्वौ ॥ , 150
 ॥ अङ्गिरसामधीवासपरीवासौद्वौ ॥ , 198
 ॥ अङ्गिरसामुत्सेधनिषेधौ द्वौ ॥ , 201
 ॥ अच्छिद्रञ्च ॥ , 196
 ॥ अञ्जतेन्यञ्जतेस्समञ्जतइति काक्षीवतानांसामानि त्रीणि शार्ङ्गाणिवा ॥ , 229
 ॥ अत्रेर्विवर्त्तोद्वौ ॥ , 141
 ॥ अत्रेश्वासङ्गम् ॥ , 22
 ॥ अदितेश्चसाम ॥ , 48, 115
 ॥ अनूपेद्वे ॥ , 109
 ॥ अपांसाम ॥ , 216
 ॥ अभिवादस्यचऔदलस्यसाम ॥ , 89
 ॥ अरूणस्यचवैददश्चेस्साम ॥ , 80
 ॥ अश्विनोश्च साम ॥ , 77
 ॥ अश्विनोश्चसंयोजनम् ॥ , 116
 ॥ अश्विनोश्चसाम ॥ , 112, 116
 ॥ अश्विनोश्चैवसाम ॥ , 116
 ॥ असीतञ्चसिन्धुसामवा ॥ , 82
 ॥ अहेःपैण्वस्यसाम अहिहनोवाबैल्वस्य ॥ , 61
 ॥ आकुपारम् ॥ , 220
 ॥ आक्षारञ्च ॥ , 159
 ॥ आक्षारञ्चैव ॥ , 160
 ॥ आक्षीलन्चबाभ्रंवा ॥ , 106
 ॥ आक्षीलेद्वे ॥ , 110
 ॥ आग्रेयञ्च ॥ , 193, 200, 233
 ॥ आग्रेयानित्रीणि ॥ , 182
 ॥ आङ्गिरसानित्रीणि ॥ , 203
 ॥ आङ्गीरसञ्चइन्द्रस्यवा हरिश्रीर्निधनम् ॥ , 82
 ॥ आङ्गीरसानित्रीणि ॥ , 225
 ॥ आजमायवञ्च ॥ , 116
 ॥ आजीकञ्च ॥ , 175, 176
 ॥ आजीक्तञ्च ॥ , 115
 ॥ आतीषातीयेद्वे ॥ , 234
 ॥ आत्रम् ॥ , 126, 216
 ॥ आत्राणित्रीणि ॥ , 98
 ॥ आत्रेद्वे ॥ , 111
 ॥ आदित्यस्यचरुचिरोचनंवा ॥ , 52
 ॥ आदित्यस्यार्कपुष्पे देवानांवा ॥ , 229
 ॥ आदित्याः सामनीद्वे तार्क्ष्यसामनिवा ॥ , 126
 ॥ आदित्यानाञ्चपवित्रम् ॥ , 154, 206
 ॥ आदित्यानाञ्चापामीवम् ॥ , 160
 ॥ आन्धीगवञ्च ॥ , 218
 ॥ आपालवैणवेद्वे ॥ , 75
 ॥ आप्सरसञ्च इष्टाहोत्रीयंवा आपांवानिधि ॥ , 67
 ॥ आभरद्वसवेद्वेऐन्द्राग्रेर्वा ॥ , 58
 ॥ आभिषवेद्वे ॥ , 197
 ॥ आभीकञ्च ॥ , 175
 ॥ आभीकञ्चैव ॥ , 175
 ॥ आभीकेद्वे ॥ , 147
 ॥ आभीशवञ्च ॥ , 84
 ॥ आभीशवेद्वे ॥ , 146

॥ आमहीयवञ्च ॥ , 176
 ॥ आयास्यञ्च ॥ , 194, 196
 ॥ आयास्येच ॥ , 193
 ॥ आयास्येद्वेसोमसामनीवा ॥ , 195
 ॥ आशुभार्गवंतृतीयम् ॥ , 178
 ॥ आश्वञ्च ॥ , 54, 212
 ॥ आश्वसूक्तञ्च ॥ , 56
 ॥ आश्वानिचत्वारि ॥ , 182, 200
 ॥ आश्वेद्वे ॥ , 154
 ॥ आष्टादष्टेद्वे ॥ , 131
 ॥ आसीतेद्वे ॥ , 45
 ॥ इन्द्रसाम ॥ , 181
 ॥ इन्द्रसामच ॥ , 205
 ॥ इन्द्रसामचैव ॥ , 182
 ॥ इन्द्रसामनीद्वे ॥ , 179, 233
 ॥ इन्द्रसामानित्रीणि ॥ , 205
 ॥ इन्द्रस्यक्रोशानुक्रोशेद्वे ॥ , 155
 ॥ इन्द्रस्यच शरणम् ॥ , 105
 ॥ इन्द्रस्यचक्षुरपविनीद्वे ॥ , 123
 ॥ इन्द्रस्यचक्षुरपवी ॥ , 85
 ॥ इन्द्रस्यचत्रातम् ॥ , 126
 ॥ इन्द्रस्यचमाया ॥ , 79
 ॥ इन्द्रस्यचरातिः ॥ , 168
 ॥ इन्द्रस्यचवृषकम् ॥ , 105, 192
 ॥ इन्द्रस्यचवैराजे ॥ , 169
 ॥ इन्द्रस्यचश्येनः ॥ , 144
 ॥ इन्द्रस्यचस्वाराज्यम् ॥ , 147
 ॥ इन्द्रस्यचाभयङ्करम् ॥ , 108
 ॥ इन्द्रस्यवज्रेद्वे ॥ , 124
 ॥ इन्द्रस्यवात्रघ्नम् ॥ , 189
 ॥ इन्द्रस्यवारवन्तीयम् ॥ , 122
 ॥ इन्द्रस्यवृषकाणित्रीणि ॥ , 185
 ॥ इन्द्रस्यशुद्धाशुद्धीयेद्वे ॥ , 134
 ॥ इन्द्रस्यसंवर्गौवात्रघ्नेद्वे ॥ , 19
 ॥ इन्द्रस्यसञ्चयेद्वे सेनुदेवा वामदेव्येवा ॥ , 150
 ॥ इन्द्रस्यसत्रासाहीयेद्वे ॥ , 76
 ॥ इन्द्रस्यसहस्रबाहवियम् ॥ , 59
 ॥ इन्द्रस्यसहस्रायुतेद्वे प्रजापतेर्वा महोविशीये ॥ , 113
 ॥ इन्द्रस्याभयम् ॥ , 83
 ॥ इन्द्रस्याभरेद्वे ॥ , 162
 ॥ इन्द्रस्याभीवर्तः ॥ , 92
 ॥ इन्द्रस्याभ्रातृव्यम् ॥ , 161
 ॥ इन्द्रस्यार्कौद्वौ ॥ , 91
 ॥ इन्द्रस्येन्द्रियाणीत्रीणि ॥ , 143
 ॥ इन्द्राण्याश्चैवसाम ॥ , 176

॥ इन्द्राण्यास्साम ॥ , 56, 113, 175
 ॥ इन्द्राण्यास्सामनीद्वे ॥ , 59
 ॥ इन्द्राण्यास्सामनीद्वेइन्द्रस्यवासांवर्त्ते
 संवर्त्तस्यवाङ्गीरसस्य ॥ , 159
 ॥ इन्द्राण्यास्सामा ॥ , 83
 ॥ इषोवृधीयञ्च ॥ , 181
 ॥ इहवद्वामदेव्यंतृतीयम् ॥ , 24
 ॥ उद्वंशपुत्रञ्च ॥ , 166
 ॥ उद्वंशीयन्तृतीयम् ॥ , 130
 ॥ उद्वञ्च ॥ , 194
 ॥ उरोराडगिरसस्यसाम ॥ , 29
 ॥ उषसश्च साम ॥ , 63
 ॥ उषसश्चसाम ॥ , 78, 86, 116, 136, 138, 151, 168
 ॥ उषसश्चैवसाम ॥ , 86
 ॥ ऋक्सामयोस्सामनीद्वे ॥ , 138
 ॥ ऋतुसामच ॥ , 87
 ॥ ऋतुसामनिच ॥ , 122
 ॥ ऋतुसामनीच ॥ , 37
 ॥ ऋषभश्चपावमानः ॥ , 175
 ॥ ऐटतेद्वे ॥ , 38, 54
 ॥ ऐतवृधञ्च ॥ , 35
 ॥ ऐधमवाहानि त्रीणि ॥ , 60
 ॥ ऐषञ्च ॥ , 62, 85, 86, 171, 192, 212
 ॥ ऐषञ्चारूढवदाङ्गिरसम् ॥ , 45
 ॥ ऐषिराणिचत्वारिच्यावनानिवा ॥ , 237
 ॥ ऐषिराणित्रीणि ॥ , 162
 ॥ ऐषिराणिपञ्च ॥ , 231
 ॥ ऐषिरेद्वे ॥ , 93
 ॥ औक्षोरन्धराणित्रीणिऔक्षोनिधनानिवा ॥ , 158
 ॥ औक्षोनिधनानित्रीणि ॥ , 204
 ॥ औक्षोरन्ध्राणित्रीणि ॥ , 203
 ॥ औदलेद्वे वैणवेद्वे वैणव औदलइतीवा ॥ , 72
 ॥ औरूक्षयेद्वे ॥ , 119
 ॥ और्णायवेद्वे ॥ , 184
 ॥ और्ध्वसन्नञ्च ॥ , 218
 ॥ और्ध्वसन्नेद्वे प्रहितोर्वा संयोजने ॥ , 88
 ॥ और्वस्यवैधारेस्सामनीद्वे ॥ , 22
 ॥ औशनंवासिष्ठंवा ॥ , 235
 ॥ औशनंवैरूपम् ॥ , 222
 ॥ औशनञ्च ॥ , 19
 ॥ औशनम् ॥ , 187, 225
 ॥ औशनानित्रीणि ॥ , 207

॥ औशनेच ॥ , 188
 ॥ कण्वरथन्तरम् ॥ , 195
 ॥ कश्यपस्यचधृष्णुम् ॥ , 147
 ॥ कश्यपस्यचशोभनम् ॥ , 216
 ॥ कश्यपस्यबर्हिषीयम् ॥ , 18
 ॥ कश्यपस्यसयोनिः ॥ , 44
 ॥ काक्षीवतञ्च ॥ , 63
 ॥ काण्वञ्चैव ॥ , 103
 ॥ काण्वम् ॥ , 103
 ॥ काण्वेद्वे ॥ , 34, 70, 133
 ॥ कार्णश्रवसम् ॥ , 33
 ॥ कार्णश्रवसानित्रीणिगौलोमानिवा ॥ , 232
 ॥ कार्तवेशञ्च ॥ , 28, 105
 ॥ कार्ष्णेच ॥ , 189
 ॥ कालेयानित्रीणि ॥ , 93
 ॥ कावञ्च ॥ , 26
 ॥ कावञ्चैव ॥ , 224
 ॥ कावम् ॥ , 223
 ॥ कावर्षाणित्रीणि ॥ , 164
 ॥ कावर्षेद्वे ॥ , 108
 ॥ काश्यपञ्च ॥ , 137
 ॥ काश्यपञ्चआप्सुरसंवा ॥ , 88
 ॥ काश्यपेद्वे ॥ , 40
 ॥ कूतिवारस्यवैरूपस्यसाम ॥ , 128
 ॥ कूत्सस्यप्रतोदौद्वौ ॥ , 65
 ॥ कूत्सस्याधिरथ्यानित्रीणि ॥ , 214
 ॥ कौत्सञ्च ॥ , 40, 86, 88
 ॥ कौत्सन्तृतीयम् ॥ , 155
 ॥ कौत्सानिचत्वारि ॥ , 89
 ॥ कौत्सेद्वे पाञ्चवाजेवा ॥ , 73
 ॥ कौन्मलबर्हिषाणिपञ्च शंकुतृतीयंसीदन्तीयंवा
 तृतीयेतराणिपञ्चा त्यर्थः ॥ , 238
 ॥ कौन्मुदञ्चैव ॥ , 42
 ॥ कौन्मुदम् ॥ , 42
 ॥ कौन्मुदेद्वेस्वर्जोतिषीवा ॥ , 109
 ॥ कौन्मुलबर्हिषेद्वे ॥ , 94
 ॥ कौल्मलबर्हिषेद्वे ॥ , 135
 ॥ क्रौञ्चञ्चैव उद्वद्ववा ॥ , 221
 ॥ क्रौञ्चानित्रीणि ॥ , 219
 ॥ क्रौञ्चेद्वेशर्मदेवा ॥ , 221
 ॥ गात्समदञ्च ॥ , 114
 ॥ गाधिनश्चकौशिकस्यसाम ॥ , 32
 ॥ गायत्रपार्श्वञ्च ॥ , 240
 ॥ गृत्समदस्यमदौद्वौ ॥ , 146

॥ गृत्समदस्ययोनिनीद्वे ॥ , 119
 ॥ गृत्समदस्यवीकानिचत्वारिवसिष्ठस्यवाप्रियाणी ॥
 , 132
 ॥ गृत्समदस्यसमिधौदौ ॥ , 127
 ॥ गृत्समदस्यसूत्राणि चत्वारि ॥ , 219
 ॥ गोधासामच ॥ , 78
 ॥ गोपवनञ्च ॥ , 26
 ॥ गोषूक्तम् ॥ , 56
 ॥ गौङ्गवम् ॥ , 97
 ॥ गौतमम् ॥ , 136
 ॥ गौतमस्यच भद्रम् ॥ , 76
 ॥ गौतमस्यचैवपर्कः ॥ , 18
 ॥ गौतमस्यतन्त्रातन्त्रेद्वे ॥ , 209
 ॥ गौतमस्यपर्कः ॥ , 18
 ॥ गौतमस्यपौरुमुद्वेद्वेपुरुमुद्वस्यवा ज्जीरसस्य
 देवानांवा ॥ , 29
 ॥ गौतमस्यमनार्याणित्रीणि ॥ , 107
 ॥ गौतमस्यमनार्येद्वे ॥ , 32
 ॥ गौतमस्यरयिष्ठेद्वे ॥ , 134
 ॥ गौतमेद्वे ॥ , 30, 111
 ॥ गौर्यश्चाङ्गिरसस्यसाम ॥ , 151
 ॥ गौराङ्गिरसस्यसामनीद्वे ॥ , 27
 ॥ गौराङ्गिरसस्यसामनीद्वे ॥ , 170
 ॥ गौराणित्रीणि ॥ , 57
 ॥ गौरीवितम् ॥ , 56
 ॥ गौरीवितानित्रीणि ॥ , 70
 ॥ गौरीवितेःप्रहितौद्वौ ॥ , 111
 ॥ गौरीवितेद्वे ॥ , 74
 ॥ गौशृङ्गेद्वे ॥ , 94
 ॥ घृताचेराङ्गिरसस्यसामनीद्वे ॥ , 41
 ॥ च्यावनानिचत्वारि ॥ , 183
 ॥ जमग्रेस्सवासिनी द्वे ॥ , 195
 ॥ जमदग्रेरभिवर्तएकम् ॥ , 94
 ॥ जमदग्रेश्चगम्भीरम् ॥ , 177
 ॥ जमदग्रेश्चसंवर्गः ॥ , 51
 ॥ जमदग्रेश्चिशिल्पेद्वे ॥ , 177
 ॥ तन्वस्यपाथस्यसामनीद्वे वसोवार्षेः ॥ , 55
 ॥ तरन्तस्यचवैददश्चेस्साम ॥ , 191
 ॥ तान्वेद्वे ॥ , 59
 ॥ तिरश्चेराङ्गिरसस्यसामनीद्वेदेवानांवादेवपुरे ॥ ,
 133
 ॥ तौदेद्वे ॥ , 47
 ॥ तौरश्रवसञ्च ॥ , 114

- ॥ त्रासदस्यवेच ॥ , 144
 ॥ त्रैककूभानित्रीणि ॥ , 158
 ॥ त्रैतानिचत्वारि ॥ , 156
 ॥ त्रैतानित्रीणि ॥ , 148
 ॥ त्रैशोकम् ॥ , 140
 ॥ त्वष्टार्याश्चसाम ॥ , 115
 ॥ त्वष्टुरातिथ्येद्वे ॥ , 66, 78
 ॥ त्वष्टुश्चातिथ्यम् ॥ , 48
 ॥ त्वाष्ट्रीसामच ॥ , 45, 66, 78
 ॥ त्वाष्ट्रीसामनीचैव ॥ , 221
 ॥ त्वाष्ट्रीसामनीद्वे ॥ , 83, 220
 ॥ दाढ्यच्युतानित्रीणि ॥ , 192
 ॥ दार्शशीर्षेद्वे ॥ , 227
 ॥ दाशस्पत्यानिषट् ॥ , 215
 ॥ दीर्घेद्वे ॥ , 239
 ॥ देवानाञ्चरुचिरोचनंवा ॥ , 138
 ॥ दैर्घतमसानित्रीणि ॥ , 47
 ॥ दैर्घश्रवसेद्वे ॥ , 31
 ॥ दैवातिथम्मैधातिथं वा ॥ , 73
 ॥ दैवानीकञ्च ॥ , 51
 ॥ दैवोदासञ्च ॥ , 33
 ॥ दैवोदासानिचत्वारि ॥ , 159
 ॥
 ॥ दैवोदासानित्रीणिआर्षभाणिवायदिवावाध्यश्चानि ॥ , 72
 ॥ दैवोदासेद्वे ॥ , 155
 ॥ दैवोराजञ्च ॥ , 32
 ॥ द्युतानस्य मारूतस्य सामनीद्वे ॥ , 126
 ॥ द्यौतेद्वे ॥ , 234
 ॥ द्वभ्यासञ्चसौहविषं वसिष्ठस्यवापिप्पलि ॥ , 204
 ॥ द्विहिङ्कारञ्चवामदेव्यम् ॥ , 201
 ॥ द्वैगतेच ॥ , 105
 ॥ धानाकेद्वे ॥ , 93
 ॥ धुरश्शम्येद्वे ॥ , 75, 167
 ॥ धृषतोमारूतस्यसामनीद्वे ॥ , 60
 ॥ नकूलस्यवामदेवस्यप्रैखौद्वौ ॥ , 218
 ॥ नानदन्तृतीयम् ॥ , 135
 ॥ नार्मेधञ्च ॥ , 28
 ॥ नाविकञ्च ॥ , 92
 ॥ नैपातिथञ्च ॥ , 114
 ॥ नैपातिथेद्वे वाशेवा ॥ , 109
 ॥ नौधसम् ॥ , 92
 ॥ पथस्यसौभरस्यसामनीद्वे ॥ , 51, 163
 ॥ पाथेद्वे ॥ , 42, 120
 ॥ पारूच्छेपेद्वे ॥ , 172
 ॥ पाष्ठौहञ्चैव ॥ , 181
 ॥ पाष्ठौहेच ॥ , 81
 ॥ पाष्ठौहेद्वे ॥ , 180
 ॥ पुरीषञ्चाथर्वणम् ॥ , 117, 125
 ॥ पौरुमीढञ्च ॥ , 33
 ॥ पौरूहन्मनञ्च ॥ , 108
 ॥ पौषञ्च ॥ , 62
 ॥ पौष्कलम् ॥ , 230
 ॥ पौष्णञ्च ॥ , 40
 ॥ पौष्णेद्वे ॥ , 67
 ॥ प्रजपतेश्चैवसहोरयिष्ठीयंसोमसामवा ॥ , 180
 ॥ प्रजापतेःकनीनिकेद्वेअत्रेवा ॥ , 43
 ॥ प्रजापतेःश्रुधियेद्वे ॥ , 48
 ॥ प्रजापतेःसदोहविधानानित्रीणिसदःपूर्वहविधाने उत्तरे ॥ , 48
 ॥ प्रजापतेराशिमरायेद्वेमरायराशिनिवा ॥ , 39
 ॥ प्रजापतेर्गूर्दः ॥ , 167
 ॥ प्रजापतेर्गूर्दौ गौतमस्यवाप्रतोद्वौ ॥ , 199
 ॥ प्रजापतेर्दोहादोहीयेद्वे ॥ , 176
 ॥ प्रजापतेर्धनधर्मेद्वे ॥ , 168
 ॥ प्रजापतेर्धर्मविधर्माणिचत्वारि ॥ , 153
 ॥ प्रजापतेर्निधन कामम् ॥ , 68, 106
 ॥ प्रजापतेर्वाजसनिनीद्वे वाजजितौद्वौ वाराहाणिवा ॥ , 208
 ॥ प्रजापतेर्वाजसनिनीद्वे ॥ , 223
 ॥ प्रजापतेर्वाजसनी ॥ , 170
 ॥ प्रजापतेर्हिकनिकविकानित्रीणि ॥ , 153
 ॥ प्रजापतेश्चनिधनकामम् ॥ , 23
 ॥ प्रजापतेश्चसदोविशीयम् ॥ , 195
 ॥ प्रजापतेश्चसहोरयिष्ठीयम् ॥ , 179
 ॥ प्रजापतेश्चाभीवर्तः ॥ , 92
 ॥ प्रजापतेश्चैवगूर्दः ॥ , 167
 ॥ प्रजापतेस्सन्तनीकेद्वे ॥ , 167
 ॥ प्रजापतेस्सीदन्तीयेद्वे ॥ , 162
 ॥ प्रजापतेस्सुतरयिष्ठीयेद्वे ॥ , 67
 ॥ प्रतीचीनेषञ्च काशीतम् ॥ , 79
 ॥ प्रयस्वच्चप्राजापत्यम् ॥ , 170
 ॥ प्रवत्भार्गवम् ॥ , 226
 ॥ प्रशस्यजानस्याभीवर्तौद्वौ ॥ , 207

॥ प्रष्टमेकम् ॥ , 94
 ॥ प्रहितोःसंयोजनेद्वे ॥ , 155
 ॥ प्राकर्षञ्च ॥ , 108, 119
 ॥ प्राकर्षम् ॥ , 96
 ॥ प्राजापत्येद्वे ॥ , 183
 ॥ प्रैयमेधानित्रीणि शौक्त सामानिवा
 उत्गातृदमनंवातृतीयम् ॥ , 74
 ॥ प्रैय्यमेधञ्च ॥ , 138
 ॥ प्रैय्यमेधानि त्रीणि ॥ , 222
 ॥ बभ्रोःकार्तवेशानित्रीणि ॥ , 186
 ॥ बभ्रोःकुम्भस्यसामानित्रीणि ॥ , 185
 ॥ बाभ्रवेद्वे ॥ , 175
 ॥ बार्हगिराणित्रीणी ॥ , 147
 ॥ बार्हदुक्थञ्च ॥ , 86, 114, 138, 143
 ॥ बार्हदुक्थेद्वे ॥ , 88
 ॥ बार्हदुत्थेद्वे ॥ , 33
 ॥ बार्हस्पत्यञ्च ॥ , 45
 ॥ बार्हस्पत्यञ्चब्राह्मणस्पत्यंवा ॥ , 35
 ॥ बार्हस्पत्येद्वेअग्नेर्वाराक्षोग्ने ॥ , 173
 ॥ बृहचैवाग्नेयम् ॥ , 42
 ॥ बृहच्चाग्नेयम् ॥ , 42
 ॥ बृहतश्चमारूतस्यसाम ॥ , 101
 ॥ बृहतोमारूतस्यसामनीद्वे ॥ , 123
 ॥ बृहत्कम् ॥ , 161
 ॥ बृहदाग्नेयञ्चसङ्कृतंवा ॥ , 49
 ॥ भरद्वाजस्यवार्जभृत् ॥ , 50
 ॥ भागञ्च ॥ , 92, 153
 ॥ भारद्वाजञ्च ॥ , 80, 125, 168, 189,
 193
 ॥ भारद्वाजञ्चैव ॥ , 168, 190
 ॥ भारद्वाजस्यगाधम् ॥ , 30
 ॥ भारद्वाजस्यदारसन्तित्रीणि ॥ , 60
 ॥ भारद्वाजस्यपृश्नीद्वे ॥ , 29
 ॥ भारद्वाजस्यप्रासाहम् ॥ , 41
 ॥ भारद्वाजस्यमौक्षेद्वे ॥ , 63
 ॥ भारद्वाजस्यविषमाणित्रीणि
 इन्वकंवातृतीयम् ॥ , 172
 ॥ भारद्वाजस्यशुन्ध्यु ॥ , 160
 ॥ भारद्वाजस्यौपहवौद्वौ ॥ , 28
 ॥ भारद्वाजानिचत्वारि कण्वब्रह्मद्वितीयम् ॥ ,
 96
 ॥ भारद्वाजानित्रीणि ॥ , 64
 ॥ भारद्वाजेद्वे ॥ , 91, 197
 ॥ भार्गवञ्चैव ॥ , 226
 ॥ भार्गवेच ॥ , 22
 ॥ भासञ्च ॥ , 179

॥ भृष्टिमतस्यस्सौर्यवर्चस्यसामनीद्वे ॥ , 124
 ॥ मण्डोर्जामदग्न्यस्यसामनीद्वे ॥ , 30
 ॥ मधुश्चुन्निधनञ्च प्राजापत्यम् ॥ , 135
 ॥ मनसश्चदोहः ॥ , 35
 ॥ मरुताञ्चसंवेशीयंककूभंवा ॥ , 162
 ॥ मरुताञ्चसाम् ॥ , 165
 ॥ मरुतांत्रतोपोहस्सम्पद्वा ॥ , 213
 ॥ मरुताङ्गालकाक्रन्तौ ॥ , 210
 ॥ मरुताङ्गोष्ठापुंसिनिद्वे ॥ , 199
 ॥ मरुताञ्चसंवेशीयम् ॥ , 62
 ॥ मरुतान्धेनुनीद्वे ॥ , 228
 ॥ मरुताम्प्रकीळास्त्रयःसङ्कीळावानिक्लिळावा ॥
 , 187
 ॥ मरुताम्प्रेङ्गःवसिष्ठस्यवा ॥ , 233
 ॥ महाकार्तवेशञ्च ॥ , 218
 ॥ महाकार्तवेशञ्च ॥ , 29
 ॥ महागौरीवितं तृतीयम् ॥ , 75
 ॥ महायौधाजयञ्च ॥ , 200
 ॥ महारौरवञ्च ॥ , 199
 ॥ महावामदेव्यंतृतीयम् ॥ , 76
 ॥ महावैश्वामित्रेद्वे ॥ , 131
 ॥ महासावेदसेद्वे ॥ , 142
 ॥ माण्डवञ्च ॥ , 194
 ॥ माण्डवञ्चैव ॥ , 194
 ॥ माण्डवेद्वे ॥ , 198
 ॥ मादिलम् ॥ , 180
 ॥ माधुच्छन्दसञ्च ॥ , 115
 ॥ माधुच्छन्दसम् ॥ , 212
 ॥ माधुच्छन्दसङ्गौञ्चसौपर्णवा
 घृतश्चुन्निधनंआङ्गिरसानिवा ॥ , 74
 ॥ मानवञ्च ॥ , 45
 ॥ मानवेद्वे ॥ , 34
 ॥ मारूतंवैश्वामित्रंवा आङ्गिरसानांवा साम
 मैधातिथंवा ॥ , 136
 ॥ मारूतञ्च ॥ , 22
 ॥ मारूतञ्चैव ॥ , 165
 ॥ मार्गीयवञ्चैव ॥ , 54
 ॥ माहावामदेव्यञ्च ॥ , 76
 ॥ मित्रावरुणयोश्चसंयोजनम् ॥ , 87
 ॥ मैधातिथम् ॥ , 95
 ॥ यमस्यार्कौद्वौ ॥ , 82
 ॥ यामञ्च ॥ , 37, 82, 122, 151
 ॥ यामम् ॥ , 146, 160, 226
 ॥ यामम्मरुताञ्चसाम ॥ , 171
 ॥ यामानित्रीणि ॥ , 188, 228

॥ यामेद्वे ॥ , 25, 39, 148
 ॥ यौक्ताश्वेद्वे ॥ , 179
 ॥ यौक्तास्रजमिन्द्रस्येन्द्रियंवा ॥ , 98
 ॥ यौधाजयञ्च ॥ , 196
 ॥ रजेराङ्गीरसस्यपदस्तोभौद्वौ ॥ , 184
 ॥ रयिष्ठञ्च ॥ , 197
 ॥ रेवञ्च ॥ , 159
 ॥ रेवञ्चैव ॥ , 160
 ॥ रौद्रेद्वे ॥ , 54
 ॥ रौरवम् ॥ , 196
 ॥ रौहितकूलियेद्वे ॥ , 59
 ॥ लौशञ्च ॥ , 151
 ॥ लौशम् ॥ , 149
 ॥ लौशेद्वे ॥ , 92
 ॥ वत्सस्यकाण्वस्य सामनीद्वे
 गौतमस्यवामनार्ये ॥ , 99
 ॥ वत्सस्यकाण्वस्यसामनीद्वे ॥ , 20
 ॥ वमृस्यवैखानसस्यसाम ॥ , 36
 ॥ वरुणसामच ॥ , 86
 ॥ वरुणसामानित्रीणि ॥ , 101
 ॥ वरूणसामनीद्वे द्यावापृथिव्योर्वासामनी ॥ ,
 144
 ॥ वरूणान्याश्चसाम ॥ , 138
 ॥ वषट्कारनिधनञ्च साकमश्वम् ॥ , 101
 ॥ वसिष्ठस्य वज्राणि त्रीणि ॥ , 112
 ॥ वसिष्ठस्यचनिह्वम् ॥ , 119
 ॥ वसिष्ठस्यचप्लवम् ॥ , 196
 ॥ वसिष्ठस्यचवीङ्गम् ॥ , 35
 ॥ वसिष्ठस्यचवैराजे ॥ , 160
 ॥ वसिष्ठस्यचापदासे ॥ , 194
 ॥ वसिष्ठस्यजनित्रेद्वे ॥ , 95, 186
 ॥ वसिष्ठस्यपदेद्वे ॥ , 230
 ॥ वसिष्ठस्यप्रमंहिष्ठीयानिचत्वारि ॥ , 50
 ॥
 वसिष्ठस्यवीकानिचत्वारिन्द्रस्यवाप्रियाणिआकूपाराणिवा
 , 132
 ॥ वसिष्ठस्यशकूनः ॥ , 177
 ॥ वसिष्ठस्यसङ्गमौद्वौसौहविषाणित्रीणि
 सर्वाणिवासौहविषाणि ॥ , 152
 ॥ वसिष्ठस्यां कुशौद्वौ ॥ , 125
 ॥ वसिष्ठस्यानुपदेद्वे ॥ , 230
 ॥ वसिष्ठस्यापामीवेद्वे वायोर्वाभिकृन्दौ ॥ , 228
 ॥ वसिष्ठस्याभरेद्वे ॥ , 164
 ॥ वसुरोचिषस्सौर्यवर्चस्यसामनीद्वे ॥ , 26

॥ वाकानित्रीणि ॥ , 152
 ॥ वाक्रतुरञ्च ॥ , 171
 ॥ वाक्रतुरम् ॥ , 126
 ॥ वाचश्चसाम ॥ , 110, 114
 ॥ वाचस्सामनीद्वे ॥ , 75, 165, 215
 ॥ वाचस्सामानित्रीणि ॥ , 238
 ॥ वाजजिच्चा ॥ , 204
 ॥ वाजिजितौद्वौ ॥ , 224
 ॥ वाजिदापर्यञ्च ॥ , 68
 ॥ वाजिनाञ्चसाम ॥ , 153, 154
 ॥ वात्सप्राणित्रीणि ॥ , 121
 ॥ वामदेव्यञ्च ॥ , 38, 112, 137
 ॥ वामदेव्यम् ॥ , 129
 ॥ वाम्नाणित्रीणि ॥ , 97, 100
 ॥ वाक्जभञ्च ॥ , 49
 ॥ वार्शानित्रीणि ॥ , 191
 ॥ वार्षाहरम् ॥ , 191
 ॥ वार्षाहरेद्वे ॥ , 64
 ॥ वासिष्ठञ्च ॥ , 125
 ॥ वासिष्ठम् ॥ , 217
 ॥ वासिष्ठानि त्रीणि भार्गवं वा तृतीयम् ॥ ,
 102
 ॥ वासिष्ठानित्रीणि ॥ , 99
 ॥ वासिष्ठानिषट् ॥ , 211
 ॥ वासिष्ठेद्वे ॥ , 236
 ॥ वासुमन्देद्वे ॥ , 164
 ॥ वासोक्रञ्च ॥ , 40
 ॥ विरूपस्य समिचीन प्राचीनेद्वे ॥ , 98
 ॥ विरूपस्यचतन्त्रे ॥ , 226
 ॥ विश्वामित्रस्यचार्दः ॥ , 167
 ॥ विश्वामित्रस्यचैवात्यर्दः ॥ , 167
 ॥ विष्णोररणीद्वे ॥ , 202
 ॥ विष्णोश्चसाम ॥ , 87
 ॥ विस्पर्धञ्च ॥ , 35
 ॥ वेणोर्विशालेद्वे ॥ , 209
 ॥ वैखानसम् ॥ , 96
 ॥ वैतहव्यञ्च ॥ , 80
 ॥ वैतहव्यानि त्रीणि ॥ , 69
 ॥ वैदन्वतञ्च ॥ , 121
 ॥ वैदन्वतम् ॥ , 148
 ॥ वैदन्वतानिचत्वारि
 ऋषभोवावैदन्वतश्चतुर्थः ॥ , 184
 ॥ वैनसोमकृतवेद्वे ॥ , 198
 ॥ वैरूपञ्च ॥ , 82, 84, 109

॥ वैरूपम् ॥ , 145
 ॥ वैरूपाणित्रीणि ॥ , 107, 143
 ॥ वैरूपेच ॥ , 117
 ॥ वैरूपेचदेवानांवाञ्जसायिनी ॥ , 191
 ॥ वैर्यश्च ॥ , 76
 ॥ वैर्यश्चम् ॥ , 113
 ॥ वैश्यज्योतिषेच ॥ , 39
 ॥ वैश्वज्योतिषाणित्रीणि ॥ , 214
 ॥ वैश्वदेवश्च ॥ , 117
 ॥ वैश्वदेवश्चैव ॥ , 205
 ॥ वैश्वदेवेच ॥ , 181, 204
 ॥ वैश्वदेवेद्वे ॥ , 178, 233
 ॥ वैश्वमनसश्च ॥ , 21
 ॥ वैश्वमनसश्चादित्यसामवा ॥ , 18
 ॥ वैश्वमनसम् ॥ , 157
 ॥ वैश्वम्नसश्च ॥ , 25
 ॥ वैश्वामित्रश्च ॥ , 21, 133, 165, 168, 189
 ॥ वैश्वामित्रम् ॥ , 127, 133
 ॥ वैश्वामित्रेच ॥ , 79
 ॥ वैष्टम्भश्चैव ॥ , 181
 ॥ वैष्टम्भेद्वे ॥ , 180
 ॥ वैष्टम्भेद्वे ॥ , 103
 ॥ वैष्णवानि त्रीणि इहद्वाम दैवोदासन्तृतीयं
 और्ध्वसन्नानिवा ॥ , 71
 ॥ शय्यातानित्रीणि ॥ , 56
 ॥ शाकपूतश्च ॥ , 135
 ॥ शाकपूतेद्वे ॥ , 137
 ॥ शाकलम् ॥ , 58
 ॥ शार्करेद्वे ॥ , 161
 ॥ शार्मदे द्वे ॥ , 186
 ॥ शुक्लएकम् ॥ , 94
 ॥ शैखण्डिनश्च ॥ , 80
 ॥ शैखण्डिनीत्रीणि ॥ , 130
 ॥ शैखण्डिनेद्वे ॥ , 130, 140
 ॥ शैतन्तृतीयम् ॥ , 91
 ॥ शैतेष्याणिचत्वारि ॥ , 239
 ॥ शैरीषेच ॥ , 19
 ॥ शैरीषेद्वे ॥ , 142
 ॥ शैशवेद्वे ॥ , 176
 ॥ शौक्तसामनीद्वे ॥ , 64
 ॥ शौक्तानि त्रीणि शुक्लानिवा आश्वानिवा ॥ , 106

॥ शौक्तानित्रीणि ॥ , 69, 237
 ॥ शौक्तानिपञ्च ॥ , 232
 ॥ शौनश्शेषश्च ॥ , 79
 ॥ श्राभाशौष्टेद्वे ॥ , 21
 ॥ श्रौष्टाणित्रीणि ॥ , 216
 ॥ श्यावाश्च ॥ , 37, 84, 193, 218
 ॥ श्यावाश्चस्यप्रहितौद्वौ ॥ , 47
 ॥ श्यावाश्चेद्वे ॥ , 67, 80
 ॥ श्येनश्च ॥ , 40
 ॥ श्रायन्तीयश्च ॥ , 105
 ॥ श्रुष्टिगवश्च ॥ , 104
 ॥ श्रुष्टीगवम् ॥ , 28
 ॥ श्रौतकक्षेद्वे ॥ , 55
 ॥ श्रौतश्च ॥ , 84
 ॥ श्रौतर्वणश्च ॥ , 43
 ॥ श्रौतर्षाणित्रीणि ॥ , 19
 ॥ संश्रवसे वीश्रवसे सत्यश्रवसे श्रवस
 इतिवार्यानां सामानिचत्वारी
 सांशानानिवा ॥ , 102
 ॥ संहितश्च ॥ , 177
 ॥ संहितश्चैव ॥ , 178
 ॥ सत्यश्रवसोवार्यश्चसाम ॥ , 150
 ॥ सन्तनिच ॥ , 240
 ॥ सन्नतेद्वे ॥ , 91
 ॥ सभानित्रीणि ॥ , 236
 ॥ समन्तानित्रीणिअग्नेरेकमिन्द्राग्न्योर्वाप्रजापतेर्वावरुण
 , 36
 ॥ समुद्रस्यच प्रैयमेधस्य साम ॥ , 117
 ॥ सराधसःप्रराधस्यश्चाङ्गिरसयोस्सामानित्रीणि ॥ , 157
 ॥ सवितुश्चसाम ॥ , 78, 171
 ॥ साकमश्चन्धुरांवासाम ॥ , 81
 ॥ साकमश्चस्यशौनःशेषेःसामनी द्वे ॥ , 20
 ॥ सात्यम् ॥ , 96
 ॥ साध्रश्च ॥ , 51
 ॥ साध्राणि त्रीणि ॥ , 97
 ॥ सामराजानित्रीणि विशालानिवा उद्वन्तिवा
 सम्पद्वा तृतीयम् ॥ , 225
 ॥ सावित्राणिषट्त्रैयमेधानिवा ॥ , 128
 ॥ सुज्ञानेद्वे ॥ , 234
 ॥ सुमित्रस्यचवार्द्धश्चेस्साम ॥ , 20
 ॥ सूरूपेद्वे ॥ , 177
 ॥ सूर्यसामच ॥ , 108, 192
 ॥ सूर्यसामनीद्वे ॥ , 26

॥ सैन्धुक्षितानित्रीणि ॥ , 24, 227
 ॥ सोमसामच ॥ , 25, 89, 116, 179,
 188, 192, 193, 201, 205, 233
 ॥ सोमसामचैव ॥ , 180, 206, 222
 ॥ सोमसामनीद्वे ॥ , 124, 178, 206, 212
 ॥ सोमसामानि त्रीणि ॥ , 221
 ॥ सोमसामानिचत्वारि वासिष्ठानिवा
 मदाईनिधनानिवा त्वाष्ट्रीसामानी ॥ ,
 220
 ॥ सोमसामानिचत्वारि ॥ , 213, 235
 ॥ सोमसामानित्रीणि ॥ , 239
 ॥ सोमसामानित्रीणि ॥ , 190, 240
 ॥ सोमसामानिषट् ॥ , 202
 ॥ सोमस्ययशांसित्रीणि ॥ , 235
 ॥ सोमापौष्णञ्च ॥ , 68
 ॥ सौकृतवञ्च ॥ , 33
 ॥ सौपर्णञ्च ॥ , 18, 121
 ॥ सौपर्णानि त्रीणि ॥ , 58
 ॥ सौपर्णेद्वे ॥ , 148
 ॥ सौबभ्रवेद्वे ॥ , 112
 ॥ सौभरञ्च ॥ , 81, 114

॥ सौभराणित्रीणि ॥ , 50
 ॥ सौभरेद्वे ॥ , 144, 185
 ॥ सौमित्रञ्च ॥ , 78, 80, 84
 ॥ सौमित्राणित्रीणि ॥ , 157
 ॥ सौमित्रे ॥ , 85
 ॥ सौमित्रेद्वे ॥ , 83, 120
 ॥ सौमित्रेद्वे दैवोदासं तृतीयं श्रौतकक्षाणिवा ॥
 , 71
 ॥ सौमेधानित्रीणि पौर्वतिथानिवा ॥ , 73
 ॥ सौयवसानिचत्वारिपुनरीळवातृतीयम् ॥ ,
 161
 ॥ सौरश्मेद्वे ॥ , 123
 ॥ सौश्रवसेद्वे ॥ , 66
 ॥ स्तौभञ्च ॥ , 84
 ॥ स्वःपृष्ठञ्चैवाङ्गिरसम् ॥ , 206
 ॥ स्वःपृष्ठमाङ्गिरसम् ॥ , 205
 ॥ स्ववस आङ्गीकस्यसामनीद्वे ॥ , 103
 ॥ हारायणानि त्रीणि ॥ , 100
 ॥ हारिवर्णानिचत्वारि ॥ , 156
 ॥ हाविष्कृतेद्वे ॥ , 63
 ॥ हाविष्मतेद्वे ॥ , 62